कुटिल घर

-- अगाथा क्रिस्टी

Table of Contents

अध्याय 1
अध्याय दो
अध्याय 3
अध्याय 4
अध्याय 5
अध्याय 6
अध्याय 7
अध्याय 8
अध्याय 9
अध्याय 10
अध्याय 11
अध्याय 12
अध्याय 13
अध्याय 14
अध्याय 15
अध्याय 16
अध्याय 17
अध्याय 18
अध्याय 19
अध्याय 20
अध्याय 21

अध्याय 22
अध्याय 23
अध्याय 24
अध्याय 25
अध्याय 26

कुटिल घर

अगाथा क्रिस्टी

अध्याय 1

युद्ध के अंत के समय में मिस्र में मेरी पहली मुलाकात सोफिया लियोनिडेस से हुई। वह वहाँ विदेश कार्यालय के एक विभाग में काफी उच्च प्रशासनिक पद पर थीं। मैंने उन्हें सबसे पहले आधिकारिक तौर पर जाना और उनकी युवावस्था (उस समय उनकी उम्र मात्र बाईस वर्ष थी) के बावजूद, उस पद तक पहुँचने में उनके कौशल और दक्षता की जल्द ही सराहना की।

देखने में बेहद खूबसूरत होने के साथ-साथ, उनका दिमाग भी तेज था और उनका हास्यबोध मुझे बहुत अच्छा लगता था। हम दोस्त बन गए। उनसे बात करना बेहद आसान था और हम साथ में डिनर और कभी-कभार डांस का खूब आनंद लेते थे। यह सब तो मुझे पता था; यूरोपीय युद्ध की समाप्ति पर जब मुझे पूर्व की ओर जाने का आदेश मिला, तब मुझे एक और बात का पता चला - कि मैं सोफिया से प्यार करता था और उससे शादी करना चाहता था।

हम शेफर्ड्स में खाना खा रहे थे जब मुझे यह बात पता चली। यह मेरे लिए किसी सदमे या आश्चर्य की बात नहीं थी, बल्कि एक ऐसी सच्चाई की पहचान थी जिससे मैं लंबे समय से परिचित था। मैंने उसे नए नजरिए से देखा - लेकिन मैंने वही देखा जो मैं लंबे समय से जानता था। मुझे सब कुछ अच्छा लगा। उसके माथे से गर्व से ऊपर उठते हुए काले घने बाल, उसकी चमकीली नीली आँखें, उसकी छोटी चौकोर ठुड्डी और सीधी नाक।

मुझे उसकी अच्छी तरह से सिले हुए हल्के भूरे रंग की टेलरमेड शर्ट और साफ सफेद कमीज बहुत पसंद आई। वह देखने में एकदम अंग्रेज़ लग रही थी और तीन साल तक अपनी मातृभूमि को न देखने के बाद यह बात मुझे बेहद भा गई। मैंने सोचा, उससे ज़्यादा अंग्रेज़ कोई नहीं हो सकता - और ठीक यही सोचते हुए अचानक मेरे मन में यह सवाल आया कि क्या सच में वह उतनी अंग्रेज़ है जितनी दिखती है? क्या असलियत में कभी मंच प्रदर्शन जैसी पूर्णता हो सकती है?

मुझे यह बात तब समझ में आई जब हमने साथ में बातचीत की, विचारों पर चर्चा की, अपनी पसंद-नापसंद के बारे में बात की, भविष्य के बारे में, अपने करीबी दोस्तों और परिचितों के बारे में बात की - सोफिया ने कभी भी अपने घर या अपने परिवार का जिक्र नहीं किया था।

वह मेरे बारे में सब कुछ जानती थी (जैसा कि मैंने बताया है, वह एक अच्छी श्रोता थी), लेकिन उसके बारे में मुझे कुछ भी पता नहीं था। मेरा मानना था कि उसकी पृष्ठभूमि भी आम लोगों जैसी ही थी, लेकिन उसने कभी इसके बारे में बात नहीं की थी। और इस पल तक मुझे इस बात का एहसास भी नहीं हुआ था।
सोफिया ने मुझसे पूछा कि मैं क्या सोच रही हूँ।
मैंने सच-सच जवाब दिया: "तुम।"
"मैं समझ गई," उसने कहा। और उसकी आवाज़ से ऐसा लग रहा था मानो वह सचमुच समझ गई हो।
मैंने कहा, "शायद हम कुछ सालों तक दोबारा न मिलें। मुझे नहीं पता कि मैं इंग्लैंड कब लौटूँगा। लेकिन लौटते ही सबसे पहले मैं तुमसे मिलने आऊँगा और तुमसे शादी का प्रस्ताव रखूँगा।" उसने बिना पलक झपकाए मेरी बात मान ली। वह वहाँ बैठी सिगरेट पी रही थी, मेरी तरफ देख भी नहीं रही थी। एक-दो पल के लिए मुझे डर लगा कि कहीं वह मेरी बात न समझ पाए।
"सुनो," मैंने कहा। "एक बात जो मैं बिल्कुल नहीं करना चाहता, वो है तुमसे अभी शादी का प्रस्ताव रखना। वैसे भी इससे कोई फायदा नहीं होगा। पहले तो तुम मुझे मना कर दोगी, और फिर मैं दुखी होकर चला जाऊंगा और शायद अपनी शान बचाने के लिए किसी घटिया औरत से रिश्ता बना लूंगा। और अगर तुमने मुझे मना नहीं किया तो हम क्या करेंगे? शादी करके तुरंत अलग हो जाएंगे? सगाई करके लंबे इंतजार में फंस जाएंगे? मैं तुम्हारा ये सब बर्दाश्त नहीं कर सकता। तुम किसी और से मिल सकती हो और मेरे प्रति 'वफादार' रहने के लिए मजबूर महसूस कर सकती हो। हम एक अजीब से भागदौड़ भरे माहौल में जी रहे हैं, जहां हर चीज़ जल्दी-जल्दी हो रही है। हमारे चारों ओर शादियां और प्रेम संबंध बन रहे हैं और टूट रहे हैं। मैं चाहता हूं कि तुम घर जाओ, आज़ाद और आत्मनिर्भर, अपने आस-पास देखो, युद्ध के बाद की इस नई दुनिया को समझो और तय करो कि तुम्हें इससे क्या चाहिए। सोफिया, तुम्हारे और मेरे बीच जो है, वो स्थायी होना चाहिए। मुझे किसी और तरह की शादी से कोई मतलब नहीं है।"
"अब मेरे पास नहीं है," सोफिया ने कहा।

"दूसरी ओर," मैंने कहा, "मुझे लगता है कि मुझे आपको यह बताने का अधिकार है कि मैं कैसा महसूस करता हूँ।"
"लेकिन अनावश्यक काव्यात्मक अभिव्यक्ति के बिना?" सोफिया ने धीरे से कहा।
"डार्लिंग - क्या तुम समझ नहीं रही हो? मैंने तुमसे 'आई लव यू' न कहने की कोशिश की है -"
उसने मुझे रोक दिया।
"मैं समझता हूँ, चार्ल्स। और मुझे तुम्हारा काम करने का मजाकिया तरीका पसंद है। और जब तुम वापस आओगे तो मुझसे मिलने आ सकते हो - अगर तुम तब भी आना चाहो तो।"
अब मेरी बारी थी टोकने की।
इसमें कोई शक नहीं है।
"चार्ल्स, हर चीज़ को लेकर हमेशा संदेह बना रहता है। कोई न कोई ऐसा अनिश्चित कारक ज़रूर हो सकता है जो सब कुछ बिगाड़ दे। एक बात तो यह है कि तुम मेरे बारे में ज़्यादा नहीं जानते, है ना?"
मुझे तो यह भी नहीं पता कि आप इंग्लैंड में कहाँ रहते हैं।
मैं स्विनली डीन में रहता हूँ।
लंदन के उस प्रसिद्ध बाहरी उपनगर का जिक्र सुनकर मैंने सिर हिलाया, जहां शहर के वित्तीय कारोबारियों के लिए तीन उत्कृष्ट गोल्फ कोर्स हैं।
उसने धीमी, चिंतनशील आवाज में कहा: "एक छोटे से टेढ़े-मेढ़े घर में..."
मैं शायद थोड़ा चौंक गया था, क्योंकि वह मुस्कुराई और उसने उद्धरण को विस्तार से समझाते हुए कहा, "'और वे सब एक छोटे से टेढ़े-मेढ़े घर में साथ रहते थे।' हमारा घर भी वैसा ही है। वैसे तो हमारा घर इतना छोटा नहीं है। लेकिन निश्चित रूप से टेढ़ा-मेढ़ा है - छज्जे तक फैला हुआ और आधा लकड़ी का बना हुआ!"
"क्या आप एक बड़े परिवार से हैं? क्या आपके भाई-बहन हैं?"
"एक भाई, एक बहन, एक माँ, एक पिता, एक चाचा, एक वैवाहिक चाची, एक दादा, एक बड़ी चाची और एक सौतेली दादी।"
"हे भगवान!" मैंने थोड़ा अभिभूत होकर कहा।
वह हंसी।

"हम आम तौर पर एक साथ नहीं रहते। युद्ध और बमबारी ने ऐसा कर दिया है - लेकिन मुझे नहीं पता -" उसने सोचते हुए माथे पर शिकन डाली - "शायद आध्यात्मिक रूप से परिवार हमेशा से एक साथ रहा है - मेरे दादाजी की देखरेख और संरक्षण में। मेरे दादाजी वाकई एक अनोखे इंसान हैं। उनकी उम्र अस्सी साल से ज़्यादा है, लंबाई लगभग चार फुट दस इंच है, और उनके सामने बाकी सब फीके लगते हैं।"
मैंने कहा, "वह दिलचस्प लगता है।"
"वह दिलचस्प व्यक्ति हैं। वह स्मिरना के रहने वाले एक यूनानी हैं। एरिस्टाइड लियोनाइड्स।" उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, "वह बेहद अमीर हैं।"
"क्या यह सब खत्म होने के बाद कोई अमीर बचेगा?"
सोफिया ने विश्वासपूर्वक कहा, "मेरे दादाजी ऐसा करेंगे। अमीरों पर कर लगाने की कोई भी रणनीति उन पर असर नहीं करेगी। वे तो कर वसूलने वालों को ही कर देंगे।"
उसने आगे कहा, "मुझे आश्चर्य है कि क्या आप उसे पसंद करेंगे?"
"क्या तुम ऐसा करते हो?" मैंने पूछा।
सोफिया ने कहा, "दुनिया में किसी से भी बेहतर।"

अध्याय दो

इंग्लैंड लौटने में मुझे दो साल से ज़्यादा का समय लग गया। वे साल आसान नहीं थे। मैं सोफिया को चिट्ठियाँ लिखता था और उससे अक्सर चिट्ठियाँ सुनता था। मेरी तरह उसकी चिट्ठियाँ भी प्रेम पत्र नहीं थीं। वे करीबी दोस्तों की चिट्ठियाँ थीं - उनमें विचारों, भावनाओं और रोज़मर्रा की ज़िंदगी की बातों पर चर्चा होती थी। फिर भी मुझे पता है कि जहाँ तक मेरा सवाल था, और मुझे विश्वास है कि सोफिया का भी, हमारे बीच प्यार बढ़ता और मज़बूत होता गया।

सितंबर के एक सुहावने, धुंधले दिन में मैं इंग्लैंड लौटा। शाम की रोशनी में पेड़ों के पत्ते सुनहरे लग रहे थे। हवा के हल्के-हल्के झोंके चल रहे थे। हवाई अड्डे से मैंने सोफिया को एक टेलीग्राम भेजा।

"अभी-अभी लौटा हूँ। क्या आप आज शाम नौ बजे मारियो के यहाँ खाना खाएँगे? चार्ल्स।"

कुछ घंटों बाद मैं टाइम्स अखबार पढ़ रहा था; और जन्म, विवाह और मृत्यु के कॉलम को देखते हुए मेरी नजर लियोनाइड्स नाम पर पड़ी:

19 सितंबर को, थ्री गेबल्स, स्विनली डीन में, एरिस्टाइड लियोनाइड्स, ब्रेंडा लियोनाइड्स के प्रिय पति, का 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से हमें गहरा शोक है।

इसके ठीक नीचे एक और घोषणा थी:

एरिस्टाइड लियोनाइड्स का निधन अचानक उनके निवास स्थान थ्री गेबल्स, स्विनली डीन में हो गया। उनके प्रिय पुत्र और पोते-पोतियां उनके निधन से गहरे शोक में हैं। कृपया स्विनली डीन स्थित सेंट एल्ड्रेड चर्च में फूल अर्पित करें।

मुझे दोनों घोषणाएँ कुछ अजीब लगीं। ऐसा प्रतीत होता है कि कर्मचारियों की कुछ गलती के कारण उनमें ओवरलैप हो गया।

लेकिन मेरी सबसे बड़ी चिंता सोफिया थी। मैंने जल्दी से उसे दूसरा टेलीग्राम भेजा: "अभी-अभी आपके दादाजी के निधन की खबर मिली। बहुत दुख हुआ। मुझे बता देना कि मैं तुमसे कब मिल सकता हूँ। चार्ल्स।"

सोफिया का एक टेलीग्राम मुझे शाम छह बजे मेरे पिता के घर पर मिला। उसमें लिखा था:

"मैं नौ बजे मारियो के यहाँ रहूँगी। सोफिया।"
सोफिया से दोबारा मिलने के ख्याल से मैं घबरा भी रही थी और उत्साहित भी। समय बड़ी धीमी गति से बीत रहा था। मैं मारियो के यहाँ बीस मिनट पहले ही पहुँच गई थी। सोफिया खुद सिर्फ पाँच मिनट लेट आई थी।
किसी ऐसे व्यक्ति से दोबारा मिलना हमेशा एक सुखद आश्चर्य होता है जिसे आपने लंबे समय से नहीं देखा हो, लेकिन जो उस दौरान आपके मन में हमेशा बसा रहा हो। जब सोफिया झूलते दरवाजों से अंदर आई, तो हमारी मुलाकात बिल्कुल अवास्तविक सी लगी। उसने काले कपड़े पहने थे, और यह बात मुझे किसी अजीब तरीके से चौंका गई! ज़्यादातर दूसरी महिलाओं ने काले कपड़े पहने थे, लेकिन मैंने मन में ठान लिया कि यह शोक का समय होगा - और मुझे आश्चर्य हुआ कि सोफिया जैसी कोई व्यक्ति, यहाँ तक कि अपने करीबी रिश्तेदार के लिए भी, काले कपड़े पहन सकती है।
हमने कॉकटेल पी और फिर जाकर अपनी टेबल ढूंढ ली। हम काहिरा के दिनों के पुराने दोस्तों के बारे में पूछते हुए तेज़ी से और जोश से बातें करने लगे। यह बनावटी बातचीत थी, लेकिन इससे शुरुआती असहजता कुछ हद तक दूर हो गई।
मैंने उसके दादाजी के निधन पर संवेदना व्यक्त की और सोफिया ने धीरे से कहा कि यह 'बहुत अचानक' हुआ था। फिर हम दोबारा पुरानी यादें ताजा करने लगे। मुझे बेचैनी से महसूस होने लगा कि कुछ गड़बड़ है - मेरा मतलब है, दोबारा मिलने की स्वाभाविक झिझक के अलावा कुछ और।
सोफिया के साथ कुछ तो गड़बड़ थी, निश्चित रूप से कुछ गड़बड़ थी। क्या वह शायद मुझे यह बताने वाली थी कि उसे कोई और आदमी मिल गया है जिसकी वह मुझसे ज़्यादा परवाह करती है? कि मेरे लिए उसकी भावनाएँ 'पूरी तरह से एक गलती' थीं? मुझे किसी तरह यह नहीं लगा कि यह वह है - मुझे पता ही नहीं था कि यह क्या है। इसी बीच हमने अपनी बनावटी बातचीत जारी रखी।
फिर, अचानक ही, जब वेटर ने मेज पर कॉफी रखी और झुककर विदा ली, तो सब कुछ स्पष्ट हो गया। सोफिया और मैं एक रेस्तरां में एक छोटी सी मेज पर, पहले की तरह ही साथ बैठे थे। हमारे बीच के ये वर्षों का अलगाव शायद कभी हुआ ही न होता।
"सोफिया," मैंने कहा।
और उसने तुरंत कहा, "चार्ल्स!"

मैंने राहत की गहरी सांस ली।
मैंने कहा, "शुक्र है, यह सब खत्म हो गया। आखिर हमारे साथ क्या गड़बड़ थी?"
"शायद मेरी ही गलती थी। मैं बेवकूफ था।"
"लेकिन अब तो सब ठीक है?"
"हां, अब सब ठीक है।"
हम दोनों ने एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराया।
"डार्लिंग!" मैंने कहा। और फिर: "तुम मुझसे शादी कब करोगी?"
उसकी मुस्कान गायब हो गई। वह कुछ, जो भी था, वापस आ गया था।
"मुझे नहीं पता," उसने कहा। "मुझे यकीन नहीं है, चार्ल्स, कि मैं कभी तुमसे शादी कर पाऊंगी।"
"लेकिन सोफिया! क्यों नहीं? क्या इसलिए कि तुम्हें लगता है कि मैं अजनबी हूँ? क्या तुम मुझे फिर से समझने के लिए समय चाहती हो? क्या कोई और है? नहीं-" मैंने बात अधूरी छोड़ दी। "मैं मूर्ख हूँ। इनमें से कोई बात नहीं है।"
"नहीं, ऐसा नहीं है।" उसने सिर हिलाया। मैं इंतज़ार करता रहा। उसने धीमी आवाज़ में कहा:
"यह मेरे दादाजी की मृत्यु है।"
"तुम्हारे दादाजी की मृत्यु? लेकिन क्यों? इससे भला क्या फर्क पड़ सकता है? तुम्हारा मतलब कहीं पैसा तो नहीं है? क्या उन्होंने कुछ छोड़ा भी नहीं? लेकिन प्रियतम, ज़रूर..."
"यह पैसों की बात नहीं है।" उसने हल्की सी मुस्कान दी। "मुझे लगता है कि आप मुझे मेरी शिफ्ट में काम पर रखने के लिए तैयार होंगे, जैसा कि पुरानी कहावत है। और दादाजी ने अपने जीवन में कभी पैसे नहीं गंवाए।"
"ओर भला क्या?"
"यह तो बस उनकी मृत्यु है - देखिए, चार्ल्स, मुझे लगता है कि उनकी मृत्यु यूं ही नहीं हुई। मुझे लगता है कि उनकी हत्या की गई होगी..."
मैंने उसे घूर कर देखा।
"लेकिन - यह तो बहुत ही शानदार विचार है। आपको यह विचार कैसे आया?"

"मैंने इसके बारे में सोचा ही नहीं था। डॉक्टर शुरू से ही अजीब था। उसने सर्टिफिकेट पर साइन करने से इनकार कर दिया। वे पोस्टमार्टम करवाने जा रहे हैं। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि उन्हें कुछ गड़बड़ होने का शक है।"
मैंने उससे इस बात पर कोई बहस नहीं की। सोफिया बहुत बुद्धिमान थी; उसने जो भी निष्कर्ष निकाले थे, उन पर भरोसा किया जा सकता था।
इसके बजाय मैंने गंभीरता से कहा: "उनके संदेह पूरी तरह से निराधार हो सकते हैं। लेकिन इसे एक तरफ रख दें, मान लें कि वे उचित हैं, तो इससे आप और मुझ पर क्या प्रभाव पड़ता है?"
"कुछ परिस्थितियों में ऐसा हो सकता है। आप राजनयिक सेवा में हैं। वे पत्नियों के मामले में काफी सतर्क रहते हैं। नहीं - कृपया वो सब बातें न कहें जो आप कहने के लिए बेताब हैं। आप उन्हें कहेंगी ही - और मुझे विश्वास है कि आप वास्तव में ऐसा सोचती हैं - और सैद्धांतिक रूप से मैं उनसे पूरी तरह सहमत भी हूँ। लेकिन मुझे गर्व है - मुझे हद से ज्यादा गर्व है। मैं चाहती हूँ कि हमारा विवाह सबके लिए अच्छा हो - मैं प्यार के लिए बलिदान का हिस्सा नहीं बनना चाहती! और, जैसा कि मैंने कहा, शायद सब ठीक हो जाए..."
"आपका मतलब है कि डॉक्टर से कोई गलती हो सकती है?"
"भले ही उसने कोई गलती न की हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा - जब तक कि उसे सही व्यक्ति ने न मारा हो।"
"सोफिया, तुम्हारा क्या मतलब है?"
"यह कहना बहुत ही घटिया बात थी। लेकिन, आखिरकार, ईमानदारी ही सबसे बेहतर है।"
उसने मेरे अगले शब्दों को रोक दिया।
"नहीं, चार्ल्स, मैं अब और कुछ नहीं कहूँगी। शायद मैंने पहले ही बहुत कुछ कह दिया है। लेकिन मैं आज रात आपसे मिलने के लिए दृढ़ थी - आपसे खुद मिलने और आपको समझाने के लिए। जब तक यह मामला सुलझ नहीं जाता, तब तक हम कुछ भी तय नहीं कर सकते।"
"कम से कम मुझे इसके बारे में बता तो दो।"
उसने अपना सिर हिलाया।

मैं ऐसा नहीं करना चाहता।
"लेकिन - सोफिया -"
"नहीं, चार्ल्स। मैं नहीं चाहती कि तुम हमें मेरे नजरिए से देखो। मैं चाहती हूं कि तुम हमें बिना किसी पूर्वाग्रह के, बाहरी दृष्टिकोण से देखो।"
और मैं ऐसा कैसे करूँ?
उसने मेरी तरफ देखा, उसकी चमकदार नीली आँखों में एक अजीब सी चमक थी।
"तुम्हें यह अपने पिता से मिलेगा," उसने कहा।
मैंने काहिरा में सोफिया को बताया था कि मेरे पिता स्कॉटलैंड यार्ड में सहायक आयुक्त थे। वे अभी भी उस पद पर कार्यरत थे। उसकी ये बातें सुनकर मुझे एक अजीब सी उदासी छा गई।
"तो क्या बात इतनी ही बुरी है?"
"मुझे ऐसा लगता है। क्या आपको दरवाजे के पास एक मेज पर अकेला बैठा हुआ एक आदमी दिखाई दे रहा है - दिखने में अच्छा, गंभीर स्वभाव वाला, पूर्व-सैनिक जैसा?"
"हाँ।"
"आज शाम जब मैं ट्रेन में चढ़ा तो वह स्विनली डीन प्लेटफॉर्म पर था।"
"क्या तुम्हारा मतलब है कि वह तुम्हारा पीछा करते हुए यहां तक आया है?"
"हाँ। मुझे लगता है कि हम सब - इसे कैसे कहें? - निगरानी में हैं। उन्होंने लगभग इशारा कर दिया था कि हम सब घर से बाहर न निकलें तो बेहतर होगा। लेकिन मैं आपसे मिलने के लिए दृढ़ संकल्पित थी।"
उसकी छोटी चौकोर ठुड्डी आक्रामक ढंग से बाहर निकल आई।
"मैं बाथरूम की खिड़की से बाहर निकला और पानी के पाइप पर पैर रखकर नीचे उतरा।"
"प्रिय!"
"लेकिन पुलिस बहुत ही कुशल है। और हाँ, मैंने तुम्हें जो टेलीग्राम भेजा था वो भी था। खैर - छोड़ो - हम यहाँ हैं - साथ में... लेकिन अब से हम दोनों को अकेले ही सब कुछ संभालना होगा।"

वह थोड़ी देर रुकी और फिर बोली: "दुर्भाग्यवश - इसमें कोई संदेह नहीं है - कि हम एक दूसरे से प्यार करते हैं।"
"बिल्कुल," मैंने कहा। "और दुर्भाग्य से मत कहो। तुम और मैं एक विश्व युद्ध से बच गए हैं, हम कई बार अचानक मौत के मुंह से बाल-बाल बचे हैं - और मुझे समझ नहीं आता कि सिर्फ एक बूढ़े आदमी की अचानक मौत में क्या बुराई है - वैसे, उसकी उम्र कितनी थी?"
"पचासी।"
"बिल्कुल। यह टाइम्स में छपा था। अगर आप मुझसे पूछें तो, उनकी मृत्यु बुढ़ापे के कारण हुई, और कोई भी स्वाभिमानी सामान्य चिकित्सक इस तथ्य को स्वीकार करेगा।"
सोफिया ने कहा, "अगर आप मेरे दादाजी को जानते, तो आपको उनकी किसी भी वजह से मौत होने पर आश्चर्य होता!"

अध्याय 3

मुझे हमेशा से अपने पिता के पुलिस कार्य में कुछ हद तक रुचि रही थी, लेकिन किसी भी चीज ने मुझे उस क्षण के लिए तैयार नहीं किया था जब मुझे इसमें प्रत्यक्ष और व्यक्तिगत रुचि लेनी पड़ेगी।

मैंने अभी तक बूढ़े आदमी को नहीं देखा था। जब मैं पहुँचा तो वह बाहर थे, और नहाने, दाढ़ी बनाने और कपड़े बदलने के बाद मैं सोफिया से मिलने चला गया था। लेकिन जब मैं घर लौटा, तो ग्लोवर ने मुझे बताया कि वह अपने अध्ययन कक्ष में हैं। वह अपनी डेस्क पर ढेर सारे कागजों को देखते हुए माथे पर शिकन लिए बैठा था। मेरे आते ही वह उछल पड़ा।

"चार्ल्स! वाह, वाह, बहुत समय हो गया।"

पांच साल के युद्ध के बाद हमारी यह मुलाकात एक फ्रांसीसी को निराश कर देती। दरअसल, पुनर्मिलन की सारी भावनाएँ मौजूद थीं। मैं और मेरे पिताजी एक-दूसरे को बहुत पसंद करते हैं और एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं।

"मेरे पास थोड़ी व्हिस्की है," उसने कहा। "बताओ कब। माफ करना, जब तुम यहाँ आए थे तब मैं बाहर था। मैं काम में बहुत व्यस्त हूँ। एक बहुत ही जटिल मामला अभी सामने आ रहा है।"

मैं कुर्सी पर पीछे झुक गया और एक सिगरेट जला ली।

"एरिस्टाइड लियोनाइड्स?" मैंने पूछा।

उनकी भौंहें झट से उनकी आंखों पर झुक गईं। उन्होंने मुझे एक सरसरी निगाह से देखा। उनकी आवाज विनम्र और दृढ़ थी।

"अब तुम ऐसा क्यों कह रहे हो, चार्ल्स?"

"तो क्या मैं सही हूँ?"

आपको इसके बारे में कैसे पता चला?

"जानकारी प्राप्त हुई।"

बूढ़ा व्यक्ति इंतजार करता रहा।

मैंने कहा, "मेरी जानकारी सीधे अस्तबल से मिली है।"

"चलो चार्ल्स, शुरू करते हैं।"

मैंने कहा, "शायद आपको यह पसंद न आए। मैं सोफिया लियोनिडेस से काहिरा में मिला था। मुझे उससे प्यार हो गया। मैं उससे शादी करने जा रहा हूँ। मैं उससे आज रात मिला था। उसने मेरे साथ खाना खाया था।"
"आपके साथ डिनर किया? लंदन में? मुझे आश्चर्य है कि उसने यह कैसे किया? परिवार को - बड़ी विनम्रता से - वहीं रहने के लिए कहा गया था।"
"बिल्कुल सही। वह बाथरूम की खिड़की से एक पाइप के सहारे नीचे उतरी।"
बूढ़े आदमी के होंठ एक पल के लिए मुस्कुरा उठे।
उन्होंने कहा, "वह एक होनहार युवती प्रतीत होती है।"
"लेकिन आपकी पुलिस पूरी तरह से सक्षम है," मैंने कहा। "एक अच्छे फौजी ने उसका पीछा करते हुए उसे मारियो के यहाँ तक पहुँचाया। मेरा नाम आपको मिलने वाली रिपोर्टों में ज़रूर होगा। लंबाई 5 फुट 1 इंच, भूरे बाल, भूरी आँखें, गहरे नीले रंग का पिन-स्ट्राइप सूट वगैरह।"
बूढ़े आदमी ने मुझे घूरकर देखा।
"क्या यह वाकई गंभीर है?" उसने पूछा।
"हां," मैंने कहा। "यह गंभीर मामला है, पिताजी।"
कुछ क्षणों के लिए सन्नाटा छा गया।
मैंने पूछा, "क्या आपको कोई आपत्ति है?"
"मुझे एक हफ्ते पहले कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए थी। वे एक प्रतिष्ठित परिवार हैं - लड़की के पास पैसा होगा - और मैं तुम्हें जानता हूँ। तुम इतनी आसानी से अपना आपा नहीं खोते। वैसे भी -"
"हां पिताजी?"
"अगर ऐसा हो तो शायद सब ठीक हो जाएगा -"
"अगर?"
"अगर सही व्यक्ति ने ऐसा किया हो।"
उस रात मैंने वह वाक्यांश दूसरी बार सुना था। मुझे उसमें दिलचस्पी होने लगी।
"सही व्यक्ति कौन है?"
उसने मेरी तरफ तीखी नजर डाली।
आपको इस सब के बारे में कितना पता है?

"कुछ नहीं।"
"कुछ नहीं?" वह आश्चर्यचकित होकर बोला। "क्या लड़की ने तुम्हें नहीं बताया?"
"नहीं... उसने कहा कि वह चाहती है कि मैं यह सब बाहर से देखूं।"
"अब मुझे आश्चर्य होता है कि ऐसा क्यों हुआ?"
"क्या यह बात स्पष्ट नहीं है?"
"नहीं, चार्ल्स। मुझे नहीं लगता कि ऐसा है।"
वह भौंहें चढ़ाकर इधर-उधर घूम रहा था। उसने एक सिगार जलाया था और वह बुझ गया था। इससे मुझे पता चल गया कि वह बूढ़ा आदमी कितना परेशान था।
"तुम इस परिवार के बारे में कितना जानते हो?" उसने मुझसे तीखे स्वर में पूछा।
"धिक्कार है! मुझे पता है कि वहाँ एक बूढ़ा आदमी था और बहुत सारे बेटे, पोते-पोतियाँ और ससुराल वाले थे। मुझे इसके परिणाम स्पष्ट रूप से समझ नहीं आ रहे हैं।"
मैं थोड़ी देर रुका और फिर बोला, "पिताजी, मुझे भी इसमें शामिल कर लीजिएगा।"
"जी हां।" वह बैठ गया। "बहुत अच्छा - मैं शुरुआत से शुरू करता हूं - एरिस्टाइड लियोनाइड्स से। वह चौबीस वर्ष की आयु में इंग्लैंड पहुंचे थे।"
"स्मिर्ना का एक यूनानी।"
"क्या आपको इतनी जानकारी है?"
"हां, लेकिन मुझे बस इतना ही पता है।"
दरवाजा खुला और ग्लोवर अंदर आकर कहने लगा कि चीफ इंस्पेक्टर टैवर्नर यहाँ आए हैं।
मेरे पिता ने कहा, "वह इस मामले का प्रभारी है। हमें उसे बुला लेना चाहिए। वह परिवार पर नजर रख रहा है। वह उनके बारे में मुझसे ज्यादा जानता है।"
मैंने पूछा कि क्या स्थानीय पुलिस ने यार्ड में फोन किया था।
"यह हमारे अधिकार क्षेत्र में आता है। स्विनली डीन ग्रेटर लंदन का हिस्सा है।"
मुख्य निरीक्षक टैवर्नर के कमरे में आते ही मैंने सिर हिलाकर अभिवादन किया। मैं टैवर्नर को कई वर्षों से जानता था। उन्होंने मेरा गर्मजोशी से स्वागत किया और मेरी सुरक्षित वापसी पर मुझे बधाई दी।

"मैं चार्ल्स को भी इसमें शामिल कर रहा हूँ," बूढ़े आदमी ने कहा। "अगर मैं गलत हूँ तो मुझे सुधार देना, सराय मालिक। लियोनिडेस 1884 में लंदन आया था। उसने सोहो में एक छोटा सा रेस्तरां शुरू किया। उससे मुनाफा हुआ। उसने एक और खोला। जल्द ही उसके पास सात-आठ रेस्तरां हो गए। उन सभी से खूब मुनाफा हुआ।"
मुख्य निरीक्षक टैवर्नर ने कहा, "उन्होंने अपने द्वारा संभाले गए किसी भी काम में कभी कोई गलती नहीं की।"
मेरे पिता ने कहा, "उसमें स्वाभाविक प्रतिभा थी। अंततः लंदन के अधिकतर प्रसिद्ध रेस्तरां उसी के नाम थे। फिर उसने खानपान के व्यवसाय में बड़े पैमाने पर कदम रखा।"
टैवर्नर ने कहा, "वह कई अन्य व्यवसायों में भी शामिल थे। सेकंड हैंड कपड़ों का व्यापार, सस्ते गहनों की दुकानें, और भी बहुत कुछ। बेशक," उन्होंने सोच-समझकर आगे कहा। "वह हमेशा से ही एक अड़ियल इंसान थे।"
"तुम्हारा मतलब है कि वह एक बदमाश था?" मैंने पूछा।
टैवर्नर ने अपना सिर हिलाया।
नहीं, मेरा मतलब वो नहीं है। टेढ़ा ज़रूर था, पर बदमाश नहीं। उसने कभी कानून का उल्लंघन नहीं किया। पर वो ऐसा आदमी था जो कानून से बचने के सारे तरीके सोच लेता था। उसने इस तरह से पिछले युद्ध में भी खूब पैसा कमाया, और वो बूढ़ा ही था। उसका कोई भी काम कभी गैरकानूनी नहीं था - पर जैसे ही वो कोई काम शुरू करता, उसके लिए कानून बनाना ज़रूरी हो जाता, अगर आप समझ रहे हैं ना। पर तब तक वो किसी और काम में लग चुका होता था।
मैंने कहा, "वह कोई बहुत आकर्षक व्यक्ति नहीं लगता।"
"मज़े की बात यह है कि वह आकर्षक था। उसमें व्यक्तित्व था, आप जानते हैं। आप इसे महसूस कर सकते थे। दिखने में कुछ खास नहीं था। बस एक बौना - बदसूरत सा छोटा सा आदमी - लेकिन चुंबकीय - महिलाएं हमेशा उस पर फिदा हो जाती थीं।"
मेरे पिता ने कहा, "उन्होंने एक बेहद आश्चर्यजनक विवाह किया। एक ग्रामीण जमींदार की बेटी से शादी की - जो एक एम.एफ.एच. थे।"
मैंने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "पैसा?"
बूढ़े आदमी ने अपना सिर हिलाया।

नहीं, ये प्रेम विवाह था। एक दोस्त की शादी में खानपान के काम के सिलसिले में उसकी मुलाकात उससे हुई और उसे उससे प्यार हो गया। उसके माता-पिता ने उसका खूब विरोध किया, लेकिन वो उसे पाने के लिए दृढ़ थी। सच कहूँ तो, उस आदमी में गजब का आकर्षण था - उसमें कुछ अनोखा और जोशीलापन था जो उसे बहुत पसंद आया। वो अपने जैसे लोगों से ऊब चुकी थी।
और क्या वैवाहिक जीवन सुखमय था?
"यह बहुत ही सुखद था, अजीब बात है। बेशक उनके दोस्त आपस में मेलजोल नहीं रखते थे (ये वो दिन थे जब पैसे ने सभी वर्ग भेदों को मिटा नहीं दिया था) लेकिन इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता था। वे दोस्तों के बिना ही गुजारा कर लेते थे। उन्होंने स्विनली डीन में एक बेतुका सा घर बनवाया और वे वहीं रहते थे और उनके आठ बच्चे हुए।"
"यह वास्तव में एक पारिवारिक वृत्तांत है।"
"स्विंनली डीन को चुनकर लियोनाइड्स ने काफी समझदारी दिखाई थी। उस समय यह जगह बस लोकप्रिय होने लगी थी। दूसरा और तीसरा गोल्फ कोर्स अभी बने ही नहीं थे। वहां पुराने निवासी रहते थे जिन्हें अपने बगीचों से बेहद लगाव था और जो श्रीमती लियोनाइड्स को पसंद करते थे, और शहर के अमीर लोग भी रहते थे जो लियोनाइड्स के करीबी बनना चाहते थे ताकि वे अपनी पसंद के लोगों से जान-पहचान रख सकें। मेरा मानना है कि वे 1905 में निमोनिया से उनकी मृत्यु होने तक पूरी तरह खुश थे।"
"उसे आठ बच्चों के साथ छोड़ देना?"
एक की बचपन में ही मृत्यु हो गई। दो बेटे पिछले युद्ध में शहीद हो गए। एक बेटी की शादी हो गई और वह ऑस्ट्रेलिया चली गई, जहाँ उसकी मृत्यु हो गई। एक अविवाहित बेटी की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। एक और बेटी की मृत्यु एक-दो साल पहले हुई। दो जीवित हैं - सबसे बड़ा बेटा, रोजर, जिसकी शादी हो चुकी है लेकिन कोई संतान नहीं है, और फिलिप, जिसने एक प्रसिद्ध अभिनेत्री से शादी की है और उसके तीन बच्चे हैं। सोफिया, यूस्टेस और जोसेफिन।
"और वे सब कहाँ रहते हैं? - थ्री गेबल्स में?"

"हाँ। युद्ध की शुरुआत में ही रोजर लियोनाइड्स का घर बमबारी में नष्ट हो गया था। फिलिप और उनका परिवार 1938 से वहीं रह रहा है। और वहाँ एक बुजुर्ग चाची भी रहती हैं। मिस डी हैविलैंड, जो पहली श्रीमती लियोनाइड्स की बहन हैं। ऐसा लगता है कि वह हमेशा अपने बहनोई से नफरत करती थीं, लेकिन जब उनकी बहन की मृत्यु हुई तो उन्होंने अपने बहनोई के साथ रहने और बच्चों की परवरिश करने के निमंत्रण को स्वीकार करना अपना कर्तव्य समझा।"
इंस्पेक्टर टैवर्नर ने कहा, "वह ड्यूटी पर बहुत ही सख्त रहती है। लेकिन वह लोगों के बारे में अपनी राय बदलने वाली नहीं है। वह लियोनाइड्स और उसके तरीकों को हमेशा से नापसंद करती रही है।"
मैंने कहा, "अच्छा, लगता है घर काफी भरा हुआ है। आपको क्या लगता है उसे किसने मारा?" टैवर्नर ने सिर हिलाया।
उन्होंने कहा, "अभी शुरुआती दिन हैं, ऐसा कहना अभी जल्दबाजी होगी।"
"अरे यार, टैवर्नर," मैंने कहा। "मुझे यकीन है कि तुम जानते हो कि यह किसने किया है। हम अदालत में नहीं हैं, यार।"
"नहीं," टैवर्नर ने उदास स्वर में कहा। "और शायद हम कभी नहीं होंगे।"
"आपका मतलब है कि उसकी हत्या नहीं हुई होगी?"
"हाँ, उसकी हत्या तो हुई थी। ज़हर दिया गया था। लेकिन आप जानते हैं कि ज़हर देने के ऐसे मामले कैसे होते हैं। सबूत जुटाना बहुत मुश्किल होता है। बहुत मुश्किल। सभी संभावनाएँ एक ही दिशा की ओर इशारा कर सकती हैं -"
"मैं यही कहना चाह रहा हूँ। आपने सब कुछ अपने दिमाग में बिठा लिया है, है ना?"
"इसकी प्रबल संभावना है। यह एक स्पष्ट बात है। एकदम सही स्थिति है। लेकिन मुझे यकीन है कि मैं नहीं जानता। यह पेचीदा है।"
मैंने बूढ़े आदमी की ओर विनती भरी निगाहों से देखा। उसने धीरे से कहा:
"जैसा कि आप जानते हैं, चार्ल्स, हत्या के मामलों में अक्सर स्पष्ट समाधान ही सही होता है। बूढ़े लियोनिडेस ने दस साल पहले दोबारा शादी कर ली थी।"
"जब वह पचहत्तर वर्ष के थे?"
"हां, उन्होंने चौबीस साल की एक युवती से शादी की।"
मैंने सीटी बजाई।

"किस तरह की युवती?"
"एक चाय की दुकान से बाहर निकली एक युवती। एक बेहद सभ्य युवती - दिखने में सुंदर, लेकिन कुछ हद तक उदासीन।"
"और उसकी संभावना प्रबल है?"
"मैं आपसे पूछता हूँ, महोदय," टैवर्नर ने कहा। "वह अभी केवल चौंतीस वर्ष की है - और यह एक खतरनाक उम्र है। उसे आरामदेह जीवन जीना पसंद है। और घर में एक युवक है। पोते-पोतियों का शिक्षक। युद्ध में नहीं गया - शायद दिल की बीमारी है। वे बहुत अच्छे दोस्त हैं।"
मैंने उसे ध्यान से देखा। यह निश्चित रूप से एक पुराना और जाना-पहचाना तरीका था। वही घिसा-पिटा मिश्रण। और दूसरी श्रीमती लियोनिडेस, जैसा कि मेरे पिता ने ज़ोर देकर कहा था, बहुत ही सम्मानित महिला थीं। सम्मान के नाम पर कई हत्याएं की गई हैं।
मैंने पूछा, "यह क्या था?" "आर्सेनिक?"
"नहीं। हमें अभी तक विश्लेषक की रिपोर्ट नहीं मिली है - लेकिन डॉक्टर को लगता है कि यह एसेरीन है।"
"यह थोड़ा असामान्य है, है ना? खरीदार का पता लगाना तो निश्चित रूप से आसान होगा।"
"यह चीज़ नहीं। यह तो उसकी अपनी बनाई हुई चीज़ थी, आप समझ रहे हैं। आईड्रॉप्स।"
मेरे पिता ने कहा, "लियोनाइड्स को मधुमेह था। उन्हें नियमित रूप से इंसुलिन के इंजेक्शन लगते थे। इंसुलिन छोटी बोतलों में रबर के ढक्कन के साथ दी जाती है। एक हाइपोडर्मिक सुई को रबर के ढक्कन के माध्यम से दबाकर इंजेक्शन निकाला जाता है।"
मैंने अगले हिस्से का अनुमान लगा लिया था।
"और बोतल में इंसुलिन नहीं, बल्कि एसेरीन था?"
"बिल्कुल।"
"और उसे इंजेक्शन किसने दिया?" मैंने पूछा।
"उसकी पत्नी।"

अब मुझे समझ आ गया कि सोफिया का "सही व्यक्ति" कहने का क्या मतलब था।
मैंने पूछा: "क्या परिवार दूसरी श्रीमती लियोनाइड्स के साथ अच्छे संबंध रखता है?"
"नहीं। मुझे लगता है कि वे मुश्किल से ही एक-दूसरे से बात करते हैं।"
सब कुछ स्पष्ट होता जा रहा था। फिर भी इंस्पेक्टर टैवर्नर इससे बिल्कुल भी खुश नहीं थे।
मैंने उससे पूछा, "तुम्हें इसमें क्या पसंद नहीं आया?"
"अगर उसने ऐसा किया होता, श्रीमान चार्ल्स, तो उसके लिए बाद में इंसुलिन की एक असली बोतल रखना कितना आसान होता। वास्तव में, अगर वह दोषी है, तो मैं समझ नहीं पा रहा हूँ कि उसने ऐसा क्यों नहीं किया।"
"हां, ऐसा ही लगता है। क्या पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन उपलब्ध है?"
"हाँ, भरी हुई बोतलें और खाली बोतलें। और अगर उसने ऐसा किया होता, तो दस में से एक बार डॉक्टर को इसका पता नहीं चलता। एसेरीन से मानव विषाक्तता के मामलों में पोस्टमार्टम के बाद क्या होता है, इसके बारे में बहुत कम जानकारी है। लेकिन जैसा कि हुआ, उन्होंने इंसुलिन की जाँच की (कहीं यह गलत मात्रा का तो नहीं था या कुछ और) और इसलिए, ज़ाहिर है, उन्हें जल्द ही पता चल गया कि यह इंसुलिन नहीं था।"
मैंने सोच-समझकर कहा, "तो ऐसा लगता है कि श्रीमती लियोनाइड्स या तो बहुत मूर्ख थीं - या शायद बहुत चतुर थीं।"
"तुम्हारा मतलब है -"
"हो सकता है कि वह इस बात पर दांव लगा रही हो कि आप इस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि कोई भी उसके जितनी मूर्ख नहीं हो सकती। विकल्प क्या हैं? कोई और संदिग्ध?"
बूढ़े व्यक्ति ने धीमी आवाज़ में कहा:
"घर में लगभग कोई भी ऐसा कर सकता था। इंसुलिन का अच्छा-खासा भंडार हमेशा रहता था - कम से कम दो सप्ताह की आपूर्ति। किसी एक शीशी के साथ छेड़छाड़ की जा सकती थी, और यह जानते हुए कि इसका उपयोग उचित समय पर किया जाएगा, उसे वापस उसी शीशी में रखा जा सकता था।"
"और लगभग सभी की उन तक पहुंच थी?"

"उन्हें बंद करके नहीं रखा गया था। उन्हें घर के उनके हिस्से के बाथरूम में दवाइयों की अलमारी में एक विशेष शेल्फ पर रखा गया था। घर में हर कोई स्वतंत्र रूप से आता-जाता था।"
"कोई ठोस मकसद?" मेरे पिता ने आह भरी। "मेरे प्यारे चार्ल्स, एरिस्टाइड लियोनाइड्स बेहद अमीर थे! यह सच है कि उन्होंने अपनी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा अपने परिवार को दे दिया था, लेकिन हो सकता है कि कोई और अधिक चाहता हो।"
"लेकिन सबसे ज्यादा इसकी चाहत मौजूदा विधवा को होगी। क्या उसके प्रेमी के पास कोई पैसा है?"
नहीं। बिल्कुल गरीब।
मेरे दिमाग में अचानक कुछ क्लिक हुआ। मुझे सोफिया का कथन याद आ गया। मुझे अचानक उस बाल कविता की पूरी पंक्ति याद आ गई:
एक बेईमान आदमी था और वह बेईमानी से एक मील चला।
उसे एक टेढ़ी सीढ़ी के पास एक टेढ़ा सिक्का मिला।
उसके पास एक टेढ़ी-मेढ़ी बिल्ली थी जिसने एक टेढ़े-मेढ़े चूहे को पकड़ लिया।
और वे सब एक छोटे से टेढ़े-मेढ़े घर में एक साथ रहते थे।
मैंने टैवर्नर से कहा:
"श्रीमती लियोनाइड्स आपको कैसी लगती हैं? आप उनके बारे में क्या सोचते हैं?"
उसने धीरे से उत्तर दिया:
"कहना मुश्किल है - बहुत मुश्किल है। वो आसानी से मान नहीं जाती। बहुत शांत रहती है - इसलिए पता नहीं चलता कि वो क्या सोच रही है। लेकिन उसे आराम से रहना पसंद है - इस बात पर मैं कसम खा सकता हूँ कि मैं सही हूँ। मुझे एक बिल्ली की याद आती है, एक बड़ी, गुर्राती हुई, आलसी बिल्ली... ऐसा नहीं है कि मुझे बिल्लियों से कोई दिक्कत है। बिल्लियाँ ठीक होती हैं..."
उसने आह भरी।
उन्होंने कहा, "हमें सबूत चाहिए।"
हां, मैंने सोचा, हम सभी को इस बात का सबूत चाहिए था कि श्रीमती लियोनाइड्स ने अपने पति को जहर दिया था। सोफिया को भी यह सबूत चाहिए था, मुझे भी और

मुख्य निरीक्षक टैवर्नर को भी।
तब बगीचे की हर चीज खूबसूरत हो जाएगी!
लेकिन सोफिया को यकीन नहीं था, मुझे भी यकीन नहीं था, और मुझे नहीं लगता कि चीफ इंस्पेक्टर टैवर्नर को भी यकीन था...

अध्याय 4

अगले दिन मैं टैवर्नर के साथ थ्री गेबल्स गया।
मेरी स्थिति कुछ अजीब थी। सीधे शब्दों में कहें तो, यह काफी अपरंपरागत थी। लेकिन मेरे पिताजी कभी भी अत्यधिक रूढ़िवादी नहीं रहे हैं।
मेरी एक खास हैसियत थी। मैंने युद्ध के शुरुआती दिनों में यार्ड में स्पेशल ब्रांच के साथ काम किया था।
यह बेशक पूरी तरह से अलग था - लेकिन मेरे पहले के प्रदर्शनों ने मुझे, एक तरह से, एक निश्चित आधिकारिक दर्जा दिला दिया था।
मेरे पिता ने कहा:
"अगर हमें इस मामले को सुलझाना है, तो हमें अंदर की कुछ जानकारी चाहिए। हमें उस घर में रहने वाले सभी लोगों के बारे में जानना होगा। हमें उन्हें अंदर से जानना होगा - बाहर से नहीं। आप ही वह व्यक्ति हैं जो हमें यह जानकारी दे सकते हैं।"
मुझे यह पसंद नहीं आया। मैंने सिगरेट का बचा हुआ टुकड़ा अंगीठी में फेंकते हुए कहा:
"मैं? - मैं एक पुलिस जासूस हूँ? क्या यही बात है? मुझे सोफिया से अंदर की जानकारी हासिल करनी है, जिससे मैं प्यार करता हूँ और जो मुझसे प्यार करती है और मुझ पर भरोसा करती है, या कम से कम मुझे ऐसा ही लगता है।"
बूढ़ा आदमी बहुत चिड़चिड़ा हो गया। उसने तीखे स्वर में कहा:
"भगवान के लिए, सामान्य दृष्टिकोण मत अपनाइए। सबसे पहले तो, क्या आप मानते हैं कि आपकी युवती ने अपने दादा की हत्या की है?"
"बिल्कुल नहीं। यह विचार सरासर बेतुका है।"
"ठीक है - हमें भी ऐसा नहीं लगता। वह कुछ सालों से दूर रही है, उसके और उसके बीच हमेशा से बहुत अच्छे संबंध रहे हैं। उसकी आमदनी काफी अच्छी है और मुझे लगता है कि वह आपसे उसकी सगाई की खबर सुनकर बहुत खुश हुआ होगा और शायद उसे शादी के लिए अच्छी रकम भी देता। हमें उस पर शक नहीं है। क्यों करें? लेकिन आप एक बात पक्के तौर पर जान लीजिए। अगर यह मामला साफ नहीं हुआ, तो वह लड़की आपसे शादी नहीं करेगी। आपने जो बताया है, उससे मुझे पूरा यकीन है। और ध्यान रखिए, यह ऐसा अपराध है जो शायद कभी सुलझ न पाए। हम शायद

इस बात पर काफी हद तक यकीन कर सकते हैं कि पत्नी और उसका प्रेमी इस मामले में मिले हुए थे - लेकिन इसे साबित करना एक अलग बात होगी। अभी तक तो डिप्टी प्रेस (डीपीपी) के सामने पेश करने लायक कोई मामला भी नहीं है। और जब तक हमें उसके खिलाफ पक्के सबूत नहीं मिल जाते, तब तक हमेशा एक गहरा शक बना रहेगा। आप समझ रहे हैं ना?"
हां मैंने वह देखा।
तब बूढ़े व्यक्ति ने धीमी आवाज़ में कहा:
"क्यों न उससे इस बारे में पूछा जाए?"
"तुम्हारा मतलब है - सोफिया से पूछो कि क्या मैं -" मैं रुक गया।
बूढ़ा आदमी अपना सिर जोर-जोर से हिला रहा था।
"हां, हां... मैं तुमसे ये नहीं कह रहा कि तुम लड़की को बताए बिना ही उसके साथ संबंध बनाने की कोशिश करो। देखो वो इस बारे में क्या कहती है।"
और इस तरह अगले दिन मैं चीफ इंस्पेक्टर टैवर्नर और डिटेक्टिव सार्जेंट लैम्ब के साथ स्विनली डीन के लिए रवाना हो गया।
गोल्फ कोर्स से थोड़ा आगे जाकर, हम एक द्वार पर मुड़े जहाँ मुझे लगा कि युद्ध से पहले भव्य द्वार रहे होंगे। देशभक्ति या निर्मम अधिग्रहण ने उन्हें नष्ट कर दिया था। हम रोडोडेंड्रोन से घिरी एक लंबी घुमावदार सड़क पर गाड़ी चलाते हुए घर के सामने बजरी से बने एक खुले मैदान पर पहुँचे।
यह अविश्वसनीय था! मुझे आश्चर्य हुआ कि इसे थ्री गेबल्स क्यों कहा गया था। इलेवन गेबल्स ज़्यादा उपयुक्त होता! अजीब बात यह थी कि इसमें एक अजीब सा विकृतपन था - और मुझे लगा कि मैं इसका कारण जानता हूँ। यह वास्तव में एक झोपड़ी जैसा था, एक ऐसी झोपड़ी जो अपने आकार से कहीं ज़्यादा बड़ी हो गई थी। ऐसा लग रहा था जैसे किसी देहाती झोपड़ी को एक विशाल आवर्धक लेंस से देख रहे हों। तिरछी बीम, आधी लकड़ी की संरचना, गेबल्स - यह एक छोटा सा टेढ़ा-मेढ़ा घर था जो रात में मशरूम की तरह उग आया था!
फिर भी मुझे यह विचार समझ में आ गया। यह एक ग्रीक रेस्तरां मालिक का अंग्रेजी शैली का विचार था।

यह किसी अंग्रेज का घर होना चाहिए था - महल के आकार का बना हुआ! मैं सोचती थी कि पहली श्रीमती लियोनाइड्स ने इसके बारे में क्या सोचा होगा। मुझे लगता है कि उनसे सलाह नहीं ली गई होगी और न ही उन्हें योजनाएँ दिखाई गई होंगी। यह शायद उनके अनोखे पति का एक छोटा सा सरप्राइज था। मैं सोचती थी कि क्या वह चौंक गई होंगी या मुस्कुराई होंगी।
जाहिर तौर पर वह वहां काफी खुशी से रहती थी।
"थोड़ा भव्य है, है ना?" इंस्पेक्टर टैवर्नर ने कहा। "बेशक, उस बुजुर्ग सज्जन ने इसमें काफी विस्तार किया है - इसे तीन अलग-अलग घर बना दिया है, जिनमें रसोईघर और बाकी सब कुछ है। अंदर से यह एकदम बढ़िया है, किसी आलीशान होटल की तरह सजा हुआ है।"
सोफिया सामने के दरवाजे से बाहर आई। उसने टोपी नहीं पहनी थी और हरे रंग की कमीज और ट्वीड की स्कर्ट पहनी हुई थी।
मुझे देखते ही वह एकदम रुक गई।
"तुम?" उसने हैरानी से कहा।
मैंने कहा: "सोफिया, मुझे तुमसे बात करनी है। हम कहाँ जा सकते हैं?"
एक पल के लिए मुझे लगा कि वह आपत्ति जताएगी, फिर वह मुड़ी और बोली: "इस तरफ।"
हम लॉन पार करके नीचे चले गए। स्विनली डीन के नंबर 1 कोर्स का एक शानदार नज़ारा था - दूर एक पहाड़ी पर देवदार के पेड़ों का एक झुंड और उसके आगे धुंधले ग्रामीण इलाके की हल्की रोशनी।
सोफिया मुझे एक ऐसे पत्थर के बगीचे में ले गई, जो अब कुछ हद तक उपेक्षित था, जहाँ एक देहाती लकड़ी की सीट थी जो बहुत असुविधाजनक थी, और हम बैठ गए।
"तो?" उसने कहा।
उसकी आवाज उत्साहवर्धक नहीं थी।
मैंने अपनी सारी बात कह दी। उसने बहुत ध्यान से सुना। उसके चेहरे से उसके मन की बात का कोई संकेत नहीं मिला, लेकिन जब मैंने बोलना बंद किया, तो उसने एक गहरी आह भरी।
उसने कहा, "तुम्हारे पिता बहुत ही बुद्धिमान व्यक्ति हैं।"

"बूढ़े आदमी की बातें सही हैं। मुझे तो यह एक घटिया विचार लगता है - लेकिन -" उसने मेरी बात काट दी।
"अरे नहीं," उसने कहा। "यह बिलकुल भी बुरा विचार नहीं है। यही एक चीज़ है जो शायद अच्छी हो सकती है। तुम्हारे पिता, चार्ल्स, अच्छी तरह जानते हैं कि मेरे मन में क्या चल रहा है। वे तुमसे बेहतर जानते हैं।"
अचानक, लगभग निराशा से भरी तीव्रता के साथ, उसने एक मुट्ठी बंद हाथ को दूसरे की हथेली में जोर से मारा।
मुझे सच जानना ही होगा। मुझे पता होना ही चाहिए।
"हमारी वजह से? लेकिन, प्रियतम-"
"सिर्फ हमारी वजह से नहीं, चार्ल्स। मुझे अपनी मानसिक शांति के लिए भी जानना ज़रूरी है। देखो, चार्ल्स, मैंने तुम्हें कल रात नहीं बताया था - लेकिन सच तो यह है कि - मुझे डर लग रहा है।"
"डरना?"
"हां - डर लग रहा है - डर लग रहा है - डर लग रहा है। पुलिस को लगता है, तुम्हारे पिता को लगता है, सबको लगता है - कि यह ब्रेंडा ने किया है।"
"संभावनाएँ -"
"हाँ, यह काफी हद तक संभव है। यह मुमकिन है। लेकिन जब मैं कहता हूँ, 'ब्रेंडा ने शायद ऐसा किया होगा' - तो मैं इस बात से पूरी तरह वाकिफ हूँ कि यह सिर्फ एक कोरी कल्पना है। क्योंकि, आप देखिए, मुझे ऐसा बिल्कुल नहीं लगता।"
"आपको ऐसा नहीं लगता?" मैंने धीरे से कहा।
"मुझे नहीं पता। जैसा मैं चाहता था, आपने इसके बारे में बाहर से सब कुछ सुन लिया है। अब मैं आपको अंदर से दिखाता हूँ। मुझे बस इतना लगता है कि ब्रेंडा उस तरह की इंसान नहीं है - मुझे नहीं लगता कि वह कभी ऐसा कुछ करेगी जिससे वह किसी खतरे में पड़ जाए। वह अपनी सुरक्षा को लेकर बहुत सावधान रहती है।"
"इस नौजवान के बारे में क्या ख्याल है? लॉरेंस ब्राउन।"
"लॉरेंस तो बिलकुल डरपोक है। उसमें इतनी हिम्मत नहीं होगी।"
"मैं आश्चर्यचकित हूं।"

"हाँ, हम सच में नहीं जानते, है ना? मेरा मतलब है, लोग हमें बुरी तरह चौंका सकते हैं। उनके बारे में हमारे मन में एक धारणा बन जाती है, और कभी-कभी वह बिल्कुल गलत होती है। हमेशा नहीं - लेकिन कभी-कभी। लेकिन फिर भी, ब्रेंडा -" उसने अपना सिर हिलाया - "वह हमेशा अपने स्वभाव के अनुसार ही व्यवहार करती थी। मैं उसे 'हरम टाइप' कहती हूँ। उसे आराम से बैठना, मिठाई खाना, अच्छे कपड़े और गहने पहनना, सस्ती किताबें पढ़ना और सिनेमा जाना पसंद था। और यह कहना अजीब लगता है, जब याद आता है कि वह पचासी साल के थे, लेकिन मुझे सच में लगता है कि वह दादाजी से बहुत प्रभावित थी। उनमें एक अलग ही आकर्षण था, आप जानते हैं। मुझे लगता है कि वह एक औरत को - ओह - रानी जैसा महसूस करा सकते थे - सुल्तान की पसंदीदा! मुझे लगता है - मैंने हमेशा यही सोचा है - कि उन्होंने ब्रेंडा को ऐसा महसूस कराया जैसे वह एक रोमांचक रोमांटिक इंसान हो। वह जीवन भर महिलाओं के साथ चतुर रहे हैं - और यह एक कला है - आप चाहे कितने भी बूढ़े हो जाएं, यह हुनर कभी नहीं भूलते। हैं।"

मैंने ब्रेंडा की समस्या को फिलहाल के लिए छोड़ दिया और सोफिया के उस वाक्य को याद किया जिसने मुझे परेशान कर दिया था।

मैंने पूछा, "आपने ऐसा क्यों कहा कि आपको डर लग रहा था?"

सोफिया थोड़ी कांप उठी और उसने अपने हाथों को आपस में दबा लिया।

"क्योंकि यह सच है," उसने धीमी आवाज़ में कहा। "चार्ल्स, यह बहुत ज़रूरी है कि मैं तुम्हें यह समझाऊँ। देखो, हमारा परिवार बहुत ही विचित्र है... हममें बहुत क्रूरता है - और - अलग-अलग तरह की क्रूरता। यही बात सबसे ज़्यादा परेशान करती है। अलग-अलग तरह की क्रूरता।"

उसने मेरे चेहरे पर हैरानी देखी होगी। वह जोश से बोलती रही।

मैं अपनी बात स्पष्ट करने की कोशिश करूंगा। उदाहरण के लिए, दादाजी। एक बार जब वे हमें स्मरना में अपने बचपन के बारे में बता रहे थे, तो उन्होंने बड़े ही सहज भाव से जिक्र किया कि उन्होंने दो आदमियों को चाकू मार दिया था। यह किसी तरह का झगड़ा था - कोई ऐसी अपमानजनक बात हुई थी जिसे माफ नहीं किया जा सकता था - मुझे नहीं पता - लेकिन यह बस एक ऐसी घटना थी जो स्वाभाविक रूप से घटित हुई

थी। वे सचमुच इसके बारे में लगभग भूल ही गए थे। लेकिन इंग्लैंड में इतनी सहजता से इसके बारे में सुनना, किसी तरह, बहुत अजीब लगा।
मेंने सिर हिलाया।
सोफिया आगे बोली, "यह एक तरह की बेरहमी है, और फिर मेरी दादी थीं। मुझे उनकी बस थोड़ी-बहुत याद है, लेकिन मैंने उनके बारे में बहुत कुछ सुना है। मुझे लगता है कि उनमें कल्पनाशीलता की कमी से पैदा होने वाली बेरहमी थी। वे सभी पूर्वज जो लोमड़ी का शिकार करते थे - और वे पुराने जनरल, जो सीधे गोली मार देते थे। नेक और घमंडी, और जीवन-मरण के मामलों में जिम्मेदारी लेने से जरा भी नहीं डरते थे।"
"क्या यह कुछ ज्यादा ही अटपटा नहीं है?"
"हाँ, मैं कह सकता हूँ - लेकिन मुझे उस तरह के लोगों से हमेशा डर लगता है। वे ऊपर से तो ईमानदार दिखते हैं, लेकिन अंदर से निर्दयी होते हैं। और फिर मेरी माँ हैं - वो एक अभिनेत्री हैं - बहुत प्यारी हैं, लेकिन उनमें अनुपात की बिल्कुल समझ नहीं है। वो उन अचेतन स्वार्थी लोगों में से एक हैं जो चीजों को केवल इस नज़रिए से देखते हैं कि वे उन्हें कैसे प्रभावित करती हैं। यह कभी-कभी काफी डरावना होता है, आप जानते हैं। और फिर क्लेमेंसी हैं, अंकल रोजर की पत्नी। वो एक वैज्ञानिक हैं - वो किसी तरह का बहुत महत्वपूर्ण शोध कर रही हैं - वो भी निर्दयी हैं, एक तरह से ठंडे दिमाग से, भावहीन तरीके से। अंकल रोजर बिल्कुल विपरीत हैं - वो दुनिया के सबसे दयालु और प्यारे इंसान हैं, लेकिन उनका गुस्सा बहुत भयानक है। छोटी-छोटी बातें भी उनके खून को खौला देती हैं और फिर उन्हें समझ नहीं आता कि वो क्या कर रहे हैं। और फिर पिताजी हैं -"
उसने काफी देर तक मौन धारण किया।
"पिताजी," उसने धीरे से कहा, "बहुत ही संयमित रहते हैं। आप कभी नहीं जान सकते कि वे क्या सोच रहे हैं। वे कभी कोई भावना प्रकट नहीं करते। शायद यह माँ की भावनाओं के अथाह विस्फोट से बचने का एक तरह का अचेतन आत्मरक्षा तंत्र है, लेकिन कभी-कभी - यह मुझे थोड़ा चिंतित कर देता है।"
मैंने कहा, "मेरे प्यारे बच्चे, तुम बेवजह परेशान हो रहे हो। अंततः बात यही है कि शायद हर कोई हत्या करने में सक्षम है।"

"मुझे लगता है यह सच है। यहां तक कि मैं भी।"
"आप नहीं!"
"हाँ, चार्ल्स, आप मुझे अपवाद नहीं बना सकते। मुझे लगता है कि मैं किसी की हत्या कर सकती हूँ..." वह एक-दो पल चुप रही, फिर बोली, "लेकिन अगर ऐसा करना पड़े, तो यह किसी वाकई सार्थक काम के लिए होना चाहिए!"
तब मुझे हंसी आ गई। मैं खुद को रोक नहीं पाई। और सोफिया भी मुस्कुराई।
"शायद मैं मूर्ख हूँ," उसने कहा, "लेकिन हमें दादाजी की मौत की सच्चाई का पता लगाना ही होगा। हमें लगाना ही होगा। काश, यह ब्रेंडा होती..."
मुझे अचानक ब्रेंडा लियोनाइड्स के लिए काफी दया महसूस हुई।

अध्याय 5

हमारी ओर आते हुए रास्ते पर एक लंबा-चौड़ा व्यक्ति तेज़ी से चल रहा था। उसने एक पुरानी, फटी हुई फेल्ट की टोपी, एक बेढंगी सी स्कर्ट और एक भारी-भरकम जर्सी पहन रखी थी।

"आंटी एडिथ," सोफिया ने कहा।

वह आकृति एक-दो बार रुकी, फूलों की क्यारियों की ओर झुकी, फिर हमारी ओर बढ़ने लगी। मैं तुरंत खड़ा हो गया।

"ये चार्ल्स हेवर्ड हैं, आंटी एडिथ। मेरी आंटी, मिस डी हैविलैंड।"

एडिथ डी हैविलैंड लगभग सत्तर वर्ष की महिला थीं। उनके सिर पर बिखरे हुए भूरे बालों का गुच्छा था, धूप से झुलसा हुआ चेहरा था और उनकी निगाहें तीक्ष्ण और पैनी थीं।

"कैसे हो?" उसने कहा। "मैंने तुम्हारे बारे में सुना है। पूरब से वापस आ गए हो। तुम्हारे पिताजी कैसे हैं?"

मुझे थोड़ी हैरानी हुई और मैंने कहा कि वह बिल्कुल ठीक हैं।

"मैं उसे बचपन से जानती थी," मिस डी हैविलैंड ने कहा। "मैं उसकी माँ को बहुत अच्छी तरह जानती थी। तुम बिल्कुल उसकी माँ जैसी दिखती हो। क्या तुम हमारी मदद करने आई हो - या फिर किसी और वजह से?"

मैंने कुछ असहजता से कहा, "मुझे उम्मीद है कि मैं मदद कर पाऊंगा।"

उसने सिर हिलाया।

हमें कुछ मदद की ज़रूरत है। यहाँ हर जगह पुलिसवाले ही पुलिसवाले हैं। हर जगह अचानक सामने आ जाते हैं। कुछ पुलिसवाले मुझे पसंद नहीं हैं। एक अच्छे स्कूल में पढ़े लड़के को पुलिस में नहीं जाना चाहिए। मैंने कुछ दिन पहले मोयरा किनौल के बेटे को मार्बल आर्च पर ट्रैफिक रोकते देखा था। ऐसा लगता है जैसे पता ही नहीं चल रहा कि हम कहाँ हैं!

उसने सोफिया की ओर मुड़कर कहा, "दादी तुम्हें बुला रही हैं, सोफिया। मछली।"

"परेशानी की बात है," सोफिया ने कहा। "मैं जाकर इस बारे में फोन करती हूँ।"

वह तेजी से घर की ओर चल पड़ी।

मिस डी हैविलैंड मुड़ीं और धीरे-धीरे उसी दिशा में चलने लगीं। मैं भी उनके बगल में कदम मिलाकर चलने लगा।
"बिना नैनी के हम सब क्या करते, यह पता नहीं," मिस डी हैविलैंड ने कहा। "लगभग हर किसी के पास एक बूढ़ी नैनी होती है। वे आती हैं और कपड़े धोती हैं, इस्त्री करती हैं, खाना बनाती हैं और घर के सारे काम करती हैं। भरोसेमंद। मैंने खुद इसे कई साल पहले चुना था।"
वह झुकी और उलझी हुई हरी लता को ज़ोर से खींचने लगी। "बदसूरत चीज़ - बेल! सबसे खराब खरपतवार! दम घोंटने वाली, उलझाने वाली - और आप इसे ठीक से निकाल भी नहीं सकते, यह ज़मीन के नीचे फैली रहती है।"
उसने अपनी एड़ी से मुट्ठी भर हरी सामग्री को बेरहमी से पैरों के नीचे कुचल दिया।
"यह तो बहुत बुरा मामला है, चार्ल्स हेवर्ड," उसने कहा। वह घर की ओर देख रही थी। "पुलिस इस बारे में क्या सोचती है? शायद मुझे आपसे यह नहीं पूछना चाहिए। एरिस्टाइड को ज़हर दिए जाने की बात सोचना अजीब लगता है। वैसे भी, उसकी मौत की बात सोचना भी अजीब लगता है। मुझे वह कभी पसंद नहीं था - कभी नहीं! लेकिन मैं उसकी मौत की बात को स्वीकार नहीं कर पा रही हूँ... घर एकदम खाली-खाली सा लगता है।"
मैंने कुछ नहीं कहा। अपनी संक्षिप्त बोलने की शैली के बावजूद, एडिथ डी हैविलैंड किसी यादों में खोई हुई सी लग रही थीं।
आज सुबह मैं सोच रही थी - मैं यहाँ बहुत लंबे समय से रह रही हूँ। चालीस साल से भी ज़्यादा। मेरी बहन की मृत्यु के बाद मैं यहाँ आई थी। उन्होंने मुझे आने के लिए कहा था। सात बच्चे - और सबसे छोटा तो सिर्फ़ एक साल का... मैं उन्हें किसी विदेशी के भरोसे कैसे छोड़ सकती थी? ज़ाहिर है, यह एक नामुमकिन शादी थी। मुझे हमेशा लगता था कि मार्सिया पर ज़रूर किसी का जादू हो गया होगा। बदसूरत, साधारण सी विदेशी! उन्होंने मुझे पूरी आज़ादी दी थी - मैं यह ज़रूर कहूँगी। नर्सें, गवर्नेंस, स्कूल। और बच्चों के लिए अच्छा पौष्टिक भोजन - न कि वो अजीब मसालेदार चावल के व्यंजन जो वो खाया करते थे।
"और तुम तब से यहीं हो?" मैंने धीरे से कहा।

"हाँ। एक तरह से अजीब... मुझे लगता है कि जब बच्चे बड़े हो गए और शादी कर ली, तो मैं जा सकती थी... असल में, मुझे बागवानी में दिलचस्पी हो गई थी। और फिर फिलिप थे। अगर कोई आदमी किसी अभिनेत्री से शादी करता है, तो वह घरेलू जीवन की उम्मीद नहीं कर सकता। पता नहीं अभिनेत्रियाँ बच्चे क्यों पैदा करती हैं। बच्चा पैदा होते ही वे एडिनबर्ग या किसी दूरदराज की जगह पर रिपर्टरी थिएटर में अभिनय करने के लिए भाग जाती हैं। फिलिप ने समझदारी दिखाई - अपनी किताबों के साथ यहीं आकर रहने लगे।"
"फिलिप लियोनाइड्स क्या करते हैं?"
"किताबें लिखता है। समझ नहीं आता क्यों। कोई उन्हें पढ़ना नहीं चाहता। सब कुछ अस्पष्ट ऐतिहासिक विवरणों के बारे में है। आपने उनके बारे में कभी सुना भी नहीं होगा, है ना?"
मैंने इसे स्वीकार किया।
"उसके पास बहुत ज़्यादा पैसा था, यही उसकी खासियत थी," मिस डी हैविलैंड ने कहा। "ज़्यादातर लोगों को सनकीपन छोड़कर जीविका कमानी पड़ती है।"
"क्या उनकी किताबों से कमाई नहीं होती?"
"बिल्कुल नहीं। उन्हें कुछ खास कालों का बहुत बड़ा जानकार माना जाता है। लेकिन उन्हें अपनी किताबों से कमाई करने की ज़रूरत नहीं है - एरिस्टाइड ने उन्हें करीब एक लाख पाउंड दिए थे - जो कि बहुत बड़ी रकम है! ताकि मृत्यु कर से बचा जा सके! एरिस्टाइड ने उन सबको आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना दिया। रोजर एसोसिएटेड कैटरिंग चलाते हैं - सोफिया को अच्छा-खासा भत्ता मिलता है। बच्चों का पैसा उनके लिए ट्रस्ट में रखा गया है।"
तो उनकी मृत्यु से किसी को कोई खास लाभ नहीं होगा?
उसने मुझे एक अजीब नजर से देखा।
"हां, उन्हें मिलता है। उन सभी को ज़्यादा पैसा मिलता है। लेकिन अगर वे मांगते तो शायद उन्हें यह पैसा मिल ही जाता।"
"क्या आपको पता है कि उन्हें किसने जहर दिया, मिस डी हैविलैंड?"
उसने अपने विशिष्ट अंदाज़ में जवाब दिया:

"नहीं, बिल्कुल नहीं। इससे मुझे बहुत दुख हुआ है! यह सोचना अच्छा नहीं लगता कि कोई बोरगिया जैसा व्यक्ति घर में खुला घूम रहा है। मुझे लगता है पुलिस बेचारी ब्रेंडा को पकड़ लेगी।"
"क्या आपको नहीं लगता कि ऐसा करना उनके लिए सही होगा?"
"मैं बस बता नहीं सकता। वह मुझे हमेशा से एक बेहद भोली और साधारण युवती लगी है - काफी रूढ़िवादी। मेरी नज़र में वह किसी को ज़हर देने वाली नहीं थी। फिर भी, अगर चौबीस साल की कोई युवती लगभग अस्सी साल के आदमी से शादी करती है, तो यह साफ है कि वह उससे उसके पैसे के लिए शादी कर रही है। सामान्य परिस्थितियों में, वह जल्द ही एक अमीर विधवा बनने की उम्मीद कर सकती थी। लेकिन एरिस्टाइड एक असाधारण रूप से मजबूत बूढ़ा आदमी था। उसकी मधुमेह की स्थिति और खराब नहीं हो रही थी। वह सचमुच सौ साल जीने वाला लग रहा था। मुझे लगता है कि वह इंतज़ार करते-करते थक गई होगी..."
"तो फिर," मैंने कहा और रुक गया।
"तो फिर," मिस डी हैविलैंड ने फुर्ती से कहा, "यह लगभग ठीक ही रहेगा। बेशक, प्रचार थोड़ा परेशान करने वाला होगा। लेकिन आखिरकार, वह परिवार की सदस्य तो है नहीं।"
मैंने पूछा, "क्या आपके पास कोई और विचार नहीं है?"
"मुझे और क्या विचार रखने चाहिए?"
मुझे आश्चर्य हुआ। मुझे संदेह था कि उस जर्जर फेल्ट टोपी के नीचे मेरी जानकारी से कहीं अधिक कुछ चल रहा होगा।
उस अटपटे, लगभग असंबद्ध उच्चारण के पीछे, मुझे लगा, एक बहुत ही चतुर दिमाग काम कर रहा था। एक पल के लिए तो मुझे यह भी लगा कि कहीं मिस डी हैविलैंड ने खुद एरिस्टाइड लियोनाइड्स को जहर तो नहीं दे दिया था...
यह कोई असंभव विचार नहीं लग रहा था। मेरे मन में वह बात गूंज रही थी कि उसने प्रतिशोध की भावना से भरी पूरी लगन के साथ अपनी एड़ी से जंगली घास को मिट्टी में कैसे कुचल दिया था।
मुझे सोफिया द्वारा इस्तेमाल किया गया शब्द याद आ गया। निर्दयता।
मैंने तिरछी नजर से एडिथ डी हैविलैंड को देखा।

उचित और पर्याप्त कारण दिए जाने पर...
लेकिन एडिथ डी हैविलैंड के लिए वास्तव में अच्छा और पर्याप्त कारण क्या होगा?
इसका जवाब देने के लिए मुझे उसे बेहतर तरीके से जानना होगा।

अध्याय 6

सामने का दरवाज़ा खुला था। हम उससे होकर एक आश्चर्यजनक रूप से विशाल हॉल में दाखिल हुए। हॉल को संयम से सजाया गया था - अच्छी तरह से पॉलिश की हुई गहरे रंग की ओक की लकड़ी और चमकते पीतल के फर्नीचर का इस्तेमाल किया गया था। पीछे की ओर, जहाँ आमतौर पर सीढ़ियाँ होती हैं, वहाँ एक सफेद पैनल वाली दीवार थी जिसमें एक दरवाज़ा लगा हुआ था।

"घर का हिस्सा मेरे बहनोई का है," मिस डी हैविलैंड ने कहा। "भूतल फिलिप और मैग्डा का है।"

हम बाईं ओर के एक दरवाजे से होते हुए एक बड़े ड्राइंग रूम में दाखिल हुए। इसकी दीवारें हल्के नीले रंग के पैनल से सजी थीं, फर्नीचर भारी ब्रोकेड से ढका हुआ था, और हर उपलब्ध मेज पर और दीवारों पर अभिनेताओं, नर्तकियों और मंच के दृश्यों और डिज़ाइनों की तस्वीरें टंगी हुई थीं। मेंटलपीस के ऊपर बैले नर्तकियों की एक डेगास पेंटिंग टंगी हुई थी। वहाँ ढेर सारे फूल थे, विशाल भूरे गुलदाउदी और कार्नेशन के बड़े-बड़े गुलदस्ते रखे हुए थे।

"मुझे लगता है," मिस डी हैविलैंड ने कहा, "कि आप फिलिप से मिलना चाहते हैं?"

क्या मैं फिलिप से मिलना चाहता था? मुझे खुद भी नहीं पता था। मैं तो बस सोफिया से मिलना चाहता था। और मैं मिल चुका था। उसने बूढ़े आदमी की योजना का ज़ोरदार समर्थन किया था - लेकिन अब वह गायब हो चुकी थी और शायद कहीं मछली के बारे में फ़ोन कर रही थी, उसने मुझे आगे क्या करना है, इसका कोई संकेत नहीं दिया था। क्या मुझे फिलिप लियोनाइड्स के पास एक ऐसे नौजवान के रूप में जाना चाहिए जो उसकी बेटी से शादी करने को उत्सुक हो, या एक ऐसे दोस्त के रूप में जो यूँ ही मिलने आ गया हो (यकीनन ऐसे समय में तो नहीं!) या पुलिस के किसी सहयोगी के रूप में? मिस डी हैविलैंड ने मुझे अपने सवाल पर सोचने का समय ही नहीं दिया। दरअसल, यह कोई सवाल था ही नहीं, बल्कि एक तरह का दावा था।

मुझे लगता है कि मिस डी हैविलैंड सवाल करने की बजाय अपनी बात पर जोर देने के लिए अधिक इच्छुक थीं।

"हम पुस्तकालय जाएंगे," उसने कहा।

वह मुझे ड्राइंग रूम से बाहर ले गई, एक गलियारे से होते हुए दूसरे दरवाजे से अंदर ले गई।
यह एक बड़ा कमरा था, जो किताबों से भरा हुआ था। किताबें केवल छत तक पहुँचने वाली अलमारियों तक ही सीमित नहीं थीं। वे कुर्सियों, मेजों और यहाँ तक कि फर्श पर भी फैली हुई थीं। फिर भी उनमें अव्यवस्था का कोई आभास नहीं था।
कमरा ठंडा था। उसमें एक ऐसी गंध नहीं थी जिसकी मुझे उम्मीद थी। उसमें पुरानी किताबों की सीलन और थोड़ी सी मोम की महक थी। एक-दो पल में मुझे एहसास हुआ कि मुझे किस चीज की कमी खल रही थी। वह तंबाकू की गंध थी। फिलिप लियोनाइड्स धूम्रपान नहीं करते थे।
जैसे ही हम अंदर आए, वह अपनी मेज के पीछे से उठ खड़ा हुआ - लगभग पचास वर्ष का एक लंबा-चौड़ा आदमी, बेहद आकर्षक। सभी ने एरिस्टाइड लियोनाइड्स की कुरूपता पर इतना ज़ोर दिया था कि किसी कारणवश मुझे लगा कि उसका बेटा भी कुरूप होगा। लेकिन मैं उसके चेहरे की इस परिपूर्णता के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं था - सीधी नाक, जबड़े की बेदाग बनावट, सुनहरे बाल जिनमें हल्की सफेदी थी और जो सुडौल माथे से पीछे की ओर लहरा रहे थे।
"यह चार्ल्स हेवर्ड हैं, फिलिप," एडिथ डी हैविलैंड ने कहा।
"अरे, आप कैसे हैं?"
मुझे नहीं पता था कि उसने मेरे बारे में कभी सुना भी था या नहीं। उसने जो हाथ मेरी तरफ बढ़ाया वह ठंडा था। उसका चेहरा बिल्कुल उदासीन था। इससे मैं थोड़ा घबरा गया। वह वहाँ धैर्यपूर्वक और उदासीन खड़ा रहा।
"वे भयानक पुलिसवाले कहाँ हैं?" मिस डी हैविलैंड ने पूछा। "क्या वे यहाँ आए थे?"
"मुझे लगता है कि मुख्य निरीक्षक-" (उन्होंने मेज पर रखे एक कार्ड पर नज़र डाली)
"अह- टैवर्नर अभी मुझसे बात करने आ रहे हैं।"
"जहां वह अब है?"
मुझे बिल्कुल पता नहीं। आंटी एडिथ। शायद ऊपर होंगी।
"ब्रेन्डा के साथ?"
मुझे सच में नहीं पता।

फिलिप लियोनाइड्स को देखकर ऐसा प्रतीत होता था कि उनके आसपास कहीं भी हत्या होना बिल्कुल असंभव था।
"क्या मैग्डा उठ गई है?"
मुझे नहीं पता। वह आमतौर पर ग्यारह बजे से पहले नहीं उठती।
"यह तो उन्हीं की आवाज़ लग रही है," एडिथ डी हैविलैंड ने कहा।
फिलिप लियोनाइड्स की आवाज़ जैसी तेज़ आवाज़ सुनाई दी, जो बहुत तेज़ी से बोल रही थी और तेज़ी से पास आ रही थी। मेरे पीछे का दरवाज़ा ज़ोर से खुला और एक महिला अंदर आई। मुझे नहीं पता कि उसने कैसे यह जता दिया कि अंदर एक नहीं बल्कि तीन महिलाएं आई हैं।
वह एक लंबे सिगरेट होल्डर में सिगरेट पी रही थी और उसने आड़ू रंग की सैटिन नाइटी पहनी हुई थी जिसे उसने एक हाथ से ऊपर उठा रखा था। उसके बाल टिटियन शैली में लहराते हुए उसकी पीठ पर बिखरे हुए थे। उसके चेहरे पर एक ऐसी नग्नता का भाव था जो आजकल बिना मेकअप वाली महिलाओं में देखने को मिलता है। उसकी आँखें नीली और विशाल थीं और वह बहुत तेज़ी से, भारी लेकिन आकर्षक आवाज़ में, स्पष्ट उच्चारण के साथ बोल रही थी।
"डार्लिंग, मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकती - मैं इसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं कर सकती - ज़रा उन नोटिसों के बारे में सोचो - अभी तक अखबारों में नहीं छपा है, लेकिन ज़रूर छपेगा - और मैं यह तय नहीं कर पा रही हूँ कि पूछताछ के समय क्या पहनूँ - एकदम सादा? - काला तो नहीं, शायद गहरा बैंगनी - और मेरे पास अब कोई कूपन भी नहीं बचा है - उस भयानक आदमी का पता मुझसे खो गया है जो मुझे कूपन बेचता था - तुम्हें पता है, शाफ़्ट्सबरी एवेन्यू के पास कहीं गैरेज - और अगर मैं कार से वहाँ गई तो पुलिस मेरा पीछा करेगी, और वे सबसे अजीब सवाल पूछ सकते हैं, है ना? मेरा मतलब है, कोई क्या कह सकता है? तुम कितने शांत हो, फिलिप! तुम इतने शांत कैसे हो सकते हो? क्या तुम्हें एहसास नहीं है कि हम अब इस भयानक घर को छोड़ सकते हैं। आज़ादी - आज़ादी! ओह, कितना निर्दय - बेचारा स्वीटी - बेशक हम उसे ज़िंदा रहते कभी नहीं छोड़ते। वह सचमुच हमसे बहुत प्यार करता था, है ना - ऊपर वाली औरत ने जितनी भी मुसीबतें खड़ी करने की कोशिश की, उसके बावजूद।" हमारे बीच। मुझे पूरा यकीन है कि अगर हम चले जाते और उसे उसके भरोसे छोड़ देते, तो

वह हमें हर चीज़ से पूरी तरह से अलग कर देता। भयानक प्राणी! आखिर, बेचारी स्वीटी पाई लगभग नब्बे साल की थी - दुनिया भर की पारिवारिक भावना भी उस भयानक औरत के सामने टिक नहीं सकती थी जो मौके पर मौजूद थी। जानते हो, फिलिप, मुझे सच में लगता है कि एडिथ थॉम्पसन के नाटक को मंच पर लाने का यह एक शानदार मौका होगा। इस हत्या से हमें काफी प्रचार मिलेगा। बिल्डेनस्टीन ने कहा कि वह 'थेस्पियन' का किरदार दिलवा सकते हैं - खनिकों के बारे में वह नीरस कविता वाला नाटक किसी भी मिनट शुरू होने वाला है - यह एक शानदार भूमिका है - शानदार। मुझे पता है कि लोग कहते हैं कि मुझे अपनी नाक की वजह से हमेशा कॉमेडी ही करनी चाहिए - लेकिन जानते हो, एडिथ थॉम्पसन के नाटकों से काफी कॉमेडी निकाली जा सकती है - मुझे नहीं लगता कि लेखिका को इसका एहसास था - कॉमेडी सस्पेंस को बढ़ाती है। मुझे पता है कि मैं इसे कैसे निभाऊँगी - सामान्य, मूर्खतापूर्ण, आखिरी मिनट तक बनावटी और फिर -"

उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया - सिगरेट होल्डर से निकलकर फिलिप की डेस्क की पॉलिश की हुई महोगनी की सतह पर गिर गई और उसे जलाने लगी।

उसने भावहीनता से उसे उठाया और कूड़ेदान में डाल दिया।

"और फिर," मैग्डा लियोनिडेस ने फुसफुसाते हुए कहा, उसकी आँखें अचानक चौड़ी हो गईं, उसका चेहरा सख्त हो गया, "बस आतंक..."

उसके चेहरे पर लगभग बीस सेकंड तक घोर भय का भाव बना रहा, फिर उसका चेहरा शांत हो गया, सिकुड़ गया, मानो कोई स्तब्ध बच्चा रोने ही वाला हो।

अचानक, मानो किसी स्पंज से पोंछ दिए जाने पर, सारी भावनाएँ गायब हो गईं और मेरी ओर मुड़कर, उसने एक व्यावसायिक लहजे में पूछा:

"क्या आपको नहीं लगता कि एडिथ थॉम्पसन की भूमिका निभाने का यही सही तरीका होगा?"

मैंने कहा कि मुझे लगता है कि एडिथ थॉम्पसन का किरदार निभाने का यही सही तरीका होगा। फिलहाल मुझे एडिथ थॉम्पसन के बारे में बहुत धुंधला सा ही याद था, लेकिन मैं सोफिया की माँ के किरदार से अच्छी शुरुआत करने के लिए उत्सुक थी।

"बिल्कुल ब्रेंडा जैसी, है ना?" मैग्डा ने कहा। "पता है, मैंने इस बारे में कभी सोचा ही नहीं था। यह बहुत दिलचस्प है। क्या मैं इंस्पेक्टर को इस बारे में बताऊँ?"

काउंटर के पीछे बैठे व्यक्ति ने हल्का सा माथा सिकोड़ा।
"मैग्डा, तुम्हें उससे मिलने की बिल्कुल भी ज़रूरत नहीं है," उसने कहा। "मैं उसे वह सब कुछ बता सकता हूँ जो वह जानना चाहता है।"
"उसे नहीं देख पाऊंगी?" उसकी आवाज़ ऊंची हो गई। "लेकिन मुझे उससे ज़रूर मिलना चाहिए! प्यारे, प्यारे, तुम कितने कल्पनाहीन हो! तुम्हें छोटी-छोटी बातों का महत्व नहीं पता। वह जानना चाहेगा कि सब कुछ कैसे और कब हुआ, उस समय जो छोटी-छोटी बातें ध्यान में आईं और जिनके बारे में सोचा गया -"
"मां," सोफिया ने खुले दरवाजे से अंदर आते हुए कहा, "आपको इंस्पेक्टर से बहुत सारे झूठ नहीं बोलने हैं।"
"सोफिया - डार्लिंग..."
"मुझे पता है, प्रिय, कि तुमने सब कुछ तैयार कर लिया है और तुम एक बेहद खूबसूरत प्रस्तुति देने के लिए तैयार हो। लेकिन तुम गलत हो। बिलकुल गलत।"
"बकवास। तुम्हें कुछ नहीं पता -"
"मुझे पता है। तुम्हें इसे बिल्कुल अलग तरीके से निभाना होगा, प्रिये। संयमित रहो - बहुत कम बोलो - सब कुछ रोक कर रखो - सतर्क रहो - परिवार की रक्षा करो।"
मैग्डा लियोनाइड्स के चेहरे पर एक बच्चे की भोली सी उलझन झलक रही थी।
"डार्लिंग," उसने कहा, "क्या तुम्हें सच में लगता है कि-"
"हां, मैं करता हूं। इसे फेंक दो। यही मेरा मकसद है।"
सोफिया ने आगे कहा, और उसकी माँ के चेहरे पर हल्की सी प्रसन्न मुस्कान दिखने लगी:
मैंने तुम्हारे लिए चॉकलेट बनाई है। वो ड्राइंग रूम में है।
"ओह - अच्छा - मुझे बहुत भूख लगी है -"
वह दरवाजे पर रुक गई।
"तुम्हें नहीं पता," उसने कहा, और ये शब्द या तो मुझसे या मेरे सिर के पीछे रखी किताबों की अलमारी से कहे गए प्रतीत हुए, "बेटी होना कितना प्यारा होता है!"
वह इसी निकास मार्ग से बाहर निकली।
मिस डी हैविलैंड ने कहा, "भगवान ही जाने, वह पुलिस को क्या बताएगी!"
सोफिया ने कहा, "वह ठीक हो जाएगी।"

वह कुछ भी कह सकती है।
"चिंता मत करो," सोफिया ने कहा। "वह इसे वैसे ही निभाएगी जैसे निर्माता कहेंगे। निर्माता तो मैं ही हूँ!"
वह अपनी मां के पीछे-पीछे बाहर गई, फिर वापस मुड़कर बोली:
"पापा, चीफ इंस्पेक्टर टैवर्नर आपसे मिलने आए हैं। चार्ल्स के रुकने से आपको कोई आपत्ति तो नहीं है?"
मुझे लगा कि फिलिप लियोनाइड्स के चेहरे पर थोड़ी सी हैरानी झलक रही थी। ऐसा होना स्वाभाविक था! लेकिन उनकी बेपरवाही मेरे लिए फायदेमंद साबित हुई।
उन्होंने कुछ अस्पष्ट स्वर में बुदबुदाते हुए कहा, "ओह, बिल्कुल - बिल्कुल।"
चीफ इंस्पेक्टर टैवर्नर ठोस, भरोसेमंद और व्यावसायिक तत्परता के साथ अंदर आए, जो किसी तरह सुकून देने वाला था।
"बस थोड़ी सी अप्रिय घटना हुई है," उनके हावभाव से ऐसा लग रहा था मानो वे कह रहे हों, "और फिर हम हमेशा के लिए घर से निकल जाएंगे - और मुझसे ज्यादा खुश कोई नहीं होगा। हम यहाँ ज्यादा देर रुकना नहीं चाहते, मैं आपको यकीन दिला सकता हूँ..."
मुझे नहीं पता कि उन्होंने बिना एक भी शब्द बोले, केवल मेज के पास कुर्सी खींचकर ही अपना संदेश कैसे दे दिया, लेकिन यह कारगर रहा। मैं चुपचाप थोड़ी दूरी पर बैठ गया।
"जी हां, मुख्य निरीक्षक?" फिलिप ने कहा।
मिस डी हैविलैंड ने अचानक कहा: "आप मुझे नहीं चाहते, मुख्य निरीक्षक?"
"अभी नहीं, मिस डी हैविलैंड। बाद में, अगर मैं आपसे कुछ बात करना चाहूँ तो-"
"बिल्कुल। मैं ऊपर ही रहूंगा।"
वह दरवाजा बंद करते हुए बाहर चली गई।
"तो, मुख्य निरीक्षक?" फिलिप ने दोहराया।
मुझे पता है कि आप बहुत व्यस्त व्यक्ति हैं और मैं आपको अधिक समय तक परेशान नहीं करना चाहता। लेकिन मैं आपको गोपनीय रूप से बताना चाहता हूँ कि हमारे संदेह की पुष्टि हो गई है। आपके पिता की मृत्यु स्वाभाविक नहीं थी। उनकी मृत्यु

फिज़ोस्टिग्माइन (जिसे आमतौर पर एसेरिन के नाम से जाना जाता है) की अधिक मात्रा लेने के कारण हुई थी।
फिलिप ने अपना सिर झुका लिया। उसने कोई विशेष भावना नहीं दिखाई।
"मुझे नहीं पता कि इससे आपको कुछ समझ में आता है या नहीं?" टैवर्नर ने आगे कहा।
"इससे क्या संकेत मिलता है? मेरा मानना है कि मेरे पिता ने गलती से जहर खा लिया होगा।"
"क्या आप सचमुच ऐसा सोचते हैं, श्री लियोनाइड्स?"
"हां, मुझे तो यह बिल्कुल संभव लगता है। याद है ना, उनकी उम्र लगभग नब्बे के करीब थी और उनकी दृष्टि भी बहुत कमजोर थी।"
"तो उसने अपनी आईड्रॉप की बोतल की सारी दवा इंसुलिन की बोतल में डाल दी। क्या आपको यह सुझाव वाकई विश्वसनीय लगता है, श्री लियोनाइड्स?"
फिलिप ने कोई जवाब नहीं दिया। उसका चेहरा और भी भावहीन हो गया।
टैवर्नर ने आगे कहा:
"हमें आईड्रॉप की खाली बोतल कूड़ेदान में मिली है, जिस पर उंगलियों के निशान नहीं हैं। यह अपने आप में ही अजीब है। सामान्य तौर पर तो उस पर उंगलियों के निशान होने चाहिए थे। निश्चित रूप से आपके पिता के, शायद उनकी पत्नी के या नौकर के..."
फिलिप लियोनाइड्स ने ऊपर देखा।
"नौकर का क्या हुआ?" उसने कहा। "जॉनसन का क्या हुआ?"
"क्या आप जॉनसन को संभावित अपराधी बता रहे हैं? उसे मौका तो ज़रूर मिला था। लेकिन जब बात मकसद की आती है, तो मामला अलग है। आपके पिता की यह प्रथा थी कि वे उसे हर साल बोनस देते थे - और हर साल बोनस बढ़ता जाता था। आपके पिता ने उसे स्पष्ट कर दिया था कि यह उस राशि के बदले में है जो वे अपनी वसीयत में उसके लिए छोड़ सकते थे। सात साल की सेवा के बाद, बोनस अब हर साल काफी बड़ी रकम तक पहुँच गया है और बढ़ता ही जा रहा है। ज़ाहिर है, जॉनसन के हित में यही था कि आपके पिता जितना हो सके उतना लंबा जिएं। इसके अलावा, उनके बीच

अच्छे संबंध थे, और जॉनसन का पिछला रिकॉर्ड बेदाग है - वह एक बेहद कुशल और वफादार नौकर है।" वह रुका। "हमें जॉनसन पर शक नहीं है।"
फिलिप ने भावहीन स्वर में उत्तर दिया: "मैं समझ गया।"
"अब, श्रीमान लियोनाइड्स, क्या आप मुझे अपने पिता की मृत्यु के दिन की अपनी गतिविधियों का विस्तृत विवरण दे सकते हैं?"
"बिल्कुल, मुख्य निरीक्षक। मैं उस पूरे दिन यहीं, इसी कमरे में था - भोजन के समय को छोड़कर, बेशक।"
"क्या तुमने अपने पिता को देखा?"
"नाश्ते के बाद मैंने उन्हें सुप्रभात कहा, जैसा कि मेरी आदत थी।"
"क्या उस समय आप उसके साथ अकेले थे?"
"मेरी - अह - सौतेली माँ कमरे में थीं।"
"क्या वह पहले की तरह ही सामान्य लग रहा था?"
थोड़ी सी व्यंग्यात्मकता के साथ, फिलिप ने उत्तर दिया: "उसे इस बात का जरा भी पूर्वज्ञान नहीं था कि उस दिन उसकी हत्या कर दी जाएगी।"
"क्या आपके पिता का हिस्सा इस हिस्से से पूरी तरह अलग है?"
"हां, वहां तक पहुंचने का एकमात्र रास्ता हॉल में स्थित दरवाजे से होकर ही है।"
क्या वह दरवाजा हमेशा बंद रहता है?
"नहीं।"
"कभी नहीं?"
"मैंने इसे कभी ऐसा होते नहीं देखा।"
"घर के उस हिस्से और इस हिस्से के बीच कोई भी आसानी से आ-जा सकता था?"
"बिल्कुल। यह केवल घरेलू सुविधा के दृष्टिकोण से ही अलग था।"
आपको अपने पिता की मृत्यु के बारे में सबसे पहले कैसे पता चला?
"ऊपरी मंजिल के पश्चिमी हिस्से में रहने वाला मेरा भाई रोजर दौड़कर नीचे आया और मुझे बताया कि मेरे पिता को अचानक दौरा पड़ गया है। उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी और वे बहुत बीमार लग रहे थे।"
"आपने क्या किया?"

"मैंने डॉक्टर को फोन किया, जिसके बारे में किसी ने सोचा भी नहीं था। डॉक्टर बाहर थे - लेकिन मैंने उनके लिए जल्द से जल्द आने का संदेश छोड़ दिया। फिर मैं ऊपर चला गया।"
"और तब?"
"मेरे पिता स्पष्ट रूप से बहुत बीमार थे। डॉक्टर के आने से पहले ही उनका निधन हो गया।" फिलिप की आवाज़ में कोई भावना नहीं थी। यह एक सीधा-सादा तथ्य था।
"आपके परिवार के बाकी सदस्य कहाँ थे?"
"मेरी पत्नी लंदन में थी। वह कुछ ही समय बाद लौट आई। मुझे लगता है कि सोफिया भी अनुपस्थित थी। दोनों छोटे बच्चे, यूस्टेस और जोसेफिन, घर पर थे।"
"मुझे उम्मीद है कि आप मुझे गलत नहीं समझेंगे, श्री लियोनाइड्स, अगर मैं आपसे पूछूं कि आपके पिता की मृत्यु आपकी आर्थिक स्थिति को ठीक-ठीक कैसे प्रभावित करेगी।"
"मैं इस बात को पूरी तरह समझता हूँ कि आप सभी तथ्य जानना चाहते हैं। मेरे पिता ने हमें कई साल पहले आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना दिया था। उन्होंने मेरे भाई को अपनी सबसे बड़ी कंपनी, एसोसिएटेड कैटरिंग का चेयरमैन और प्रमुख शेयरधारक बनाया और उसका पूरा प्रबंधन उसे सौंप दिया। उन्होंने मुझे भी उतनी ही राशि दी, जितनी उन्हें उचित लगी - वास्तव में मुझे लगता है कि यह विभिन्न बॉन्ड और प्रतिभूतियों के रूप में डेढ़ लाख पाउंड थी - ताकि मैं उस पूंजी का उपयोग अपनी इच्छानुसार कर सकूँ। उन्होंने मेरी दो बहनों के लिए भी काफी बड़ी रकम रखी थी, जिनका अब निधन हो चुका है।"
"लेकिन फिर भी वह अपने आप को बहुत अमीर आदमी छोड़कर गया?"
"नहीं, असल में उन्होंने अपने लिए अपेक्षाकृत मामूली आमदनी ही रखी थी। उनका कहना था कि इससे उन्हें जीवन में रुचि बनी रहेगी। तब से," फिलिप के होठों पर पहली बार हल्की सी मुस्कान आई, "विभिन्न उपक्रमों के फलस्वरूप वे पहले से भी अधिक धनी हो गए हैं।"
"आप और आपका भाई यहां रहने आए थे। क्या यह किसी आर्थिक कठिनाई का परिणाम नहीं था?"

"बिल्कुल नहीं। यह महज सुविधा की बात थी। मेरे पिता हमेशा हमसे कहते थे कि हम उनके साथ घर बसाने के लिए स्वतंत्र हैं। घरेलू कारणों से मेरे लिए ऐसा करना सुविधाजनक था।"
फिलिप ने जानबूझकर आगे कहा, "मैं अपने पिता से बहुत प्यार करता था। मैं 1937 में अपने परिवार के साथ यहां आया था। मैं किराया नहीं देता, लेकिन करों में अपना हिस्सा जरूर देता हूं।"
"और आपका भाई?"
"1943 में लंदन में उनके घर पर बमबारी होने के बाद मेरा भाई यहां आया था।"
"श्रीमान लियोनाइड्स, क्या आपको इस बात का कोई अंदाजा है कि आपके पिता की वसीयत में क्या प्रावधान हैं?"
"एक बहुत ही स्पष्ट विचार। 1945 में शांति की घोषणा के तुरंत बाद उन्होंने अपनी वसीयत में बदलाव किया। मेरे पिता गुप्त स्वभाव के व्यक्ति नहीं थे। उनमें परिवार के प्रति गहरा लगाव था। उन्होंने एक पारिवारिक बैठक बुलाई जिसमें उनके वकील भी उपस्थित थे और जिन्होंने उनके अनुरोध पर हमें वसीयत की शर्तें स्पष्ट रूप से समझाईं। मुझे उम्मीद है कि आप इन शर्तों से पहले से ही परिचित होंगे। श्री गेट्सकिल ने निस्संदेह आपको सूचित कर दिया होगा। मोटे तौर पर, मेरी सौतेली माँ को उनके पहले से ही उदार विवाह समझौते के अतिरिक्त एक लाख पाउंड की कर-मुक्त राशि दी गई थी। उनकी संपत्ति का शेष भाग तीन भागों में विभाजित किया गया था, एक भाग मुझे, एक भाग मेरे भाई को और तीसरा भाग तीन पोते-पोतियों के लिए ट्रस्ट में रखा गया था। संपत्ति काफी बड़ी है, लेकिन मृत्यु कर निश्चित रूप से बहुत अधिक होगा।"
"क्या आपने नौकरों या दान संस्थाओं के लिए कोई वसीयत की है?"
"किसी भी प्रकार की कोई वसीयत नहीं थी। यदि नौकर उनकी सेवा में बने रहते थे, तो उनके वेतन में प्रतिवर्ष वृद्धि की जाती थी।"
"क्या आप - मेरे पूछने पर क्षमा चाहेंगे - वास्तव में पैसों की ज़रूरत में हैं, श्री लियोनाइड्स?"
"जैसा कि आप जानते हैं, आयकर कुछ ज्यादा ही है। मुख्य निरीक्षक - लेकिन मेरी आय मेरी और मेरी पत्नी की जरूरतों के लिए पर्याप्त है। इसके अलावा, मेरे पिता

अक्सर हम सभी को बहुत उदारतापूर्वक उपहार देते थे, और यदि कोई आपात स्थिति उत्पन्न होती, तो वे तुरंत मदद के लिए आगे आते।"
फिलिप ने ठंडे और स्पष्ट स्वर में कहा:
"मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि मेरे पिता की मृत्यु चाहने के पीछे मेरा कोई वित्तीय कारण नहीं था। मुख्य निरीक्षक।"
"श्री लियोनाइड्स, मुझे बहुत खेद है अगर आपको लगता है कि मैंने ऐसा कुछ कहा है। लेकिन हमें सभी तथ्यों का पता लगाना होगा। अब मुझे आपसे कुछ संवेदनशील प्रश्न पूछने होंगे। ये आपके पिता और उनकी पत्नी के बीच संबंधों से संबंधित हैं। क्या उनके बीच अच्छे संबंध थे?"
"जहां तक मुझे पता है, बिल्कुल सही।"
"कोई झगड़ा नहीं?"
"मुझे ऐसा नहीं लगता।"
"उम्र में बहुत बड़ा अंतर था?"
"वहाँ था।"
"क्या आपने - माफ कीजिएगा - अपने पिता के दूसरे विवाह को मंजूरी दी थी?"
"मेरी अनुमति नहीं मांगी गई थी।"
"यह कोई जवाब नहीं है, श्री लियोनाइड्स।"
"चूंकि आप इस बात पर जोर दे रहे हैं, इसलिए मैं कहूंगा कि मैंने शादी को नासमझी भरा कदम माना था।"
"क्या तुमने इस बारे में अपने पिता से विरोध जताया?"
"जब मैंने इसके बारे में सुना, तब तक यह एक साकार तथ्य बन चुका था।"
"यह आपके लिए काफी चौंकाने वाली बात है - है ना?"
फिलिप ने कोई जवाब नहीं दिया।
"क्या इस मामले को लेकर कोई दुर्भावना थी?"
"मेरे पिता को अपनी मर्जी से कुछ भी करने की पूरी आजादी थी।"
"श्रीमती लियोनाइड्स के साथ आपके संबंध सौहार्दपूर्ण रहे हैं?"
"बिल्कुल सही।"
"क्या आपके उसके साथ अच्छे संबंध थे?"

"हमारी मुलाकात बहुत कम होती है।"
मुख्य निरीक्षक टैवर्नर ने अपना रुख बदल दिया।
"क्या आप मुझे मिस्टर लॉरेंस ब्राउन के बारे में कुछ बता सकते हैं?"
मुझे खेद है कि मैं ऐसा नहीं कर सकता। उन्हें मेरे पिता ने नियुक्त किया था।
"लेकिन उन्हें आपके बच्चों को पढ़ाने के लिए नियुक्त किया गया था, श्री लियोनाइड्स।"
"जी हां। मेरा बेटा लकवाग्रस्त था - सौभाग्य से हल्का मामला था - और उसे सरकारी स्कूल भेजना उचित नहीं समझा गया। मेरे पिता ने सुझाव दिया कि उसे और मेरी छोटी बेटी जोसेफिन को एक निजी ट्यूटर के पास भेजा जाए - उस समय विकल्प सीमित थे - क्योंकि ट्यूटर सैन्य सेवा के लिए अयोग्य होना चाहिए। उस युवक की योग्यता संतोषजनक थी, मेरे पिता और मेरी चाची (जो हमेशा बच्चों की देखभाल करती आई हैं) संतुष्ट थे, और मैंने भी सहमति दे दी। मैं यह भी कहना चाहूंगी कि मुझे उसकी पढ़ाई में कोई कमी नहीं दिखती, जो कर्तव्यनिष्ठ और पर्याप्त रही है।"
"उसका रहने का कमरा तुम्हारे पिता के हिस्से में है, यहाँ नहीं?"
"ऊपर ज्यादा जगह थी।"
"क्या आपने कभी ध्यान दिया है - मुझे यह पूछने के लिए खेद है - लॉरेंस ब्राउन और आपकी सौतेली माँ के बीच अंतरंगता के कोई संकेत?"
मुझे इस तरह की कोई चीज देखने का अवसर नहीं मिला है।
"क्या आपने इस विषय पर कोई गपशप या अफवाह सुनी है?"
"मैं गपशप या फालतू की बातों पर ध्यान नहीं देता, मुख्य निरीक्षक।"
इंस्पेक्टर टैवर्नर ने कहा, "बहुत प्रशंसनीय। तो आपने न तो कोई बुराई देखी है, न कोई बुराई सुनी है और न ही कोई बुराई बोल रहे हैं?"
"अगर आप इसे इस तरह कहना चाहें तो। मुख्य निरीक्षक।"
इंस्पेक्टर टैवर्नर उठ खड़े हुए।
उन्होंने कहा, "अच्छा, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, श्री लियोनाइड्स।"
मैं चुपचाप उसके पीछे-पीछे कमरे से बाहर निकल गया।
"वाह!" टैवर्नर ने कहा, "वह तो बिल्कुल ठंडा मिजाज का है!"

अध्याय 7

"और अब," टैवर्नर ने कहा, "हम जाकर श्रीमती फिलिप से बात करेंगे। उनका मंच नाम मैग्डा वेस्ट है।"

मैंने पूछा, "क्या वह अच्छी अभिनेत्री है?" उसने जवाब दिया, "मैं उसका नाम जानती हूँ, और मुझे लगता है कि मैंने उसे कई शो में देखा है, लेकिन मुझे याद नहीं आ रहा कि कब और कहाँ।"

टैवर्नर ने कहा, "वह उन लोगों में से एक हैं जो लगभग सफल हो चुकी हैं। उन्होंने वेस्ट एंड में एक-दो बार मुख्य भूमिका निभाई है, रिपर्टरी थिएटर में उन्होंने काफी नाम कमाया है - वह छोटे-मोटे प्रतिष्ठित थिएटरों और संडे क्लबों में खूब अभिनय करती हैं। सच तो यह है कि मुझे लगता है कि उन्हें अपनी आजीविका के लिए अभिनय पर निर्भर न रहना पड़ा है, जिससे उन्हें नुकसान हुआ है। उन्हें अपनी पसंद के काम चुनने और अपनी मर्जी से कहीं भी जाने की आजादी मिली है, और कभी-कभी वह किसी शो को फाइनेंस करने के लिए पैसे भी लगा देती हैं, जिसमें उन्हें कोई खास भूमिका पसंद आती है - आमतौर पर वह भूमिका उनके लिए बिल्कुल भी उपयुक्त नहीं होती। नतीजा यह है कि वह पेशेवर कलाकारों की श्रेणी से हटकर शौकिया कलाकारों की श्रेणी में आ गई हैं। वैसे, वह अच्छी कलाकार हैं, खासकर कॉमेडी में - लेकिन मैनेजर उन्हें ज्यादा पसंद नहीं करते - वे कहते हैं कि वह बहुत ज्यादा स्वतंत्र हैं, और झगड़ा करने वाली हैं - झगड़े भड़काती हैं और शरारत करने में मजा आता है। मुझे नहीं पता कि इसमें कितनी सच्चाई है - लेकिन वह अपने साथी कलाकारों के बीच ज्यादा लोकप्रिय नहीं हैं।"

सोफिया ड्राइंग रूम से बाहर आई और बोली, "मेरी मां यहीं अंदर हैं, चीफ इंस्पेक्टर।"

मैं टैवर्नर के पीछे-पीछे बड़े ड्राइंग रूम में गया। एक पल के लिए तो मैं उस महिला को मुश्किल से पहचान पाया जो जरीदार सोफे पर बैठी थी।

उनके बाल एडवर्डियन शैली में सिर पर ऊँचे गूंथे हुए थे, और उन्होंने गहरे भूरे रंग का एक सुव्यवस्थित कोट और स्कर्ट पहना हुआ था, जिसके साथ हल्के बैंगनी रंग की नाजुक सिलवटों वाली कमीज थी, जिसे गले में एक छोटे से ब्रोच से बांधा गया था। पहली बार मुझे उनकी मनमोहक, नुकीली नाक का आकर्षण महसूस हुआ।

मुझे एथेन सेलर की हल्की सी याद आई - और यह मानना बिल्कुल असंभव लग रहा था कि आड़ू रंग की नाइटी पहने वह तूफानी महिला यही थी।
"इंस्पेक्टर टैवर्नर?" उसने कहा। "अंदर आइए और बैठिए। क्या आप सिगरेट पिएंगे? यह बहुत ही भयानक मामला है। इस समय मैं इसे बिल्कुल भी सहन नहीं कर सकती।"
उसकी आवाज़ धीमी और भावहीन थी, मानो वह हर कीमत पर आत्म-नियंत्रण दिखाने के लिए दृढ़ संकल्पित हो। उसने आगे कहा, "अगर मैं आपकी किसी भी तरह से मदद कर सकूँ तो कृपया मुझे बताएं।"
"धन्यवाद, श्रीमती लियोनाइड्स। त्रासदी के समय आप कहाँ थीं?"
"मुझे लगता है कि मैं लंदन से गाड़ी चलाकर आ रही थी। उस दिन मैंने एक दोस्त के साथ आइवी में दोपहर का खाना खाया था। फिर हम एक ड्रेस शो में गए। बर्कले में हमने कुछ और दोस्तों के साथ ड्रिंक की। फिर मैं घर के लिए निकल पड़ी। जब मैं यहाँ पहुँची तो सब जगह अफरा-तफरी मची हुई थी। ऐसा लग रहा था कि मेरे ससुर को अचानक दौरा पड़ गया था। उनकी - मौत हो गई थी।"
उसकी आवाज थोड़ी सी कांप रही थी।
"क्या आप अपने ससुर को पसंद करते थे?"
मैं समर्पित था-
उसकी आवाज़ तेज़ हो गई। सोफिया ने डेगास की तस्वीर का कोण थोड़ा सा समायोजित किया। मैग्डा की आवाज़ फिर से पहले जैसी धीमी हो गई।
"मैं उन्हें बहुत पसंद करती थी," उन्होंने धीमी आवाज़ में कहा। "हम सभी उन्हें पसंद करते थे। वे हमारे प्रति बहुत अच्छे थे।"
"क्या श्रीमती लियोनाइड्स के साथ आपके संबंध अच्छे रहे?"
"हमने ब्रेंडा को ज्यादा नहीं देखा।"
"ऐसा क्यों था?"
"खैर, हम दोनों में ज्यादा समानता नहीं थी। बेचारी ब्रेंडा। उसके लिए जीवन कभी-कभी कठिन रहा होगा।"
सोफिया ने एक बार फिर डेगास की पेंटिंग के साथ छेड़छाड़ की।
"सचमुच? किस अर्थ में?"

"ओह, मुझे नहीं पता।" मैग्डा ने उदास सी मुस्कान के साथ सिर हिलाया।
"क्या श्रीमती लियोनाइड्स अपने पति से खुश थीं?"
"ओह, मुझे ऐसा लगता है।"
"कोई झगड़ा नहीं?"
फिर से सिर को हल्के से मुस्कुराते हुए हिलाया।
"मुझे सच में नहीं पता, इंस्पेक्टर साहब। घर का उनका हिस्सा बिल्कुल अलग है।"
"वह और मिस्टर लॉरेंस ब्राउन बहुत अच्छे दोस्त थे, है ना?"
मैग्डा लियोनिडेस अकड़ गई। उसकी आँखें टैवर्नर की ओर तिरस्कारपूर्ण ढंग से खुल गईं।
उन्होंने गरिमापूर्ण लहजे में कहा, "मुझे नहीं लगता कि आपको मुझसे इस तरह के सवाल पूछने चाहिए। ब्रेंडा सबके साथ बहुत दोस्ताना व्यवहार करती थी। वह वास्तव में बहुत ही मिलनसार स्वभाव की इंसान हैं।"
"क्या आपको मिस्टर लॉरेंस ब्राउन पसंद हैं?"
"वह बहुत शांत स्वभाव का है। काफी अच्छा है, लेकिन आपको शायद ही पता चलता है कि वह वहां है। मैंने उसे बहुत कम देखा है।"
"क्या उनका शिक्षण संतोषजनक है?"
"मुझे लगता है ऐसा ही है। मुझे सच में नहीं पता। फिलिप काफी संतुष्ट लग रहा है।"
टैवर्नर ने कुछ चौंकाने वाली रणनीति अपनाई।
मुझे यह पूछने के लिए खेद है, लेकिन आपकी राय में क्या मिस्टर ब्राउन और मिसेज ब्रेंडा लियोनाइड्स के बीच किसी तरह का प्रेम संबंध था?
मैग्डा उठ खड़ी हुई। वह सचमुच एक संभ्रांत महिला थी।
"मैंने इस तरह की किसी भी बात का कोई सबूत नहीं देखा है," उसने कहा। "मुझे नहीं लगता, इंस्पेक्टर साहब, कि यह सवाल आपको मुझसे पूछना चाहिए। वह मेरे ससुर की पत्नी थीं।"
मैं लगभग ताली बजाने ही वाला था।
मुख्य निरीक्षक भी खड़े हो गए।
"यह सवाल नौकरों के लिए ज्यादा उपयुक्त है?" उसने सुझाव दिया।
मैग्डा ने कोई जवाब नहीं दिया।

"धन्यवाद, श्रीमती लियोनाइड्स," इंस्पेक्टर ने कहा और बाहर चले गए।
"तुमने यह बहुत खूबसूरती से किया, प्यारी," सोफिया ने अपनी मां से स्नेहपूर्वक कहा।
मैग्डा ने अपने दाहिने कान के पीछे एक लट को संवारते हुए शीशे में खुद को देखा।
"जी हां," उसने कहा, "मुझे लगता है कि इसे खेलने का यही सही तरीका था।"
सोफिया ने मेरी तरफ देखा।
उसने पूछा, "क्या आपको इंस्पेक्टर के साथ नहीं जाना चाहिए?"
"सोफिया, यहाँ देखो, मुझे क्या करना चाहिए-"
मैं रुक गया। सोफिया की माँ के सामने सीधे-सीधे यह पूछना मेरे लिए ठीक नहीं था कि मेरी भूमिका क्या होनी चाहिए। मैग्डा लियोनिडेस ने अब तक मेरी उपस्थिति में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई थी, सिवाय इसके कि मैं बेटियों के बारे में बात खत्म करने का एक आसान जरिया बन सकता हूँ। मैं एक पत्रकार हो सकता था, उनकी बेटी का मंगेतर, या पुलिस बल का कोई गुमनाम चमचा, या यहाँ तक कि एक अंतिम संस्कार करने वाला भी - मैग्डा लियोनिडेस के लिए ये सभी एक ही श्रेणी में आते थे।
अपने पैरों की ओर देखते हुए, श्रीमती लियोनाइड्स ने असंतोष के साथ कहा:
"ये जूते गलत हैं। फिजूल के हैं।"
सोफिया के सिर हिलाने के आदेश का पालन करते हुए, मैं टैवर्नर के पीछे दौड़ा। बाहरी हॉल में सीढ़ियों की ओर जाने वाले दरवाजे से निकलते ही मैं उससे मिल गया।
"मैं बस बड़े भाई से मिलने जा रहा था," उसने बताया।
मैंने बिना किसी झिझक के अपनी समस्या उसके सामने रख दी।
"देखो यहाँ, सराय मालिक, मुझे कौन होना चाहिए?"
वह आश्चर्यचकित लग रहा था।
"तुम कौन हो?"
"हाँ, मैं इस घर में क्या कर रहा हूँ? अगर कोई मुझसे पूछे तो मैं क्या कहूँ?"
"ओह, मैं समझ गया।" उसने एक पल सोचा। फिर मुस्कुराया। "क्या किसी ने आपसे पूछा है?"
"अच्छा नहीं।"
तो फिर क्यों न इसे यहीं छोड़ दिया जाए। कभी स्पष्टीकरण न दें। यह एक बहुत अच्छा सिद्धांत है। खासकर ऐसे घर में जहां इतनी उथल-पुथल मची हो। हर कोई

अपनी निजी चिंताओं और आशंकाओं में इतना डूबा हुआ है कि सवाल पूछने की कोई गुंजाइश ही नहीं है। जब तक आप आत्मविश्वास से भरे दिखेंगे, वे आपको हल्के में लेंगे। जब तक जरूरत न हो, कुछ भी कहना बहुत बड़ी गलती है। हम्म, अब हम इस दरवाजे से होकर सीढ़ियों से ऊपर चलते हैं। कुछ भी बंद नहीं है। बेशक, मुझे उम्मीद है कि आप समझते हैं कि ये सारे सवाल जो मैं पूछ रहा हूं, सब बेबुनियाद हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि घर में कौन था और कौन नहीं, या उस दिन वे सब कहां थे-"
"तो क्यों -"
उन्होंने आगे कहा, "क्योंकि इससे कम से कम मुझे उन सभी को देखने, उनका आकलन करने, उनकी बातें सुनने और यह उम्मीद करने का मौका मिलता है कि संयोगवश कोई मुझे कोई उपयोगी सलाह दे दे।" वे एक पल चुप रहे और फिर धीरे से बोले, "मुझे यकीन है कि श्रीमती मैग्डा लियोनाइड्स चाहें तो बहुत कुछ उगल सकती हैं।"
मैंने पूछा, "क्या यह भरोसेमंद होगा?"
"नहीं," टैवर्नर ने कहा, "यह भरोसेमंद नहीं होगा। लेकिन इससे जांच की एक संभावित दिशा मिल सकती है। उस घर में हर किसी के पास साधन और अवसर थे। मुझे बस एक मकसद चाहिए।"
सीढ़ियों के शीर्ष पर, एक दरवाजा दाहिनी ओर के गलियारे को बंद कर रहा था। उस पर पीतल का एक दरवाज़ा लगा हुआ था और इंस्पेक्टर टैवर्नर ने विधिवत दस्तक दी। अंदर खड़े एक व्यक्ति ने अचानक ही दरवाजा खोल दिया। वह एक भद्दा, विशालकाय आदमी था, जिसके कंधे मजबूत थे, बाल काले और बिखरे हुए थे, और चेहरा बेहद बदसूरत था, लेकिन साथ ही साथ कुछ हद तक आकर्षक भी था। उसकी नज़रें हम पर पड़ीं और फिर झट से उस संकोची और शर्मिंदगी भरे अंदाज़ में हट गईं, जैसा कि शर्मीले लेकिन ईमानदार लोग अक्सर अपनाते हैं।
"ओह, मैं कहता हूँ," उसने कहा। "अंदर आ जाओ। जी हाँ, आ जाओ। मैं जा ही रहा था - लेकिन कोई बात नहीं। बैठक में आ जाओ। मैं क्लेमेंसी को बुलाता हूँ - ओह, तुम वहाँ हो, प्रिय। ये चीफ इंस्पेक्टर टैवर्नर हैं। वो - क्या किसी के पास सिगरेट हैं? बस एक मिनट रुको। अगर तुम्हें कोई आपत्ति न हो तो -"

वह एक स्क्रीन से टकरा गया, घबराए हुए अंदाज में उससे "मुझे माफ कर दीजिए" कहा और कमरे से बाहर चला गया।
यह कुछ हद तक एक भौंरे के चले जाने जैसा था और अपने पीछे एक ध्यान देने योग्य सन्नाटा छोड़ गया।
श्रीमती रोजर लियोनाइड्स खिड़की के पास खड़ी थीं। मैं उनकी शख्सियत और उस कमरे के माहौल से तुरंत आकर्षित हो गया जिसमें हम खड़े थे।
यह निश्चित रूप से उसका कमरा था। मुझे इस बात का पूरा यकीन था।
दीवारें सफ़ेद रंग से रंगी हुई थीं - बिल्कुल सफ़ेद, हाथीदांत या हल्के क्रीम रंग की नहीं, जैसा कि आमतौर पर घर की सजावट में "सफ़ेद" का मतलब होता है। उन पर कोई चित्र नहीं था, सिवाय एक चित्र के जो मेंटलपीस के ऊपर लगा था, गहरे भूरे और गहरे नीले रंग के त्रिभुजों से बनी एक ज्यामितीय कलाकृति।
वहाँ नाममात्र का फर्नीचर था - केवल कुछ ज़रूरी चीज़ें, तीन-चार कुर्सियाँ, एक कांच की मेज़, एक छोटी सी किताबों की अलमारी। कोई सजावट नहीं थी। रोशनी, खुलापन और हवा थी। यह नीचे वाले तल पर बने बड़े, रेशमी और फूलों से सजे ड्राइंग रूम से बिलकुल अलग था। और श्रीमती रोजर लियोनाइड्स, श्रीमती फिलिप लियोनाइड्स से उतनी ही अलग थीं जितनी एक महिला दूसरी से हो सकती है। जहाँ एक ओर ऐसा लगता था कि मैग्डा लियोनाइड्स कम से कम आधा दर्जन अलग-अलग महिलाएँ हो सकती थीं, और अक्सर होती भी थीं। वहीं दूसरी ओर, मुझे पूरा यकीन था कि क्लेमेंसी लियोनाइड्स हमेशा अपने आप में ही थीं। वह एक बेहद तीक्ष्ण और दृढ़ व्यक्तित्व वाली महिला थीं।
मेरी राय में, वह लगभग पचास वर्ष की थीं। उनके बाल भूरे थे, बहुत छोटे कटे हुए थे, लगभग ईटन क्रॉप स्टाइल में, लेकिन उनके छोटे, सुडौल सिर पर इतने सुंदर लग रहे थे कि उनमें वह कुरूपता बिल्कुल नहीं थी जो मैंने हमेशा इस तरह के हेयरकट से जोड़ी है। उनका चेहरा बुद्धिमान और संवेदनशील था, उनकी हल्की भूरी आँखों में एक अनोखी और गहरी खोज की तीव्रता थी। उन्होंने एक साधारण गहरे लाल रंग की ऊनी फ्रॉक पहनी हुई थी जो उनके दुबलेपन पर बिल्कुल फिट बैठ रही थी।
मुझे तुरंत ही लगा कि वह एक खतरनाक महिला है... शायद इसलिए क्योंकि मुझे लगा कि उसके जीवन जीने के मानदंड किसी आम महिला के नहीं होंगे। मुझे तुरंत

समझ आ गया कि सोफिया ने उसके लिए 'निर्दयता' शब्द का प्रयोग क्यों किया था।
कमरा ठंडा था और मुझे थोड़ी ठंड लग रही थी। क्लेमेंसी लियोनाइड्स ने शांत और सलीकेदार स्वर में कहा:
"कृपया बैठ जाइए, मुख्य निरीक्षक। क्या कोई और खबर है?"
"श्रीमती लियोनाइड्स की मृत्यु एसेरीन के कारण हुई थी।"
उसने सोच-समझकर कहा:
"तो इसका मतलब है कि यह हत्या है। यह किसी भी तरह की दुर्घटना नहीं हो सकती, है ना?"
"नहीं, श्रीमती लियोनाइड्स।"
"कृपया मेरे पति के साथ बहुत नरमी से पेश आइए, मुख्य निरीक्षक। इसका उन पर बहुत गहरा असर पड़ेगा। वे अपने पिता को बहुत मानते थे और वे हर बात को बहुत गहराई से महसूस करते हैं। वे एक भावुक व्यक्ति हैं।"
"श्रीमती लियोनाइड्स, आपके अपने ससुर के साथ अच्छे संबंध थे?"
"हां, हमारे संबंध काफी अच्छे थे।" उसने धीरे से कहा, "मैं उसे ज्यादा पसंद नहीं करती थी।"
"ऐसा क्यों था?"
मुझे जीवन के प्रति उनके उद्देश्य और उन्हें प्राप्त करने के उनके तरीके नापसंद थे।
और श्रीमती ब्रेंडा लियोनाइड्स?
"ब्रेंडा? मैंने उसे कभी ज्यादा नहीं देखा।"
"क्या आपको लगता है कि उनके और मिस्टर लॉरेंस ब्राउन के बीच कुछ संबंध था?"
"आपका मतलब है - किसी तरह का प्रेम प्रसंग? मुझे तो ऐसा नहीं लगता। लेकिन मुझे इसके बारे में कुछ पता भी नहीं है।"
उसकी आवाज में बिल्कुल भी रुचि नहीं झलक रही थी।
रोजर लियोनाइड्स ने उसी फुर्ती और उसी भौंरे के प्रभाव के साथ वापसी की।
"मैं फंस गया था," उसने कहा। "फोन पर। इंस्पेक्टर साहब? क्या आपके पास कोई खबर है? मेरे पिता की मृत्यु का कारण क्या था?"
"मृत्यु एसेरीन विषाक्तता के कारण हुई।"

"क्या सच में? हे भगवान! फिर वो औरत थी! वो इंतज़ार नहीं कर सकी! उसने उसे लगभग गटर से बाहर निकाला और यही उसका इनाम है। उसने बेरहमी से उसकी हत्या कर दी! हे भगवान, ये सोचकर ही मेरा खून खौल उठता है।"
"क्या आपके ऐसा सोचने का कोई विशेष कारण है?" टैवर्नर ने पूछा।
रॉजर इधर-उधर टहल रहा था और दोनों हाथों से अपने बाल खींच रहा था।
कारण? और कौन हो सकता है? मैंने उस पर कभी भरोसा नहीं किया - उसे कभी पसंद नहीं किया! हममें से किसी ने भी उसे पसंद नहीं किया। फिलिप और मैं दोनों उस समय दंग रह गए जब पिताजी एक दिन घर आए और हमें बताया कि उन्होंने क्या किया है! उनकी उम्र में! यह पागलपन था - पागलपन। मेरे पिताजी एक अद्भुत इंसान थे। इंस्पेक्टर। बुद्धि में वे चालीस साल के आदमी जितने जवान और तरोताजा थे। दुनिया में मेरे पास जो कुछ भी है, वह उन्हीं की देन है। उन्होंने मेरे लिए सब कुछ किया - कभी मुझे निराश नहीं किया। जब मैं इस बारे में सोचता हूँ, तो मुझे लगता है कि मैंने ही उन्हें निराश किया है।
वह धड़ाम से कुर्सी पर गिर पड़ा। उसकी पत्नी चुपचाप उसके पास आई।
"अब बस करो, रॉजर। ज्यादा परेशान मत हो।"
"मुझे पता है, प्रियतम - मुझे पता है," उसने उसका हाथ पकड़ लिया। "लेकिन मैं शांत कैसे रहूँ - मैं अपनी भावनाओं को कैसे रोकूँ -"
"लेकिन हम सबको शांत रहना होगा, रोजर। चीफ इंस्पेक्टर टैवर्नर को हमारी मदद चाहिए।"
"जी हां, श्रीमती लियोनाइड्स।"
रोजर रो पड़ा:
"जानते हो मैं क्या करना चाहता हूँ? मैं उस औरत का गला अपने हाथों से घोंटना चाहता हूँ। उस बूढ़े आदमी को कुछ और साल जीने से रोकना चाहता हूँ। अगर वो यहाँ होती तो-" वह अचानक उठ खड़ा हुआ। वह गुस्से से काँप रहा था। उसने काँपते हुए हाथ फैलाए। "हाँ, मैं उसका गला दबा देता, उसका गला दबा देता..."
"रोजर!" क्लेमेंसी ने तीखे स्वर में कहा।
वह शर्मिंदा होकर उसकी ओर देखने लगा।

"माफ़ करना, प्रियतम।" वह हमारी ओर मुड़ा। "मैं वास्तव में माफ़ी चाहता हूँ। मेरी भावनाएँ मुझ पर हावी हो जाती हैं। मैं - मुझे माफ़ करना -"
वह फिर कमरे से बाहर चला गया। क्लेमेंसी लियोनाइड्स ने बहुत हल्की मुस्कान के साथ कहा:
"सच में, वह एक मक्खी को भी नुकसान नहीं पहुंचाएगा।"
टैवर्नर ने उनकी टिप्पणी को विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लिया।
फिर उन्होंने अपने तथाकथित नियमित प्रश्न पूछना शुरू कर दिया।
क्लेमेंसी लियोनाइड्स ने संक्षिप्त और सटीक उत्तर दिया।
रोजर लियोनाइड्स अपने पिता की मृत्यु के दिन लंदन के बॉक्स हाउस में थे, जो एसोसिएटेड कैटरिंग का मुख्यालय था। वे दोपहर में जल्दी लौट आए थे और अपनी आदत के अनुसार कुछ समय अपने पिता के साथ बिताया था। उनकी पत्नी हमेशा की तरह गोवर स्ट्रीट स्थित लैम्बर्ट इंस्टीट्यूट में थीं, जहाँ वे काम करती थीं। वे शाम छह बजे से कुछ पहले घर लौटी थीं।
"क्या आपने अपने ससुर को देखा?"
"नहीं। मैंने उसे आखिरी बार एक दिन पहले देखा था। हमने रात के खाने के बाद उसके साथ कॉफी पी थी।"
"लेकिन आपने उन्हें उनकी मृत्यु के दिन नहीं देखा था?"
नहीं। दरअसल, मैं घर के उनके हिस्से में इसलिए गया था क्योंकि रॉजर को लगा था कि उन्होंने अपनी पाइप वहीं छोड़ दी है - एक बहुत ही कीमती पाइप, लेकिन संयोग से उन्होंने उसे हॉल की मेज पर ही छोड़ दिया था, इसलिए मुझे बूढ़े आदमी को परेशान करने की जरूरत नहीं पड़ी। वह अक्सर शाम छह बजे के आसपास सो जाते थे।
आपको उनकी बीमारी के बारे में कब पता चला?
"ब्रेंडा दौड़ती हुई आई। यह साढ़े छह बजे के एक या दो मिनट बाद की बात थी।"
मुझे पता था कि ये सवाल महत्वहीन थे, लेकिन मुझे इस बात का एहसास था कि इंस्पेक्टर टैवर्नर उन सवालों का जवाब देने वाली महिला की कितनी बारीकी से जांच कर रहे थे। उन्होंने उससे लंदन में उसके काम के बारे में कुछ सवाल पूछे। उसने बताया कि उसका काम परमाणु विघटन के विकिरण प्रभावों से संबंधित था।

"आप वास्तव में परमाणु बम पर काम करते हैं?"
"इस कार्य में कुछ भी विनाशकारी नहीं है। संस्थान चिकित्सीय प्रभावों पर प्रयोग कर रहा है।"
जब टैवर्नर उठे, तो उन्होंने घर के अपने हिस्से को देखने की इच्छा जताई। वह थोड़ी हैरान दिखीं, लेकिन उन्होंने उन्हें आसानी से पूरा हिस्सा दिखा दिया। दो पलंगों और सफेद चादरों वाला शयनकक्ष और साधारण शौचालय के सामान ने मुझे फिर से किसी अस्पताल या मठ के कमरे की याद दिला दी। बाथरूम भी बिल्कुल सादा था, जिसमें कोई खास आलीशान साज-सज्जा या सौंदर्य प्रसाधनों का भंडार नहीं था। रसोई बिल्कुल खाली, बेदाग साफ-सुथरी थी और उसमें कामचलाऊ और व्यावहारिक उपकरण मौजूद थे। फिर हम एक दरवाजे पर पहुँचे जिसे क्लेमेंसी ने खोलते हुए कहा: "यह मेरे पति का खास कमरा है।"
"अंदर आओ," रोजर ने कहा। "अंदर आओ।"
मैंने राहत की एक हल्की सी साँस ली। बाकी कमरों की बेदाग सादगी मुझे कुछ परेशान कर रही थी। यह कमरा बेहद निजी था। यहाँ कागज़ों, पुरानी पाइपों और तंबाकू की राख से ढकी एक बड़ी फोल्डिंग डेस्क थी। बड़ी-बड़ी पुरानी आरामकुर्सियाँ थीं। फर्श पर फ़ारसी कालीन बिछे थे।
दीवारों पर तस्वीरों के समूह लगे थे, जिनकी कुछ तस्वीरें धुंधली पड़ चुकी थीं। स्कूली समूह, क्रिकेट समूह, सैन्य समूह। रेगिस्तानों और मीनारों के जलरंग चित्र, और नौकाओं, समुद्र के दृश्यों और सूर्यास्त के चित्र। किसी तरह, यह एक सुखद कमरा था, एक प्यारे, मिलनसार और स्नेहशील व्यक्ति का कमरा।
रॉजर अनाड़ीपन से एक गिलास से पेय पदार्थ परोस रहा था और साथ ही एक कुर्सी से किताबें और कागज़ हटा रहा था।
"जगह बहुत अस्त-व्यस्त है। मैं काम निपटा रहा था। पुराने कागजात साफ कर रहा था। बताओ कब।" इंस्पेक्टर ने पेय लेने से इनकार कर दिया। मैंने स्वीकार कर लिया।
“तुम्हें अभी मुझे माफ़ कर देना चाहिए,” रॉजर ने आगे कहा। वह मेरा पेय लेकर आया और ऐसा करते हुए उसने अपना सिर घुमाकर टैवर्नर से बात की। “मेरी भावनाएँ मुझ पर हावी हो गईं थीं।”

उसने लगभग अपराधबोध से चारों ओर देखा, लेकिन क्लेमेंसी लियोनाइड्स हमारे साथ कमरे में नहीं आई थीं।
उन्होंने कहा, "वह बहुत ही शानदार हैं।" मेरी पत्नी, मेरा मतलब है। इस पूरे समय में, वह शानदार रही हैं - शानदार! मैं आपको बता नहीं सकता कि मैं उस महिला की कितनी प्रशंसा करता हूँ। और उन्होंने बहुत कठिन समय देखा है - एक भयानक समय। मैं आपको इसके बारे में बताना चाहता हूँ। हमारी शादी से पहले की बात है। उनके पहले पति एक अच्छे इंसान थे - मेरा मतलब है, बहुत बुद्धिमान - लेकिन बेहद नाजुक - वास्तव में तपेदिक से पीड़ित थे। मुझे लगता है कि वह क्रिस्टलोग्राफी पर कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण शोध कार्य कर रहे थे। कम वेतन और बहुत अधिक अपेक्षाएँ, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने उनके लिए गुलामी की, एक तरह से उनका भरण-पोषण किया, यह जानते हुए भी कि वह मर रहे हैं। और कभी कोई शिकायत नहीं - कभी कमजोरी का कोई संकेत नहीं। वह हमेशा कहती थीं कि वह खुश हैं। फिर उनकी मृत्यु हो गई, और वह बुरी तरह टूट गईं। आखिरकार वह मुझसे शादी करने के लिए राजी हो गईं। मुझे खुशी थी कि मैं उन्हें कुछ आराम, कुछ खुशी दे सका, मैं चाहता था कि वह काम करना छोड़ दें, लेकिन निश्चित रूप से उन्होंने युद्ध के समय में इसे अपना कर्तव्य समझा, और ऐसा लगता है कि उन्हें अभी भी लगता है कि उन्हें काम करते रहना चाहिए। वह रही हैं एक अद्भुत पत्नी - किसी भी पुरुष को मिलने वाली सबसे अद्भुत पत्नी। हे भगवान, मैं कितना भाग्यशाली हूँ! मैं उसके लिए कुछ भी कर सकता हूँ।
टैवर्नर ने उचित उत्तर दिया। फिर उन्होंने एक बार फिर वही परिचित नियमित प्रश्न पूछना शुरू किया। उन्हें अपने पिता की बीमारी के बारे में पहली बार कब पता चला था?
"ब्रेंडा मुझे फोन करने के लिए दौड़कर आई थी। मेरे पिता बीमार थे - उसने कहा कि उन्हें किसी तरह का दौरा पड़ा था।"
"मैं लगभग आधे घंटे पहले ही उस प्यारे बूढ़े आदमी के साथ बैठा था। तब वह बिल्कुल ठीक था। मैं तुरंत उसके पास भागा। उसका चेहरा नीला पड़ गया था और वह हांफ रहा था। मैं फिलिप के पास भागा। उसने डॉक्टर को फोन किया। हम कुछ नहीं कर सकते थे। बेशक, उस समय मैंने एक पल के लिए भी नहीं सोचा था कि कुछ

गड़बड़ हुई होगी। गड़बड़? क्या मैंने गड़बड़ कह दिया? हे भगवान, यह कैसा शब्द है।"
थोड़ी मुश्किल से, टैवर्नर और मैं रोजर लियोनाइड्स के कमरे के भावनात्मक माहौल से खुद को अलग कर पाए और खुद को दरवाजे के बाहर, एक बार फिर सीढ़ियों के शीर्ष पर पाया।
"वाह!" टैवर्नर ने कहा। "दूसरे भाई से कितना अलग है!" उसने कुछ बेतुके अंदाज़ में आगे कहा, "कमरे तो बड़ी अजीब चीज़ें हैं। इनसे आपको इनमें रहने वाले लोगों के बारे में बहुत कुछ पता चल जाता है।"
मैंने सहमति जताई और वह आगे बोलने लगा।
"जो लोग आपस में ही शादी कर लेते हैं, वे भी कितने अजीब होते हैं, है ना?"
मुझे ठीक से समझ नहीं आया कि वह क्लेमेंसी और रोजर की बात कर रहे थे या फिलिप और मैग्डा की। उनके शब्द दोनों पर समान रूप से लागू होते थे। फिर भी मुझे लगता है कि दोनों ही विवाहों को सुखी विवाह कहा जा सकता है। रोजर और क्लेमेंसी का विवाह तो निश्चित रूप से सुखी था।
"मुझे नहीं लगता कि वह ज़हर देने वाला था, क्या आप ऐसा कहेंगे?" टैवर्नर ने पूछा।
"तुरंत तो नहीं। बेशक, कुछ कहा नहीं जा सकता। अब वह उस तरह की औरत है। निर्दयी किस्म की औरत। शायद थोड़ी पागल भी हो।"
मैंने फिर सहमति जताई। "लेकिन मुझे नहीं लगता," मैंने कहा, "कि वह किसी की हत्या सिर्फ इसलिए कर देगी क्योंकि उसे उनके उद्देश्य और जीवनशैली पसंद नहीं थी। शायद, अगर वह सच में उस बूढ़े आदमी से नफरत करती हो - लेकिन क्या कोई हत्या सिर्फ घृणा के कारण की जाती है?"
"बहुत कम," टैवर्नर ने कहा। "मैंने खुद कभी किसी को नहीं देखा। नहीं, मुझे लगता है कि श्रीमती ब्रेंडा के साथ रहना हमारे लिए ज़्यादा सुरक्षित है। लेकिन भगवान जाने हमें कभी कोई सबूत मिलेगा या नहीं।"

अध्याय 8

एक नौकरानी ने हमारे सामने वाले विंग का दरवाजा खोला। टैवर्नर को देखकर वह डरी हुई लग रही थी, लेकिन उसके चेहरे पर थोड़ी सी तिरस्कार की भावना भी झलक रही थी।

"क्या आप मालकिन को देखना चाहते हैं?"

"जी कहिये।"

वह हमें एक बड़े से ड्राइंग रूम में ले गई और बाहर चली गई।

इसका आकार नीचे भूतल पर स्थित ड्राइंग रूम के समान था।

वहाँ रंग-बिरंगे क्रेटन के पर्दे थे, जो बेहद चटख रंगों के थे, और धारीदार रेशमी पर्दे थे। मेंटलपीस के ऊपर एक चित्र टंगा था जिसने मेरी निगाहें अपनी ओर खींच लीं - न केवल उसे बनाने वाले कुशल चित्रकार की कला के कारण, बल्कि चित्र में दिख रहे व्यक्ति के आकर्षक चेहरे के कारण भी।

यह एक छोटे कद के बूढ़े व्यक्ति का चित्र था, जिसकी गहरी, भेदक आँखें थीं। उन्होंने काले मखमल की टोपी पहन रखी थी और उनका सिर कंधों में धंसा हुआ था, फिर भी उस व्यक्ति की जीवंतता और शक्ति कैनवास से झलक रही थी। उनकी टिमटिमाती आँखें मानो मेरी आँखों में देख रही थीं।

मुख्य निरीक्षक टैवर्नर ने व्याकरण की दृष्टि से त्रुटिपूर्ण लहजे में कहा, "यह वही है। ऑगस्टस जॉन द्वारा चित्रित। उसका व्यक्तित्व तो कमाल का है, है ना?"

"हां," मैंने कहा और मुझे लगा कि एक शब्द कहना अपर्याप्त होगा।

अब मुझे समझ में आ गया कि एडिथ डी हैविलैंड का क्या मतलब था जब उन्होंने कहा था कि उनके बिना घर बिल्कुल सूना लगता है। यही वो टेढ़ा-मेढ़ा छोटा आदमी था जिसने टेढ़ा-मेढ़ा छोटा घर बनाया था - और उनके बिना टेढ़े-मेढ़े छोटे घर का कोई मतलब ही नहीं रह गया था।

"वहाँ जो चित्र है, वह उनकी पहली पत्नी का है, जिसे सार्जेंट ने बनाया है," टैवर्नर ने कहा।

मैंने खिड़कियों के बीच दीवार पर लगी तस्वीर को गौर से देखा। उसमें सार्जेंट के कई चित्रों की तरह एक खास तरह की क्रूरता झलक रही थी। मुझे लगा कि चेहरे की लंबाई कुछ ज़्यादा ही बढ़ा-चढ़ाकर दिखाई गई है - साथ ही घोड़े जैसी हल्की सी

झलक भी - लेकिन यह बिल्कुल सटीक था - यह एक आम अंग्रेज़ महिला का चित्र था - देहाती (न कि संभ्रांत) समाज की। सुंदर, लेकिन कुछ हद तक बेजान। मेंटलपीस के ऊपर मुस्कुराता हुआ शक्तिशाली छोटा तानाशाह के लिए एक बिल्कुल ही असंभावित पत्नी।
दरवाजा खुला और सार्जेंट लैम्ब अंदर आ गए।
"मैंने नौकरों के साथ जो कुछ कर सकता था, किया, महोदय," उसने कहा। "कुछ नहीं मिला।"
सराय मालिक ने आह भरी।
सार्जेंट लैम्ब ने अपनी नोटबुक निकाली और कमरे के दूसरे छोर पर जाकर चुपचाप बैठ गए।
दरवाजा फिर खुला और एरिस्टाइड लियोनाइड्स की दूसरी पत्नी कमरे में आई। उसने काले रंग के कपड़े पहने थे - बेहद महंगे और काफी मात्रा में। ये कपड़े उसके गले से लेकर कलाई तक ढके हुए थे। वह सहज और सुस्त ढंग से चल रही थी, और काला रंग उस पर खूब जंच रहा था। उसका चेहरा हल्का-फुल्का सुंदर था और उसके भूरे बाल कुछ ज्यादा ही सजे-धजे थे। उसके चेहरे पर पाउडर लगा हुआ था और उसने लिपस्टिक और रूज भी लगाया हुआ था, लेकिन साफ दिख रहा था कि वह रोई थी। उसने मोतियों की एक बड़ी माला पहनी हुई थी और एक हाथ में पन्ना की बड़ी अंगूठी और दूसरे हाथ में एक विशाल माणिक्य था।
मैंने उसके बारे में एक और बात देखी। वह डरी हुई लग रही थी।
"सुप्रभात, श्रीमती लियोनाइड्स," टैवर्नर ने सहजता से कहा। "मुझे खेद है कि मुझे आपको फिर से परेशान करना पड़ रहा है।"
उसने सपाट स्वर में कहा, "मुझे लगता है कि इसका कोई उपाय नहीं है।"
"श्रीमती लियोनाइड्स, आप समझती हैं ना कि यदि आप चाहती हैं कि आपका वकील उपस्थित रहे, तो यह पूरी तरह से उचित है।"
मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या वह उन शब्दों का महत्व समझती है। जाहिर तौर पर नहीं। उसने बस इतना कहा, कुछ रूठे हुए स्वर में: "मुझे मिस्टर गेट्सकिल पसंद नहीं हैं। मैं उन्हें नहीं चाहती।"
"श्रीमती लियोनाइड्स, आप अपना खुद का वकील रख सकती हैं।"

"क्या मुझे ऐसा करना ही होगा? मुझे वकीलों से नफरत है। वे मुझे उलझन में डाल देते हैं।"
"यह पूरी तरह से आप पर निर्भर करता है," टैवर्नर ने मुस्कुराते हुए कहा। "तो क्या हम आगे बढ़ें?"
सार्जेंट लैम्ब ने अपनी पेंसिल चाटी। ब्रेंडा लियोनाइड्स टैवर्नर के सामने सोफे पर बैठ गई।
"क्या आपको कुछ पता चला?" उसने पूछा।
मैंने देखा कि वह घबराहट में अपनी ड्रेस के शिफॉन की एक प्लीट को बार-बार मोड़ और सीधा कर रही थी।
"अब हम निश्चित रूप से कह सकते हैं कि आपके पति की मृत्यु एसेरीन विषाक्तता के परिणामस्वरूप हुई।"
"क्या आपका मतलब है कि उन आई ड्रॉप्स से उसकी मौत हुई?"
"ऐसा लगता है कि यह लगभग निश्चित है कि जब आपने श्री लियोनाइड्स को वह आखिरी इंजेक्शन दिया था, तो आपने एसेरीन का इंजेक्शन लगाया था, न कि इंसुलिन का।"
"लेकिन मुझे यह पता नहीं था। मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं था। सचमुच, इंस्पेक्टर साहब।"
"तो फिर किसी ने जानबूझकर इंसुलिन की जगह आईड्रॉप्स डाल दी होंगी।"
"यह तो बहुत ही बुरा काम है!"
"जी हां, श्रीमती लियोनाइड्स।"
"क्या आपको लगता है कि किसी ने जानबूझकर ऐसा किया? या गलती से? यह कोई मज़ाक तो नहीं हो सकता, है ना?"
टैवर्नर ने सहजता से कहा: "हमें नहीं लगता कि यह कोई मजाक था, श्रीमती लियोनाइड्स।"
"यह नौकरों में से ही कोई रहा होगा।"
टैवर्नर ने कोई जवाब नहीं दिया।
"ऐसा होना ही चाहिए। मुझे नहीं लगता कि इसके अलावा कोई और यह कर सकता था।"

"क्या आप निश्चित हैं? सोचिए, श्रीमती लियोनाइड्स। क्या आपके पास कोई विचार ही नहीं है? कहीं कोई दुर्भावना तो नहीं थी? कोई झगड़ा नहीं? कोई द्वेष नहीं?"
वह अब भी बड़ी-बड़ी चुनौती भरी आँखों से उसे घूर रही थी।
"मुझे बिल्कुल भी पता नहीं है," उसने कहा।
"आपने कहा था कि आप उस दोपहर सिनेमा हॉल में थे?"
"हाँ - मैं साढ़े छह बजे आई थी - इंसुलिन का समय हो गया था - मैंने - मैंने - उसे हमेशा की तरह इंजेक्शन लगाया और वह एकदम अजीब हो गया। मैं बहुत डर गई थी - मैं तुरंत रॉजर के पास भागी - मैंने तुम्हें यह सब पहले भी बताया है। क्या मुझे इसे बार-बार दोहराना पड़ेगा?" उसकी आवाज़ हिस्टीरिया से भर उठी।
"मुझे बहुत खेद है, श्रीमती लियोनाइड्स। अब क्या मैं श्री ब्राउन से बात कर सकता हूँ?"
"लॉरेंस को? क्यों? उसे तो इसके बारे में कुछ पता ही नहीं है।"
मैं फिर भी उनसे बात करना चाहूंगा।
उसने संदेह भरी निगाहों से उसे देखा।
"यूस्टेस कक्षा में उसके साथ लैटिन पढ़ रहा है। क्या आप चाहते हैं कि वह यहाँ आए?"
"नहीं - हम उसके पास जाएंगे।"
टैवर्नर झटपट कमरे से बाहर निकल गया। सार्जेंट और मैं उसके पीछे-पीछे गए।
"आपने उसे डरा दिया है, महोदय," सार्जेंट लैम्ब ने कहा।
टैवर्नर ने हल्की सी आवाज़ निकाली। वह आगे-आगे कुछ सीढ़ियाँ चढ़कर एक गलियारे से होते हुए एक बड़े कमरे में पहुँचा, जहाँ से बगीचे का नज़ारा दिखता था। वहाँ करीब तीस साल का एक गोरे बालों वाला युवक और सोलह साल का एक सुंदर सांवला लड़का एक मेज पर बैठे थे।
उन्होंने हमारे प्रवेश द्वार की ओर देखा। सोफिया के भाई यूस्टेस ने मेरी ओर देखा, लॉरेंस ब्राउन ने मुख्य निरीक्षक टैवर्नर पर पीड़ा भरी निगाहें गड़ा दीं।
मैंने किसी आदमी को इतना भयभीत और स्तब्ध कभी नहीं देखा। वह खड़ा हुआ, फिर बैठ गया। उसने कहा, और उसकी आवाज़ लगभग कांप रही थी,
"ओह - एर - सुप्रभात। इंस्पेक्टर।"

"सुप्रभात," टैवर्नर ने संक्षिप्त लहजे में कहा। "क्या मैं आपसे कुछ बात कर सकता हूँ?"
"जी हां, बिल्कुल। मुझे बेहद खुशी है। कम से कम -"
यूस्टेस उठ खड़ा हुआ।
"क्या आप चाहते हैं कि मैं चला जाऊं, मुख्य निरीक्षक?" उनकी आवाज मधुर थी, लेकिन उसमें थोड़ी सी अभिमान की झलक थी।
"हम अपनी पढ़ाई बाद में जारी रख सकते हैं," शिक्षक ने कहा।
यूस्टेस लापरवाही से दरवाजे की ओर बढ़ा। उसकी चाल कुछ अकड़ी हुई थी। जैसे ही वह दरवाजे से अंदर गया, उसकी नजर मुझ पर पड़ी, उसने अपनी तर्जनी उंगली गले के सामने फेरते हुए मुस्कुराया। फिर उसने दरवाजा बंद कर लिया।
"जी हां, मिस्टर ब्राउन," टैवर्नर ने कहा। "विश्लेषण बिल्कुल स्पष्ट है। एसेरीन ही मिस्टर लियोनाइड्स की मौत का कारण था।"
"मेरा मतलब है - श्री लियोनाइड्स को सचमुच जहर दिया गया था? मैं तो यही उम्मीद कर रहा था -"
"उसे जहर दिया गया था," टैवर्नर ने संक्षिप्त लहजे में कहा। "किसी ने इंसुलिन की जगह एसेरीन आईड्रॉप्स डाल दी थीं।"
मुझे विश्वास नहीं हो रहा... यह अविश्वसनीय है।
सवाल यह है कि मकसद किसका था?
"कोई नहीं। बिलकुल कोई नहीं!" युवक की आवाज उत्तेजित होकर ऊंची हो गई।
"आप नहीं चाहेंगे कि आपका वकील मौजूद रहे, है ना?" टैवर्नर ने पूछा।
"मेरे पास कोई वकील नहीं है। मुझे वकील चाहिए भी नहीं। मेरे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है - कुछ भी नहीं..."
और आप यह अच्छी तरह समझते हैं कि आप जो कुछ भी कहेंगे उसे हटा दिया जाएगा।
"मैं निर्दोष हूं - मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, मैं निर्दोष हूं।"
मैंने इसके अलावा कुछ और सुझाव नहीं दिया है।
टैवर्नर रुका। "श्रीमती लियोनाइड्स अपने पति से काफी छोटी थीं, है ना?"
"मुझे लगता है ऐसा ही है - मेरा मतलब है, हाँ।"

"उसे कभी-कभी अकेलापन महसूस होता होगा?"
लॉरेंस ब्राउन ने कोई जवाब नहीं दिया। उसने अपनी जीभ अपने सूखे होठों पर फेर ली।
"यहाँ अपने ही उम्र के लगभग एक साथी का रहना उसके लिए सुखद रहा होगा?"
"मैं - नहीं, बिल्कुल नहीं - मेरा मतलब है - मुझे नहीं पता।"
"मुझे तो यह बिलकुल स्वाभाविक लगता है कि आप दोनों के बीच लगाव पैदा हो गया।"
युवक ने पुरजोर विरोध जताया।
"ऐसा नहीं हुआ! बिलकुल नहीं! ऐसा कुछ भी नहीं! मुझे पता है आप क्या सोच रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं था! श्रीमती लियोनाइड्स हमेशा मेरे प्रति बहुत दयालु थीं और मैं उनका बहुत सम्मान करती थी - लेकिन इससे ज़्यादा कुछ नहीं - मैं आपको यकीन दिलाती हूँ। इस तरह की बातें कहना घिनौना है! घिनौना! मैं किसी की हत्या नहीं करूँगी - न ही बोतलों से छेड़छाड़ करूँगी - या ऐसा कुछ भी नहीं करूँगी। मैं बहुत संवेदनशील और चिड़चिड़ी हूँ। हत्या का ख्याल ही मेरे लिए एक बुरे सपने जैसा है - न्यायाधिकरण में वे इसे अच्छी तरह समझ गए थे - मुझे हत्या करने पर धार्मिक आपत्ति है। मैंने इसके बजाय अस्पताल में काम किया - बॉयलर चलाना - बहुत मेहनत वाला काम - मैं इसे जारी नहीं रख सकी - लेकिन उन्होंने मुझे शिक्षा का काम करने दिया। मैंने यहाँ यूस्टेस और जोसेफिन के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है - एक बहुत ही बुद्धिमान बच्ची, लेकिन थोड़ी मुश्किल। और सभी मेरे प्रति बहुत दयालु रहे हैं - श्री लियोनाइड्स, श्रीमती लियोनाइड्स और मिस डी हैविलैंड। और अब यह भयानक घटना घटित होती है... और आप मुझ पर - मुझ पर - हत्या का शक कर रहे हैं!"
इंस्पेक्टर टैवर्नर ने धीमी गति से, गहन मूल्यांकन की दृष्टि से उसकी ओर देखा। उन्होंने कहा, "मैंने ऐसा नहीं कहा है।"
"लेकिन आपको ऐसा लगता है! मुझे पता है आपको ऐसा लगता है! उन सबको ऐसा ही लगता है! वे मुझे घूरते हैं। मैं - मैं आपसे और बात नहीं कर सकती। मेरी तबीयत ठीक नहीं है।"

वह जल्दी से कमरे से बाहर निकल गया। टैवर्नर ने धीरे से अपना सिर घुमाकर मेरी तरफ देखा।
"अच्छा, आप उसके बारे में क्या सोचते हैं?"
वह बुरी तरह डरा हुआ है।
"हां, मुझे पता है, लेकिन क्या वह हत्यारा है?"
सार्जेंट लैम्ब ने कहा, "अगर आप मुझसे पूछें, तो उसमें इतनी हिम्मत कभी नहीं होती।"
"वह कभी किसी के सिर पर वार नहीं करता, न ही पिस्तौल चलाता," मुख्य निरीक्षक ने सहमति जताते हुए कहा, "लेकिन इस विशेष अपराध में क्या किया जा सकता है? बस कुछ बोतलों से छेड़छाड़ करना... बस एक बहुत बूढ़े आदमी को अपेक्षाकृत कम दर्दनाक तरीके से इस दुनिया से विदा कर देना।"
सार्जेंट ने कहा, "व्यावहारिक रूप से इच्छामृत्यु। और फिर, शायद, एक उचित अंतराल के बाद, एक ऐसी महिला से शादी, जिसे विरासत में एक लाख पाउंड बिना किसी कर के मिलते हैं, जिसके पास पहले से ही लगभग उतनी ही राशि का उत्तराधिकार है, और जिसके पास मोती, माणिक और पन्ना हैं जो किसी अंडे के आकार के हैं!"
"खैर-" टैवर्नर ने आह भरी। "यह सब तो सिर्फ़ अटकलें और अनुमान हैं! मैंने उसे डरा तो दिया, पर इससे कुछ साबित नहीं होता। अगर वह निर्दोष भी होता, तो भी उसके डरने की उतनी ही संभावना थी। और वैसे भी, मुझे शक है कि उसने ही यह किया होगा। ज़्यादा संभावना है कि यह काम उस औरत ने किया होगा - आख़िर उसने इंसुलिन की बोतल फेंकी क्यों नहीं, या उसे धोया क्यों नहीं?" वह सार्जेंट की ओर मुड़ा। "नौकरों से किसी भी घटना के बारे में कोई सबूत नहीं मिला?"
"मालकिन का कहना है कि वे दोनों एक-दूसरे को पसंद करते हैं।"
"क्या आधार हैं?"
"जब वह उसके लिए कॉफी डालती है तो वह जिस तरह से उसे देखता है।"
"अदालत में इसका क्या फायदा होगा! निश्चित रूप से कोई भी गलत काम नहीं चलेगा?"
"ऐसा नहीं है कि किसी ने देखा हो।"

"मुझे यकीन है कि अगर कुछ देखने लायक होता तो वे भी देख लेते। तुम्हें पता है, मुझे अब यकीन होने लगा है कि उनके बीच सच में कुछ भी नहीं है।" उसने मेरी तरफ देखा। "जाओ और उससे बात करो। मैं उसके बारे में तुम्हारी राय जानना चाहता हूँ।" मैं आधे मन से गया था, फिर भी मुझे दिलचस्पी थी।

अध्याय 9

मैंने ब्रेंडा लियोनाइड्स को ठीक उसी जगह बैठे हुए पाया जहाँ मैंने उसे छोड़ा था। मेरे अंदर आते ही उसने अचानक ऊपर देखा।

"इंस्पेक्टर टैवर्नर कहाँ हैं? क्या वह वापस आ रहे हैं?"

"बस अभी तक नहीं।"

"आप कौन हैं?"

अंततः मुझसे वही प्रश्न पूछा गया जिसका मुझे सुबह से इंतजार था। मैंने उसका उत्तर यथार्थ रूप से दिया।

"मेरा पुलिस से संबंध है, लेकिन मैं परिवार का दोस्त भी हूं।"

"परिवार! दरिंदे! मुझे उन सबसे नफरत है।"

उसने मेरी तरफ देखा, उसके होंठ हिल रहे थे। वह उदास, डरी हुई और गुस्से में लग रही थी।

"वे हमेशा से मेरे साथ बहुत बुरा बर्ताव करते आए हैं - हमेशा से। शुरू से ही। मैं उनके प्यारे पिता से शादी क्यों न कर लूँ? उन्हें इससे क्या फर्क पड़ता था? उनके पास तो पहले से ही बहुत पैसा था। उन्होंने ही तो उन्हें दिया था। उनमें खुद के लिए पैसा कमाने की अक्ल ही नहीं थी!"

उसने आगे कहा:

"एक आदमी दोबारा शादी क्यों नहीं कर सकता - भले ही वह थोड़ा बूढ़ा हो? और वह तो बिल्कुल भी बूढ़ा नहीं था - अपने आप में तो बिलकुल भी नहीं। मैं उसे बहुत पसंद करती थी। मैं उसे बहुत प्यार करती थी।" उसने मुझे चुनौती भरे लहजे में देखा।

मैंने कहा, "मैं समझ गया। मैं समझ गया।"

"मुझे लगता है कि आपको इस पर यकीन नहीं होगा - लेकिन यह सच है। मैं मर्दों से तंग आ चुकी थी। मैं घर बसाना चाहती थी - मैं चाहती थी कि कोई मेरा ख्याल रखे और मुझसे प्यार भरी बातें करे। एरिस्टाइड मुझसे बहुत प्यार से बातें करता था - और वह आपको हंसा भी सकता था - और वह बहुत होशियार था। उसने इन सभी बेतुके नियमों से बचने के लिए तरह-तरह के चतुर तरीके सोच रखे थे। वह बहुत ही होशियार था। मुझे उसकी मौत का बिल्कुल भी दुख नहीं है। मुझे बहुत अफसोस है।"

वह सोफे पर पीछे की ओर झुक गई। उसका मुंह काफी चौड़ा था, जो एक अजीब सी नींद भरी मुस्कान में एक तरफ मुड़ा हुआ था।
"मैं यहाँ खुश रही हूँ। मैं सुरक्षित रही हूँ। मैं उन सभी शानदार दर्ज़ियों के पास गई - जिनके बारे में मैंने पढ़ा था। मैं किसी से कम नहीं थी। और एरिस्टाइड ने मुझे सुंदर चीज़ें दीं।" उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया और उस पर जड़े माणिक को देखा।
एक पल के लिए मुझे उसका हाथ और बांह किसी फैली हुई बिल्ली के पंजे की तरह दिखाई दिए, और उसकी आवाज़ बिल्ली की म्याऊं जैसी सुनाई दी। वह अब भी मन ही मन मुस्कुरा रही थी।
"इसमें क्या गलत है?" उसने पूछा।
"मैंने उसके साथ अच्छा व्यवहार किया। मैंने उसे खुश किया।" वह आगे झुकी। "क्या आप जानते हैं कि मैं उससे कैसे मिली?"
उसने जवाब का इंतजार किए बिना ही बोलना शुरू कर दिया।
"यह गे शैमरॉक में हुआ था। उन्होंने टोस्ट पर तले हुए अंडे मंगवाए थे और जब मैं उन्हें लेकर आई तो मैं रो रही थी। उन्होंने कहा, 'बैठ जाओ और बताओ क्या बात है।' मैंने कहा, 'अरे, मैं नहीं बता सकती। अगर मैंने ऐसा किया तो मुझे नौकरी से निकाल दिया जाएगा।' उन्होंने कहा, 'नहीं, ऐसा नहीं होगा, यह जगह मेरी है।'" तब मैंने उसकी तरफ देखा। पहले तो मुझे लगा कि वो एक अजीब सा बूढ़ा आदमी है - लेकिन उसमें एक अलग ही शक्ति थी। मैंने उसे सब कुछ बता दिया... मुझे लगता है कि आपने उनके बारे में सब कुछ सुना होगा - वे मुझे एक नंबर का बदमाश समझते होंगे - लेकिन मैं ऐसी नहीं थी। मेरी परवरिश बहुत सलीके से हुई थी। हमारी एक दुकान थी - एक बहुत ही ऊँची दुकान - कलात्मक कढ़ाई की। मैं कभी भी ऐसी लड़की नहीं थी जिसके बहुत सारे बॉयफ्रेंड हों या जो खुद को सस्ता समझे। लेकिन टेरी अलग था। वह आयरिश था - और वह विदेश जा रहा था... उसने कभी कुछ लिखा-पढ़ी नहीं की। मुझे लगता है कि मैं बेवकूफ थी। तो बस, बात ये थी। मैं मुसीबत में थी - बिल्कुल किसी भयानक नौकरानी की तरह...
उसकी आवाज में घमंड और तिरस्कार का भाव था।
"अरिस्टाइड अद्भुत थे। उन्होंने कहा कि सब ठीक हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वे अकेले हैं। उन्होंने कहा कि हमारी तुरंत शादी हो जाएगी। यह एक सपने जैसा था।

और फिर मुझे पता चला कि वे महान श्री लियोनाइड्स थे। उनके पास बहुत सारी दुकानें, रेस्तरां और नाइट क्लब थे। यह बिल्कुल किसी परी कथा जैसा था, है ना?"
मैंने रूखेपन से कहा, "एक तरह की परी कथा।"
"हमारी शादी शहर के एक छोटे से चर्च में हुई थी - और फिर हम विदेश चले गए।"
और बच्चा?
उसने दूर से आती हुई निगाहों से मेरी ओर देखा।
"दरअसल, बच्चा था ही नहीं। सब कुछ एक गलती थी।"
वह मुस्कुराई, उसकी मुस्कुराती हुई, तिरछी, मुड़ी हुई मुस्कान।
मैंने खुद से वादा किया था कि मैं उसकी एक अच्छी पत्नी बनूंगी, और मैं बनी भी। मैंने वो सब खाना मंगवाया जो उसे पसंद था, उसके मनपसंद कपड़े पहने और उसे खुश करने के लिए मैंने हर मुमकिन कोशिश की। और वो खुश था। लेकिन हम उसके उस परिवार से कभी छुटकारा नहीं पा सके। हमेशा आते रहते, मुफ्तखोरी करते और उसकी जेब में रहते। बूढ़ी मिस डी हैविलैंड - मुझे लगता है कि जब उसकी शादी हुई थी, तब उसे चले जाना चाहिए था। मैंने ऐसा कहा भी था। लेकिन एरिस्टाइड ने कहा, 'वो इतने लंबे समय से यहीं है। अब तो यही उसका घर है।' सच तो ये है कि उसे उन सबको अपने आस-पास और हर कदम पर रखना अच्छा लगता था। वे मेरे साथ बहुत बुरा बर्ताव करते थे, लेकिन उसे कभी इस बात का एहसास नहीं हुआ या उसे कोई फर्क नहीं पड़ा। रॉजर मुझसे नफरत करता है - क्या तुमने रॉजर को देखा है? वो हमेशा से मुझसे नफरत करता रहा है। वो ईर्ष्यालु है। और फिलिप इतना घमंडी है कि वो मुझसे कभी बात नहीं करता। और अब वे ये जताने की कोशिश कर रहे हैं कि मैंने उसकी हत्या की है - और मैंने नहीं की - मैंने नहीं की!'' वह मेरी तरफ झुकी। 'कृपया यकीन मानिए कि मैंने नहीं की?'
मुझे उसकी हालत बेहद दयनीय लगी। लियोनाइड्स परिवार ने जिस तिरस्कारपूर्ण ढंग से उसके बारे में बात की थी, और जिस उत्सुकता से वे यह मान रहे थे कि उसने ही अपराध किया है - अब, इस समय, यह सब सरासर अमानवीय व्यवहार प्रतीत हो रहा था। वह अकेली थी, असहाय थी, और उसका पीछा किया जा रहा था।
"और अगर यह मैं नहीं हूं, तो वे सोचते हैं कि यह लॉरेंस है," उसने आगे कहा।
मैंने पूछा, "लॉरेंस का क्या हुआ?"

"मुझे लॉरेंस के लिए बहुत दुख हो रहा है। वह नाज़ुक है और लड़ने नहीं जा सका। यह उसकी कायरता की वजह से नहीं है। बल्कि उसकी संवेदनशीलता की वजह से है। मैंने उसे खुश करने और उसका हौसला बढ़ाने की कोशिश की है। उसे उन बदतमीज़ बच्चों को पढ़ाना है। यूस्टेस हमेशा उसका मज़ाक उड़ाता रहता है, और जोसेफिन - खैर, आपने जोसेफिन को देखा ही होगा। आप जानते हैं कि वह कैसी है।"
मैंने कहा कि मैं अभी तक जोसेफिन से नहीं मिला हूँ।
"कभी-कभी मुझे लगता है कि वह बच्ची दिमागी तौर पर ठीक नहीं है। उसके तौर-तरीके बेहद घिनौने हैं, और वह अजीब दिखती है... कभी-कभी उसे देखकर मुझे डर लगता है।"
मैं जोसेफिन के बारे में बात नहीं करना चाहता था। मुझे लॉरेंस ब्राउन की याद आ गई।
मैंने पूछा, "यह कौन है? यह कहाँ से आया है?"
मैंने अपनी बात को ठीक से नहीं कहा था। वह शर्म से लाल हो गई।
"वह कोई खास व्यक्ति नहीं है। वह बिल्कुल मेरे जैसा है... उन सबके सामने हमारी क्या संभावना है?"
"क्या आपको नहीं लगता कि आप थोड़ी ज्यादा ही भावुक हो रही हैं?"
"नहीं, मैं ऐसा नहीं मानता। वे यह साबित करना चाहते हैं कि यह लॉरेंस ने किया - या मैंने किया। उनके पास वह पुलिसवाला है। मेरे बचने की क्या उम्मीद है?"
मैंने कहा, "तुम्हें ज्यादा परेशान नहीं होना चाहिए।"
"उसे मारने वाला उनमें से ही कोई क्यों नहीं हो सकता? या कोई बाहरी व्यक्ति? या कोई नौकर?"
"इसमें प्रेरणा की कमी साफ दिखती है।"
"अरे! मकसद। मेरा क्या मकसद था? या लॉरेंस का?"
मुझे यह कहते हुए थोड़ी असहजता महसूस हुई:
"शायद वे सोच रहे होंगे कि आप और - अह - लॉरेंस - एक दूसरे से प्यार करते हैं - कि आप शादी करना चाहते थे।"
वह एकदम सीधी होकर बैठ गई।

"ऐसा कहना तो बहुत ही गलत है! और ये सच भी नहीं है! हमने कभी एक-दूसरे से इस तरह की कोई बात नहीं कही। मुझे बस उस पर तरस आया और मैंने उसे खुश करने की कोशिश की। हम सिर्फ दोस्त हैं, बस इतना ही। आप मुझ पर विश्वास करते हैं, है ना?"
मैंने उसकी बात पर यकीन किया। मतलब, मैंने यह माना कि वह और लॉरेंस, जैसा कि उसने कहा था, सिर्फ दोस्त थे। लेकिन मुझे यह भी यकीन था कि शायद खुद उसे पता न हो, लेकिन वह असल में उस युवक से प्यार करती थी।
यही सोचकर मैं सोफिया की तलाश में नीचे गया।
जैसे ही मैं ड्राइंग रूम में जाने वाला था, सोफिया ने गलियारे में आगे एक दरवाजे से अपना सिर बाहर निकाला।
"हैलो," उसने कहा, "मैं नानी को दोपहर का खाना बनाने में मदद कर रही हूँ।"
मैं भी उसके साथ चला जाता, लेकिन वह गलियारे में बाहर आई, अपने पीछे दरवाजा बंद कर लिया और मेरा हाथ पकड़कर मुझे ड्राइंग रूम में ले गई जो खाली था।
"अच्छा," उसने कहा, "क्या तुमने ब्रेंडा को देखा? उसके बारे में तुम्हारा क्या विचार है?"
मैंने कहा, "सच कहूं तो मुझे उसके लिए दुख हुआ।"
सोफिया मुस्कुरा रही थी।
"मैं समझ गई," उसने कहा। "तो उसने तुम्हें फंसा लिया।"
मुझे थोड़ी झुंझलाहट महसूस हुई।
मैंने कहा, "बात यह है कि मैं उसकी बात समझ सकता हूँ। जाहिर है, आप नहीं समझ सकते।"
"उसकी तरफ से क्या?"
"सच कहूँ तो, सोफिया, जब से वह यहाँ आई है, क्या परिवार के किसी सदस्य ने उसके साथ कभी अच्छा व्यवहार किया है, या कम से कम उसके साथ ठीक से पेश आया है?"
"नहीं, हमने उसके साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया है। हमें क्यों करना चाहिए?"
"बस साधारण ईसाई दयालुता, और कुछ नहीं तो।"

"चार्ल्स, तुम तो बहुत ही ऊंचे नैतिक स्वर में बात कर रहे हो। ब्रेंडा ने अपना काम बहुत अच्छे से किया होगा।"
"सच में, सोफिया, तुम कुछ अजीब सी लग रही हो - मुझे नहीं पता कि तुम्हें क्या हो गया है।"
मैं बस सच बोल रहा हूँ, दिखावा नहीं कर रहा। आपने ब्रेंडा का पक्ष तो देख लिया, ऐसा आप कहते हैं। अब मेरा पक्ष भी देखिए। मुझे उस तरह की युवती पसंद नहीं है जो अपनी बदकिस्मती की झूठी कहानी गढ़कर किसी अमीर बूढ़े आदमी से शादी कर लेती है। मुझे उस तरह की युवती को नापसंद करने का पूरा अधिकार है, और ऐसा कोई कारण नहीं है कि मैं दिखावा करूँ कि मुझे वह पसंद है। और अगर सारी सच्चाई कागज़ पर लिखी होती, तो आपको भी वह युवती पसंद नहीं आती।
"क्या यह मनगढ़ंत कहानी थी?" मैंने पूछा।
"बच्चे के बारे में? मुझे नहीं पता। व्यक्तिगत रूप से, मुझे ऐसा लगता है।"
"और आपको इस बात का दुख है कि आपके दादाजी इसके झांसे में आ गए?"
"ओह, दादाजी किसी के बहकावे में नहीं आए।" सोफिया हंस पड़ी। "दादाजी कभी किसी के बहकावे में नहीं आए। उन्हें ब्रेंडा चाहिए थी। वे ब्रेंडा के लिए कोफेटुआ की भूमिका निभाना चाहते थे। उन्हें पता था कि वे क्या कर रहे हैं और सब कुछ योजना के अनुसार खूबसूरती से हो गया। दादाजी के नज़रिए से यह शादी पूरी तरह सफल रही - उनकी बाकी सभी कोशिशों की तरह।"
मैंने व्यंग्यपूर्वक पूछा, "क्या लॉरेंस ब्राउन को शिक्षक के रूप में नियुक्त करना आपके दादाजी की एक और सफलता थी?"
सोफिया ने भौंहें चढ़ाईं।
"पता है, मुझे पक्का यकीन नहीं है कि ऐसा नहीं था। वह ब्रेंडा को खुश और आनंदित रखना चाहता था। शायद उसने सोचा होगा कि गहने और कपड़े काफी नहीं हैं। शायद उसने सोचा होगा कि ब्रेंडा को अपने जीवन में एक हल्का-फुल्का रोमांस चाहिए। शायद उसने हिसाब लगाया होगा कि लॉरेंस ब्राउन जैसा कोई, कोई सीधा-सादा इंसान, अगर आप समझ रहे हैं मेरा मतलब, तो ठीक रहेगा। उदासी से भरी एक खूबसूरत, आत्मीय दोस्ती जो ब्रेंडा को किसी बाहरी व्यक्ति के साथ वास्तविक संबंध

बनाने से रोक देगी। दादाजी ने इस तरह की कोई योजना बनाई होगी, इसमें कोई शक नहीं। वह तो बड़े ही सनकी बूढ़े थे, आप जानते हैं।"
मैंने कहा, "वह जरूर रहा होगा।"
"ज़ाहिर है, वह यह कल्पना भी नहीं कर सकता था कि इसका नतीजा हत्या होगा... और यही वजह है कि मैं, चाहे कितना भी चाहूँ, यह नहीं मानती कि उसने यह किया है। अगर उसने उसकी हत्या की योजना बनाई होती - या अगर उसने और लॉरेंस ने मिलकर योजना बनाई होती - तो दादाजी को इसके बारे में पता होता। मुझे लगता है कि यह बात आपको कुछ ज़्यादा ही अविश्वसनीय लग रही होगी।"
मैंने कहा, "मुझे यह स्वीकार करना होगा कि ऐसा ही है।"
"लेकिन फिर तो आप दादाजी को जानते ही नहीं थे। वह निश्चित रूप से अपनी ही हत्या में साजिश नहीं रचते! तो बस! आप एक खाली दीवार के सामने खड़े हैं।"
मैंने कहा, "सोफिया, वह डरी हुई है। वह बहुत डरी हुई है।"
"चीफ इंस्पेक्टर टैवर्नर और उनके साथी? हाँ, मुझे लगता है कि वे काफी खतरनाक हैं। लॉरेंस शायद हिस्टीरिया में है?"
"सचमुच। मुझे लगा कि उसने खुद को एक घिनौना तमाशा बना दिया। मुझे समझ नहीं आता कि कोई महिला ऐसे आदमी में क्या देख सकती है।"
"है ना, चार्ल्स? असल में लॉरेंस में बहुत ही आकर्षक व्यक्तित्व है।"
"ऐसा कमजोर आदमी," मैंने अविश्वास से कहा।
"पुरुष हमेशा ऐसा क्यों सोचते हैं कि विपरीत लिंग को आकर्षित करने वाले एकमात्र प्रकार के व्यक्ति गुफा में रहने वाले आदिमानव ही हो सकते हैं? लॉरेंस में कामुकता तो है, लेकिन मुझे उम्मीद नहीं थी कि आपको इसका एहसास होगा।" उसने मेरी तरफ देखा। "ब्रेंडा ने तुम्हें अपने जाल में फंसा लिया है।"
"बेवकूफी मत करो। वो दिखने में भी उतनी खूबसूरत नहीं है। और उसने तो बिल्कुल भी ऐसा नहीं किया था -"
"दिखावटी आकर्षण? नहीं, उसने तो बस आपको उस पर तरस खाने पर मजबूर कर दिया। वह असल में खूबसूरत नहीं है, ज़रा भी चालाक नहीं है - लेकिन उसमें एक बहुत ही खास खूबी है। वह मुसीबत खड़ी कर सकती है। उसने पहले ही तुम्हारे और मेरे बीच मुसीबत खड़ी कर दी है।"

"सोफिया," मैंने भयभीत होकर कहा।
सोफिया दरवाजे की ओर गई।
"छोड़ो इसे चार्ल्स। मुझे लंच करना होगा।"
मैं आकर मदद करूंगा।
"नहीं, तुम यहीं रहो। रसोई में किसी सज्जन व्यक्ति को देखकर नानी घबरा जाएगी।"
"सोफिया," मैंने उसे बाहर जाते हुए पुकारा।
"हाँ, क्या बात है?"
"बस नौकरों की समस्या है। नीचे कोई नौकर क्यों नहीं है? ऊपर तो एप्रन और टोपी पहने किसी ने हमारे लिए दरवाजा खोल दिया?"
दादाजी के पास एक रसोइया, नौकरानी, पार्लरमेड और नौकर था। उन्हें नौकर पसंद थे। ज़ाहिर है, वे उन्हें खूब तनख्वाह देते थे और इसी वजह से उनके पास नौकर थे। क्लेमेंसी और रोजर के पास बस एक नौकरानी है जो रोज़ आती है और सफाई करती है। उन्हें नौकर पसंद नहीं हैं - या यूँ कहें कि क्लेमेंसी को नहीं। अगर रोजर को शहर में रोज़ भरपेट खाना न मिले तो वो भूखा मर जाएगा। क्लेमेंसी के लिए खाने का मतलब है सलाद पत्ता, टमाटर और कच्ची गाजर। कभी-कभी हमारे यहाँ नौकर होते हैं, फिर माँ का मूड खराब हो जाता है और वे चले जाते हैं, फिर कुछ समय के लिए हमें नौकर रखने पड़ते हैं और फिर वही सिलसिला शुरू हो जाता है। अभी हम नौकरों के दौर में हैं। नैनी स्थायी नौकरानी है और आपात स्थिति में सब संभालती है। अब आपको पता चल गया होगा।
सोफिया बाहर चली गई। मैं एक बड़ी सी ऊनी कुर्सी पर बैठ गया और सोचने-विचारने में मग्न हो गया।
ऊपर मैंने ब्रेंडा की तरफ से इस मामले का पक्ष देखा था।
अभी इसी वक्त मुझे सोफिया का पक्ष दिखाया गया। मुझे सोफिया के दृष्टिकोण की सच्चाई पूरी तरह समझ में आ गई - जिसे लियोनाइड्स परिवार का दृष्टिकोण कहा जा सकता है। वे एक ऐसे अजनबी को अपने घर में देखकर नाराज़ थे जिसने उनके हिसाब से घटिया तरीकों से प्रवेश प्राप्त किया था। उनका यह अधिकार बिल्कुल सही था। जैसा कि सोफिया ने कहा था: कागज़ पर तो यह ठीक नहीं लगता...

लेकिन इसका एक मानवीय पहलू भी था - वह पहलू जो मैंने देखा और उन्होंने नहीं देखा।
वे हमेशा से ही धनी और संपन्न थे। उन्हें कमजोरों के प्रलोभनों का कोई अंदाजा नहीं था। ब्रेंडा लियोनाइड्स धन, सुंदर चीजें, सुरक्षा और एक घर चाहती थी। उसका दावा था कि इसके बदले उसने अपने बूढ़े पति को खुश रखा था। मुझे उससे सहानुभूति थी। निश्चित रूप से, जब मैं उससे बात कर रही थी, तब भी मुझे उससे सहानुभूति थी... क्या अब भी मुझे उतनी ही सहानुभूति है?
इस सवाल के दो पहलू हैं - देखने के अलग-अलग नजरिए - सही नजरिया कौन सा था... सही नजरिया कौन सा था...
पिछली रात मुझे बहुत कम नींद आई थी। मैं टैवर्नर के साथ जाने के लिए सुबह जल्दी उठ गई थी। अब, मैग्डा लियोनाइड्स के ड्राइंग रूम के गर्म, फूलों की खुशबू से महकते वातावरण में, मेरा शरीर बड़ी कुर्सी के गद्देदार आलिंगन में आराम से लेट गया और मेरी पलकें झुक गईं...
ब्रेन्डा, सोफिया और एक बूढ़े आदमी की तस्वीर के बारे में सोचते हुए, मेरे विचार एक सुखद धुंध में समा गए।
मैं सो गया...

अध्याय 10

मुझे धीरे-धीरे होश आया, इसलिए पहले तो मुझे एहसास ही नहीं हुआ कि मैं सो रहा था। फूलों की खुशबू मेरी नाक में थी। मेरे सामने एक गोल सफेद धब्बा हवा में तैरता हुआ दिखाई दिया। कुछ सेकंड बाद मुझे एहसास हुआ कि मैं एक इंसान का चेहरा देख रहा था - एक चेहरा जो मुझसे लगभग एक या दो फुट की दूरी पर हवा में लटका हुआ था। जैसे-जैसे मेरी चेतना वापस लौटी, मेरी दृष्टि और स्पष्ट होती गई। चेहरे में अभी भी कुछ भूतियापन झलक रहा था - वह गोल था, उभरी हुई भौंहें, पीछे की ओर कंघी किए हुए बाल और छोटी-छोटी, चमकीली काली आँखें थीं। लेकिन यह निश्चित रूप से एक शरीर से जुड़ा हुआ था - एक दुबला-पतला शरीर। वह मुझे बहुत गंभीरता से देख रहा था।

"हैलो," उसने कहा।

मैंने पलकें झपकाते हुए जवाब दिया, "हैलो।"

मैं जोसेफिन हूँ।

मैंने पहले ही यह अनुमान लगा लिया था। सोफिया की बहन, जोसेफिन, मेरी समझ से लगभग ग्यारह या बारह वर्ष की थी। वह बेहद बदसूरत बच्ची थी, लेकिन दिखने में अपने दादाजी से बहुत मिलती-जुलती थी। मुझे लगता था कि शायद उसमें दादाजी जैसी बुद्धि भी थी।

"तुम सोफिया के प्रेमी हो," जोसेफिन ने कहा।

मैंने इस टिप्पणी की सत्यता को स्वीकार किया।

"लेकिन आप चीफ इंस्पेक्टर टैवर्नर के साथ यहां आए थे। आप चीफ इंस्पेक्टर टैवर्नर के साथ क्यों आए थे?"

वह मेरा दोस्त है।

"क्या वो ऐसा है? मुझे वो पसंद नहीं है। मैं उसे कुछ नहीं बताऊंगी।"

"किस तरह की चीजें?"

"जो चीजें मैं जानता हूँ। मैं बहुत कुछ जानता हूँ। मुझे चीजें जानना अच्छा लगता है।"

वह कुर्सी के बाजूबंद पर बैठ गई और मेरे चेहरे को ध्यान से देखने लगी। मुझे काफी असहज महसूस होने लगा।

"दादाजी की हत्या कर दी गई है। क्या आपको पता था?"

"हां," मैंने कहा। "मुझे पता था।"
"उसे जहर दिया गया था। एस-ए-रीन से।" उसने इस शब्द का उच्चारण बहुत सावधानी से किया। "यह दिलचस्प है, है ना?"
"मुझे लगता है ऐसा ही है।"
"यूस्टेस और मुझे इसमें बहुत दिलचस्पी है। हमें जासूसी कहानियां पसंद हैं। मैं हमेशा से जासूस बनना चाहता था। अब मैं एक जासूस बन रहा हूं। मैं सुराग इकट्ठा कर रहा हूं।"
मुझे लगा कि वह एक डरावनी बच्ची थी। वह फिर से काम पर लौट आई।
"चीफ इंस्पेक्टर टैवर्नर के साथ आया आदमी भी एक जासूस है, है ना? किताबों में लिखा है कि सादे कपड़ों वाले जासूसों को उनके जूतों से पहचाना जा सकता है। लेकिन इस जासूस ने तो चमड़े के जूते पहने हुए थे।"
मैंने कहा, "पुरानी व्यवस्था बदल रही है।"
जोसेफिन ने इस टिप्पणी की व्याख्या अपने स्वयं के विचारों के अनुसार की।
"हाँ," उसने कहा, "मुझे लगता है कि अब यहाँ बहुत सारे बदलाव होंगे। हम लंदन में तटबंध पर एक घर में रहने जाएँगे। माँ की बहुत समय से यही इच्छा थी। उन्हें बहुत खुशी होगी। मुझे नहीं लगता कि पिताजी को बुरा लगेगा अगर उनकी किताबें भी चली जाएँ। पहले तो उनके पास पैसे नहीं थे। जेज़ेबेल के चक्कर में उन्हें बहुत नुकसान हुआ था।"
"जेज़ेबेल?" मैंने पूछा।
"हाँ, क्या आपने इसे नहीं देखा?"
"ओह, क्या यह कोई नाटक था? नहीं, मैंने नहीं देखा। मैं विदेश गया हुआ था।"
"यह ज़्यादा देर तक नहीं चला। असल में, यह सबसे बुरी तरह फ्लॉप हुआ। मुझे नहीं लगता कि मेरी माँ जेज़ेबेल का किरदार निभाने लायक हैं, क्या आपको ऐसा लगता है?"
मैंने मैग्डा के बारे में अपनी धारणाओं का संतुलन बनाया। न तो आड़ू रंग की नाइटी में और न ही सिले-सिलाए सूट में, उसने जेज़ेबेल की कोई झलक दिखाई, लेकिन मैं यह मानने को तैयार था कि शायद मैंने अभी तक और भी मैग्डा देखी होंगी।
"शायद नहीं," मैंने सावधानी से कहा।

दादाजी हमेशा कहते थे कि यह नाटक फ्लॉप होगा। उन्होंने कहा था कि वे इस तरह के ऐतिहासिक धार्मिक नाटकों में पैसा नहीं लगाएंगे। उनका कहना था कि यह कभी बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं होगा। लेकिन माँ बहुत उत्सुक थीं। मुझे भी यह नाटक कुछ खास पसंद नहीं आया। यह बाइबिल की कहानी से बिल्कुल अलग था। मेरा मतलब है, जेज़ेबेल बाइबिल में बताई गई दुष्टता जैसी नहीं थी। वह तो पूरी तरह देशभक्त और काफी अच्छी थी। इसी वजह से यह नीरस लगा। फिर भी, अंत ठीक था। उन्होंने उसे खिड़की से बाहर फेंक दिया। बस कोई कुत्ता आकर उसे खा नहीं गया। मुझे लगता है कि यह बहुत दुख की बात थी, है ना? मुझे कुत्तों द्वारा उसे खाने वाला हिस्सा सबसे अच्छा लगा। माँ कहती हैं कि मंच पर कुत्ते नहीं होने चाहिए, लेकिन मुझे समझ नहीं आता क्यों। आप तो अभिनय करने वाले कुत्ते रख सकते थे। उसने बड़े उत्साह से कहा: "'और उन्होंने उसके हाथों की हथेलियों को छोड़कर बाकी सब कुछ खा लिया।' उन्होंने उसकी हथेलियाँ क्यों नहीं खाईं?"
मैंने कहा, "मुझे बिल्कुल भी पता नहीं है।"
"आपको शायद यह न लगे कि कुत्ते इतने नखरे वाले होते हैं। हमारे कुत्ते ऐसे नहीं हैं। वे तो कुछ भी खा लेते हैं।"
मैंने कुछ सेकंड के लिए बाइबल के इस रहस्य पर विचार किया।
मैंने कहा, "मुझे खेद है कि नाटक फ्लॉप हो गया।"
"हाँ। माँ बहुत परेशान थीं। नोटिस सचमुच डरावने थे। जब उन्होंने उन्हें पढ़ा, तो वे फूट-फूटकर रोने लगीं और दिन भर रोती रहीं। उन्होंने नाश्ते की थाली ग्लेडिस पर फेंक दी, और ग्लेडिस ने नोटिस दे दिया। यह काफी मजेदार था।"
मैंने कहा, "मुझे लगता है कि तुम्हें ड्रामा पसंद है, जोसेफिन।"
"दादाजी का पोस्टमार्टम किया गया," जोसेफिन ने कहा। "यह पता लगाने के लिए कि उनकी मृत्यु किस कारण हुई। इसे 'पीएम' कहते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि यह थोड़ा भ्रामक है, है ना? क्योंकि 'पीएम' का मतलब प्रधानमंत्री भी होता है। और दोपहर भी," उसने सोच-विचार करते हुए कहा।
मैंने पूछा, "क्या तुम्हें अपने दादाजी की मृत्यु का दुख है?"
"खास तौर पर नहीं। मुझे वह ज्यादा पसंद नहीं था। उसने मुझे बैले डांसर बनने से रोक दिया था।"

क्या आप बैले नृत्य सीखना चाहते थे?
"हां, और मां चाहती थी कि मैं सीखूं, और पिताजी को कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन दादाजी ने कहा कि मैं किसी काम का नहीं रहूंगा।"
वह कुर्सी के आर्मरिस्ट से फिसल गई, अपने जूते उतार दिए और तकनीकी रूप से, मेरे ख्याल से, जिन्हें उसके पॉइंट्स कहा जाता है, उन पर आने की कोशिश करने लगी।
“बेशक, आपके पास सही जूते होने चाहिए,” उसने समझाया, “और फिर भी कभी-कभी पैर की उंगलियों के सिरों पर भयानक फोड़े हो जाते हैं।” उसने अपने जूते वापस पहने और सहजता से पूछा: “क्या आपको यह घर पसंद है?”
मैंने कहा, "मुझे ठीक से पता नहीं है।"
"मुझे लगता है कि अब यह बिक जाएगा। जब तक कि ब्रेंडा इसमें रहना जारी नहीं रखती। और मुझे लगता है कि अंकल रोजर और आंटी क्लेमेंसी अब कहीं नहीं जाएंगे।"
"क्या वे जा रहे थे?" मैंने थोड़ी सी जिज्ञासा के साथ पूछा।
"हां। वे मंगलवार को जा रहे थे। विदेश, कहीं। वे हवाई जहाज से जा रहे थे। आंटी क्लेमेंसी ने एक नया हल्का-फुल्का केस खरीदा था।"
मैंने कहा, "मुझे पता ही नहीं था कि वे विदेश जा रहे हैं।"
"नहीं," जोसेफिन ने कहा। "किसी को पता नहीं था। यह एक रहस्य था। वे जाने के बाद ही किसी को बताने वाले थे। वे दादाजी के लिए एक नोट छोड़ने वाले थे।"
उन्होंने आगे कहा:
"पिनकुशन पर पिन नहीं लगाई जाती। यह तो केवल बहुत पुराने जमाने की किताबों में ही मिलता है, और पत्नियां अपने पतियों को छोड़कर ऐसा करती हैं। लेकिन अब तो यह बेवकूफी होगी क्योंकि आजकल किसी के पास पिनकुशन नहीं होते।"
"बेशक वे नहीं जानते। जोसेफिन, क्या तुम जानती हो कि तुम्हारे अंकल रोजर क्यों जा रहे थे?"
उसने तिरछी नज़र से मुझे धूर्तता से देखा। "मुझे लगता है कि मुझे पता है। इसका कुछ संबंध लंदन में अंकल रोजर के दफ्तर से था। मुझे लगता है - लेकिन मैं निश्चित नहीं हूँ - कि उन्होंने कुछ गबन किया था।"

"आप ऐसा किस लिए सोचते हो?"
जोसेफिन मेरे करीब आई और मेरे चेहरे पर जोर-जोर से सांस लेने लगी।
"जिस दिन दादाजी को जहर दिया गया था, उस दिन अंकल रोजर उनके साथ काफी देर तक कमरे में बंद रहे। वे लगातार बातें कर रहे थे। अंकल रोजर कह रहे थे कि वे कभी अच्छे नहीं रहे, और उन्होंने दादाजी को निराश किया - और यह पैसों की बात नहीं थी - बल्कि यह एहसास था कि वे भरोसे के लायक नहीं थे। वे बहुत बुरी हालत में थे।"
मैंने जोसेफिन को मिली-जुली भावनाओं से देखा।
मैंने कहा, "जोसेफिन, क्या तुम्हें कभी किसी ने नहीं बताया कि दरवाजों पर कान लगाकर सुनना अच्छी बात नहीं है?"
जोसेफिन ने जोर से अपना सिर हिलाया।
"बेशक उन्होंने किया होगा। लेकिन अगर आपको कुछ पता लगाना है, तो आपको दरवाजों पर कान लगाने होंगे। मुझे यकीन है कि चीफ इंस्पेक्टर टैवर्नर ऐसा ही करते होंगे, है ना?"
मैंने इस बात पर विचार किया। जोसेफिन ने उग्र स्वर में आगे कहा:
और वैसे भी अगर वो नहीं करता, तो दूसरा वाला कर देता है, वो जिसने चमड़े के जूते पहने हैं। और वो लोगों के डेस्क में झाँकते हैं, उनके सारे पत्र पढ़ते हैं और उनके सारे राज़ जान लेते हैं। लेकिन वो बेवकूफ हैं! उन्हें पता ही नहीं कि कहाँ देखना है!
जोसेफिन ने ठंडे और घमंडी लहजे में बात की। मैं इतना मूर्ख था कि मैं उस बात को समझ नहीं पाया। उस अप्रिय बच्ची ने आगे कहा:
"यूस्टेस और मैं बहुत कुछ जानते हैं - लेकिन मैं यूस्टेस से ज़्यादा जानती हूँ। और मैं उसे नहीं बताऊँगी। वह कहता है कि औरतें कभी महान जासूस नहीं बन सकतीं। लेकिन मैं कहती हूँ कि वे बन सकती हैं। मैं सब कुछ एक नोटबुक में लिखूँगी और फिर, जब पुलिस पूरी तरह से उलझन में पड़ जाएगी, तो मैं सामने आकर कहूँगी, 'मैं आपको बता सकती हूँ कि यह किसने किया है।'"
"जोसेफिन, क्या तुम बहुत सारी जासूसी कहानियां पढ़ती हो?"
जनसमूह।
"मुझे लगता है कि आपको पता है कि आपके दादाजी की हत्या किसने की?"

"हाँ, मुझे तो ऐसा ही लगता है - लेकिन मुझे कुछ और सुराग ढूंढने होंगे।" वह थोड़ी देर रुकी और बोली, "चीफ इंस्पेक्टर टैवर्नर को लगता है कि यह ब्रेंडा ने किया है, है ना? या फिर ब्रेंडा और लॉरेंस ने मिलकर किया है क्योंकि वे एक-दूसरे से प्यार करते हैं।"
"जोसेफिन, तुम्हें ऐसी बातें नहीं कहनी चाहिए।"
"क्यों नहीं? वे एक दूसरे से प्यार करते हैं।"
आप किसी भी तरह से निर्णय नहीं ले सकते।
"हां, मैं कर सकता हूँ। वे एक दूसरे को पत्र लिखते हैं। प्रेम पत्र।"
"जोसेफिन! तुम्हें यह कैसे पता चला?"
"क्योंकि मैंने उन्हें पढ़ा है। बेहद भावुक पत्र। लेकिन लॉरेंस भावुक ही है। वह युद्ध में लड़ने से बहुत डरता था। वह तहखानों में जाकर बॉयलर जलाता था। जब यहाँ बम गिरते थे, तो उसका चेहरा पीला पड़ जाता था - बिल्कुल पीला। इससे यूस्टेस और मुझे बहुत हंसी आती थी।"
इसके बाद मैं क्या कहती, मुझे नहीं पता, क्योंकि उसी क्षण बाहर एक कार आकर रुकी। पलक झपकते ही जोसेफिन खिड़की पर पहुँच गई, उसकी छोटी सी नाक शीशे से सट गई।
मैंने पूछा, "यह कौन है?"
"ये मिस्टर गेट्सकिल हैं, दादाजी के वकील। मुझे लगता है कि वो वसीयत के बारे में जानने आए होंगे।"
उत्तेजित होकर सांस लेते हुए, वह कमरे से जल्दी से बाहर निकल गई, निस्संदेह अपनी जासूसी गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए।
मैग्डा लियोनाइड्स कमरे में आईं और मुझे आश्चर्यचकित करते हुए मेरे पास आईं और मेरे हाथों को अपने हाथों में ले लिया।
"मेरे प्यारे," उसने कहा, "शुक्र है तुम अभी भी यहाँ हो। एक आदमी की बहुत ज़रूरत होती है।"
उसने मेरे हाथ छोड़ दिए, एक ऊँची पीठ वाली कुर्सी की ओर बढ़ी, उसकी स्थिति को थोड़ा सा बदला, दर्पण में खुद को देखा, फिर मेज से एक छोटा सा बैटरसी एनामेल बॉक्स उठाया और विचारशील भाव से उसे खोलती और बंद करती रही।

यह एक आकर्षक मुद्रा थी।
सोफिया ने दरवाजे से अपना सिर अंदर डाला और चेतावनी भरे स्वर में फुसफुसाते हुए कहा, "गेटस्किल!"
"मुझे पता है," मैग्डा ने कहा।
कुछ क्षण बाद, सोफिया एक छोटे कद के बुजुर्ग व्यक्ति के साथ कमरे में दाखिल हुई, और मैग्डा ने अपना एनामेल बॉक्स नीचे रख दिया और उससे मिलने के लिए आगे बढ़ी।
"शुभ प्रभात, श्रीमती फिलिप। मैं ऊपर जा रही हूँ। लगता है वसीयत को लेकर कुछ गलतफहमी हो गई है। आपके पति ने मुझे यह सोचकर पत्र लिखा था कि वसीयत मेरे पास है। मुझे श्री लियोनाइड्स से ही पता चला कि वह उनके तहखाने में है। मुझे लगता है कि आपको इसके बारे में कुछ नहीं पता?"
"बेचारी स्वीटी की वसीयत के बारे में?" मैग्डा ने हैरानी से आँखें खोलीं। "नहीं, बिलकुल नहीं। कहीं ऊपर वाली उस दुष्ट औरत ने उसे नष्ट तो नहीं कर दिया?"
"अब, श्रीमती फिलिप," उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में उंगली हिलाते हुए कहा। "कोई बेबुनियाद अटकलें मत लगाइए। बात सिर्फ इतनी है कि आपके ससुर ने उसे कहाँ रखा था।"
"लेकिन उसने हस्ताक्षर करने के बाद इसे आपको भेजा था - निश्चित रूप से भेजा होगा। उसने वास्तव में हमें बताया था कि उसने ऐसा किया था।"
श्री गेट्सकिल ने कहा, "मुझे पता चला है कि पुलिस ने श्री लियोनाइड्स के निजी कागजात खंगाले हैं। मैं मुख्य निरीक्षक टैवर्नर से इस बारे में बात करूंगा।"
वह कमरे से बाहर चला गया।
"डार्लिंग," मैग्डा चिल्लाई। "उसने इसे बर्बाद कर दिया। मुझे पता है मैं सही हूँ।"
"बकवास है मां, वह ऐसी बेवकूफी भरी हरकत कभी नहीं करेगी।"
"यह बिलकुल भी मूर्खतापूर्ण नहीं होगा। अगर वसीयत नहीं है तो उसे सब कुछ मिल जाएगा।"
"श - देखो, गेट्सकिल फिर से वापस आ गया है।"
वकील कमरे में वापस दाखिल हुआ। उसके साथ चीफ इंस्पेक्टर टैवर्नर भी था और टैवर्नर के पीछे फिलिप आया।

गेट्सकिल कह रहे थे, "मुझे श्री लियोनाइड्स से पता चला कि उन्होंने अपनी वसीयत को सुरक्षित रखने के लिए बैंक में जमा करा दिया था।"
टैवर्नर ने अपना सिर हिलाया।
"मैंने बैंक से संपर्क किया है। उनके पास श्री लियोनाइड्स से संबंधित कोई निजी दस्तावेज नहीं हैं, सिवाय उन कुछ प्रतिभूतियों के जो उन्होंने उनके लिए रखी थीं।"
फिलिप ने कहा:
"मुझे आश्चर्य है कि क्या रोजर - या आंटी एडिथ - शायद, सोफिया, तुम उनसे यहाँ आने के लिए कहोगी।"
लेकिन रोजर लियोनाइड्स, जिन्हें अन्य लोगों के साथ सम्मेलन में बुलाया गया था, कोई सहायता नहीं दे सके।
"लेकिन यह बकवास है - सरासर बकवास," उन्होंने कहा। "पिताजी ने वसीयत पर हस्ताक्षर किए थे और स्पष्ट रूप से कहा था कि वह इसे अगले दिन श्री गेट्सकिल को डाक से भेज रहे हैं।"
श्री गेट्सकिल ने पीछे झुकते हुए और अपनी आँखें आधी बंद करते हुए कहा, "अगर मेरी याददाश्त सही है, तो पिछले साल 24 नवंबर को मैंने श्री लियोनाइड्स के निर्देशों के अनुसार तैयार किया गया एक मसौदा भेजा था। उन्होंने मसौदे को मंजूरी दी, मुझे वापस कर दिया, और उचित समय पर मैंने उन्हें हस्ताक्षर के लिए वसीयत भेज दी। एक सप्ताह बीतने के बाद, मैंने उन्हें याद दिलाने की हिम्मत की कि मुझे अभी तक विधिवत हस्ताक्षरित और सत्यापित वसीयत नहीं मिली है, और उनसे पूछा कि क्या वे इसमें कुछ बदलाव चाहते हैं। उन्होंने जवाब दिया कि वे पूरी तरह से संतुष्ट हैं और आगे कहा कि वसीयत पर हस्ताक्षर करने के बाद उन्होंने इसे अपने बैंक में भेज दिया है।"
"बिल्कुल सही," रोजर ने उत्सुकता से कहा। "यह पिछले साल नवंबर के अंत के आसपास की बात है - तुम्हें याद है ना, फिलिप? - पिताजी ने हम सबको एक शाम बुलाया और हमें वसीयत पढ़कर सुनाई।"
टैवर्नर ने फिलिप लियोनाइड्स की ओर रुख किया।
"क्या यह आपकी स्मृति से मेल खाता है, श्री लियोनाइड्स?"
"हां," फिलिप ने कहा।

"यह कुछ-कुछ वॉयसी इनहेरिटेंस जैसा था," मैग्डा ने कहा। उसने सुखद आह भरी। मुझे हमेशा लगता है कि वसीयत में कुछ बहुत ही नाटकीय होता है।
"मिस सोफिया?"
"हां," सोफिया ने कहा। "मुझे सब कुछ अच्छी तरह याद है।"
"और उस वसीयत के प्रावधान क्या हैं?" टैवर्नर ने पूछा।
श्री गेट्सकिल अपने सटीक अंदाज में जवाब देने ही वाले थे कि रोजर लियोनाइड्स ने उनसे पहले ही जवाब दे दिया।
"यह एक बिल्कुल सरल वसीयत थी। इलेक्ट्रा और जॉयस का निधन हो चुका था और उनकी संपत्ति का हिस्सा पिता को वापस मिल गया था। जॉयस का बेटा विलियम बर्मा में युद्ध में शहीद हो गया था, और उसकी छोड़ी हुई संपत्ति उसके पिता को मिली। फिलिप, मैं और बच्चे ही बचे हुए रिश्तेदार थे। पिता ने यह बात समझाई थी। उन्होंने आंटी एडिथ को पचास हजार पाउंड (शुल्क मुक्त), ब्रेंडा को एक लाख पाउंड (शुल्क मुक्त), ब्रेंडा को यह घर या फिर लंदन में उसके लिए एक उपयुक्त घर खरीदने का विकल्प दिया था, जो भी वह चाहे। शेष संपत्ति को तीन भागों में बांटा जाना था, एक भाग मुझे, एक फिलिप को, तीसरा भाग सोफिया, यूस्टेस और जोसेफिन के बीच बांटा जाना था, और अंतिम दो के हिस्से उनके बालिग होने तक ट्रस्ट में रखे जाने थे। मुझे लगता है यह सही है, है ना, मिस्टर गेट्सकिल?"
"ये मोटे तौर पर उस दस्तावेज़ के प्रावधान हैं जो मैंने तैयार किया था," श्री गेट्सकिल ने थोड़ी सी नाराजगी दिखाते हुए सहमति व्यक्त की कि उन्हें स्वयं बोलने की अनुमति नहीं दी गई थी।
"पिताजी ने इसे हमें पढ़कर सुनाया," रोजर ने कहा। "उन्होंने पूछा कि क्या हम इस पर कोई टिप्पणी करना चाहेंगे। ज़ाहिर है, किसी के पास कोई टिप्पणी नहीं थी।"
"ब्रेंडा ने एक टिप्पणी की," मिस डी हैविलैंड ने कहा।
"हाँ," मैग्डा ने उत्साह से कहा। "उसने कहा कि वह अपने प्यारे बूढ़े एरिस्टाइड को मृत्यु के बारे में बात करते हुए बर्दाश्त नहीं कर सकती थी। उसने कहा कि इससे उसे रोंगटे खड़े हो जाते थे। और उसकी मृत्यु के बाद वह उस भयानक धन का एक भी हिस्सा नहीं चाहती थी!"

मिस डी हैविलैंड ने कहा, "वह एक पारंपरिक विरोध प्रदर्शन था, जो उनके वर्ग के लिए विशिष्ट था।"
यह एक क्रूर और चुभने वाली छोटी सी टिप्पणी थी। मुझे अचानक एहसास हुआ कि एडिथ डी हैविलैंड, ब्रेंडा को कितना नापसंद करती थीं।
श्री गेट्सकिल ने कहा, "उनकी संपत्ति का बहुत ही निष्पक्ष और उचित निपटारा किया गया है।"
"और इसे पढ़ने के बाद क्या हुआ?" इंस्पेक्टर टैवर्नर ने पूछा।
"इसे पढ़ने के बाद," रोजर ने कहा, "उन्होंने इस पर हस्ताक्षर कर दिए।"
टैवर्नर आगे की ओर झुका।
"उन्होंने इस पर कब और कैसे हस्ताक्षर किए?"
रॉजर ने अपनी पत्नी की ओर विनती भरे अंदाज़ में देखा। क्लेमेंसी ने उस नज़र के जवाब में कुछ कहा। परिवार के बाकी सदस्य उसके ऐसा करने से संतुष्ट प्रतीत हुए।
"आप जानना चाहते हैं कि वास्तव में क्या हुआ था?"
"अगर आप चाहें, श्रीमती रोजर।"
"मेरे ससुर ने वसीयत को अपनी मेज पर रख दिया और हममें से किसी एक को - मुझे लगता है कि रोजर को - घंटी बजाने के लिए कहा। रोजर ने वैसा ही किया। जब जॉनसन घंटी की आवाज सुनकर आया, तो मेरे ससुर ने उसे नौकरानी जेनेट वूलमर को बुलाने के लिए कहा। जब वे दोनों आ गए, तो उन्होंने वसीयत पर हस्ताक्षर किए और उनसे अपने हस्ताक्षर के नीचे अपने-अपने नाम लिखने का अनुरोध किया।"
श्री गेट्सकिल ने कहा, "सही प्रक्रिया यह है कि वसीयतकर्ता को दो गवाहों की उपस्थिति में वसीयत पर हस्ताक्षर करने चाहिए, जिन्हें एक ही समय और स्थान पर अपने हस्ताक्षर करने होंगे।"
"और उसके बाद?" टैवर्नर ने पूछा।
"मेरे ससुर ने उन्हें धन्यवाद दिया और वे चले गए। मेरे ससुर ने वसीयत उठाई, उसे एक लंबे लिफाफे में रखा और कहा कि वह इसे अगले दिन मिस्टर गेट्सकिल को भेज देंगे।"
इंस्पेक्टर टैवर्नर ने चारों ओर देखते हुए कहा, "आप सभी सहमत हैं कि यह घटी घटना का सटीक विवरण है?"

सहमति की हल्की फुसफुसाहट सुनाई दी।
"आपने कहा था कि वसीयत मेज पर थी। आपमें से कोई उस मेज के कितने करीब था?"
"बहुत पास नहीं। शायद पांच या छह गज की दूरी ही सबसे नज़दीक होगी।"
"जब श्री लियोनाइड्स ने आपको वसीयत पढ़कर सुनाई, तो क्या वे स्वयं डेस्क पर बैठे थे?"
"हाँ।"
"क्या वसीयत पढ़ने के बाद और उस पर हस्ताक्षर करने से पहले वह उठा या डेस्क से चला गया?"
"नहीं।"
"क्या नौकर हस्ताक्षर करते समय दस्तावेज़ को पढ़ सकते थे?"
"नहीं," क्लेमेंसी ने कहा। "मेरे ससुर ने दस्तावेज़ के ऊपरी हिस्से पर कागज की एक शीट रख दी थी।"
"बिल्कुल सही," फिलिप ने कहा। "वसीयत की बातों से नौकरों को कोई लेना-देना नहीं था।"
"मैं समझ गया," टैवर्नर ने कहा। "कम से कम - मैं नहीं समझ पा रहा हूँ।"
फुर्ती से उसने एक लंबा लिफाफा निकाला और वकील को देने के लिए आगे झुका।
"इसे देखो," उसने कहा। "और मुझे बताओ कि यह क्या है।"
श्री गेट्सकिल ने लिफाफे से एक मुड़ा हुआ दस्तावेज निकाला। उन्होंने उसे बड़े आश्चर्य से देखा और अपने हाथों में बार-बार घुमाया।
उन्होंने कहा, "यह कुछ हद तक आश्चर्यजनक है। मुझे यह बिल्कुल समझ नहीं आया। अगर मैं पूछ सकता हूँ, तो यह कहाँ हुआ था?"
"तिजोरी में, श्री लियोनाइड्स के अन्य कागजातों के बीच।"
"लेकिन ये है क्या?" रॉजर ने पूछा। "इस सब के बारे में इतना हंगामा क्यों हो रहा है?"
"यह वसीयत मैंने तुम्हारे पिता के हस्ताक्षर के लिए तैयार की थी, रोजर - लेकिन - तुम सबने जो कहा है उसके बाद भी मुझे समझ नहीं आ रहा - इस पर हस्ताक्षर नहीं हैं।"
"क्या? खैर, मुझे लगता है कि यह सिर्फ एक मसौदा है।"

"नहीं," वकील ने कहा। "श्री लियोनाइड्स ने मुझे मूल मसौदा लौटा दिया था। फिर मैंने वसीयत तैयार की - यह वसीयत," उन्होंने अपनी उंगली से उस पर निशान लगाया, "और हस्ताक्षर के लिए उन्हें भेज दी।"
आपके साक्ष्य के अनुसार, उन्होंने आप सभी के सामने वसीयत पर हस्ताक्षर किए - और दोनों गवाहों ने भी अपने हस्ताक्षर किए - फिर भी यह वसीयत अहस्ताक्षरित है।"
"लेकिन यह असंभव है," फिलिप लियोनाइड्स ने कहा, और उन्होंने पहले कभी इतनी जोश से बात नहीं की थी।
टैवर्नर ने पूछा: "आपके पिता की दृष्टि कितनी अच्छी थी?"
"उन्हें ग्लूकोमा था। पढ़ने के लिए वे स्वाभाविक रूप से मोटे चश्मे का इस्तेमाल करते थे।"
"क्या उन्होंने उस शाम वही चश्मा पहना था?"
"बिल्कुल। उन्होंने हस्ताक्षर करने के बाद ही अपना चश्मा उतारा। मुझे लगता है मैं सही हूँ?"
"बिल्कुल सही," क्लेमेंसी ने कहा।
"और आप सभी को पूरा यकीन है कि वसीयत पर हस्ताक्षर करने से पहले कोई भी डेस्क के पास नहीं गया था?"
"अब मुझे आश्चर्य होता है," मैग्डा ने आंखें सिकोड़ते हुए कहा। "काश, यह सब फिर से देखा जा सकता।"
सोफिया ने कहा, "कोई भी डेस्क के पास नहीं जाता था। दादाजी हर समय उसी पर बैठे रहते थे।"
"क्या डेस्क उसी जगह पर थी जहाँ वह अब है? क्या वह किसी दरवाजे, खिड़की या पर्दे के पास नहीं थी?"
"यह वहीं था जहां यह अब है।"
"मैं यह समझने की कोशिश कर रहा हूँ कि किसी तरह का बदलाव कैसे हुआ होगा," टैवर्नर ने कहा। "ज़रूर कोई न कोई बदलाव हुआ होगा। श्री लियोनाइड्स को ऐसा लग रहा था कि वे उसी दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर कर रहे हैं जिसे उन्होंने अभी-अभी पढ़कर सुनाया है।"
"क्या हस्ताक्षरों को मिटाया नहीं जा सकता था?" रोजर ने पूछा।

"नहीं, श्री लियोनाइड्स। मिटाने के निशान छोड़े बिना यह संभव नहीं है। एक और संभावना है। कि यह वह दस्तावेज़ नहीं है जो गेट्सकिल ने श्री लियोनाइड्स को भेजा था और जिस पर उन्होंने आपकी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए थे।"
श्री गेट्सकिल ने कहा, "इसके विपरीत, मैं शपथपूर्वक कह सकता हूँ कि यह मूल दस्तावेज़ है। कागज़ में एक छोटी सी खामी है - ऊपरी बाएँ कोने पर - यह देखने में, कल्पना के आधार पर, एक हवाई जहाज़ जैसा दिखता है। मैंने इसे उसी समय देखा था।"
परिवार के सभी सदस्य एक-दूसरे को खाली निगाहों से देखते रहे।
श्री गेट्सकिल ने कहा, "यह बेहद विचित्र परिस्थिति है। मेरे अनुभव में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।"
"यह सब असंभव है," रोजर ने कहा। "हम सब वहीं थे। ऐसा हो ही नहीं सकता था।"
मिस डी हैविलैंड ने सूखी खांसी की। उन्होंने कहा, "जो हो चुका है, उसे न होने की बात कहकर समय बर्बाद करने का कोई फायदा नहीं है। अब स्थिति क्या है? मैं यही जानना चाहती हूँ।"
गेट्सकिल तुरंत ही एक सतर्क वकील बन गए।
उन्होंने कहा, "इस मामले की बहुत सावधानीपूर्वक जांच करनी होगी। यह दस्तावेज़, ज़ाहिर है, पहले की सभी वसीयतों को रद्द करता है। कई गवाह हैं जिन्होंने श्री लियोनिडेस को उस दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करते देखा है जिसे वे पूरी ईमानदारी से वसीयत समझ रहे थे। हम्म। बहुत दिलचस्प। एक छोटी-सी कानूनी समस्या।"
टैवर्नर ने अपनी घड़ी पर एक नजर डाली।
उन्होंने कहा, "मुझे खेद है कि मैं आपको दोपहर का भोजन करने से रोक रहा हूँ।"
"क्या आप हमारे साथ दोपहर का भोजन नहीं करेंगे, मुख्य निरीक्षक?" फिलिप ने पूछा।
"धन्यवाद, श्री लियोनाइड्स, लेकिन मैं स्विनली डीन में डॉ. क्रे से मिल रहा हूँ।"
फिलिप ने वकील की ओर रुख किया।
"क्या आप हमारे साथ दोपहर का भोजन करेंगे, गेट्सकिल?"
"धन्यवाद, फिलिप।"
सब लोग खड़े हो गए। मैं चुपचाप सोफिया की ओर बढ़ा।

"मैं जाऊं या रुकूं?" मैंने धीरे से कहा। यह किसी विक्टोरियन गीत के शीर्षक जैसा हास्यास्पद लग रहा था।
"मुझे लगता है, मुझे जाना चाहिए," सोफिया ने कहा।
मैं चुपके से कमरे से निकलकर टैवर्नर के पीछे भागा। जोसेफिन पीछे के कमरे की ओर जाने वाले कपड़े के दरवाजे पर झूल रही थी। वह किसी बात पर बहुत खुश लग रही थी।
"पुलिस बेवकूफ है," उसने टिप्पणी की।
सोफिया ड्राइंग रूम से बाहर आई।
"जोसेफिन, तुम क्या कर रही थी?"
"नैनी की मदद करना।"
मुझे लगता है कि तुम दरवाजे के बाहर से सुन रहे थे।
जोसेफिन ने उसकी ओर मुंह बनाकर देखा और पीछे हट गई।
सोफिया ने कहा, "वह बच्चा थोड़ा परेशानी वाला है।"

अध्याय 11

जब मैं कमरे में दाखिल हुआ, तो टैवर्नर बस यही कह रहा था:
"और हम यहाँ हैं। मैंने उन सभी से बात की, और मुझे क्या पता चला?... बिलकुल कुछ नहीं! कोई मकसद नहीं। उनमें से किसी को भी पैसे की ज़रूरत नहीं है। और उस महिला और उस पुरुष के खिलाफ हमारे पास बस यही सबूत है कि कॉफी परोसते समय उन्होंने एक-दूसरे की ओर देखा।"
"चलो, टैवर्नर," मैंने कहा। "मुझे लगता है कि मेरे पास थोड़ा और है।"
"क्या सचमुच? बहुत खूब, श्रीमान चार्ल्स, आपको क्या मिला?"
मैं बैठ गया, सिगरेट जलाई और दर्शकों को देखने लगा।
"रोजर लियोनाइड्स और उनकी पत्नी अगले मंगलवार को विदेश जाने की योजना बना रहे थे। जिस दिन बूढ़े व्यक्ति की मृत्यु हुई, उसी दिन रोजर और उनके पिता के बीच एक तनावपूर्ण साक्षात्कार हुआ। बूढ़े लियोनाइड्स को कुछ गड़बड़ का पता चला था और रोजर अपना अपराध स्वीकार कर रहा था।"
टैवर्नर का चेहरा बैंगनी पड़ गया।
"ये तुम्हें मिला कहाँ से?" उसने पूछा। "अगर ये नौकरों से मिला हो तो..."
"नौकरों से नहीं। मैंने इसे -" मैं रुका - "एक निजी एजेंट से प्राप्त किया।"
"आपका क्या मतलब है?"
मैंने आगे कहा, "मुझे यह स्वीकार करना होगा कि जासूसी उपन्यासों के नियमों के अनुसार, वह पुलिस को बहुत पीछे छोड़ गया है। और मुझे यह भी लगता है कि मेरे निजी जासूस के पास अभी भी कुछ तरकीबें बाकी हैं।"
"रोजर!" टैवर्नर ने कहा। "तो रोजर - एक बदमाश है?"
मुझे ये सब बताने में काफी झिझक हो रही थी, क्योंकि मुझे रोजर लियोनाइड्स पसंद थे। और ये भी मुमकिन था कि जोसेफिन की जानकारी भरोसेमंद न हो।
"तो उस बच्चे ने तुम्हें बताया?" टैवर्नर ने कहा।
"ऐसा लगता है कि उसे उस घर में होने वाली हर बात की जानकारी है।"
"बच्चे आमतौर पर ऐसे ही होते हैं," मेरे पिता ने रूखेपन से कहा।
अगर यह जानकारी सच होती, तो पूरी स्थिति बदल जाती। अगर रॉजर, जैसा कि जोसेफिन ने विश्वासपूर्वक कहा था, एसोसिएटेड कैटरिंग के फंड का गबन कर रहा

होता और अगर बूढ़े लियोनाइड्स को इसका पता चल जाता, तो शायद बूढ़े लियोनाइड्स को चुप कराना और सच्चाई सामने आने से पहले इंग्लैंड छोड़ देना ज़रूरी हो जाता। संभवतः रॉजर आपराधिक अभियोजन का पात्र बन जाता।
इस बात पर सहमति बनी कि एसोसिएटेड कैटरिंग के मामलों की जांच बिना किसी देरी के की जानी चाहिए।
"अगर यह गिर गया तो बहुत बड़ा संकट आ जाएगा," मेरे पिता ने कहा। "यह बहुत चिंता की बात है। इसमें लाखों लोग शामिल हैं।"
"अगर यह सचमुच 'क्वीर स्ट्रीट' में है, तो हमें वही मिलेगा जो हम चाहते हैं," टैवर्नर ने कहा। "पिता रॉजर को बुलाते हैं। रॉजर टूट जाता है और कबूल कर लेता है। ब्रेंडा लियोनाइड्स सिनेमा गई हुई थी। रॉजर को बस अपने पिता के कमरे से निकलकर बाथरूम में जाना है, इंसुलिन की शीशी खाली करनी है और उसकी जगह एसेरीन का गाढ़ा घोल रखना है, बस। या हो सकता है उसकी पत्नी ने ऐसा किया हो। उस दिन घर आने के बाद वह दूसरे विंग में गई थी - कहती है कि वह रॉजर द्वारा वहाँ छोड़ी गई पाइप लेने गई थी। लेकिन हो सकता है कि ब्रेंडा के घर आने और उसे इंजेक्शन देने से पहले ही वह सामान बदलने गई हो। वह यह काम बड़ी आसानी से और कुशलता से कर सकती है।"
मैंने सिर हिलाया। "हाँ, मुझे लगता है कि वही इस काम को अंजाम देने वाली है। वो किसी भी चीज़ के लिए काफी साहसी है! और मुझे नहीं लगता कि रोजर लियोनाइड्स जहर को एक साधन के रूप में सोचेंगे - इंसुलिन वाली वो तरकीब कुछ स्त्रीत्वपूर्ण लगती है।"
"कई पुरुष जहर देने वाले होते हैं," मेरे पिता ने रूखेपन से कहा।
"ओह, मुझे पता है, महोदय," टैवर्नर ने कहा। "मुझे पता है!" उसने भावुक होकर कहा।
फिर भी मुझे यह नहीं कहना चाहिए था कि रोजर उस तरह का व्यक्ति था।
बूढ़े आदमी ने उसे याद दिलाया, "प्रिचर्ड एक अच्छा मिलनसार व्यक्ति था।"
"मान लीजिए कि वे दोनों इसमें एक साथ शामिल थे।"
"लेडी मैकबेथ पर ज़ोर देते हुए," मेरे पिता ने टैवर्नर के जाने के बाद कहा। "क्या चार्ल्स, वह तुम्हें ऐसी ही लगती है?"

मैंने उस सादे कमरे में खिड़की के पास खड़ी उस दुबली-पतली, आकर्षक आकृति की कल्पना की।
"बिल्कुल नहीं," मैंने कहा। "लेडी मैकबेथ मूल रूप से एक लालची महिला थी। मुझे नहीं लगता कि क्लेमेंसी लियोनाइड्स ऐसी है। मुझे नहीं लगता कि वह संपत्ति चाहती है या उसकी परवाह करती है।"
"लेकिन हो सकता है कि वह अपने पति की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित हो?"
"हाँ, ऐसा ही है। और वह निश्चित रूप से - खैर, निर्दयी हो सकती है।"
"विभिन्न प्रकार की निर्ममता..."
सोफिया ने यही कहा था।
मैंने ऊपर देखा तो पाया कि बूढ़ा आदमी मुझे देख रहा था।
चार्ल्स, तुम्हारे मन में क्या चल रहा है?
लेकिन मैंने उसे तब नहीं बताया।
मुझे अगले दिन बुलाया गया और मैंने टैवर्नर और मेरे पिता को एक साथ पाया।
टैवर्नर खुद से खुश और थोड़ा उत्साहित दिख रहा था।
मेरे पिता ने कहा, "एसोसिएटेड कैटरिंग मुश्किल दौर से गुजर रही है।"
टैवर्नर ने कहा, "किसी भी क्षण दुर्घटना हो सकती है।"
मैंने कहा, "मैंने देखा कि कल रात शेयरों में भारी गिरावट आई थी। लेकिन आज सुबह उनमें सुधार होता दिख रहा है।"
टैवर्नर ने कहा, "हमें बहुत सावधानी से काम लेना पड़ा है। कोई सीधी पूछताछ नहीं की। ऐसा कुछ नहीं किया जिससे घबराहट फैले या हमारे फरार सज्जन को कोई परेशानी हो। लेकिन हमारे पास कुछ निजी सूत्रों से जानकारी मिली है और वह जानकारी काफी पुख्ता है। एसोसिएटेड कैटरिंग दिवालिया होने की कगार पर है। यह अपने वादों को पूरा नहीं कर सकती। सच्चाई यही लगती है कि इसका वर्षों से घोर कुप्रबंधन हुआ है।"
"रोजर लियोनाइड्स द्वारा?"
"हां। उसके पास सर्वोच्च शक्ति थी, आप जानते हैं।"
और उसने खुद ही पैसे हड़प लिए हैं-"

"नहीं," टैवर्नर ने कहा। "हमें नहीं लगता कि उसने ऐसा किया है। सीधे शब्दों में कहें तो, वह हत्यारा हो सकता है, लेकिन हमें नहीं लगता कि वह धोखेबाज है। सच कहें तो, वह बस एक मूर्ख रहा है। उसमें विवेक की कोई झलक नहीं दिखती। जहाँ उसे रुकना चाहिए था, वहाँ उसने हमला किया - जहाँ उसे आगे बढ़ना चाहिए था, वहाँ वह हिचकिचाया और पीछे हट गया। उसने सत्ता ऐसे लोगों को सौंपी है जिन्हें उसे नहीं सौंपनी चाहिए थी। वह आसानी से भरोसा करने वाला व्यक्ति है, और उसने गलत लोगों पर भरोसा किया है। हर बार, हर मौके पर, उसने गलत काम किया है।"
मेरे पिता ने कहा, "ऐसे लोग होते हैं। और वे सचमुच मूर्ख भी नहीं होते। वे लोगों को परखने में अच्छे नहीं होते, बस इतना ही। और वे गलत समय पर उत्साह दिखाते हैं।"
टैवर्नर ने कहा, "उस जैसे आदमी को तो कारोबार में होना ही नहीं चाहिए।"
मेरे पिता ने कहा, "शायद वह ऐसा नहीं होता, सिवाय इसके कि वह संयोगवश एरिस्टाइड लियोनाइड्स का पुत्र है।"
"जब उस बूढ़े आदमी ने शो का जिम्मा उसे सौंपा था, तब वह शो ज़बरदस्त चल रहा था। यह तो सोने की खान साबित हो सकता था! आप सोचेंगे कि वह आराम से बैठ सकता था और शो को अपने आप चलने दे सकता था।"
“नहीं,” मेरे पिता ने सिर हिलाते हुए कहा। “कोई भी शो अपने आप नहीं चलता। हमेशा कुछ न कुछ फैसले लेने पड़ते हैं—किसी को यहाँ से हटाया जाता है, किसी को वहाँ से नियुक्त किया जाता है—नीतिगत मामलों से जुड़े छोटे-मोटे सवाल। और रोजर लियोनाइड्स के मामले में तो जवाब हमेशा गलत ही साबित हुआ है।”
"बिल्कुल सही," टैवर्नर ने कहा। "एक तो वो बहुत वफादार किस्म का आदमी है। वो सबसे घटिया और बेकार कपड़ों को भी पहने रहता था - सिर्फ इसलिए कि उसे उनसे लगाव था - या इसलिए कि वो कपड़े उसके पास काफी समय से पड़े थे। और कभी-कभी उसके दिमाग में बेतुके और अव्यावहारिक विचार आते थे और वो उनमें लगने वाले भारी खर्च के बावजूद उन्हें आजमाने पर अड़ा रहता था।"
"लेकिन कोई आपराधिक मामला नहीं?" मेरे पिता ने जोर देकर कहा।
"नहीं, इसमें कुछ भी आपराधिक नहीं है।"
"तो फिर हत्या क्यों?" मैंने पूछा।

"वह मूर्ख तो हो सकता था, धूर्त नहीं," टैवर्नर ने कहा। "लेकिन नतीजा वही था - या लगभग वही। एसोसिएटेड कैटरिंग को इस तबाही से बचाने का एकमात्र उपाय अगले बुधवार तक एक बहुत बड़ी रकम जुटाना था।" (उन्होंने एक नोटबुक देखी) "ज्यादा से ज्यादा अगले बुधवार तक।"
"क्या यह वह राशि है जो उसे अपने पिता की वसीयत के अनुसार विरासत में मिलेगी, या मिलने की उम्मीद थी?"
"बिल्कुल।"
"लेकिन वह इतनी बड़ी रकम नकद में नहीं ले सकता था।"
"नहीं। लेकिन उसे श्रेय तो मिलता ही। बात तो एक ही है।"
बूढ़े आदमी ने सिर हिलाया।
"क्या बूढ़े लियोनाइड्स के पास जाकर मदद मांगना ज्यादा आसान नहीं होता?" उसने सुझाव दिया।
"मुझे लगता है उसने ऐसा किया होगा," टैवर्नर ने कहा। "मुझे लगता है कि बच्चे ने यही सुना होगा। मुझे लगता है कि उस बूढ़े आदमी ने बेकार में पैसा बर्बाद करने से साफ इनकार कर दिया होगा। वह ऐसा ही करता, आप जानते हैं।"
मुझे लगा कि टैवर्नर सही कह रहे थे। एरिस्टाइड लियोनाइड्स ने मैग्डा के नाटक को समर्थन देने से इनकार कर दिया था - उन्होंने कहा था कि यह बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं होगा। घटनाओं ने उन्हें सही साबित कर दिया। वे अपने परिवार के प्रति उदार थे, लेकिन वे लाभहीन उद्यमों में पैसा बर्बाद करने वाले व्यक्ति नहीं थे।
और एसोसिएटेड कैटरिंग का कारोबार हजारों, या शायद लाखों में चलता था। उसने साफ इनकार कर दिया था, और रोजर के लिए आर्थिक बर्बादी से बचने का एकमात्र रास्ता यही था कि उसके पिता की मृत्यु हो जाए।
जी हां, इसके पीछे कोई न कोई मकसद जरूर जरूर था।
मेरे पिता ने अपनी घड़ी देखी।
उन्होंने कहा, "मैंने उन्हें यहां आने के लिए कहा है। वे किसी भी क्षण यहां पहुंच जाएंगे।"
"रोजर?"
"हाँ।"

"क्या तुम मेरे बैठक कक्ष में आओगी?" मकड़ी ने मक्खी से पूछा।
टैवर्नर ने मुझे हैरानी भरी नजरों से देखा।
उन्होंने सख्ती से कहा, "हम उसे सभी आवश्यक चेतावनियाँ देंगे।"
मंच तैयार था, संक्षिप्त लेखनकर्ता ने अपना काम कर लिया था। तभी बजर बजा और कुछ मिनट बाद रोजर लियोनाइड्स कमरे में दाखिल हुए।
वह बड़ी उत्सुकता से, लेकिन कुछ हद तक अनाड़ीपन से अंदर आया - एक कुर्सी से टकराकर लड़खड़ा गया। मुझे पहले की तरह ही एक बड़े, मिलनसार कुत्ते की याद आ गई। उसी क्षण मैंने यह पक्का कर लिया कि इंसुलिन की बोतल में एसेरीन डालने का काम उसने नहीं किया था। अगर किया होता तो वह बोतल तोड़ देता, गिरा देता या किसी न किसी तरह से काम बिगाड़ देता। नहीं। मैंने तय किया कि यह काम असल में क्लेमेंसी ने किया था, हालाँकि रॉजर को इस काम की जानकारी थी।
उसके मुँह से शब्द तेज़ी से निकलने लगे:
"आप मुझसे मिलना चाहते थे? आपको कुछ पता चला है? हैलो चार्ल्स, मैंने आपको देखा नहीं। आपका आना अच्छा लगा। लेकिन कृपया मुझे बताएं। सर आर्थर-"
कितना अच्छा इंसान था – सचमुच बहुत अच्छा इंसान। लेकिन कई हत्यारे भी अच्छे इंसान होते थे – उनके हैरान दोस्तों ने बाद में यही कहा था। खुद को कुछ हद तक जूडास जैसा महसूस करते हुए, मैंने मुस्कुराकर अभिवादन किया।
मेरे पिता सधे हुए, ठंडे और औपचारिक स्वभाव के थे। वे चिकनी-चुपड़ी बातें करते थे। बयान... लिख लिया गया... कोई दबाव नहीं... वकील...
रोजर लियोनाइड्स ने अपनी उसी विशिष्ट उत्सुकता और अधीरता के साथ उन सभी को दरकिनार कर दिया।
मैंने चीफ इंस्पेक्टर टैवर्नर के चेहरे पर हल्की व्यंग्यात्मक मुस्कान देखी और उससे उनके मन के विचार को समझ लिया।
"ये लोग तो हमेशा आत्मविश्वास से भरे रहते हैं। ये गलती कर ही नहीं सकते। ये बहुत ही होशियार हैं!"
मैं चुपचाप एक कोने में बैठ गया और सुनने लगा।
मेरे पिता ने कहा, "मैंने आपको यहां बुलाया है, श्री लियोनाइड्स, आपको कोई नई जानकारी देने के लिए नहीं, बल्कि आपसे कुछ जानकारी मांगने के लिए - ऐसी

जानकारी जिसे आपने पहले छिपाकर रखा था।"
रोजर लियोनाइड्स हैरान-परेशान दिख रहे थे।
"छिपाया? लेकिन मैंने तो आपको सब कुछ बता दिया है - बिलकुल सब कुछ!"
"मुझे नहीं लगता। क्या आपकी मृत्यु वाले दिन दोपहर को मृतक से कोई बातचीत हुई थी?"
"हां, हां, मैंने उनके साथ चाय पी थी। मैंने आपको बताया था।"
"आपने हमें यह बताया था, हाँ, लेकिन आपने हमें अपनी बातचीत के बारे में नहीं बताया।"
"हमने बस थोड़ी देर बात की।"
"किस बारे में?"
"रोजमर्रा की घटनाएं, घर, सोफिया -"
"एसोसिएटेड कैटरिंग के बारे में क्या? क्या उसका जिक्र हुआ था?"
मुझे लगता है कि तब तक मुझे यही उम्मीद थी कि जोसेफिन ने पूरी कहानी मनगढ़ंत बनाई थी - लेकिन अगर ऐसा था, तो वह उम्मीद जल्दी ही खत्म हो गई।
रॉजर के चेहरे का भाव बदल गया। पल भर में उत्साह से उसका चेहरा निराशा के करीब पहुंच गया।
"हे भगवान!" उसने कहा। वह एक कुर्सी पर बैठ गया और अपना चेहरा अपने हाथों में छिपा लिया।
टैवर्नर एक संतुष्ट बिल्ली की तरह मुस्कुराया।
"क्या आप स्वीकार करते हैं, श्री लियोनाइड्स, कि आप हमारे साथ स्पष्टवादी नहीं रहे हैं?"
"आपको इसके बारे में कैसे पता चला? मुझे लगा कि किसी को नहीं पता - मुझे समझ नहीं आता कि किसी को कैसे पता चल सकता है।"
"हमारे पास इन बातों का पता लगाने के साधन हैं, श्री लियोनाइड्स।" कुछ देर का मौन छा गया। "मुझे लगता है कि अब आप समझ गए होंगे कि बेहतर होगा कि आप हमें सच बता दें।"
"जी हां, बिल्कुल। मैं आपको बताऊंगी। आप क्या जानना चाहते हैं?"
"क्या यह सच है कि एसोसिएटेड कैटरिंग पतन के कगार पर है?"

"हाँ। अब इसे टाला नहीं जा सकता। दुर्घटना तो होनी ही है। काश मेरे पिता को इस बात का पता चले बिना ही उनकी मृत्यु हो जाती। मुझे बहुत शर्म आ रही है - बहुत अपमान महसूस हो रहा है।"
"क्या आपराधिक मुकदमा चलाने की संभावना है?"
रॉजर अचानक उठ बैठा।
"नहीं, बिलकुल नहीं। यह दिवालियापन होगा - लेकिन सम्मानजनक दिवालियापन। अगर मैं अपनी निजी संपत्ति दे देता हूँ, तो लेनदारों को प्रति पाउंड बीस शिलिंग मिलेंगे, और मैं ऐसा ही करूँगा। नहीं, मुझे सबसे ज़्यादा शर्मिंदगी इस बात की है कि मैं अपने पिता को निराश कर पाया। उन्होंने मुझ पर भरोसा किया। उन्होंने मुझे अपना सबसे बड़ा और सबसे पसंदीदा काम सौंप दिया। उन्होंने कभी दखल नहीं दिया, कभी नहीं पूछा कि मैं क्या कर रहा हूँ। उन्होंने बस मुझ पर भरोसा किया... और मैंने उन्हें निराश किया।"
मेरे पिता ने रूखेपन से कहा:
"आप कहते हैं कि आपराधिक मुकदमा चलने की कोई संभावना नहीं थी? तो फिर आपने और आपकी पत्नी ने बिना किसी को बताए विदेश जाने की योजना क्यों बनाई थी?"
"तुम्हें भी यह पता है?"
"जी हां, श्री लियोनाइड्स।"
"लेकिन क्या तुम नहीं देख रहे?" वह उत्सुकता से आगे झुका। मैं उनसे सच का सामना नहीं कर सका। आप जानते हैं, ऐसा लगता जैसे मैं उनसे पैसे मांग रहा हूँ? जैसे मैं चाहता हूँ कि वे मुझे फिर से अपने पैरों पर खड़ा कर दें। वे मुझसे बहुत प्यार करते थे। वे मेरी मदद करना चाहते थे। लेकिन मैं नहीं कर सका - मैं आगे नहीं बढ़ सका - इसका मतलब होता कि मैं फिर से सब कुछ गड़बड़ कर देता - मैं किसी काम का नहीं हूँ। मुझमें वह क्षमता नहीं है। मैं अपने पिता जैसा आदमी नहीं हूँ। मुझे हमेशा से यह पता था। मैंने कोशिश की है। लेकिन कोई फायदा नहीं। मैं बहुत दुखी रहा हूँ - हे भगवान! आप नहीं जानते कि मैं कितना दुखी रहा हूँ! इस उलझन से निकलने की कोशिश कर रहा था, उम्मीद कर रहा था कि मैं बस सब ठीक कर लूँगा, उम्मीद कर रहा था कि उस प्यारे बूढ़े आदमी को इसके बारे में कभी सुनने की ज़रूरत न पड़े।

और फिर वह आ गया - तबाही से बचने की कोई उम्मीद नहीं बची। क्लेमेंसी - मेरी पत्नी - वह समझ गई, वह मुझसे सहमत थी। हमने यह योजना बनाई। किसी को कुछ मत बताना। चले जाना। और फिर तूफान को आने देना। मैं अपने पिता के लिए एक पत्र छोड़ दूँगा, जिसमें उन्हें सब कुछ बताऊँगा - मैंने उसे बताया कि मुझे कितनी शर्म आ रही है और उससे माफ़ी माँगी। वह हमेशा मेरे साथ बहुत अच्छा रहा है - आप नहीं जानते! लेकिन तब तक उसके लिए कुछ भी करना बहुत देर हो चुकी होगी। मैं यही चाहती थी। उससे मदद माँगना नहीं - या ऐसा दिखाना भी नहीं कि मैं उससे मदद माँग रही हूँ। कहीं अकेले ही नई शुरुआत करना। सादगी और विनम्रता से जीना। पौधे उगाना। कॉफी - फल। बस जीवन की बुनियादी ज़रूरतें पूरी करना - क्लेमेंसी के लिए यह मुश्किल था, लेकिन उसने कसम खाई कि उसे कोई आपत्ति नहीं है। वह अद्भुत है - सचमुच अद्भुत।
"मैं समझ गया।" मेरे पिता की आवाज़ रूखी थी। "और तुमने अपना मन क्यों बदल लिया?"
"मेरा मन बदलना?"'
"हां। आखिर आपने अपने पिता के पास जाकर आर्थिक मदद मांगने का फैसला क्यों किया?"
रॉजर उसे घूरता रहा।
"लेकिन मैंने नहीं किया!"
"आइए, श्री लियोनाइड्स।"
"तुम सब कुछ गलत समझ रहे हो। मैं उसके पास नहीं गया था। उसने मुझे बुलवाया था। उसने किसी तरह शहर में सुना था। अफवाह? शायद। लेकिन उसे हमेशा बातें पता होती थीं। किसी ने उसे बताया था। उसने मुझसे इस बारे में सवाल किया। फिर, ज़ाहिर है, मैं टूट गया... मैंने उसे सब कुछ बता दिया। मैंने कहा कि बात पैसे की नहीं थी - बात इस एहसास की थी कि मैंने उसे निराश किया है, जबकि उसने मुझ पर भरोसा किया था।"
रॉजर ने घबराकर निगलते हुए कहा, "वह सज्जन! आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि उन्होंने मेरे साथ कैसा व्यवहार किया। कोई फटकार नहीं। बस दयालुता। मैंने उनसे कहा कि मुझे मदद नहीं चाहिए, मैं मदद न लेना ही पसंद करूंगा - मैं अपनी

योजना के अनुसार चले जाना चाहता हूं। लेकिन उन्होंने मेरी बात नहीं सुनी। उन्होंने मेरी मदद करने पर जोर दिया - एसोसिएटेड कैटरिंग को फिर से अपने पैरों पर खड़ा करने पर।"
टैवर्नर ने तीखी आवाज में कहा:
"क्या आप हमसे यह उम्मीद कर रहे हैं कि हम यह मान लें कि आपके पिता का इरादा आपकी आर्थिक सहायता करने का था?"
"बिल्कुल उन्होंने ऐसा किया। उन्होंने उसी समय अपने दलालों को पत्र लिखकर निर्देश दिए।"
मुझे लगता है कि उसने दोनों आदमियों के चेहरों पर अविश्वास का भाव देखा और उसका चेहरा लाल हो गया।
"देखो," उसने कहा, "मेरे पास अभी भी वह पत्र है। मुझे उसे पोस्ट करना था। लेकिन बाद में सदमे और उलझन के कारण मैं भूल गया। शायद अब वह मेरी जेब में ही होगा।"
उसने अपना बटुआ निकाला और उसमें खोजने लगा। आखिरकार उसे वह मिल गया जो वह चाहता था। यह एक मुड़ा हुआ लिफाफा था जिस पर एक टिकट लगा हुआ था। मैंने आगे झुककर देखा तो पता चला कि यह मेसर्स ग्रेटोरेक्स और हैनबरी के नाम पर था।
उन्होंने कहा, "आप खुद पढ़ लीजिए। अगर आपको मेरी बात पर यकीन नहीं है तो।"
मेरे पिता ने चिट्ठी फाड़कर खोली। टैवर्नर उनके पीछे-पीछे गया। मैंने उस समय चिट्ठी नहीं देखी, लेकिन बाद में देखी। उसमें ग्रेटोरेक्स और हैनबरी को कुछ निवेशों को भुनाने का निर्देश दिया गया था और फर्म के एक सदस्य को अगले दिन एसोसिएटेड कैटरिंग के मामलों के संबंध में कुछ निर्देश लेने के लिए भेजने का अनुरोध किया गया था। कुछ बातें मुझे समझ नहीं आईं, लेकिन उसका सार स्पष्ट था। एरिस्टाइड लियोनाइड्स एसोसिएटेड कैटरिंग को फिर से खड़ा करने की तैयारी कर रहे थे।
टैवर्नर ने कहा:
"हम आपको इसकी रसीद देंगे, श्री लियोनाइड्स।"
रॉजर ने रसीद ले ली। वह उठा और बोला:
"बस इतना ही? आपको समझ में आ रहा होगा कि सब कुछ कैसा था, है ना?"

टैवर्नर ने कहा:
"श्री लियोनाइड्स ने आपको यह पत्र दिया और फिर आप उन्हें छोड़कर चले गए? इसके बाद आपने क्या किया?"
मैं दौड़कर घर के अपने हिस्से में वापस आ गया। मेरी पत्नी अभी-अभी अंदर आई थी। मैंने उसे बताया कि मेरे पिता क्या करने वाले हैं। वे कितने अद्भुत थे! मैं - सच कहूँ तो, मुझे खुद भी नहीं पता था कि मैं क्या कर रहा हूँ।
"और आपके पिता बीमार पड़ गए - उसके कितने समय बाद?"
"देखते हैं - शायद आधा घंटा या एक घंटा। ब्रेंडा भागती हुई आई। वह डरी हुई थी। उसने कहा कि वह अजीब लग रहा था। मैं - मैं उसके साथ भागी। लेकिन मैंने आपको यह पहले भी बताया है।"
"अपनी पिछली यात्रा के दौरान, क्या आप अपने पिता के कमरे से सटे बाथरूम में गए थे?"
मुझे ऐसा नहीं लगता। नहीं - नहीं, मुझे पूरा यकीन है कि मैंने ऐसा नहीं किया। आप ऐसा सोच भी नहीं सकते कि मैंने -"
मेरे पिता ने अचानक भड़के गुस्से को शांत किया। वे उठे और उन्होंने हाथ मिलाया। उन्होंने कहा, "धन्यवाद, श्री लियोनाइड्स। आपने बहुत मदद की है। लेकिन आपको यह सब हमें पहले ही बता देना चाहिए था।"
रॉजर के पीछे दरवाजा बंद हो गया। मैं उठा और अपने पिता की मेज पर पड़े पत्र को देखने आया।
टैवर्नर ने उम्मीद से कहा, "यह जालसाजी हो सकती है।"
“ऐसा हो सकता है,” मेरे पिता ने कहा, “लेकिन मुझे नहीं लगता कि ऐसा है। मुझे लगता है कि हमें इसे जैसा है वैसा ही स्वीकार करना होगा। बूढ़े लियोनाइड्स अपने बेटे को इस मुसीबत से निकालने के लिए तैयार थे। अगर वे जीवित होते तो यह काम रोजर की मृत्यु के बाद की तुलना में कहीं अधिक कुशलता से हो सकता था... खासकर अब जब यह पता चला है कि कोई वसीयत नहीं मिली है और परिणामस्वरूप रोजर की वास्तविक विरासत की राशि पर सवाल उठ रहे हैं। इसका मतलब है देरी और कठिनाइयाँ। मौजूदा हालात में, पतन तो होना ही है। नहीं, टैवर्नर,

रोजर लियोनाइड्स और उनकी पत्नी का बूढ़े आदमी को रास्ते से हटाने का कोई मकसद नहीं था। इसके विपरीत-”
वह रुका और अचानक कोई विचार मन में आने की तरह सोच-विचार करते हुए दोहराया, "इसके विपरीत..."
"आपके मन में क्या चल रहा है, महोदय?" टैवर्नर ने पूछा।
बूढ़े आदमी ने धीरे से कहा:
"अगर एरिस्टाइड लियोनाइड्स चौबीस घंटे और जीवित रहते, तो रॉजर ठीक होते। लेकिन वे चौबीस घंटे जीवित नहीं रहे। एक घंटे से कुछ अधिक समय के भीतर ही उनकी अचानक और नाटकीय रूप से मृत्यु हो गई।"
"हम्म," टैवर्नर ने कहा। "क्या आपको लगता है कि घर में कोई ऐसा था जो रॉजर को दिवालिया होते देखना चाहता था? कोई ऐसा व्यक्ति जिसका वित्तीय हित उससे विपरीत हो? ऐसा लगता तो नहीं है।"
मेरे पिता ने पूछा, "वसीयत के संबंध में क्या स्थिति है? लियोनाइड्स की संपत्ति वास्तव में किसे मिलेगी?"
"आप जानते ही हैं कि वकील कैसे होते हैं। उनसे सीधा जवाब नहीं मिलता। एक पुरानी वसीयत है। जो उन्होंने दूसरी श्रीमती लियोनाइड्स से शादी के समय बनाई थी। उसमें उन्हें उतनी ही रकम मिलती है, मिस डी हैविलैंड को थोड़ी कम और बाकी बची संपत्ति फिलिप और रोजर के बीच बांटी जाती है। मुझे लगा था कि अगर इस वसीयत पर हस्ताक्षर नहीं हैं, तो पुरानी वसीयत लागू होगी, लेकिन लगता है मामला इतना आसान नहीं है। पहली बात तो यह है कि नई वसीयत बनने से पुरानी वसीयत रद्द हो गई और इस पर हस्ताक्षर के गवाह भी हैं, साथ ही 'वसीयतकर्ता की मंशा' भी दर्ज है। अगर यह पता चलता है कि उनकी मृत्यु बिना वसीयत बनाए हुई थी, तो मामला अनिश्चित है। तब विधवा को सारी संपत्ति मिल जाएगी - या कम से कम जीवन भर के लिए उसका अधिकार तो रहेगा ही।"
"तो अगर वसीयत गायब हो गई है तो ब्रेंडा लियोनाइड्स ही वह व्यक्ति हैं जिन्हें इससे सबसे ज्यादा फायदा होने की संभावना है?"
"हाँ। अगर इसमें कोई गड़बड़ी हुई है, तो ऐसा लगता है कि वह इसके पीछे है। और जाहिर तौर पर गड़बड़ी हुई है, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि यह कैसे किया

गया।"
मैंने भी नहीं देखा। मुझे लगता है हम सचमुच बहुत बेवकूफ थे। लेकिन हम इसे गलत नजरिए से देख रहे थे।

अध्याय 12

टैवर्नर के बाहर जाने के बाद कुछ देर तक सन्नाटा छाया रहा।
तब मैंने कहा: "पिताजी, हत्यारे कैसे होते हैं?"
बूढ़े व्यक्ति ने सोच-विचार करते हुए मेरी ओर देखा।
हम एक-दूसरे को इतनी अच्छी तरह समझते हैं कि जब मैंने वह सवाल पूछा तो वह ठीक-ठीक समझ गया कि मेरे मन में क्या चल रहा है। और उसने इसका जवाब बहुत गंभीरता से दिया।
"हां," उसने कहा। "यह अब महत्वपूर्ण है - आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है... हत्या आपके बहुत करीब आ गई है। आप इसे बाहर से देखते नहीं रह सकते।"
मुझे हमेशा से ही, शौकिया तौर पर ही सही, सीआईडी द्वारा निपटाए गए कुछ सनसनीखेज "मामलों" में दिलचस्पी रही थी, लेकिन जैसा कि मेरे पिता कहते थे, मैं बाहर से ही दिलचस्पी ले रहा था – मानो दुकान की खिड़की से झाँक रहा हो। लेकिन अब, जैसा कि सोफिया ने मुझसे कहीं जल्दी समझ लिया था, हत्या मेरे जीवन का एक प्रमुख पहलू बन चुकी थी।
बूढ़े व्यक्ति ने आगे कहा:
"मुझे नहीं पता कि मैं इस बारे में पूछने के लिए सही व्यक्ति हूँ या नहीं। मैं आपको कुछ ऐसे मनोचिकित्सकों से मिलवा सकता हूँ जो हमारे लिए काम करते हैं। उन्हें सब कुछ अच्छी तरह से पता है। या टैवर्नर आपको सारी अंदरूनी जानकारी दे सकता है। लेकिन मुझे लगता है कि आप यह सुनना चाहते हैं कि अपराधियों के साथ अपने अनुभव के आधार पर मैं व्यक्तिगत रूप से इस बारे में क्या सोचता हूँ?"
मैंने कृतज्ञतापूर्वक कहा, "मुझे यही चाहिए।"
मेरे पिता ने अपनी उंगली से डेस्क टॉप पर एक छोटा सा वृत्त बनाया।
"हत्यारे कैसे होते हैं? उनमें से कुछ," उनके चेहरे पर एक हल्की सी उदास मुस्कान दिखाई दी, "बहुत अच्छे लोग होते हैं।"
मुझे लगता है कि मैं थोड़ा चौंक गया था।
"हां, उन्होंने किया है," उन्होंने कहा। "आप और मेरे जैसे अच्छे, साधारण लोग - या अभी-अभी मरे उस आदमी की तरह - रोजर लियोनाइड्स। देखिए, हत्या एक शौकिया अपराध है। मैं बेशक उस तरह की हत्या की बात कर रहा हूँ जिसके बारे में

आप सोच रहे हैं - गैंगस्टरों वाली नहीं। अक्सर ऐसा लगता है जैसे ये अच्छे, साधारण लोग, मानो किसी दुर्घटना में हत्या के शिकार हो गए हों। वे किसी मुश्किल में फँसे होते हैं, या उन्हें किसी चीज़ की बहुत ज़्यादा ज़रूरत होती है, पैसा या कोई औरत - और उसे पाने के लिए वे हत्या कर देते हैं। हममें से ज़्यादातर लोगों में जो रोक लगती है, वह उनमें नहीं लगती। आप जानते हैं, एक बच्चा बिना किसी संकोच के अपनी इच्छा को क्रिया में बदल देता है। एक बच्चा अपनी बिल्ली के बच्चे से नाराज़ होता है, कहता है 'मैं तुम्हें मार डालूँगा', और उसके सिर पर हथौड़े से मारता है - और फिर उसका दिल टूट जाता है क्योंकि बिल्ली का बच्चा फिर से ज़िंदा नहीं होता! बहुत से बच्चे एक शिशु को प्रैम से निकालकर 'डुबोने' की कोशिश करते हैं, क्योंकि वह उनका ध्यान भटकाता है - या उनके सुखों में दखल देता है। वे बहुत जल्दी उस अवस्था में पहुँच जाते हैं जब वे जानते हैं कि यह 'गलत' - यानी, कि इसकी सज़ा मिलेगी। बाद में, उन्हें एहसास होता है कि यह गलत है। लेकिन मुझे लगता है कि कुछ लोग नैतिक रूप से अपरिपक्व ही रहते हैं। उन्हें पता होता है कि हत्या करना गलत है, लेकिन वे इसे महसूस नहीं करते। मेरे अनुभव में, मुझे नहीं लगता कि किसी भी हत्यारे ने कभी सच में पछतावा महसूस किया है... और शायद यही कैन की निशानी है। हत्यारे अलग-थलग होते हैं, वे 'अलग' होते हैं - हत्या करना गलत है - लेकिन उनके लिए नहीं - उनके लिए यह ज़रूरी है - पीड़ित ने 'खुद ही ऐसा चाहा था', यही 'एकमात्र रास्ता' था।

मैंने पूछा, "क्या आपको लगता है कि अगर कोई बूढ़े लियोनिडेस से नफरत करता था, मान लीजिए, बहुत लंबे समय से उससे नफरत करता रहा हो, तो क्या यह एक कारण हो सकता है?"

"शुद्ध घृणा? मुझे लगता है कि इसकी संभावना बहुत कम है।"

मेरे पिता ने मुझे उत्सुकता से देखा। "जब तुम नफ़रत कहते हो, तो मेरा मानना है कि तुम्हारा मतलब हद से ज़्यादा नापसंदगी से है। ईर्ष्या से उपजी नफ़रत अलग होती है - वह स्नेह और हताशा से पैदा होती है। सब कहते थे कि कॉन्स्टेंस केंट अपने उस छोटे भाई से बहुत प्यार करती थी जिसे उसने मार डाला। लेकिन शायद वह भी वही ध्यान और प्यार चाहती थी जो उसे मिलता था। मुझे लगता है कि लोग अक्सर अपने प्रियजनों को मारते हैं, न कि उनसे जिनसे वे नफ़रत करते हैं। शायद इसलिए क्योंकि

केवल वही लोग जिन्हें आप प्यार करते हैं, आपके लिए जीवन को असहनीय बना सकते हैं।"
"लेकिन इससे आपको कुछ खास मदद नहीं मिलती, है ना?" उसने आगे कहा।
"अगर मैं आपको सही समझ रहा हूँ, तो आप कोई ऐसा संकेत, कोई सार्वभौमिक चिन्ह चाहते हैं जो आपको सामान्य और मिलनसार दिखने वाले लोगों के परिवार में से किसी हत्यारे को पहचानने में मदद करे?"
"हाँ येही बात है।"
"क्या इनमें कोई सामान्य कारक है? मुझे आश्चर्य होता है। आप जानते हैं," वह सोचते हुए रुका, "अगर है, तो मैं यह कहना चाहूंगा कि वह अहंकार है।"
"घमंड?"
"हाँ, मैंने आज तक किसी ऐसे हत्यारे से मुलाकात नहीं की जो घमंडी न हो... दस में से नौ बार उनका घमंड ही उनके पतन का कारण बनता है। वे पकड़े जाने से डरते तो हैं, लेकिन फिर भी अकड़ दिखाने और शेखी बघारने से खुद को रोक नहीं पाते और आमतौर पर उन्हें पूरा यकीन होता है कि वे इतने चालाक हैं कि पकड़े नहीं जा सकते।" उन्होंने आगे कहा, "और एक और बात, हत्यारा बात करना चाहता है।"
"बातचीत करना?"
"हाँ, देखिए, हत्या करने के बाद आप घोर अकेलेपन की स्थिति में आ जाते हैं। आप किसी को इसके बारे में सब कुछ बताना चाहते हैं - लेकिन कभी बता नहीं पाते। और यही बात आपको और भी ज़्यादा ऐसा करने के लिए प्रेरित करती है। इसलिए - अगर आप यह नहीं बता सकते कि आपने यह कैसे किया, तो कम से कम हत्या के बारे में तो बात कर सकते हैं - उस पर चर्चा कर सकते हैं, सिद्धांत बना सकते हैं - उस पर गहराई से विचार कर सकते हैं।"
"अगर मैं तुम्हारी जगह होता, चार्ल्स, तो मैं इस बात का ध्यान रखता। फिर से वहाँ जाओ, उन सबसे मिलो-जुलो, उनसे बात निकलवाओ। बेशक, यह आसान नहीं होगा। दोषी हो या निर्दोष, उन्हें किसी अजनबी से बात करने का मौका पाकर खुशी होगी, क्योंकि वे तुमसे ऐसी बातें कह सकते हैं जो वे आपस में नहीं कह सकते। लेकिन मुझे लगता है कि तुम्हें कुछ फर्क नजर आ सकता है। जिस व्यक्ति के पास कुछ छिपाने को होता है, वह बिल्कुल भी बात नहीं कर सकता। युद्ध के दौरान

खुफिया विभाग के लोग यह बात जानते थे। अगर तुम पकड़े जाते, तो सिर्फ तुम्हारा नाम, पद और यूनिट बताई जाती, इससे ज्यादा कुछ नहीं। जो लोग झूठी जानकारी देने की कोशिश करते हैं, वे लगभग हमेशा ही गलती कर बैठते हैं। चार्ल्स, उस घर वालों से बात करवाओ और किसी भी गलती या अचानक हुए खुलासे पर नजर रखना।"
तब मैंने उसे सोफिया द्वारा परिवार में व्याप्त क्रूरता के बारे में कही गई बातों के बारे में बताया - क्रूरता के विभिन्न प्रकारों के बारे में। उसे इसमें दिलचस्पी थी।
"हाँ," उन्होंने कहा। "तुम्हारी युवती में कुछ खास बात है। ज़्यादातर परिवारों में कोई न कोई कमी होती है, कोई खामी होती है। ज़्यादातर लोग एक कमज़ोरी से निपट सकते हैं - लेकिन वे दो अलग-अलग तरह की कमज़ोरियों से नहीं निपट पाते। वंशानुक्रम एक दिलचस्प बात है। डी हैविलैंड परिवार की निर्दयता और लियोनाइड्स परिवार की बेईमानी को ही ले लीजिए - डी हैविलैंड परिवार इसलिए ठीक है क्योंकि वे बेईमान नहीं हैं, और लियोनाइड्स परिवार इसलिए ठीक है क्योंकि बेईमान होने के बावजूद वे दयालु हैं - लेकिन अगर किसी वंशज में ये दोनों गुण हों - तो समझिए मेरा मतलब?"
मैंने इस बारे में उन शब्दों में नहीं सोचा था। मेरे पिता ने कहा:
"लेकिन तुम्हें वंशानुक्रम के बारे में ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। यह बहुत ही पेचीदा और पेचीदा विषय है। नहीं, मेरे बेटे, नीचे जाओ और उन्हें तुमसे बात करने दो। तुम्हारी सोफिया एक बात में बिल्कुल सही है। उसके या तुम्हारे लिए सच के सिवा कुछ भी अच्छा नहीं होगा। तुम्हें यह जानना ही होगा।"
जब मैं कमरे से बाहर निकलने लगा तो उन्होंने आगे कहा, "और बच्चे का ध्यान रखना।"
"जोसेफिन? तुम्हारा मतलब है कि मैं उसे अपने इरादों के बारे में न बताऊं।"
"नहीं, मेरा मतलब वो नहीं था। मेरा मतलब था - उसका ख्याल रखना। हम नहीं चाहते कि उसे कुछ हो।"
मैंने उसे घूर कर देखा।
"आओ, आओ, चार्ल्स। उस घर में कहीं न कहीं एक बेरहम हत्यारा छिपा हुआ है। बच्ची जोसेफिन को लगता है कि उसे घर में चल रही ज्यादातर बातों की जानकारी

है।"
"वह रोजर के बारे में सब कुछ जानती थी - भले ही उसने यह निष्कर्ष निकाल लिया हो कि वह एक धोखेबाज था। उसने जो कुछ सुना, उसका उसका विवरण काफी सटीक प्रतीत होता है।"
"जी हां, जी हां। बच्चे की गवाही हमेशा सबसे अच्छी गवाही होती है। मैं तो हर बार उस पर भरोसा करूंगा। बेशक, अदालत में इसका कोई फायदा नहीं। बच्चे सीधे सवाल पूछे जाने पर असहज महसूस करते हैं। वे या तो कुछ बुदबुदाते हैं या बेवकूफों जैसी शक्ल बनाकर कहते हैं कि उन्हें नहीं पता। वे दिखावा करने में माहिर होते हैं। बच्चा आपके साथ भी यही कर रहा था। दिखावा। आप उससे इसी तरह और भी जानकारी निकलवा सकते हैं। उससे सवाल मत पूछिए। ऐसा दिखावा कीजिए कि आपको लगता है कि उसे कुछ नहीं पता। इससे वह आपको बता देगी।"
उन्होंने आगे कहा:
"लेकिन उसका ख्याल रखना। हो सकता है कि उसे किसी की सुरक्षा के लिए जरूरत से ज्यादा जानकारी हो।"

अध्याय 13

मैं थोड़ा अपराधबोध महसूस करते हुए उस टेढ़े-मेढ़े घर (जैसा कि मैंने मन ही मन उसे नाम दिया था) में गया। हालाँकि मैंने टैवर्नर को रॉजर के बारे में जोसेफिन की गोपनीय बातें बता दी थीं, लेकिन मैंने उसके इस बयान के बारे में कुछ नहीं कहा था कि ब्रेंडा और लॉरेंस ब्राउन एक-दूसरे को प्रेम पत्र लिखते थे।

मैंने यह बहाना बनाकर खुद को बचा लिया कि यह महज़ एक रोमांटिक कल्पना थी और यह मानने का कोई कारण नहीं था कि यह सच है। लेकिन असल में मुझे ब्रेंडा लियोनाइड्स के खिलाफ़ और सबूत जुटाने में एक अजीब सी हिचकिचाहट हो रही थी। घर में उसकी दयनीय स्थिति ने मुझे बहुत प्रभावित किया था - एक ऐसे शत्रुतापूर्ण परिवार से घिरी हुई, जो पूरी तरह से उसके खिलाफ़ एकजुट था। अगर ऐसे पत्र मौजूद भी थे, तो निस्संदेह टैवर्नर और उसके चमचे उन्हें ढूंढ निकालेंगे। मैं एक मुश्किल स्थिति में फंसी महिला पर नए सिरे से संदेह पैदा करने का ज़रिया नहीं बनना चाहती थी। इसके अलावा, उसने मुझे पूरी गंभीरता से आश्वासन दिया था कि उसके और लॉरेंस के बीच ऐसा कुछ भी नहीं था और मुझे उस दुष्ट बौनी जोसेफिन की तुलना में उस पर विश्वास करने की ज़्यादा इच्छा हो रही थी। क्या ब्रेंडा ने खुद नहीं कहा था कि जोसेफिन 'पूरी तरह से ठीक नहीं है'?

मैंने इस बेचैनी भरी निश्चितता को दबा लिया कि जोसेफिन पूरी तरह से होश में थी। मुझे उसकी चमकीली काली आँखों की बुद्धिमत्ता याद आ गई।

मैंने सोफिया को फोन किया और पूछा कि क्या मैं दोबारा आ सकती हूँ।

"ज़रूर कीजिए, चार्ल्स।"

"सब कैसे चल रहा हैं?"

मुझे नहीं पता। ठीक है। वे घर की तलाशी जारी रखे हुए हैं। वे क्या ढूंढ रहे हैं?

मुझे कोई जानकारी नहीं है।

"हम सब बहुत घबरा रहे हैं। जितनी जल्दी हो सके आ जाओ। अगर मुझे किसी से बात करने का मौका नहीं मिला तो मैं पागल हो जाऊंगी।"

मैंने कहा कि मैं तुरंत नीचे आ जाऊंगा।

जब मैं टैक्सी लेकर मुख्य दरवाजे के पास पहुँचा तो वहाँ कोई नज़र नहीं आया। मैंने टैक्सी का किराया दिया और टैक्सी चली गई। मैं दुविधा में था कि घंटी बजाऊँ या

अंदर चला जाऊँ। मुख्य दरवाजा खुला हुआ था।
मैं वहाँ हिचकिचाते हुए खड़ा था, तभी मुझे अपने पीछे एक हल्की सी आवाज़ सुनाई दी। मैंने तेज़ी से अपना सिर घुमाया। जोसेफिन, जिसका चेहरा एक बहुत बड़े सेब से आंशिक रूप से ढका हुआ था, यू की झाड़ी के खुले हिस्से में खड़ी होकर मुझे देख रही थी।
जैसे ही मैंने अपना सिर घुमाया, वह भी दूसरी तरफ मुड़ गई।
"हैलो, जोसेफिन।"
उसने कोई जवाब नहीं दिया, बल्कि झाड़ियों के पीछे गायब हो गई। मैं सड़क पार करके उसके पीछे गया। वह सुनहरी मछली के तालाब के किनारे एक असुविधाजनक देहाती बेंच पर बैठी अपने पैर हिला रही थी और सेब खा रही थी। उसके गुलाबी घेरे के ऊपर से उसकी आँखें मुझे गंभीर भाव से देख रही थीं और मुझे उनमें शत्रुता का भाव साफ दिखाई दे रहा था।
मैंने कहा, "मैं फिर से नीचे आ गया हूँ, जोसेफिन।"
यह एक कमजोर शुरुआत थी, लेकिन मुझे जोसेफिन की चुप्पी और उसकी बिना पलक झपकाए घूरती निगाहें काफी परेशान करने वाली लगीं।
अपनी उत्कृष्ट रणनीतिक सूझबूझ के चलते उसने फिर भी कोई जवाब नहीं दिया।
मैंने पूछा, "क्या यह सेब अच्छा है?"
इस बार जोसेफिन ने जवाब देने की कृपा की। उसका जवाब सिर्फ एक शब्द का था।
ऊनी।
मैंने कहा, "अफसोस की बात है। मुझे ऊनी सेब पसंद नहीं हैं।"
जोसेफिन ने तिरस्कारपूर्वक उत्तर दिया:
"कोई नहीं करता।"
"जब मैंने 'हैलो' कहा तो तुमने मुझसे बात क्यों नहीं की?"
मैं ऐसा नहीं करना चाहता था।
"क्यों नहीं?"
जोसेफिन ने अपनी निंदा को और अधिक स्पष्ट करने के लिए अपने चेहरे से सेब हटा दिया।
"तुम चुपके से पुलिस के पास गए थे," उसने कहा।

"ओह," मैं थोड़ा चौंक गया। "आपका मतलब है - लगभग -"
"अंकल रोजर के बारे में।"
"लेकिन कोई बात नहीं, जोसेफिन," मैंने उसे आश्वस्त किया। "बिल्कुल ठीक है। उन्हें पता है कि उसने कुछ भी गलत नहीं किया - मेरा मतलब है, उसने किसी तरह का कोई गबन या ऐसा कुछ नहीं किया था।"
जोसेफिन ने मुझे गुस्से भरी नजरों से देखा।
"तुम कितने बेवकूफ हो।"
"मुझे माफ़ करें।"
"मैं अंकल रॉजर के बारे में चिंता नहीं कर रहा था। बात बस इतनी सी है कि जासूसी करने का यह तरीका सही नहीं है। क्या आपको नहीं पता कि पुलिस को बिल्कुल अंत तक कुछ नहीं बताना चाहिए?"
"ओह, मैं समझ गई," मैंने कहा। "मुझे माफ करना, जोसेफिन। मुझे सच में बहुत खेद है।"
"तो तुम्हें होना भी चाहिए।" उसने नाराज़गी भरे लहजे में कहा, "मैंने तुम पर भरोसा किया था।"
मैंने तीसरी बार माफी मांगी।
जोसेफिन थोड़ी शांत हुई। उसने सेब के दो-तीन टुकड़े और खाए।
"लेकिन पुलिस को इस सब के बारे में पता चल ही जाता," मैंने कहा। "तुम - मैं - हम इसे गुप्त नहीं रख सकते थे।"
"आपका मतलब है कि वह दिवालिया हो रहा है?"
हमेशा की तरह जोसेफिन को अच्छी जानकारी थी।
मुझे लगता है कि बात यहीं तक आ जाएगी।
जोसेफिन ने कहा, "आज रात सब इस बारे में बात करेंगे। पापा, मम्मी, अंकल रोजर और आंटी एडिथ। आंटी एडिथ तो उसे पैसे दे देंगी - लेकिन अभी तक उनके पास पैसे नहीं आए हैं - पर मुझे नहीं लगता पापा देंगे। उनका कहना है कि अगर रोजर किसी मुसीबत में फंसा है तो उसकी गलती खुद उसकी है और बेकार में पैसे बर्बाद करने का क्या फायदा? और मम्मी तो उसे पैसे देने को तैयार ही नहीं हैं क्योंकि वो चाहती हैं कि पापा एडिथ थॉम्पसन के लिए पैसे दें। क्या आप एडिथ थॉम्पसन को

जानती हैं? उनकी शादी हो चुकी थी, लेकिन वो अपने पति को पसंद नहीं करती थीं। उन्हें बायवाटर्स नाम के एक नौजवान से प्यार हो गया था जो जहाज से आया था और थिएटर के बाद वो दूसरी गली में गया और उसने अपने पति को पीठ में छुरा घोंपटा दिया।"
मैं एक बार फिर जोसेफिन के ज्ञान की व्यापकता और पूर्णता पर चकित रह गया; और साथ ही उस नाटकीय भाव पर भी, जो अस्पष्ट सर्वनामों द्वारा थोड़ा धुंधला होने के बावजूद, सभी महत्वपूर्ण तथ्यों को संक्षेप में प्रस्तुत करता था।
"यह ठीक लग रहा है," जोसेफिन ने कहा, "लेकिन मुझे नहीं लगता कि नाटक बिल्कुल वैसा होगा। यह फिर से जेज़ेबेल जैसा ही होगा।"
उसने आह भरी। "काश मुझे पता होता कि कुत्ते उसकी हथेलियों को क्यों नहीं खा जाते।"
मैंने कहा, "जोसेफिन, तुमने मुझसे कहा था कि तुम्हें लगभग यकीन है कि हत्यारा कौन है?"
"कुंआ?"
"कौन है भाई?"
उसने मुझे तिरस्कार भरी नजरों से देखा।
"ठीक है," मैंने कहा। "आखिरी अध्याय तक नहीं? और तब भी नहीं जब मैं इंस्पेक्टर टैवर्नर को न बताने का वादा करूँ?"
जोसेफिन ने कहा, "मुझे बस कुछ और सुराग चाहिए।"
"खैर," उसने सेब का बीच का हिस्सा मछली के तालाब में फेंकते हुए कहा, "मैं तुम्हें नहीं बताऊंगी। अगर तुम कोई हो, तो तुम वॉटसन हो।"
मैंने इस अपमान को सहन कर लिया।
"ठीक है," मैंने कहा। "मैं वॉटसन हूँ। लेकिन वॉटसन को भी डेटा दिया गया था।"
"क्या?"
"तथ्य। और फिर उसने उनसे गलत निष्कर्ष निकाले। क्या आपको मुझे गलत निष्कर्ष निकालते हुए देखना मजेदार नहीं लगेगा?"
एक क्षण के लिए जोसेफिन को प्रलोभन हुआ।
फिर उसने अपना सिर हिलाया।

"नहीं," उसने कहा और आगे बोली, "वैसे भी, मुझे शर्लक होम्स में कोई खास दिलचस्पी नहीं है। यह बहुत पुराने ज़माने का है। वे लोग कुत्तों की गाड़ियों में घूमते हैं।"
मैंने पूछा, "उन पत्रों का क्या हुआ?"
"कौन से अक्षर?"
आपने जिन पत्रों का जिक्र किया है, वे लॉरेंस ब्राउन और ब्रेंडा ने एक-दूसरे को लिखे थे।"
"मैंने यह सब मनगढ़ंत कहानी बनाई थी," जोसेफिन ने कहा।
मुझे आपकी बात पर विश्वास नहीं है।
"हां, मैंने किया। मैं अक्सर मनगढ़ंत बातें बनाता हूं। इससे मुझे मजा आता है।"
मैंने उसे घूरकर देखा। उसने भी मुझे घूरकर देखा।
"सुनो, जोसेफिन। मैं ब्रिटिश संग्रहालय में एक ऐसे व्यक्ति को जानता हूँ जो बाइबिल के बारे में बहुत कुछ जानता है। अगर मैं उससे पता लगा लूँ कि कुत्तों ने जेज़ेबेल की हथेलियाँ क्यों नहीं खाईं? क्या तुम मुझे उन पत्रों के बारे में बताओगी?"
इस बार जोसेफिन सचमुच हिचकिचाई। कहीं पास ही, एक टहनी तेज चटकने की आवाज के साथ टूट गई। जोसेफिन ने सपाट स्वर में कहा:
"नहीं, मैं ऐसा नहीं करूंगा।"
मैंने हार मान ली। काफी देर बाद मुझे अपने पिता की सलाह याद आई।
मैंने कहा, "खैर, ये तो सिर्फ एक खेल है। बेशक तुम्हें कुछ पता नहीं है।"
जोसेफिन की आंखें झपक गईं, लेकिन उसने प्रलोभन का विरोध किया।
मैं उठ खड़ा हुआ। मैंने कहा, "मुझे अब अंदर जाना होगा और सोफिया को ढूंढना होगा। मेरे साथ आओ।"
"मैं यहीं रुकूंगी," जोसेफिन ने कहा।
"नहीं, तुम नहीं आओगे," मैंने कहा। "तुम मेरे साथ अंदर आओगे।"
मैंने बिना किसी औपचारिकता के उसे खींचकर खड़ा कर दिया। वह हैरान और विरोध करने को तैयार लग रही थी, लेकिन उसने बड़ी सहजता से हार मान ली - शायद इसलिए भी क्योंकि वह घरवालों की मेरे आने पर प्रतिक्रिया देखना चाहती थी।

मुझे यह समझ नहीं आ रहा था कि मैं उसे अपने साथ लाने के लिए इतना उत्सुक क्यों था। यह बात मुझे तभी समझ आई जब हम मुख्य द्वार से अंदर जा रहे थे।
यह एक टहनी के अचानक टूटने के कारण हुआ था।

अध्याय 14

बड़े ड्राइंग रूम से हल्की फुसफुसाहट सुनाई दी। मैं हिचकिचाया, लेकिन अंदर नहीं गया। मैं गलियारे में आगे बढ़ता गया और अचानक एक आवेग में आकर मैंने एक कपड़े का दरवाज़ा खोल दिया। गलियारा अँधेरा था, लेकिन अचानक एक और दरवाज़ा खुला और सामने एक बड़ा रोशन रसोईघर दिखाई दिया। दरवाज़े पर एक बूढ़ी औरत खड़ी थी - थोड़ी भारी-भरकम बूढ़ी औरत। उसकी चौड़ी कमर पर एक साफ़ सफ़ेद एप्रन बंधा हुआ था और उसे देखते ही मुझे लगा कि सब ठीक है। यही वो एहसास है जो एक अच्छी दाई हमेशा दे सकती है। मैं पैंतीस साल का हूँ, लेकिन मुझे ऐसा महसूस हुआ जैसे मैं चार साल का एक छोटा बच्चा हूँ जिसे बहुत तसल्ली मिली हो।

जहां तक मुझे पता था, नानी ने मुझे कभी नहीं देखा था, लेकिन उसने तुरंत कहा:

"आप मिस्टर चार्ल्स हैं, है ना? रसोई में आइए और मैं आपको एक कप चाय देता हूँ।"

वह एक बड़ा, खुशनुमा रसोईघर था। मैं बीच वाली मेज के पास बैठ गई और नानी मेरे लिए एक कप चाय और दो मीठे बिस्कुट एक थाली में लेकर आईं। मुझे पहले से कहीं ज़्यादा ऐसा लगा जैसे मैं फिर से नर्सरी में आ गई हूँ। सब कुछ ठीक था - और उस अंधेरे कमरे और अनजानी चीज़ों का डर अब मेरे साथ नहीं था।

"मिस सोफिया को आपके आने से खुशी होगी," नैनी ने कहा। "वह कुछ ज़्यादा ही उत्साहित हो रही हैं।" उन्होंने नाराज़गी जताते हुए आगे कहा, "वे सब ही ज़रूरत से ज़्यादा उत्साहित हैं।"

मैंने पीछे मुड़कर देखा।

"जोसेफिन कहाँ है? वह मेरे साथ आई थी।"

नैनी ने अपनी जीभ से नापसंदगी भरी खटखटाहट की आवाज निकाली।

"दरवाजों पर छुप-छुपकर बातें सुनना और अपने साथ रखी उस छोटी सी बेवकूफी भरी किताब में चीजें लिखना," उसने कहा। "उसे स्कूल जाना चाहिए था और अपनी उम्र के बच्चों के साथ खेलना चाहिए था। मैंने मिस एडिथ से भी यही कहा है और वह भी सहमत हैं - लेकिन मास्टर का कहना है कि वह अपने घर में ही सबसे अच्छी है।"

मैंने कहा, "मुझे लगता है कि वह उसे बहुत पसंद करता है।"

"जी हां, श्रीमान। वह उन सभी को बहुत पसंद करते थे।"

मैं थोड़ा अचंभित होकर देखने लगा, सोच रहा था कि फिलिप का अपने बच्चों के प्रति स्नेह इतनी निश्चित रूप से अतीत में क्यों चला गया। नानी ने मेरा चेहरा देखा और थोड़ा शरमाते हुए बोली:
"जब मैंने गुरु कहा, तो मेरा मतलब बूढ़े श्री लियोनाइड्स से था।"
इससे पहले कि मैं इसका जवाब दे पाता, दरवाजा तेजी से खुला और सोफिया अंदर आ गई।
"ओह चार्ल्स," उसने कहा, और फिर जल्दी से बोली: "ओह नानी, मुझे बहुत खुशी है कि वह आ गया है।"
"मुझे पता है तुम हो, प्रिय।"
नानी ने बहुत सारे बर्तन उठाए और उन्हें लेकर रसोई में चली गई।
उसने अपने पीछे दरवाजा बंद कर दिया।
मैं मेज से उठा और सोफिया के पास गया। मैंने उसे बाहों में भर लिया और गले लगा लिया।
मैंने कहा, "प्रियतम, तुम कांप रही हो। क्या बात है?"
सोफिया ने कहा:
"मैं डरी हुई हूँ, चार्ल्स। मैं डरी हुई हूँ।"
मैंने कहा, "मैं तुमसे प्यार करता हूँ। अगर मैं तुम्हें अपने साथ ले जा सकूँ तो-"
वह पीछे हट गई और उसने अपना सिर हिलाया।
"नहीं, यह असंभव है। हमें इसे पूरा करना ही होगा। लेकिन चार्ल्स, मुझे यह पसंद नहीं है। मुझे यह एहसास अच्छा नहीं लगता कि कोई - इस घर में कोई - कोई ऐसा व्यक्ति जिसे मैं हर दिन देखता और बात करता हूँ, एक निर्मम, शातिर ज़हर देने वाला है..."
और मुझे इसका जवाब देना नहीं आता था।
सोफिया जैसी किसी व्यक्ति को कोई आसान और अर्थहीन दिलासा नहीं दे सकता।
उसने कहा: "काश किसी को पता होता -"
"यही सबसे बुरा होगा," मैंने सहमति जताते हुए कहा।
"जानते हो मुझे सबसे ज्यादा डर किस बात से लगता है?" उसने फुसफुसाते हुए कहा। "यह कि शायद हम कभी जान ही न पाएं..."

मैं आसानी से कल्पना कर सकता था कि यह कितना भयानक सपना होगा... और मुझे यह अत्यधिक संभावना लग रही थी कि शायद कभी यह पता न चल पाए कि बूढ़े लियोनिडेस की हत्या किसने की थी।
लेकिन इससे मुझे एक ऐसे सवाल की भी याद आ गई जो मैं सोफिया से एक ऐसे मुद्दे पर पूछना चाहता था जिसमें मेरी दिलचस्पी थी।
"बताओ, सोफिया," मैंने कहा। "इस घर में कितने लोग एसेरीन आईड्रॉप्स के बारे में जानते थे - मेरा मतलब है (क) कि तुम्हारे दादाजी के पास वे थे, और (ख) कि वे जहरीले थे और उनकी घातक खुराक क्या होगी?"
"मैं समझ गया कि तुम क्या कहना चाह रहे हो, चार्ल्स। लेकिन यह काम नहीं करेगा। देखो, हम सब जानते थे।"
"हाँ, कुछ हद तक, मुझे लगता है, लेकिन विशेष रूप से -"
"हमें अच्छी तरह पता था। एक दिन दोपहर के भोजन के बाद हम सब दादाजी के साथ कॉफी पीने उठे थे। उन्हें अपने आसपास पूरा परिवार पसंद था, आप जानते ही हैं। और उनकी आँखों में बहुत तकलीफ हो रही थी। ब्रेंडा ने एसेरीन की एक-एक बूंद दोनों आँखों में डाली और जोसेफिन, जो हमेशा हर बात पर सवाल पूछती है, ने कहा, 'बोतल पर 'आईड्रॉप्स - सेवन न करें' क्यों लिखा है? अगर पूरी बोतल पी ली जाए तो क्या होगा?' दादाजी मुस्कुराए और बोले, 'अगर ब्रेंडा गलती से एक दिन इंसुलिन की जगह मुझे आईड्रॉप्स का इंजेक्शन लगा दे - तो मुझे लगता है कि मैं जोर से हांफूँगा, मेरा चेहरा नीला पड़ जाएगा और फिर मेरी मौत हो जाएगी, क्योंकि, आप जानते हैं, मेरा दिल इतना मजबूत नहीं है।' जोसेफिन ने कहा, 'ओह,' और दादाजी ने आगे कहा, 'तो हमें सावधान रहना चाहिए कि ब्रेंडा मुझे इंसुलिन की जगह एसेरीन का इंजेक्शन न दे दे, है ना?'"
सोफिया थोड़ी देर रुकी और फिर बोली: "हम सब वहीं सुन रहे थे। देखा? हम सबने सुना!"
मैंने देखा था। मेरे मन में हल्का-सा आभास था कि बस थोड़ी सी विशेष जानकारी की आवश्यकता होगी। लेकिन अब मुझे यह बात स्पष्ट हो गई कि बूढ़े लियोनिडेस ने वास्तव में अपनी हत्या की योजना खुद ही बनाई थी। हत्यारे को कोई योजना बनाने या

कुछ भी सोच-विचार करने की आवश्यकता नहीं पड़ी थी। मृत्यु का एक सरल और आसान तरीका स्वयं पीड़ित ने ही उपलब्ध करा दिया था।
मैंने गहरी सांस ली। सोफिया ने मेरे विचार को भांपते हुए कहा: "हां, यह वाकई भयानक है, है ना?"
"सोफिया, तुम्हें पता है," मैंने धीरे से कहा। "एक बात है जो मुझे बहुत खटकती है।"
"हाँ?"
"आप सही कह रहे हैं, और यह ब्रेंडा नहीं हो सकती थी। वह इसे ठीक उसी तरह नहीं कर सकती थी - जब आप सभी ने सुना था - जब आप सभी को याद था।"
"मुझे इसके बारे में पता नहीं है। वह कुछ मामलों में काफी नासमझ है, आप जानते हैं।"
मैंने कहा, "इतना बेवकूफ भी नहीं। नहीं, यह ब्रेंडा नहीं हो सकती।"
सोफिया मुझसे दूर चली गई।
"आप नहीं चाहते कि यह ब्रेंडा हो, है ना?" उसने पूछा।
और मैं क्या कह सकता था? मैं सीधे-सीधे यह नहीं कह सकता था: "हाँ, मुझे उम्मीद है कि यह ब्रेंडा ही है।"
मैं ऐसा क्यों नहीं कर सका? क्या सिर्फ यह एहसास ही काफी था कि एक तरफ ब्रेंडा बिल्कुल अकेली थी, और दूसरी तरफ शक्तिशाली लियोनाइड्स परिवार की घोर शत्रुता उसके खिलाफ खड़ी थी? क्या यह शौर्य था? क्या यह कमजोरों के लिए, बेसहारा लोगों के लिए कोई भावना थी? मुझे याद है वह अपने महंगे शोक वस्त्रों में सोफे पर बैठी थी, उसकी आवाज में निराशा थी - उसकी आँखों में डर था।
नैनी रसोई से ठीक समय पर वापस आ गई। मुझे नहीं पता कि उसने मेरे और सोफिया के बीच किसी तरह के तनाव को महसूस किया या नहीं।
उसने असहमति जताते हुए कहा:
"हत्याओं और इस तरह की बातों को भूल जाइए, मैं यही कहता हूं। इसे पुलिस पर छोड़ दीजिए। यह उनका गंदा काम है, आपका नहीं।"
"ओह नानी - क्या आपको एहसास नहीं है कि इस घर में कोई हत्यारा है?"
"बकवास है, मिस सोफिया। मुझे आपसे कोई सब्र नहीं है। क्या सामने का दरवाजा हर समय खुला नहीं रहता? सारे दरवाजे खुले रहते हैं, कुछ भी बंद नहीं होता? चोरों

और सेंधमारों को तो न्योता ही मिलता है।"
"लेकिन यह कोई चोर तो नहीं हो सकता, कुछ भी चोरी नहीं हुआ था। इसके अलावा, कोई चोर आकर किसी को जहर क्यों देगा?"
"मैंने यह नहीं कहा कि कोई चोर आया था, मिस सोफिया। मैंने तो बस इतना कहा था कि सारे दरवाजे खुले थे। कोई भी अंदर आ सकता था। अगर आप मुझसे पूछें तो ये कम्युनिस्ट ही थे।"
नैनी ने संतुष्टि भरे भाव से सिर हिलाया।
"कम्युनिस्ट बेचारे दादाजी की हत्या क्यों करना चाहेंगे?"
"खैर, सब कहते हैं कि हर चीज़ की जड़ में वही हैं। लेकिन अगर कम्युनिस्ट नहीं थे, तो मेरी बात याद रखना, कैथोलिक ही थे। वे बेबीलोन की लाल औरत हैं, बस यही हैं वे।"
जैसे आखिरी बात कहने का भाव लिए नानी फिर से रसोई में चली गईं। सोफिया और मैं हंस पड़े।
मैंने कहा, "एक अच्छा पुराना अश्वेत प्रोटेस्टेंट।"
"जी हां, है ना? चलो चार्ल्स, ड्राइंग रूम में आओ। यहाँ एक तरह की पारिवारिक बैठक चल रही है। यह आज शाम के लिए निर्धारित थी - लेकिन यह समय से पहले शुरू हो गई है।"
"सोफिया, मुझे बीच में दखल नहीं देना चाहिए।"
"अगर आप कभी इस परिवार में शादी करने जा रहे हैं, तो बेहतर होगा कि आप यह देख लें कि जब कोई रोक-टोक नहीं होती तो असलियत क्या होती है।"
"ये सब किसके बारे में हैं?"
"रोजर के मामले। लगता है तुम पहले ही उनमें उलझ चुकी हो। लेकिन यह सोचना बिल्कुल गलत है कि रोजर दादाजी की हत्या कर सकता था। रोजर तो उनसे बहुत प्यार करता था।"
"मुझे सच में नहीं लगता था कि रोजर ने ऐसा किया होगा। मुझे लगा कि क्लेमेंसी ने किया होगा।"
"सिर्फ इसलिए कि मैंने तुम्हारे दिमाग में ये बात डाली है। लेकिन तुम इसमें भी गलत हो। मुझे नहीं लगता कि रोजर के सारे पैसे चले जाने पर क्लेमेंसी को ज़रा भी बुरा

लगेगा। मुझे तो लगता है कि वो असल में काफी खुश होगी। उसे चीज़ों के न होने से एक अजीब तरह का लगाव है। चलो भी।"
जब सोफिया और मैं ड्राइंग रूम में दाखिल हुए, तो बोलने वाली आवाजें अचानक बंद हो गईं। सबने हमारी तरफ देखा।
वे सब वहाँ मौजूद थे। फिलिप खिड़कियों के बीच एक बड़ी गहरे लाल रंग की कढ़ाई वाली कुर्सी पर बैठा था, उसका खूबसूरत चेहरा एक ठंडे, सख्त मुखौटे में लिपटा हुआ था। वह किसी न्यायाधीश की तरह लग रहा था जो फैसला सुनाने वाला हो। रोजर चिमनी के पास एक बड़े पफ पर बैठा था। उसने अपनी उंगलियों से अपने बालों को इस तरह बिखेरा था कि वे उसके सिर पर खड़े हो गए थे। उसकी बाईं पतलून का एक पैर ऊपर उठा हुआ था और टाई टेढ़ी थी। वह गुस्से से लाल और बहस करने के मूड में लग रहा था। क्लेमेंसी उसके पीछे बैठी थी, उसका दुबला-पतला शरीर उस बड़ी गद्देदार कुर्सी के लिए बहुत पतला लग रहा था। वह दूसरों से नज़रें हटाकर दीवार के पैनलों को एक भावहीन निगाह से देख रही थी। एडिथ एक बड़ी कुर्सी पर एकदम सीधी बैठी थी। वह अविश्वसनीय ऊर्जा के साथ बुनाई कर रही थी, उसके होंठ कसकर बंद थे। कमरे में सबसे खूबसूरत दृश्य मैगडा और यूस्टेस का था। वे गेन्सबोरो द्वारा बनाए गए चित्र की तरह लग रहे थे। वे दोनों सोफे पर एक साथ बैठे थे - सांवला, आकर्षक लड़का उदास चेहरे के साथ, और उसके बगल में, सोफे के पीछे एक हाथ फैलाए बैठी थी मैगडा, थ्री गेबल्स की डचेस, टैफेटा के एक सुंदर गाउन में, जिसका एक छोटा पैर ब्रोकेड की चप्पल में आगे की ओर फैला हुआ था।
फिलिप ने भौंहें चढ़ाईं।
"सोफिया," उसने कहा, "मुझे माफ करना, लेकिन हम पारिवारिक मामलों पर चर्चा कर रहे हैं जो निजी प्रकृति के हैं।"
मिस डी हैविलैंड की सुइयां खटकने लगीं। मैं माफी मांगने और पीछे हटने के लिए तैयार हो गया। सोफिया ने मुझे रोक लिया। उसकी आवाज स्पष्ट और दृढ़ थी। उसने कहा, "मैं और चार्ल्स शादी करने की उम्मीद करते हैं। मैं चाहती हूं कि चार्ल्स यहां मौजूद रहे।"
"और क्यों नहीं?" रॉजर ने जोश से भरे स्वर में अपने सोफे से उठते हुए कहा। "मैं तुमसे बार-बार कहता हूँ, फिलिप, इसमें कुछ भी गुप्त नहीं है! कल या परसों पूरी

दुनिया को पता चल जाएगा। वैसे भी, मेरे प्यारे बेटे," उसने आकर मेरे कंधे पर दोस्ताना हाथ रखा, "तुम्हें तो सब पता है। तुम तो आज सुबह वहीं थे।"
"बताओ ना," मैग्डा आगे झुकते हुए बोली। "स्कॉटलैंड यार्ड में कैसा माहौल है? हमेशा यही जानने की उत्सुकता रहती है। एक मेज? एक डेस्क? कुर्सियाँ? किस तरह के पर्दे? शायद फूल नहीं? एक डिक्टाफोन?"
"माँ, चुप रहो," सोफिया ने कहा। "और वैसे भी, आपने वावासौर जोन्स को स्कॉटलैंड यार्ड वाला सीन काटने के लिए कहा था। आपने कहा था कि वह एक निराशाजनक अंत था।"
"इससे यह जासूसी नाटक जैसा लगने लगता है," मैग्डा ने कहा। "एडिथ थॉम्पसन निश्चित रूप से एक मनोवैज्ञानिक नाटक है - या मनोवैज्ञानिक थ्रिलर - आपको क्या लगता है कि इनमें से कौन सा बेहतर रहेगा?"
"तुम आज सुबह वहाँ थे?" फिलिप ने मुझसे तीखे स्वर में पूछा। "क्यों? अरे हाँ, बिल्कुल - तुम्हारे पिताजी -"
उसने भौंहें चढ़ा लीं। मुझे पहले से कहीं अधिक स्पष्ट रूप से एहसास हुआ कि मेरी उपस्थिति अवांछित थी, लेकिन सोफिया का हाथ मेरी बांह पर कसकर जकड़ा हुआ था।
क्लेमेंसी ने एक कुर्सी आगे बढ़ा दी।
"बैठ जाइए," उसने कहा।
मैंने कृतज्ञता भरी नजर से उसे देखा और स्वीकार कर लिया।
"आप जो चाहें कह सकते हैं," मिस डी हैविलैंड ने कहा, मानो वे वहीं से बात आगे बढ़ा रही हों जहाँ सबने छोड़ा था, "लेकिन मुझे लगता है कि हमें एरिस्टाइड की इच्छाओं का सम्मान करना चाहिए। जब यह वसीयत का मामला सुलझ जाएगा, तो जहाँ तक मेरा सवाल है, मेरी सारी विरासत आपके लिए है, रोजर।"
रॉजर ने गुस्से में अपने बाल खींचे।
"नहीं, आंटी एडिथ। नहीं!" वह चिल्लाया।
"काश मैं भी ऐसा कह पाता," फिलिप ने कहा, "लेकिन हर पहलू पर विचार करना पड़ता है।"
"प्यारे फिल, क्या तुम समझते नहीं हो? मैं किसी से एक पैसा भी नहीं लेने वाला।"

"बेशक वह नहीं कर सकता!" क्लेमेंसी ने झल्लाकर कहा।
"खैर, एडिथ," मैग्डा ने कहा। "अगर वसीयत में ढील दे दी जाए, तो उसे अपनी विरासत मिल जाएगी।"
"लेकिन इसे समय रहते ठीक करना तो संभव नहीं है, है ना?" यूस्टेस ने पूछा।
"यूस्टेस, तुम्हें इसके बारे में कुछ नहीं पता," फिलिप ने कहा।
"लड़का बिल्कुल सही कह रहा है," रोजर चिल्लाया। "उसने सही जगह पर उंगली रखी है। कोई भी चीज़ इस दुर्घटना को टाल नहीं सकती। कुछ भी नहीं।"
वह बड़े चाव से बोल रहा था।
क्लेमेंसी ने कहा, "सच में चर्चा करने जैसा कुछ नहीं है।"
"खैर, इससे क्या फर्क पड़ता है?" रोजर ने कहा।
"मुझे लगा था कि यह काफी मायने रखता होगा," फिलिप ने अपने होंठ दबाते हुए कहा।
"नहीं," रॉजर ने कहा। "नहीं! पिताजी की मृत्यु के आगे क्या कोई और बात मायने रखती है? पिताजी की मृत्यु हो गई है! और हम यहाँ बैठकर सिर्फ़ पैसों की बात कर रहे हैं!"
फिलिप के पीले गालों पर हल्की सी लाली आ गई।
उन्होंने कड़े स्वर में कहा, "हम तो बस मदद करने की कोशिश कर रहे हैं।"
"मुझे पता है, फिल, मेरे दोस्त, मुझे पता है। लेकिन कोई कुछ नहीं कर सकता। तो चलो आज का काम यहीं खत्म करते हैं।"
फिलिप ने कहा, "मुझे लगता है कि मैं कुछ रकम जुटा सकता हूँ। शेयर बाज़ार की कीमतें काफी गिर गई हैं और मेरी कुछ पूंजी इस तरह फंसी हुई है कि मैं उसे छू नहीं सकता: मैग्डा का समझौता वगैरह - लेकिन -"
मैग्डा ने जल्दी से कहा:
"बेशक, तुम पैसे नहीं जुटा सकती, प्रिये। कोशिश करना बेवकूफी होगी - और बच्चों के साथ भी न्याय नहीं होगा।"
"मैं तुमसे कहता हूँ, मैं किसी से कुछ नहीं माँग रहा हूँ!" रोजर चिल्लाया। "यह बात बार-बार कहते-कहते मेरी आवाज़ बैठ गई है। मुझे इस बात से कोई आपत्ति नहीं है कि सब कुछ अपने आप होता रहे।"

"यह प्रतिष्ठा का सवाल है," फिलिप ने कहा। "पिताजी की। हमारी।"
"यह पारिवारिक व्यवसाय नहीं था। यह पूरी तरह से मेरी जिम्मेदारी थी।"
"हां," फिलिप ने उसकी ओर देखते हुए कहा। "यह पूरी तरह से आपका मामला था।"
एडिथ डी हैविलैंड उठीं और बोलीं: "मुझे लगता है कि हमने इस पर काफी चर्चा कर ली है।"
उनकी आवाज में अधिकार का वह प्रामाणिक स्वर था जो अपना प्रभाव उत्पन्न करने में कभी विफल नहीं होता।
फिलिप और मैग्डा उठ गए। यूस्टेस कमरे से बाहर निकला और मैंने उसकी चाल में अकड़न देखी। वह पूरी तरह से लंगड़ा तो नहीं था, लेकिन उसकी चाल लड़खड़ाती हुई थी।
रॉजर ने फिलिप का हाथ पकड़ लिया और कहा: "फिल, तुमने तो ऐसी बात सोची भी हो, तुम तो बिलकुल बेवकूफ हो!" दोनों भाई साथ में बाहर चले गए।
मैग्डा ने उनके पीछे-पीछे चलते हुए बुदबुदाया, "कितना हंगामा है!" और सोफिया ने कहा कि उसे मेरे कमरे के बारे में देखना होगा।
एडिथ डी हैविलैंड अपनी बुनाई समेट रही थी। उसने मेरी तरफ देखा और मुझे लगा कि वह मुझसे कुछ कहने वाली है।
उसकी निगाहों में एक तरह का आकर्षण था। हालांकि, उसने अपना इरादा बदल लिया, आह भरी और दूसरों के पीछे-पीछे बाहर चली गई।
क्लेमेंसी खिड़की के पास जाकर खड़ी हो गई और बगीचे की ओर देखने लगी। मैं भी उसके पास जाकर खड़ा हो गया। उसने अपना सिर थोड़ा मेरी ओर घुमाया।
"शुक्र है यह सब खत्म हो गया," उसने कहा - और अरुचि से बोली: "यह कितना बेतुका कमरा है!"
"क्या आपको यह पसंद नहीं है?"
"मैं इसमें सांस नहीं ले सकता। यहाँ हमेशा अधमरे फूलों और धूल की गंध आती है।"
मुझे लगा कि वह कमरे के साथ अन्याय कर रही है। लेकिन मैं समझ गई थी कि उसका मतलब क्या था। यह निश्चित रूप से एक इंटीरियर था।
यह एक महिला का कमरा था, अनोखा, शांत, बाहर के मौसम की तेज़ हवाओं से बचा हुआ। यह ऐसा कमरा नहीं था जिसमें कोई पुरुष लंबे समय तक खुश रह सके। यह

ऐसा कमरा नहीं था जहाँ आप आराम से बैठकर अखबार पढ़ सकें, पाइप पी सकें और पैर फैलाकर बैठ सकें। फिर भी, मुझे यह ऊपर क्लेमेंसी के अपने अमूर्त व्यक्तित्व से कहीं बेहतर लगा। कुल मिलाकर, मुझे ऑपरेशन थिएटर से बेहतर एक बेडरूम ही लगता है।
"यह तो बस एक मंच है। मैग्डा के लिए अपने दृश्यों को निभाने का एक बैकग्राउंड।" उसने मेरी तरफ देखा। "तुम्हें पता है ना, हमने अभी क्या किया? दूसरा अंक - पारिवारिक बैठक। मैग्डा ने इसे आयोजित किया था। इसका कोई मतलब नहीं था। बात करने के लिए कुछ नहीं था, चर्चा करने के लिए कुछ नहीं था। सब कुछ तय हो चुका है - समाप्त।"
उसकी आवाज़ में उदासी नहीं थी। बल्कि संतुष्टि थी। उसने मेरी ओर देखा।
"ओह, क्या आपको समझ नहीं आ रहा?" उसने अधीरता से कहा। "हम आखिरकार आज़ाद हो गए! क्या आपको समझ नहीं आ रहा कि रॉजर सालों से बहुत दुखी था - बिलकुल दुखी? उसमें व्यापार की कोई प्रतिभा नहीं थी। उसे घोड़े, गाय और गाँव में इधर-उधर घूमना पसंद था। लेकिन वह अपने पिता से बहुत प्यार करता था - वे सब करते थे। यही इस घर की समस्या है - बहुत ज़्यादा पारिवारिक माहौल। मेरा मतलब यह नहीं है कि बूढ़ा आदमी ज़ालिम था, या उन पर अत्याचार करता था, या उन्हें धमकाता था। ऐसा नहीं था। उसने उन्हें पैसा और आज़ादी दी। वह उनसे बहुत प्यार करता था। और वे भी उससे उतना ही प्यार करते रहे।"
"क्या इसमें कुछ गलत है?"
"मुझे लगता है ऐसा है। मुझे लगता है कि जब आपके बच्चे बड़े हो जाएं, तो आपको उनसे दूरी बना लेनी चाहिए, खुद को मिटा देना चाहिए, चुपचाप निकल जाना चाहिए, उन्हें आपको भूलने के लिए मजबूर कर देना चाहिए।"
"उन्हें मजबूर करना? यह तो काफी कठोर कदम है, है ना? क्या जबरदस्ती करना भी उतना ही बुरा नहीं है जितना कि दूसरा?"
"अगर उन्होंने खुद को इतना बड़ा व्यक्तित्व न बनाया होता तो-"
मैंने कहा, "आप खुद को व्यक्तित्व नहीं बना सकते। वह स्वयं एक व्यक्तित्व थे।"
"वह रोजर के लिए बहुत ही प्रभावशाली व्यक्तित्व वाले थे। रोजर उनकी पूजा करता था। वह अपने पिता की हर इच्छा पूरी करना चाहता था, वह वैसा बेटा बनना चाहता

था जैसा उसके पिता चाहते थे। लेकिन वह ऐसा नहीं कर पाया। उसके पिता ने एसोसिएटेड कैटरिंग का कारोबार उसे सौंप दिया था - यह उस बूढ़े आदमी की खास खुशी और गर्व की बात थी, और रोजर ने अपने पिता के नक्शेकदम पर चलने की पूरी कोशिश की। लेकिन उसमें वह काबिलियत नहीं थी। व्यापारिक मामलों में रोजर - हाँ, मैं साफ-साफ कहूँगी - एक मूर्ख है। और इससे उसका दिल लगभग टूट गया था। वह सालों से दुखी है, संघर्ष कर रहा है, सब कुछ बिगड़ता देख रहा है, अचानक उसके दिमाग में शानदार 'विचार' और 'योजनाएँ' आती हैं जो हमेशा गलत साबित होती हैं और हालात पहले से भी बदतर बना देती हैं। साल दर साल खुद को असफल महसूस करना बहुत भयानक होता है। आप नहीं जानते कि वह कितना दुखी रहा है। मैं जानती हूँ।" वह फिर मुड़ी और मेरी ओर देखने लगी।
"आपने सोचा, आपने तो पुलिस को यह सुझाव भी दिया कि रॉजर ने पैसों के लिए अपने पिता की हत्या की होगी! आपको पता ही नहीं कि यह कितना हास्यास्पद है!"
मैंने विनम्रतापूर्वक कहा, "अब मुझे पता चल गया है।"
"जब रॉजर को पता चला कि वह इसे और टाल नहीं सकता - कि दुर्घटना अवश्य होगी, तो उसे वास्तव में राहत मिली। जी हाँ, उसे राहत मिली। उसे अपने पिता के जानने की चिंता थी - लेकिन किसी और बात की नहीं। वह उस नए जीवन की प्रतीक्षा कर रहा था जो हम जीने वाले थे।"
उसका चेहरा थोड़ा कांप उठा और उसकी आवाज नरम पड़ गई।
मैंने पूछा, "तुम कहाँ जा रहे थे?"
"बारबाडोस जाने के लिए। मेरे एक दूर के चचेरे भाई का कुछ समय पहले निधन हो गया और वह मेरे लिए वहाँ एक छोटी सी संपत्ति छोड़ गए - कुछ खास नहीं। लेकिन रहने के लिए कोई जगह तो थी। हम बेहद गरीब होते, लेकिन जैसे-तैसे गुजारा कर लेते - वहाँ रहने का खर्च बहुत कम है। हम साथ होते - बेफिक्र, सबसे दूर।"
उसने आह भरी।
"रोजर एक अजीब इंसान है। वह मेरे बारे में, मेरी गरीबी के बारे में चिंता करता रहता है। मुझे लगता है कि उसके मन में पैसे को लेकर लियोनाइड्स वाला नज़रिया बहुत गहराई से बैठा हुआ है। जब मेरे पहले पति जीवित थे, हम बहुत गरीब थे - और रोजर को लगता है कि यह मेरे लिए बहुत बहादुरी और अद्भुत बात थी! उसे एहसास ही

नहीं है कि मैं खुश थी - सचमुच खुश! उसके बाद से मैं कभी इतनी खुश नहीं रही। और फिर भी - मैंने रिचर्ड को उतना प्यार कभी नहीं किया जितना मैं रोजर को करती हूँ।"
उसकी आंखें आधी बंद थीं। मैं उसकी भावनाओं की तीव्रता को महसूस कर सकता था।
उसने अपनी आँखें खोलीं, मेरी तरफ देखा और बोली:
"तो आप समझ गए होंगे, मैं पैसों के लिए कभी किसी को नहीं मारता। मुझे पैसा पसंद नहीं है।"
मुझे पूरा यकीन था कि उसने जो कहा, उसका ठीक वही मतलब था। क्लेमेंसी लियोनाइड्स उन दुर्लभ लोगों में से एक थीं जिन्हें धन से कोई लगाव नहीं था। वे विलासिता को नापसंद करती थीं, सादगी को प्राथमिकता देती थीं और संपत्ति के प्रति संशय रखती थीं।
फिर भी, ऐसे कई लोग हैं जिनके लिए पैसे का कोई व्यक्तिगत आकर्षण नहीं है, लेकिन वे इससे मिलने वाली शक्ति से आकर्षित हो सकते हैं।
मैंने कहा, "हो सकता है कि आप अपने लिए पैसा न चाहें - लेकिन अगर समझदारी से इस्तेमाल किया जाए, तो पैसा कई दिलचस्प काम कर सकता है। उदाहरण के लिए, यह शोध को वित्त पोषित कर सकता है।"
मुझे शक था कि क्लेमेंसी अपने काम को लेकर काफी जुनूनी हो सकती है, लेकिन उसने बस इतना कहा:
मुझे संदेह है कि दान से कभी कोई खास लाभ होता है। आमतौर पर इनका दुरुपयोग होता है। सार्थक कार्य आमतौर पर उत्साही, दृढ़ निश्चयी और दूरदर्शी व्यक्ति द्वारा ही किए जाते हैं। महंगे उपकरण, प्रशिक्षण और प्रयोग कभी भी वैसा परिणाम नहीं देते जैसा आप कल्पना करते हैं। इनका पैसा अक्सर गलत हाथों में चला जाता है।
मैंने पूछा, "क्या आपको बारबाडोस जाते समय अपना काम छोड़ने में कोई आपत्ति होगी?" "मुझे लगता है कि आप अभी भी जा रहे हैं?"
"हाँ, जैसे ही पुलिस हमें इजाज़त देगी। नहीं, मुझे अपना काम छोड़ने में कोई आपत्ति नहीं होगी। मुझे क्यों होनी चाहिए? मैं बेकार नहीं बैठना चाहता, लेकिन बारबाडोस में मैं बेकार नहीं बैठूंगा।"

उसने अधीरता से कहा:
"काश, यह सब जल्दी से सुलझ जाए और हम यहां से निकल सकें।"
मैंने कहा, "क्लेमेंसी, क्या आपको ज़रा भी अंदाज़ा है कि यह किसने किया? मान लीजिए कि इसमें आपका और रॉजर का कोई हाथ नहीं था (और सच कहूँ तो मुझे ऐसा सोचने का कोई कारण भी नहीं दिखता), तो यकीनन, आपकी बुद्धिमत्ता को देखते हुए, आपको कुछ तो पता होना चाहिए कि यह किसने किया?"
उसने मुझे एक अजीब सी नज़र से देखा, तिरछी निगाहों से। जब वह बोली तो उसकी आवाज़ में सहजता नहीं थी। वह अटपटी और कुछ हद तक शर्मिंदा लग रही थी।
उन्होंने कहा, "अंदाजे नहीं लगाए जा सकते, यह अवैज्ञानिक है। इतना ही कहा जा सकता है कि ब्रेंडा और लॉरेंस ही सबसे बड़े संदिग्ध हैं।"
"तो आपको लगता है कि उन्होंने ऐसा किया?"
क्लेमेंसी ने अपने कंधे उचका दिए।
वह कुछ क्षण के लिए सुनने के अंदाज़ में खड़ी रही, फिर कमरे से बाहर निकल गई, रास्ते में दरवाजे पर एडिथ डी हैविलैंड से मिली।
एडिथ सीधे मेरे पास आई। उसने कहा, "मैं तुमसे बात करना चाहती हूं।"
मेरे पिता के शब्द मेरे दिमाग में कौंध गए।
क्या यह था -
लेकिन एडिथ डी हैविलैंड आगे बढ़ रही थी:
"मुझे उम्मीद है कि आपको गलतफहमी नहीं हुई होगी," उसने कहा। "मेरा मतलब फिलिप के बारे में है। फिलिप को समझना थोड़ा मुश्किल है। वह आपको शांत और गंभीर लग सकता है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। यह तो बस उसका स्वभाव है। इसमें उसका कोई बस नहीं चलता।"
मैंने कहना शुरू किया, "मैंने सचमुच ऐसा नहीं सोचा था।"
लेकिन वह आगे बढ़ती रही।
"अभी-अभी रॉजर के बारे में। असल में वह कंजूस नहीं है। उसने कभी पैसों को लेकर कंजूसी नहीं की। और वह सच में बहुत प्यारा इंसान है - हमेशा से ही प्यारा रहा है - लेकिन उसे समझने की ज़रूरत है।"
मैंने उसे इस भाव से देखा, मानो मैं समझने को तैयार हूँ। उसने आगे कहा:

"मुझे लगता है कि इसका एक कारण परिवार में दूसरा बच्चा होना था। अक्सर दूसरे बच्चे में कुछ खास बात होती है - वे अक्सर अनचाहे होते हैं। आप जानते हैं, वह अपने पिता से बहुत प्यार करता था। बेशक, सभी बच्चे एरिस्टाइड से प्यार करते थे और वह भी उनसे बहुत प्यार करता था। लेकिन रॉजर उसका विशेष गौरव और खुशी था। सबसे बड़ा होने के नाते - पहला होने के नाते। और मुझे लगता है कि फिलिप ने इसे महसूस किया। वह एकदम अंतर्मुखी हो गया। उसे किताबें, अतीत और ऐसी चीजें पसंद आने लगीं जो रोजमर्रा की जिंदगी से बिल्कुल अलग थीं। मुझे लगता है कि उसे तकलीफ हुई - बच्चे तकलीफ झेलते ही हैं।"
वह रुकी और फिर बोली:
"मेरा असल मतलब यह है कि वह हमेशा से रॉजर से ईर्ष्या करता रहा है। मुझे लगता है शायद उसे खुद भी इसका एहसास नहीं है। लेकिन मुझे लगता है कि रॉजर की असफलता - ओह, यह कहना थोड़ा घिनौना लगता है और मुझे यकीन है कि उसे खुद भी इसका एहसास नहीं है - लेकिन मुझे लगता है शायद फिलिप को उतना अफसोस नहीं है जितना उसे होना चाहिए।"
"आपका मतलब वास्तव में यह है कि वह इस बात से काफी खुश है कि रोजर ने खुद को मूर्ख साबित कर दिया है।"
"जी हां," मिस डी हैविलैंड ने कहा। "मेरा मतलब बिल्कुल यही है।"
उसने थोड़ा भौंहें चढ़ाते हुए कहा:
"मुझे इस बात से बहुत दुख हुआ कि उसने तुरंत अपने भाई की मदद नहीं की।"
मैंने कहा, "वह ऐसा क्यों करेगा? आखिर, रॉजर ने सब कुछ गड़बड़ कर दिया है। वह एक वयस्क आदमी है। उसके कोई बच्चे नहीं हैं। अगर वह बीमार होता या सचमुच किसी चीज की कमी होती, तो बेशक उसका परिवार मदद करता - लेकिन मुझे इसमें कोई शक नहीं है कि रॉजर पूरी तरह से अकेले ही नए सिरे से शुरुआत करना ज्यादा पसंद करेगा।"
"ओह! वो ऐसा करेगा। उसे तो बस क्लेमेंसी की फ़िक्र है। और क्लेमेंसी एक असाधारण प्राणी है। उसे असुविधा में रहना और सिर्फ़ एक ही कप में चाय पीना बहुत पसंद है। आधुनिक सोच वाली, शायद। उसे अतीत की कोई समझ नहीं है, न ही सौंदर्यबोध।"

मुझे महसूस हुआ कि उसकी पैनी निगाहें मुझे ऊपर से नीचे तक देख रही हैं।
"सोफिया के लिए यह एक भयानक परीक्षा है," उसने कहा। "मुझे बहुत दुख है कि इससे उसकी जवानी धूमिल हो रही है। आप जानते हैं, मैं उन सभी से प्यार करती हूँ। रोजर और फिलिप, और अब सोफिया, यूस्टेस और जोसेफिन। सभी प्यारे बच्चे। मार्सिया के बच्चे। हाँ, मैं उनसे बहुत प्यार करती हूँ।" वह थोड़ी देर रुकी और फिर तीखे स्वर में बोली: "लेकिन ध्यान रहे, यह मूर्तिपूजा है।"
वह अचानक मुड़ी और चली गई। मुझे लगा कि उसने अपनी आखिरी बात से कुछ ऐसा कहा था जिसे मैं पूरी तरह समझ नहीं पाया।

अध्याय 15

सोफिया ने कहा, "आपका कमरा तैयार है।"
वह मेरे बगल में खड़ी होकर बगीचे की ओर देख रही थी। अब वह बगीचा उजाड़ और धूसर लग रहा था, आधे पत्तों से रहित पेड़ हवा में झूल रहे थे।
सोफिया ने भी मेरी ही तरह कहा, "यह कितना वीरान लग रहा है..."
हमारी नज़रों के सामने ही, एक आकृति, और फिर थोड़ी देर बाद दूसरी आकृति, चट्टानी बगीचे से यू की झाड़ी के बीच से निकली। ढलते सूरज की रोशनी में वे दोनों धुंधली और अस्पष्ट सी दिख रही थीं।
ब्रेंडा लियोनाइड्स पहली थीं। उन्होंने भूरे रंग का चिनचिला कोट पहना हुआ था और उनके चलने के तरीके में बिल्ली जैसी फुर्ती और चालाकी झलक रही थी। वह रहस्यमयी अंदाज़ में धुंधलके में सरकती हुई आगे बढ़ीं।
खिड़की से गुज़रते हुए मैंने उसका चेहरा देखा। उसके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान थी, वही टेढ़ी-मेढ़ी मुस्कान जो मैंने ऊपर देखी थी। कुछ मिनट बाद लॉरेंस ब्राउन, दुबला-पतला और सिकुड़ा हुआ सा, धुंधलके में से निकल गया। मैं बस इतना ही कह सकता हूँ। वे दो चलते-फिरते लोग नहीं लग रहे थे, दो ऐसे लोग नहीं जो टहलने निकले हों। उनमें कुछ रहस्यमय और अस्पष्ट सा था, जैसे दो भूत हों।
मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या ब्रेंडा या लॉरेंस के पैर के नीचे कोई टहनी टूट गई थी।
विचारों के स्वाभाविक जुड़ाव से, मैंने पूछा:
जोसेफिन कहाँ है?
"शायद यूस्टेस स्कूल के कमरे में होगा।" उसने frowning करते हुए कहा, "मुझे यूस्टेस की चिंता है, चार्ल्स।"
"क्यों?"
"वह बहुत ही मूडी और अजीब है। उस भयानक लकवे के बाद से वह बिल्कुल बदल गया है। मुझे समझ नहीं आता कि उसके दिमाग में क्या चल रहा है। कभी-कभी तो ऐसा लगता है जैसे वह हम सभी से नफरत करता है।"
"वह शायद इन सब चीजों से बाहर निकल जाएगा। यह बस एक दौर है।"
"हां, मुझे लगता है ऐसा ही है। लेकिन मुझे चिंता तो होती है, चार्ल्स।"
"क्यों, प्रिय हृदय?"

"सच में, मुझे लगता है, क्योंकि माता-पिता कभी चिंता नहीं करते। वे माता-पिता जैसे नहीं हैं।"
"शायद यही सबसे अच्छा है। हस्तक्षेप न होने की तुलना में हस्तक्षेप से अधिक बच्चे पीड़ित होते हैं।"
"यह सच है। आप जानते हैं, विदेश से लौटने तक मैंने इस बारे में कभी सोचा ही नहीं था, लेकिन वे सचमुच एक अजीब जोड़ी हैं। पिता इतिहास के अस्पष्ट रास्तों पर दृढ़ता से जी रहे हैं और माँ नाटक रचने में मग्न हैं। आज शाम की वह सारी शरारत माँ की ही थी। उसकी कोई ज़रूरत नहीं थी। वह बस पारिवारिक सभा का दृश्य करना चाहती थीं। आप जानते हैं, यहाँ आकर उन्हें बोरियत होने लगती है और उन्हें कुछ नाटक करना पड़ता है।"
फिलहाल मेरे मन में सोफिया की मां की एक शानदार कल्पना उभर रही थी, जिसमें वह अपने बुजुर्ग ससुर को हल्के-फुल्के अंदाज में जहर देकर मार रही थी ताकि वह खुद मुख्य भूमिका में एक हत्या के नाटक को अपनी आंखों से देख सके।
एक मजेदार विचार! मैंने इसे बस यूं ही खारिज कर दिया - लेकिन इसने मुझे थोड़ा असहज कर दिया।
सोफिया ने कहा, "मां का हर समय ख्याल रखना पड़ता है। पता नहीं वो क्या करने वाली हैं!"
"सोफिया, अपने परिवार को भूल जाओ," मैंने दृढ़ता से कहा।
"मुझे ऐसा करने में बहुत खुशी होगी, लेकिन फिलहाल यह थोड़ा मुश्किल है। लेकिन काहिरा में मुझे बहुत खुशी मिली थी जब मैं उन सबको भूल गया था।"
मुझे याद आया कि सोफिया ने कभी अपने घर या अपने लोगों का जिक्र नहीं किया था।
मैंने पूछा, "क्या इसीलिए तुमने उनके बारे में कभी बात नहीं की? क्योंकि तुम उन्हें भूलना चाहते थे?"
"मुझे ऐसा ही लगता है। हम सब हमेशा से एक-दूसरे के बहुत करीब रहे हैं। हम सब एक-दूसरे को बहुत पसंद करते हैं। हम उन परिवारों की तरह नहीं हैं जहाँ सब एक-दूसरे से नफरत करते हैं। वह तो बहुत बुरा होगा, लेकिन परस्पर विरोधी भावनाओं में उलझकर जीना उससे भी कहीं ज्यादा बुरा है।"

उन्होंने आगे कहा:
"मुझे लगता है कि जब मैंने कहा था कि हम सब एक छोटे से टेढ़े-मेढ़े घर में साथ रहते हैं, तो मेरा यही मतलब था। मेरा मतलब बेईमानी से टेढ़ा होना नहीं था। मेरा मतलब यह था कि हम आत्मनिर्भर, सीधे और सीधे खड़े होकर बड़े नहीं हो पाए थे। हम सब थोड़े टेढ़े-मेढ़े और उलझे हुए हैं।"
मैंने एडिथ डी हैविलैंड की एड़ी को रास्ते में एक खरपतवार को कुचलते हुए देखा, तभी सोफिया ने कहा: "जैसे जंगली खरपतवार..."
और फिर अचानक मैग्डा हमारे साथ आ गई - दरवाजा खोलते हुए - चिल्लाते हुए बोली:
"प्यारे, बत्ती क्यों नहीं जला लेते? लगभग अंधेरा हो गया है।"
और उसने स्विच दबाए और दीवारों और मेजों पर बत्तियाँ जल उठीं, और उसने, सोफिया और मैंने भारी गुलाबी पर्दे खींचे, और हम फूलों की खुशबू से भरे उस अंदरूनी हिस्से में थे, और मैग्डा सोफे पर लेटकर रोने लगी:
"क्या ही अद्भुत दृश्य था, है ना? यूस्टेस कितना गुस्सा था! उसने मुझसे कहा कि उसे यह सब सरासर अशोभनीय लगा। लड़के कितने मजाकिया होते हैं!"
उसने आह भरी।
"रोजर तो बिल्कुल लाड़ला है। मुझे बहुत अच्छा लगता है जब वो अपने बाल बिखेरता है और चीज़ें गिराने लगता है। एडिथ ने अपनी सारी संपत्ति उसे देने का जो प्रस्ताव रखा, क्या वो प्यारा नहीं था? उसने सच में ऐसा किया था, ये सिर्फ़ दिखावा नहीं था। लेकिन ये बहुत बेवकूफी भरा काम था - इससे फिलिप को भी ऐसा करने का ख्याल आ सकता था! एडिथ तो परिवार के लिए कुछ भी कर सकती थी! एक कुंवारी औरत का अपनी बहन के बच्चों के लिए प्यार बहुत ही मार्मिक होता है। एक दिन मैं भी ऐसी ही एक समर्पित कुंवारी चाची का किरदार निभाऊंगी। जिज्ञासु, जिद्दी और समर्पित।"
"अपनी बहन की मृत्यु के बाद उसके लिए बहुत मुश्किल रहा होगा," मैंने कहा, मैग्डा की एक और भूमिका पर चर्चा में पड़ने से इनकार करते हुए। "मेरा मतलब है, अगर वह बूढ़े लियोनाइड्स को इतना नापसंद करती थी।"
मैग्डा ने मुझे बीच में ही रोक दिया।
"उसे नापसंद करती थी? यह किसने कहा? बकवास। वह उससे प्यार करती थी।"

"माँ!" सोफिया ने कहा।
"अब मेरी बात का खंडन करने की कोशिश मत करो, सोफिया। स्वाभाविक रूप से तुम्हारी उम्र में, तुम सोचती हो कि मेरा प्यार चांदनी रात में दो खूबसूरत नौजवानों के बीच का मिलन है।"
मैंने कहा, "उसने मुझे बताया कि वह उसे हमेशा से नापसंद करती थी।"
"शायद जब वह पहली बार आई थी तब उसने ऐसा किया होगा। वह अपनी बहन से नाराज़ थी क्योंकि उसने उससे शादी कर ली थी। मुझे लगता है कि उनके बीच हमेशा कुछ न कुछ अनबन रही होगी - लेकिन वह उससे प्यार करती थी, यह तो पक्का था! प्यारे बच्चों, मुझे पता है मैं क्या कह रही हूँ! ज़ाहिर है, अपनी दिवंगत पत्नी की बहन और उन सब बातों के चलते वह उससे शादी नहीं कर सकता था, और मुझे लगता है कि उसने कभी इसके बारे में सोचा भी नहीं होगा - और शायद उसने भी नहीं सोचा होगा। वह बच्चों की परवरिश करने और उससे झगड़ने में खुश थी। लेकिन जब उसने ब्रेंडा से शादी की तो उसे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। उसे यह ज़रा भी पसंद नहीं आया!"
"पिताजी और आप दोनों ने ऐसा नहीं किया," सोफिया ने कहा।
"नहीं, बिल्कुल हमें इससे नफरत थी! स्वाभाविक रूप से! लेकिन एडिथ को सबसे ज्यादा नफरत थी। डार्लिंग, मैंने उसे ब्रेंडा को घूरते हुए देखा है!"
"अब, माँ," सोफिया ने कहा।
मैग्डा ने उसे स्नेहपूर्ण और कुछ हद तक दोषी भाव से देखा, एक शरारती बिगड़े हुए बच्चे की निगाह की तरह।
वह बिना किसी रुकावट के अहसास के बोलती रही:
मैंने फैसला कर लिया है कि जोसेफिन को स्कूल जाना ही चाहिए।
"जोसेफिन? स्कूल जाओ।"
"हाँ। स्विट्ज़रलैंड। मैं कल इस बारे में पता लगाऊँगी। मुझे सच में लगता है कि हम उसे तुरंत छुड़ा सकते हैं। इस तरह के घिनौने धंधे में फँसना उसके लिए बहुत बुरा है। वह इसके बारे में बहुत उदास हो रही है। उसे अपनी उम्र के दूसरे बच्चों की ज़रूरत है। स्कूली जीवन की। मैंने हमेशा यही सोचा है।"

सोफिया ने धीरे से कहा, "दादाजी नहीं चाहते थे कि वह स्कूल जाए। वे इसके सख्त खिलाफ थे।"
"प्यारे बूढ़े स्वीटी पाई को हम सब यहाँ उनकी निगरानी में रहना अच्छा लगता था। बूढ़े लोग अक्सर इस तरह स्वार्थी होते हैं। एक बच्चे को दूसरे बच्चों के बीच ही रहना चाहिए। और स्विट्जरलैंड कितना सेहतमंद है - वहाँ के शीतकालीन खेल, ताज़ी हवा और यहाँ के खाने से कहीं ज़्यादा बेहतर खाना!"
मैंने पूछा, "मुद्रा संबंधी सभी नियमों को देखते हुए अब स्विट्जरलैंड की यात्रा की व्यवस्था करना मुश्किल होगा, है ना?"
"बकवास है, चार्ल्स। कोई न कोई शैक्षिक घोटाला चल रहा है - या फिर आप किसी स्विस बच्चे के साथ अदला-बदली कर सकते हैं - इसके कई तरीके हैं। रुडोल्फ अल्स्टिर लॉज़ेन में हैं। मैं कल उन्हें तार भेजकर सारी व्यवस्था कर लूंगा। हम उसे सप्ताह के अंत तक भेज सकते हैं!"
मैग्डा ने एक कुशन पर मुक्का मारा, हमारी तरफ मुस्कुराई, दरवाजे की तरफ गई, और एक पल के लिए खड़ी होकर बड़े ही मनमोहक अंदाज में हमारी तरफ देखती रही।
"सिर्फ युवा ही मायने रखते हैं," उसने कहा। जब उसने ये कहा, तो ये एक प्यारी सी पंक्ति थी। "उन्हें हमेशा प्राथमिकता मिलनी चाहिए। और, प्यारे बच्चों - फूलों के बारे में सोचो - नीले जेंटियन, नरगिस..."
"नवंबर में?" सोफिया ने पूछा, लेकिन मैग्डा जा चुकी थी।
सोफिया ने झुंझलाहट भरी आह भरी।
"सच में," उसने कहा, "माँ बहुत परेशान करती हैं! उन्हें अचानक से विचार आते हैं, और वो हज़ारों टेलीग्राम भेजती हैं और हर चीज़ पल भर में व्यवस्थित करनी पड़ती है। जोसेफिन को इतनी हड़बड़ी में स्विट्ज़रलैंड क्यों भेजा जाए?"
"स्कूल जाने के विचार में शायद कुछ सच्चाई है। मुझे लगता है कि जोसेफिन के लिए उसकी उम्र के बच्चे होना अच्छा रहेगा।"
सोफिया ने हठपूर्वक कहा, "दादाजी ऐसा नहीं सोचते थे।"
मुझे थोड़ी झुंझलाहट महसूस हुई।

"मेरी प्यारी सोफिया, क्या तुम्हें सच में लगता है कि अस्सी साल से अधिक उम्र का एक बूढ़ा सज्जन किसी बच्चे के कल्याण का सबसे अच्छा निर्णायक हो सकता है?"
सोफिया ने कहा, "वह इस घर में मौजूद सभी लोगों को परखने में सबसे माहिर थे।"
"तुम्हारी चाची एडिथ से बेहतर?"
"नहीं, शायद नहीं। उसे स्कूल ज़्यादा पसंद था। मैं मानती हूँ कि जोसेफिन कुछ ज़्यादा ही मुश्किल रास्तों पर चल रही है - उसे जासूसी करने की बुरी आदत है। लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा सिर्फ़ इसलिए है क्योंकि वह जासूस बनने का खेल खेलती है।"
क्या मैग्डा के इस अचानक फैसले के पीछे सिर्फ जोसेफिन की भलाई की चिंता ही वजह थी? मैंने सोचा। जोसेफिन को हत्या से पहले हुई हर बात की अच्छी जानकारी थी, और ये बातें उससे बिल्कुल भी संबंधित नहीं थीं। खेलों से भरपूर एक स्वस्थ स्कूली जीवन उसके लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता था। लेकिन मैग्डा के इस अचानक और जल्दबाजी भरे फैसले पर मुझे हैरानी हुई - स्विट्जरलैंड तो बहुत दूर था।

अध्याय 16

बूढ़े आदमी ने कहा था: "उन्हें तुमसे बात करने दो।"

अगली सुबह जब मैं शेव कर रहा था, तो मैंने सोचा कि इससे मुझे कितनी दूर तक का सफर तय करने में मदद मिली है।

एडिथ डी हैविलैंड ने मुझसे बात की थी - उन्होंने खास तौर पर इसी उद्देश्य से मुझसे संपर्क किया था। क्लेमेंसी ने भी मुझसे बात की थी (या मैंने उनसे बात की थी?)। मैग्डा ने भी एक तरह से मुझसे बात की थी - यानी मैं उनके एक प्रसारण के श्रोताओं में से एक थी।

सोफिया ने स्वाभाविक रूप से मुझसे बात की थी। यहाँ तक कि नानी ने भी मुझसे बात की थी। क्या उन सबसे जो मैंने सीखा, उससे मुझे कुछ समझ आया? क्या कोई खास शब्द या वाक्यांश था? और तो और, क्या उस असामान्य घमंड का कोई सबूत था जिस पर मेरे पिता ने इतना ज़ोर दिया था? मुझे तो ऐसा कुछ नहीं दिखा। एकमात्र व्यक्ति जिसने मुझसे किसी भी तरह से, किसी भी विषय पर बात करने की बिल्कुल भी इच्छा नहीं दिखाई, वह फिलिप था। क्या यह एक तरह से असामान्य नहीं था? उसे अब तक पता चल ही गया होगा कि मैं उसकी बेटी से शादी करना चाहता हूँ।

फिर भी वह ऐसे बर्ताव करता रहा जैसे मैं घर में थी ही नहीं। शायद उसे मेरी मौजूदगी से नाराज़गी थी। एडिथ डी हैविलैंड ने उसकी तरफ से माफी मांगी थी। उसने कहा था कि यह तो बस "शिष्टाचार" था। उसने फिलिप के लिए चिंता भी जताई थी। आखिर क्यों?

मैंने सोफिया के पिता के बारे में सोचा। वे हर मायने में एक दमित व्यक्ति थे। बचपन में वे दुखी और ईर्ष्यालु थे। उन्हें अपने भीतर सिमटने के लिए मजबूर किया गया था। उन्होंने किताबों की दुनिया में, इतिहास के अतीत में शरण ली थी। उनकी वह संयमित और शांत शैली कहीं न कहीं उनके गहरे भावनात्मक आवेश को छुपाती थी। पिता की मृत्यु से आर्थिक लाभ का अपर्याप्त उद्देश्य विश्वासयोग्य नहीं था - मुझे एक पल के लिए भी नहीं लगा कि फिलिप लियोनाइड्स अपने पिता की हत्या इसलिए करेगा क्योंकि उसके पास उतनी दौलत नहीं थी जितनी वह चाहता था। लेकिन हो सकता है कि पिता की मृत्यु चाहने के पीछे कोई गहरा मनोवैज्ञानिक कारण रहा हो। फिलिप अपने पिता के घर रहने के लिए वापस आया था, और बाद में, बमबारी के परिणामस्वरूप

रोजर भी आ गया - और फिलिप को दिन-प्रतिदिन यह देखना पड़ता था कि रोजर उसके पिता का चहेता था... क्या उसके व्याकुल मन में ऐसी स्थिति आ गई थी कि उसे अपने पिता की मृत्यु के अलावा कोई और राहत नहीं मिल पा रही थी? और मान लीजिए कि उस मृत्यु से उसके बड़े भाई पर आरोप लग जाए? रोजर के पास पैसों की कमी थी - वह दिवालिया होने की कगार पर था। रॉजर और उसके पिता के बीच हुई आखिरी मुलाकात और पिता द्वारा दी गई सहायता की पेशकश के बारे में कुछ भी न जानते हुए, क्या फिलिप ने यह नहीं सोचा होगा कि मकसद इतना मजबूत होगा कि रॉजर पर तुरंत शक हो जाएगा? क्या फिलिप का मानसिक संतुलन इतना बिगड़ गया था कि उसने हत्या कर दी?
मैंने रेजर से अपनी ठुड्डी काट ली और गुस्से में गालियां दीं।
मैं आखिर करने की कोशिश कर ही क्यों रहा था? सोफिया के पिता पर हत्या का आरोप लगाना? ये तो एक अच्छी कोशिश थी! सोफिया ने मुझे यहाँ इस काम के लिए तो नहीं बुलाया था।
या फिर – क्या ऐसा था? सोफिया की अपील के पीछे कुछ तो था, शुरू से ही कुछ न कुछ था। अगर उसके मन में जरा भी शक होता कि उसका पिता ही हत्यारा है, तो वह मुझसे शादी करने के लिए कभी राजी नहीं होती – कहीं ऐसा न हो कि उसका शक सच हो जाए।
और चूंकि सोफिया एक भोली और साहसी महिला थी, इसलिए वह सच जानना चाहती थी, क्योंकि अनिश्चितता हमारे बीच एक शाश्वत और स्थायी बाधा बनी रहेगी। क्या वह मुझसे यही नहीं कह रही थी, "साबित करो कि यह भयानक बात जो मैं सोच रही हूँ, सच नहीं है - लेकिन अगर यह सच है, तो मुझे इसकी सच्चाई साबित करके दिखाओ - ताकि मैं सबसे बुरे सच को जान सकूँ और उसका सामना कर सकूँ!"
क्या एडिथ डी हैविलैंड को पता था, या उसे संदेह था, कि फिलिप दोषी था? "इस तरह की मूर्तिपूजा" से उसका क्या तात्पर्य था?
और जब मैंने क्लेमेंसी से पूछा कि उसे किस पर शक है और उसने जवाब दिया: "लॉरेंस और ब्रेंडा ही तो स्पष्ट संदिग्ध हैं, है ना?", तो उसने मुझे जो अजीब सी नज़र से देखा था, उसका क्या मतलब था?

पूरा परिवार चाहता था कि वो ब्रेंडा और लॉरेंस हों, उन्हें उम्मीद थी कि शायद वो ब्रेंडा और लॉरेंस ही हों, लेकिन उन्हें सच में यकीन नहीं था कि वो ब्रेंडा और लॉरेंस ही हैं... और हां, हो सकता है कि पूरा परिवार ही गलत हो, और असल में यह लॉरेंस और ब्रेंडा ही हों।
या फिर, यह लॉरेंस हो सकता है, ब्रेंडा नहीं...
यह कहीं बेहतर समाधान होगा। मैंने अपनी ठुड्डी पर लगी चोट पर पट्टी लगाई और लॉरेंस ब्राउन के साथ जल्द से जल्द इंटरव्यू करने के दृढ़ संकल्प के साथ नाश्ता करने नीचे चली गई।
जब मैंने अपनी दूसरी कप कॉफ़ी पी, तब मुझे एहसास हुआ कि 'द क्रूक्ड हाउस' का असर मुझ पर भी पड़ रहा है। मैं भी, सही समाधान नहीं, बल्कि ऐसा समाधान खोजना चाहता था जो मेरे लिए सबसे उपयुक्त हो।
नाश्ते के बाद मैं हॉल से होते हुए सीढ़ियों से ऊपर गया। सोफिया ने मुझे बताया था कि मुझे लॉरेंस स्कूल के कमरे में यूस्टेस और जोसेफिन को निर्देश देते हुए मिलेगा। ब्रेन्डा के घर के सामने सीढ़ियों पर खड़े-खड़े मैं हिचकिचा गया। क्या मैं घंटी बजाऊं और दरवाजा खटखटाऊं, या सीधे अंदर चला जाऊं? मैंने फैसला किया कि मैं घर को लियोनाइड्स परिवार का अभिन्न अंग मानूंगा, न कि ब्रेन्डा का निजी निवास।
मैंने दरवाजा खोला और अंदर चला गया।
सब कुछ शांत था, ऐसा लग रहा था जैसे आस-पास कोई नहीं है। मेरे बाईं ओर बड़े ड्राइंग रूम का दरवाज़ा बंद था। दाईं ओर दो खुले दरवाज़ों से एक शयनकक्ष और उससे लगा हुआ स्नानघर दिखाई दे रहा था। मैं जानता था कि यह वही स्नानघर था जो एरिस्टाइड लियोनाइड्स के शयनकक्ष से सटा हुआ था, जहाँ एसेरीन और इंसुलिन रखे गए थे। पुलिस का काम अब खत्म हो चुका था। मैंने दरवाज़ा धक्का देकर खोला और अंदर घुस गया। तब मुझे एहसास हुआ कि घर में किसी के लिए भी (या घर के बाहर से भी!) यहाँ से चुपके से स्नानघर में आना कितना आसान होता।
मैं बाथरूम में खड़ा होकर चारों ओर देख रहा था।
यह कमरा चमचमाती टाइलों और एक धंसे हुए बाथटब से भव्य रूप से सजा हुआ था। एक तरफ कई तरह के बिजली के उपकरण रखे थे; एक हॉट प्लेट और उसके नीचे ग्रिल, एक इलेक्ट्रिक केतली, एक छोटा इलेक्ट्रिक सॉस पैन, एक टोस्टर - एक

बुजुर्ग सज्जन के नौकर को जो कुछ भी चाहिए होता है, वह सब कुछ यहाँ मौजूद था। दीवार पर एक सफेद एनामेल की अलमारी थी। मैंने उसे खोला। अंदर चिकित्सा उपकरण, दो दवा के गिलास, आई बाथ, आई ड्रॉपर और कुछ लेबल लगी बोतलें थीं। एस्पिरिन, बोरेसिक पाउडर, आयोडीन, इलास्टोप्लास्ट बैंडेज आदि। एक अलग शेल्फ पर इंसुलिन की पूरी सप्लाई, दो हाइपोडर्मिक सुई और सर्जिकल स्पिरिट की एक बोतल रखी थी। तीसरी शेल्फ पर 'द टैबलेट्स' लिखी एक बोतल थी - निर्देशानुसार रात में एक या दो गोली लेनी थी। इस शेल्फ पर निस्संदेह आई ड्रॉप्स की बोतल भी रखी रही होगी। सब कुछ साफ-सुथरा, सुव्यवस्थित था, जरूरत पड़ने पर किसी के लिए भी आसानी से उपलब्ध था, और हत्या के लिए भी उतना ही आसान था। मैं बोतलों के साथ जो चाहूँ कर सकता था और फिर चुपचाप बाहर निकलकर नीचे चला जाता, और किसी को पता भी नहीं चलता कि मैं वहाँ था। यह सब बेशक कोई नई बात नहीं थी, लेकिन इससे मुझे पुलिस के काम की कठिनाई का एहसास हुआ। केवल दोषी पक्ष या पक्षों से ही कोई वह जानकारी प्राप्त कर सकता था जिसकी उसे आवश्यकता थी।

"उन्हें परेशान करो," टैवर्नर ने मुझसे कहा था। "उन्हें भागने पर मजबूर करो। उन्हें यह सोचने पर मजबूर करो कि हम किसी बड़े सुराग का पता लगा रहे हैं। खुद को सुर्खियों में बनाए रखो। देर-सवेर, अगर हम ऐसा कर पाए, तो हमारा अपराधी चैन से नहीं बैठेगा और और भी चालाक बनने की कोशिश करेगा - और फिर - हम उसे पकड़ लेंगे।"

खैर, अपराधी ने अभी तक इस व्यवहार पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

मैं बाथरूम से बाहर आया। अभी भी कोई नहीं था। मैं गलियारे में आगे बढ़ा। बाईं ओर भोजन कक्ष और दाईं ओर ब्रेंडा का शयनकक्ष और स्नानघर था। स्नानघर में एक नौकरानी इधर-उधर घूम रही थी। भोजन कक्ष का दरवाजा बंद था। उसके आगे एक कमरे से मुझे एडिथ डी हैविलैंड की आवाज सुनाई दी, जो मछली बेचने वाले को फोन कर रही थी। घुमावदार सीढ़ियाँ ऊपर की मंजिल तक जाती थीं। मैं ऊपर चढ़ गया। मुझे पता था कि एडिथ का शयनकक्ष और बैठक कक्ष यहीं था, साथ ही दो और स्नानघर और लॉरेंस ब्राउन का कमरा भी। उसके आगे फिर कुछ सीढ़ियाँ नीचे उस

बड़े कमरे तक जाती थीं जो पीछे नौकरों के क्वार्टर के ऊपर बना था और जिसे स्कूल के रूप में इस्तेमाल किया जाता था।
दरवाजे के बाहर मैं रुक गया। अंदर से लॉरेंस ब्राउन की आवाज थोड़ी धीमी सुनाई दे रही थी।
मुझे लगता है कि जोसेफिन की ताक-झांक करने की आदत संक्रामक रही होगी। मैं भी बेशर्मी से दरवाजे के चौखट से टिककर सुनने लगा। वहाँ इतिहास का पाठ चल रहा था, और वह काल फ्रांसीसी डायरेक्टोयर का था।
जैसे-जैसे मैं सुनता गया, आश्चर्य से मेरी आँखें खुलती गईं। मुझे यह जानकर बहुत हैरानी हुई कि लॉरेंस ब्राउन एक शानदार शिक्षक थे।
मुझे समझ नहीं आता कि मुझे इतना आश्चर्य क्यों हुआ। आखिर, एरिस्टाइड लियोनाइड्स हमेशा से ही अच्छे शिष्य चुनने में माहिर थे। अपने शांत स्वभाव के बावजूद, लॉरेंस में अपने छात्रों में उत्साह और कल्पनाशीलता जगाने की अद्भुत क्षमता थी।
थर्मिडोर का नाटक, रोबेस्पियरवादियों के खिलाफ गैरकानूनी घोषित करने का फरमान, बैरास की शान, फोशे की चालाकी - नेपोलियन, आधा भूखा युवा तोपची लेफ्टिनेंट - ये सब वास्तविक और जीवंत थे।
अचानक लॉरेंस रुक गया, उसने यूस्टेस और जोसेफिन से एक सवाल पूछा, उसने उन्हें नाटक के पहले एक और फिर दूसरे पात्र की जगह पर खुद को रखने के लिए कहा।
हालांकि जोसेफिन से उसे कोई खास प्रतिक्रिया नहीं मिली, जिसकी आवाज सुनकर ऐसा लग रहा था मानो उसे जुकाम हो गया हो, लेकिन यूस्टेस अपने सामान्य चिड़चिड़े स्वभाव से काफी अलग लग रहा था।
उन्होंने बुद्धिमत्ता और ज्ञान का परिचय दिया और इतिहास की गहरी समझ भी दिखाई, जो निस्संदेह उन्हें अपने पिता से विरासत में मिली थी।
फिर मुझे कुर्सियों के पीछे धकेले जाने और फर्श पर घिसटने की आवाज़ सुनाई दी। मैं सीढ़ियों से ऊपर चला गया और जैसे ही नीचे उतर रहा था, दरवाज़ा खुल गया। यूस्टेस और जोसेफिन बाहर आए।
मैंने कहा, "हैलो।"

मुझे देखकर यूस्टेस आश्चर्यचकित लग रहा था।
"क्या आपको कुछ चाहिए?" उसने विनम्रता से पूछा।
जोसेफिन ने मेरी उपस्थिति में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई और मेरे पास से चुपचाप निकल गई।
मैंने बहुत कमजोर आवाज में कहा, "मैं बस स्कूल का कमरा देखना चाहता था।"
"आपने इसे कुछ दिन पहले देखा था, है ना? यह तो बस बच्चों का कमरा है। पहले यह नर्सरी हुआ करता था। इसमें अभी भी बहुत सारे खिलौने हैं।"
उन्होंने मेरे लिए दरवाजा खुला रखा और मैं अंदर चला गया।
लॉरेंस ब्राउन मेज के पास खड़ा था। उसने ऊपर देखा, उसका चेहरा लाल हो गया, उसने मेरी सुप्रभात के जवाब में कुछ बुदबुदाया और जल्दी से बाहर चला गया।
"तुमने उसे डरा दिया है," यूस्टेस ने कहा। "वह बहुत आसानी से डर जाता है।"
"क्या तुम उसे पसंद करते हो, यूस्टेस?"
"ओह! वो ठीक है। बेशक, एक घटिया बेवकूफ है।"
"लेकिन क्या वो बुरा शिक्षक नहीं है?"
नहीं, असल में तो वह काफी दिलचस्प हैं। उन्हें बहुत कुछ पता है। वह आपको चीजों को एक अलग नजरिए से देखने पर मजबूर कर देते हैं। मुझे कभी पता ही नहीं था कि हेनरी अष्टम ने कविताएं लिखी थीं - बेशक, ऐनी बोलिन के लिए - बहुत ही शानदार कविताएं।"
हमने कुछ क्षणों तक 'द एंशिएंट मैरिनर', 'चौसर', धर्मयुद्धों के पीछे के राजनीतिक निहितार्थ, मध्ययुगीन जीवन शैली और यूस्टेस के लिए आश्चर्यजनक तथ्य, ओलिवर क्रॉमवेल द्वारा क्रिसमस दिवस मनाने पर प्रतिबंध लगाने जैसे विषयों पर चर्चा की। यूस्टेस के तिरस्कारपूर्ण और कुछ हद तक चिड़चिड़े स्वभाव के पीछे, मैंने महसूस किया, एक जिज्ञासु और सक्षम बुद्धि छिपी हुई थी।
बहुत जल्द ही मुझे उनके चिड़चिड़ेपन का कारण समझ में आने लगा। उनकी बीमारी न केवल एक भयावह अनुभव थी, बल्कि एक निराशा और झटका भी थी, ठीक उस समय जब वे जीवन का आनंद ले रहे थे।
"अगले सत्र में मुझे ग्यारहवीं कक्षा में होना था - और मुझे अपने हाउस के रंग भी मिल गए थे। जोसेफिन जैसी बिगड़ैल बच्ची के साथ घर पर पढ़ाई करना कितना बेवकूफी

भरा काम है। अरे, वो तो सिर्फ बारह साल की है।"
"हां, लेकिन आपकी पढ़ाई का स्तर एक जैसा नहीं है, है ना?"
"नहीं, बेशक वह उन्नत गणित या लैटिन नहीं पढ़ती है। लेकिन आप किसी लड़की के साथ एक ही ट्यूटर साझा नहीं करना चाहेंगे।"
मैंने उसकी आहत पुरुषवादी भावना को शांत करने की कोशिश करते हुए कहा कि जोसेफिन अपनी उम्र के हिसाब से काफी बुद्धिमान लड़की थी।
"क्या तुम्हें ऐसा लगता है? मुझे तो लगता है वो बिल्कुल भोली है। उसे जासूसी का बहुत शौक है - हर जगह जाकर अपनी नाक घुसाती है, एक छोटी सी काली किताब में लिखती है और दिखावा करती है कि उसे बहुत कुछ पता चल रहा है। बस एक नादान बच्ची है, और कुछ नहीं," यूस्टेस ने बड़े घमंड से कहा।
“खैर,” उसने आगे कहा, “लड़कियाँ जासूस नहीं बन सकतीं। मैंने उसे यह बात बता दी थी। मुझे लगता है माँ बिल्कुल सही कह रही है और जो जितनी जल्दी स्विट्जरलैंड चली जाए उतना ही अच्छा है।”
"क्या आपको उसकी याद नहीं आएगी?"
“उस उम्र के बच्चे को याद करूँगी?” यूस्टेस ने घमंड से कहा। “बिल्कुल नहीं। हे भगवान, यह घर तो हद ही है! माँ हमेशा लंदन आती-जाती रहती है और सीधे-सादे नाटककारों को धमकाकर उनसे अपने नाटक दोबारा लिखवाती है, और छोटी-छोटी बातों पर बेवजह हंगामा करती है। और पिताजी तो किताबों में डूबे रहते हैं और कभी-कभी तो बात ही नहीं सुनते। मुझे समझ नहीं आता कि मुझे ऐसे अजीब माता-पिता क्यों मिले हैं। फिर अंकल रॉजर हैं - हमेशा इतने खुशमिजाज रहते हैं कि सुनकर सिहरन सी हो जाती है। आंटी क्लेमेंसी ठीक हैं, वो परेशान नहीं करतीं, लेकिन कभी-कभी मुझे लगता है कि वो थोड़ी सनकी हैं। आंटी एडिथ भी ठीक हैं, पर बूढ़ी हैं। सोफिया के वापस आने के बाद से माहौल थोड़ा खुशनुमा हो गया है - हालाँकि वो कभी-कभी बहुत तीखी हो जाती हैं। पर ये घर तो अजीब ही है, है ना? सौतेली दादी का इतना जवान होना कि आपकी चाची या बड़ी बहन जैसी लगे। मेरा मतलब है, ये देखकर तो बहुत बुरा लगता है!”
मुझे उसकी भावनाओं की कुछ समझ थी। मुझे (बहुत धुंधली सी) याद थी कि यूस्टेस की उम्र में मैं कितनी अति संवेदनशील थी। मुझे किसी भी तरह से असामान्य दिखने

या अपने करीबी रिश्तेदारों के सामान्य से हटकर व्यवहार करने से कितना डर लगता था।
मैंने कहा, "आपके दादाजी के बारे में क्या? क्या आप उन्हें पसंद करते थे?"
यूस्टेस के चेहरे पर एक अजीब सा भाव झलक उठा।
उन्होंने कहा, "दादाजी तो पक्के तौर पर असामाजिक थे!"
"किस तरह से?"
"वह सिर्फ मुनाफे के बारे में सोचता था। लॉरेंस का कहना है कि यह पूरी तरह गलत है। और वह एक महान व्यक्तिवादी था। इस तरह की सारी बातें खत्म होनी चाहिए, क्या आपको ऐसा नहीं लगता?"
मैंने काफी निर्ममता से कहा, "अच्छा, वह चला गया है।"
"सच में, यह अच्छी बात है," यूस्टेस ने कहा। "मैं कठोर नहीं होना चाहता, लेकिन उस उम्र में आप जीवन का आनंद नहीं ले सकते!"
"क्या उसने ऐसा नहीं किया?"
"ऐसा हो ही नहीं सकता था। खैर, अब उसके जाने का समय आ गया था। वह-" लॉरेंस ब्राउन के वापस स्कूल के कमरे में आते ही यूस्टेस की बात अधूरी रह गई।
लॉरेंस कुछ किताबों के साथ छेड़छाड़ करने लगा, लेकिन मुझे लगा कि वह तिरछी नजरों से मुझे देख रहा है।
उसने अपनी कलाई घड़ी देखी और कहा:
"यूस्टेस, कृपया ठीक ग्यारह बजे वापस आ जाना। हमने पिछले कुछ दिनों में बहुत समय बर्बाद कर दिया है।"
"अछा जी।"
यूस्टेस धीरे-धीरे दरवाजे की ओर बढ़ा और सीटी बजाते हुए बाहर चला गया।
लॉरेंस ब्राउन ने एक बार फिर मेरी ओर तीखी नज़र डाली। उसने अपने होंठों को एक-दो बार गीला किया। मुझे यकीन हो गया था कि वह मुझसे बात करने के लिए ही कक्षा में वापस आया था।
कुछ देर तक बिना किसी उद्देश्य के किताबों को इधर-उधर रखने और एक गुम हुई किताब को ढूंढने का बहाना करने के बाद, वह मेरी ओर मुड़ा।
"अह - वे कैसे हैं?" उसने कहा।

"वे?"
पुलिस।
उसकी नाक फड़क उठी। मैंने सोचा, एक चूहा जाल में फंसा है, एक चूहा जाल में फंसा है।
मैंने कहा, "वे मुझ पर भरोसा नहीं करते।"
"ओह। मुझे लगा कि आपके पिता सहायक आयुक्त हैं।"
मैंने कहा, "हाँ, वह है। लेकिन स्वाभाविक रूप से वह सरकारी रहस्यों का खुलासा नहीं करेगा।"
मैंने जानबूझकर अपनी आवाज को आडंबरपूर्ण बनाया।
"तो फिर आपको नहीं पता कि कैसे - क्या होगा - अगर..." उसकी आवाज़ धीमी पड़ गई। "वे गिरफ़्तारी तो नहीं करेंगे, है ना?"
"जहां तक मुझे पता है, ऐसा नहीं है। लेकिन जैसा कि मैंने कहा, हो सकता है मुझे पता ही न हो।"
इंस्पेक्टर टैवर्नर ने कहा था, "उन्हें भागने पर मजबूर करो। उन्हें डराओ।" और लॉरेंस ब्राउन तो वाकई डर गया था।
वह जल्दी-जल्दी और घबराकर बोलने लगा।
"आपको नहीं पता कि यह कैसा होता है... तनाव... यह न जानना कि क्या हो रहा है - मेरा मतलब है, वे बस आते-जाते रहते हैं - सवाल पूछते हैं... ऐसे सवाल जिनका मामले से कोई लेना-देना नहीं लगता..."
उसने बोलना बंद कर दिया। मैंने इंतजार किया। वह बात करना चाहता था - ठीक है, तो उसे बोलने दो।
"क्या आप वहां मौजूद थीं जब मुख्य निरीक्षक ने कुछ दिन पहले श्रीमती लियोनाइड्स और मेरे बारे में वह घिनौना सुझाव दिया था? यह बहुत ही घिनौना था। इससे बेबसी का भाव पैदा होता है। लोगों को ऐसी बातें सोचने से रोकना नामुमकिन है! और यह सब सरासर झूठ है। सिर्फ इसलिए कि वह अपने पति से कई साल छोटी थीं। लोगों की सोच बहुत ही भयानक होती है - भयानक... मुझे लगता है - मैं इस बात को मानने से खुद को रोक नहीं सकती कि यह सब एक साजिश है।"
"एक कथानक? यह तो दिलचस्प है।"

यह दिलचस्प था, हालांकि उस तरह से नहीं जिस तरह से उन्होंने इसे समझा।
"आप जानते हैं, श्री लियोनाइड्स का परिवार कभी मेरे प्रति सहानुभूति नहीं रखता था। वे हमेशा अलग-थलग रहते थे। मुझे हमेशा लगता था कि वे मुझसे नफरत करते हैं।"
उसके हाथ कांपने लगे।
"सिर्फ इसलिए कि वे हमेशा से अमीर और शक्तिशाली रहे हैं। वे मुझे नीचा समझते थे। मैं उनके लिए क्या था? सिर्फ एक शिक्षक। सिर्फ एक बेचारा विवेकशील आपत्तिकर्ता। और मेरी आपत्तियां विवेकशील थीं। सचमुच थीं!"
मेंने कुछ नहीं कहा।
“ठीक है फिर,” वह अचानक बोल पड़ा। “अगर मैं डर जाऊं तो क्या होगा? डर जाऊं कि कहीं सब गड़बड़ न हो जाए। डर जाऊं कि जब मुझे गोली चलानी पड़े तो शायद मैं हिम्मत न जुटा पाऊं। आप कैसे यकीन कर सकते हैं कि जिसे आप मार रहे हैं वह नाज़ी ही है? हो सकता है वह कोई भला-सा लड़का हो – कोई गांव का लड़का – जिसकी कोई राजनीतिक विचारधारा न हो, बस देश की सेवा के लिए बुलाया गया हो। मेरा मानना है कि युद्ध गलत है, समझे? मेरा मानना है कि यह गलत है।”
मैं अब भी चुप था। मुझे विश्वास था कि मेरी चुप्पी किसी भी तर्क या समझौते से कहीं अधिक प्रभावी थी। लॉरेंस ब्राउन स्वयं से ही बहस कर रहा था, और ऐसा करते हुए वह अपने बारे में बहुत कुछ प्रकट कर रहा था।
"सब लोग हमेशा मुझ पर हँसते रहे हैं।" उसकी आवाज़ काँप रही थी। "लगता है मुझे खुद को हास्यास्पद बनाने की आदत है। ऐसा नहीं है कि मुझमें हिम्मत की कमी है - बस मैं हमेशा कुछ न कुछ गलत कर बैठता हूँ। मैं एक जलते हुए घर में एक महिला को बचाने गया, जिसके बारे में कहा गया था कि वह वहाँ फँसी हुई है। लेकिन मैं तुरंत रास्ता भटक गया, और धुएँ के कारण मैं बेहोश हो गया, जिससे दमकलकर्मियों को मुझे ढूंढने में बहुत परेशानी हुई। मैंने उन्हें कहते सुना, 'यह बेवकूफ इसे हमारे भरोसे क्यों नहीं छोड़ देता?' मेरे प्रयास करने का कोई फायदा नहीं, सब मेरे खिलाफ हैं। जिसने भी श्री लियोनाइड्स की हत्या की, उसने ऐसा षड्यंत्र रचा कि मुझ पर शक हो। किसी ने मुझे बर्बाद करने के लिए उनकी हत्या की।"
मैंने पूछा, "श्रीमती लियोनाइड्स के बारे में क्या?"

उसका चेहरा लाल हो गया। वह चूहे जैसा कम और एक आदमी जैसा ज्यादा लगने लगा।
उन्होंने कहा, "श्रीमती लियोनाइड्स एक देवदूत हैं, एक देवदूत। उनका मधुर स्वभाव, अपने बुजुर्ग पति के प्रति उनकी दयालुता अद्भुत थी। उनके बारे में जहर से जोड़ना हास्यास्पद है - बिल्कुल हास्यास्पद! और वह मूर्ख इंस्पेक्टर इसे समझ ही नहीं पा रहा है!"
मैंने कहा, "वह पूर्वाग्रही है, क्योंकि उसकी फाइलों में ऐसे कई मामले दर्ज हैं जिनमें बुजुर्ग पतियों को उसकी प्यारी युवा पत्नियों ने जहर देकर मार डाला है।"
"वह असहनीय मूर्ख है," लॉरेंस ब्राउन ने गुस्से से कहा।
वह कोने में रखी किताबों की अलमारी के पास गया और उसमें रखी किताबों को खंगालने लगा। मुझे नहीं लगा कि मुझे उससे और कुछ पता चलेगा। मैं धीरे से कमरे से बाहर निकल गया। जैसे ही मैं गलियारे से गुज़र रहा था, मेरे बाईं ओर का एक दरवाज़ा खुला और जोसेफिन लगभग मुझ पर गिर पड़ी। उसका अचानक प्रकट होना किसी पुराने ज़माने के मूक अभिनय में किसी राक्षस के प्रकट होने जैसा था। उसका चेहरा और हाथ गंदे थे और उसके एक कान से मकड़ी का बड़ा जाला लटका हुआ था।
"जोसेफिन, तुम कहाँ थीं?"
मैंने आधे खुले दरवाजे से अंदर झाँका। कुछ सीढ़ियाँ चढ़कर मैं अटारी जैसी आयताकार जगह में पहुँचा, जिसके अँधेरे में कई बड़े-बड़े टैंक दिखाई दे रहे थे।
"पानी की टंकी वाले कमरे में।"
"पानी की टंकी वाले कमरे में क्यों?"
जोसेफिन ने संक्षिप्त और व्यावहारिक लहजे में उत्तर दिया:
"पता लगाना।"
"इन कुंडों के बीच आखिर पता लगाने लायक क्या है?"
इस पर जोसेफिन ने केवल इतना ही उत्तर दिया:
मुझे नहाना होगा।
"मैं तो निश्चित रूप से यही कहूंगा।"
जोसेफिन पास के बाथरूम के दरवाजे से अंदर चली गई। उसने पीछे मुड़कर कहा:

"मुझे लगता है कि अब अगली हत्या का समय आ गया है, क्या आपको नहीं लगता?"
"तुम्हारा मतलब क्या है - अगली हत्या?"
"खैर, किताबों में तो अक्सर इसी समय के आसपास दूसरी हत्या हो जाती है। कोई न कोई ऐसा व्यक्ति जो कुछ जानता है, उसे बताने से पहले ही मार दिया जाता है।"
"जोसेफिन, तुम बहुत ज्यादा जासूसी कहानियां पढ़ती हो। असल जिंदगी ऐसी नहीं होती। और अगर इस घर में किसी को कुछ पता भी है, तो वो इसके बारे में बात करना बिल्कुल नहीं चाहता।"
नल से बहते पानी की तेज आवाज के कारण जोसेफिन का जवाब मुझे ठीक से सुनाई नहीं दिया।
"कभी-कभी यह ऐसी बात होती है जिसके बारे में उन्हें पता ही नहीं होता कि वे जानते हैं।"
मैंने इस बारे में सोचने की कोशिश करते हुए पलकें झपकाईं।
फिर, जोसेफिन को स्नान करने के लिए छोड़कर, मैं नीचे वाले तल पर चला गया।
जैसे ही मैं सामने के दरवाजे से सीढ़ियों की ओर जाने लगा, ब्रेंडा ड्राइंग रूम के दरवाजे से धीरे से अंदर आ गई।
वह मेरे करीब आई और उसने अपना हाथ मेरी बांह पर रख दिया, और मेरी ओर देखने लगी।
"तो?" उसने पूछा।
यह वही जानकारी मांगने का अनुरोध था जो लॉरेंस ने किया था, बस कहने का तरीका अलग था। और उसका एक शब्द कहीं अधिक प्रभावी था।
मैंने अपना सिर हिलाया।
मैंने कहा, "कुछ नहीं।"
उसने एक लंबी आह भरी।
"मैं बहुत डरी हुई हूँ," उसने कहा। "चार्ल्स, मैं बहुत डरी हुई हूँ..."
उसका डर बहुत वास्तविक था। उस तंग जगह में ही मुझे उसका डर साफ महसूस हो रहा था। मैं उसे दिलासा देना चाहती थी, उसकी मदद करना चाहती थी। मुझे एक बार फिर उस भयावह स्थिति का एहसास हुआ, जिसमें वह प्रतिकूल परिवेश में बिल्कुल अकेली थी।

वह शायद चिल्लाकर पूछ सकती थी: "मेरा साथ कौन दे रहा है?"
और इसका जवाब क्या होता? लॉरेंस ब्राउन? और आखिर लॉरेंस ब्राउन था क्या? संकट के समय में कोई मजबूत स्तंभ नहीं। बल्कि कमजोर पात्रों में से एक।
मुझे याद आया कि पिछली रात वे दोनों बगीचे से आते हुए दिखाई दिए थे।
मैं उसकी मदद करना चाहती थी। मैं उसकी मदद करना चाहती थी। लेकिन मैं कुछ कह या कर नहीं सकती थी। और मेरे मन में एक शर्मिंदगी और अपराधबोध का भाव था, मानो सोफिया की तिरस्कार भरी निगाहें मुझे देख रही हों। मुझे सोफिया की आवाज़ याद आई, "तो उसने तुम्हें फंसा लिया।" और सोफिया ने ब्रेंडा का पक्ष नहीं देखा, देखना नहीं चाहती थी। अकेली, हत्या के संदेह में, और उसका साथ देने वाला कोई नहीं।
"कल पूछताछ है," ब्रेंडा ने कहा। "क्या होगा?"
वहां मैं उसे आश्वस्त कर सकता था।
मैंने कहा, "कुछ नहीं। आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। पुलिस द्वारा जाँच-पड़ताल के लिए सुनवाई स्थगित कर दी जाएगी। हालांकि, इससे प्रेस में हलचल मच सकती है। अब तक अखबारों में ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि यह स्वाभाविक मौत नहीं थी। लियोनाइड परिवार का काफी प्रभाव है। लेकिन सुनवाई स्थगित होने के बाद, असली मज़ा तो शुरू होगा।"
(उसने कितनी असाधारण बातें कही थीं! कितना मज़ा आया! मुझे वही शब्द क्यों चुनना पड़ा?)
"क्या वे बहुत भयानक होंगे?"
"अगर मैं तुम्हारी जगह होती तो कोई इंटरव्यू नहीं देती। तुम्हें पता है, ब्रेंडा, तुम्हें एक वकील रखना चाहिए -" वह घबराहट से हांफते हुए पीछे हट गई। "नहीं - नहीं - तुम्हारा मतलब उस तरह से नहीं है। लेकिन कोई ऐसा होना चाहिए जो तुम्हारे हितों की रक्षा करे और तुम्हें प्रक्रिया के बारे में सलाह दे, कि क्या कहना और करना है और क्या नहीं कहना और करना है।"
मैंने आगे कहा, "देखिए, आप बिल्कुल अकेले हैं।"
उसका हाथ मेरे हाथ पर और कसकर दब गया।

"हां," उसने कहा। "तुम यह समझते हो। तुमने मदद की है, चार्ल्स, तुमने मदद की है..."
मैं मन में एक गर्माहट और संतुष्टि का भाव लिए सीढ़ियों से नीचे उतरा... तभी मैंने सोफिया को मुख्य द्वार के पास खड़े देखा। उसकी आवाज़ ठंडी और रूखी थी।
"कितने लंबे समय से तुम यहाँ नहीं थे," उसने कहा। "लंदन से तुम्हारे लिए फोन आया था। तुम्हारे पिता तुम्हें बुला रहे हैं।"
"यार्ड में?"
"हाँ।"
मुझे आश्चर्य है कि उन्हें मेरी ज़रूरत किसलिए है। उन्होंने बताया तो नहीं?
सोफिया ने अपना सिर हिलाया। उसकी आँखों में चिंता थी। मैंने उसे अपनी ओर खींचा।
"चिंता मत करो, प्रिय," मैंने कहा, "मैं जल्द ही वापस आऊंगा।"

अध्याय 17

मेरे पिता के कमरे का माहौल कुछ तनावपूर्ण था। बूढ़ा आदमी अपनी मेज के पीछे बैठा था। मुख्य निरीक्षक टैवर्नर खिड़की के फ्रेम से टिके हुए थे। आगंतुक की कुर्सी पर श्री गेट्सकिल बैठे थे, जो परेशान दिख रहे थे।

"आत्मविश्वास की असाधारण कमी," वह तीखे लहजे में कह रहा था।

"बिल्कुल, बिल्कुल।" मेरे पिता ने शांत भाव से कहा। "अरे वाह, चार्ल्स, तुमने अच्छा समय निकाला है। एक बहुत ही आश्चर्यजनक घटनाक्रम हुआ है।"

श्री गेट्सकिल ने कहा, "अभूतपूर्व।"

किसी बात ने उस छोटे वकील को अंदर तक झकझोर दिया था। उसके पीछे, चीफ इंस्पेक्टर टैवर्नर ने मेरी तरफ देखकर मुस्कुराया।

“अगर मैं संक्षेप में बताऊं तो?” मेरे पिता ने कहा। “श्री गेट्सकिल को आज सुबह एक चौंकाने वाला संदेश मिला, चार्ल्स। यह डेल्फ़ोस रेस्टोरेंट के मालिक श्री एग्रोडोपोलस की ओर से था। वे बहुत बुजुर्ग हैं, जन्म से यूनानी हैं, और जब वे युवा थे तब एरिस्टाइड लियोनाइड्स ने उनकी मदद की थी और उनसे दोस्ती की थी। वे हमेशा अपने मित्र और उपकारक के प्रति अत्यंत कृतज्ञ रहे हैं और ऐसा लगता है कि लियोनाइड्स को उन पर बहुत भरोसा था।”

श्री गेट्सकिल ने कहा, "मुझे कभी विश्वास नहीं होता कि लियोनाइड्स इतने शक्की और रहस्यमय स्वभाव के होंगे। बेशक, उनकी उम्र काफी अधिक थी - एक तरह से कहें तो वे बुढ़ापे की अवस्था में थे।"

मेरे पिता ने नरमी से कहा, "राष्ट्रीयता का असर दिखता है। देखो, गेट्सकिल, जब तुम बहुत बूढ़े हो जाओगे तो तुम्हारा मन तुम्हारे जवानी के दिनों और तुम्हारे बचपन के दोस्तों की यादों में खो जाएगा।"

श्री गेट्सकिल ने कहा, "लेकिन लियोनाइड्स के मामले चालीस साल से भी अधिक समय से मेरे हाथों में थे। ठीक-ठीक कहें तो तैंतालीस साल और छह महीने।"

टैवर्नर फिर मुस्कुराया।

मैंने पूछा, "क्या हुआ?"

श्री गेट्सकिल ने अपना मुंह खोला, लेकिन मेरे पिता ने उन्हें बोलने से पहले ही रोक दिया।

श्री एग्रोडोपोलस ने अपने पत्र में बताया कि वे अपने मित्र एरिस्टाइड लियोनाइड्स द्वारा दिए गए कुछ निर्देशों का पालन कर रहे थे। संक्षेप में, लगभग एक वर्ष पहले उन्हें श्री लियोनाइड्स का एक पत्र एक सीलबंद लिफाफे में मिला था, जिसे श्री लियोनाइड्स की मृत्यु के तुरंत बाद श्री एग्रोडोपोलस को श्री गेट्सकिल को भेजना था। यदि श्री एग्रोडोपोलस की पहले मृत्यु हो जाती, तो उनके पुत्र, जो श्री लियोनाइड्स के धर्मपुत्र थे, को भी यही निर्देश मानने थे। श्री एग्रोडोपोलस देरी के लिए क्षमा चाहते हैं, लेकिन बताते हैं कि वे निमोनिया से बीमार थे और उन्हें अपने पुराने मित्र की मृत्यु की सूचना कल दोपहर ही मिली।
श्री गेट्सकिल ने कहा, "यह पूरा कारोबार बेहद गैर-पेशेवर है।"
जब श्री गेट्सकिल ने सीलबंद लिफाफा खोला और उसकी सामग्री से खुद को परिचित कराया, तो उन्होंने फैसला किया कि यह उनका कर्तव्य है-"
श्री गेट्सकिल ने कहा, "इन परिस्थितियों में।"
"कृपया संलग्न दस्तावेज देखें। इनमें विधिवत हस्ताक्षरित और सत्यापित वसीयत और एक कवर लेटर शामिल हैं।"
"तो आखिरकार वसीयत मिल ही गई?" मैंने कहा।
श्री गेट्सकिल का चेहरा एकदम बैंगनी हो गया।
"यह वही वसीयत नहीं है," वह गरजते हुए बोला। "यह वह दस्तावेज़ नहीं है जो मैंने श्री लियोनाइड्स के कहने पर तैयार किया था। यह तो उन्होंने खुद लिखा है, जो किसी आम आदमी के लिए बेहद खतरनाक काम है। लगता है श्री लियोनाइड्स का इरादा मुझे पूरी तरह मूर्ख साबित करना था।"
मुख्य निरीक्षक टैवर्नर ने व्याप्त कड़वाहट में थोड़ी सी नरमी लाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा, "श्री गेट्सकिल एक बहुत बुजुर्ग सज्जन थे। बुढ़ापे में वे थोड़े चिड़चिड़े हो जाते हैं, आप जानते हैं - बिल्कुल सनकी तो नहीं, लेकिन थोड़े सनकी जरूर।"
श्री गेट्सकिल ने सूंघा।
मेरे पिता ने कहा, "श्री गेट्सकिल ने हमें फोन किया और वसीयत की मुख्य बातों से अवगत कराया। मैंने उनसे कहा कि वे दोनों दस्तावेज़ साथ लेकर आएं। मैंने आपको भी फोन किया था, चार्ल्स।"

मुझे समझ नहीं आया कि मुझे क्यों बुलाया गया था। मुझे लगा कि मेरे पिता और टैवर्नर दोनों की ओर से यह एक बेहद असामान्य प्रक्रिया थी। मुझे वसीयत के बारे में समय आने पर पता चल ही जाना चाहिए था, और लियोनाइड्स ने अपनी संपत्ति कैसे छोड़ी, इससे मेरा कोई लेना-देना नहीं था।
मैंने पूछा, "क्या यह कोई अलग वसीयत है? मेरा मतलब है, क्या इसमें उनकी संपत्ति का बंटवारा अलग तरीके से किया गया है?"
"बिल्कुल," श्री गेट्सकिल ने कहा।
मेरे पिता मेरी ओर देख रहे थे। मुख्य निरीक्षक टैवर्नर बड़ी सावधानी से मेरी ओर नहीं देख रहे थे। किसी न किसी तरह मुझे हल्का सा असहज महसूस हो रहा था... उन दोनों के मन में कुछ चल रहा था - और वह कुछ ऐसा था जिसके बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं थी।
मैंने जिज्ञासा भरी निगाहों से गेट्सकिल की ओर देखा।
मैंने कहा, "यह मेरा मामला नहीं है।" "लेकिन-"
उन्होंने जवाब दिया।
उन्होंने कहा, "श्री लियोनाइड्स की वसीयत संबंधी व्यवस्थाएं बेशक कोई रहस्य नहीं हैं। मैंने पहले पुलिस अधिकारियों के सामने तथ्यों को रखना और आगे की कार्यवाही में उनके मार्गदर्शन का पालन करना अपना कर्तव्य समझा। मुझे पता चला है," वे रुके, "कि आपके और मिस सोफिया लियोनाइड्स के बीच एक समझौता है।"
मैंने कहा, "मैं उससे शादी करना चाहता हूं, लेकिन फिलहाल वह सगाई के लिए राजी नहीं है।"
श्री गेट्सकिल ने कहा, "बिल्कुल उचित।"
मैं उनसे असहमत था। लेकिन यह बहस करने का समय नहीं था।
श्री गेट्सकिल ने कहा, "पिछले वर्ष 29 नवंबर को लिखी गई इस वसीयत के अनुसार, श्री लियोनाइड्स ने अपनी पत्नी को एक लाख पचास हजार पाउंड की वसीयत देने के बाद, अपनी संपूर्ण संपत्ति, अचल और चल, अपनी पोती सोफिया कैथरीन लियोनाइड्स को पूर्ण रूप से सौंप दी है।"
मैं चौंक गई। मैंने जो भी उम्मीद की थी, यह बिल्कुल भी नहीं था।

मैंने कहा, "उसने सारा काम सोफिया के नाम कर दिया। यह तो बहुत ही असाधारण बात है। कोई वजह?"
“उसने अपने पत्र में अपने कारण बहुत स्पष्ट रूप से बताए हैं,” मेरे पिता ने कहा। उन्होंने अपने सामने रखी मेज से एक कागज़ उठाया। “श्री गेट्सकिल, क्या आपको चार्ल्स के इसे पढ़ने पर कोई आपत्ति नहीं है?”
श्री गेट्सकिल ने ठंडे स्वर में कहा, "मैं आपके हाथों में हूँ। पत्र में कम से कम एक स्पष्टीकरण तो दिया गया है - और संभवतः (हालांकि मुझे इस पर संदेह है), श्री लियोनाइड्स के असाधारण आचरण के लिए एक बहाना भी।"
बूढ़े आदमी ने मुझे चिट्ठी थमा दी। वह बहुत काली स्याही से छोटी, टेढ़ी-मेढ़ी लिखावट में लिखी थी। लिखावट में एक अलग ही अंदाज़ और व्यक्तित्व झलक रहा था। वह किसी बूढ़े आदमी की लिखावट जैसी बिल्कुल नहीं थी - सिवाय अक्षरों के सावधानीपूर्वक निर्माण के, जो बीते हुए युग की विशेषता थी, जब साक्षरता एक ऐसी चीज़ थी जिसे बड़ी मेहनत से हासिल किया जाता था और उसी के अनुरूप महत्व दिया जाता था।
"प्रिय गेट्सकिल (यह चला)
आपको यह जानकर आश्चर्य होगा, और शायद बुरा भी लगे। लेकिन मेरे इस तरह से व्यवहार करने के अपने कारण हैं, जो आपको शायद अनावश्यक रूप से गुप्त लग सकता है। मैं हमेशा से व्यक्तिवाद में विश्वास रखता आया हूँ। एक परिवार में (यह मैंने अपने बचपन में देखा है और कभी नहीं भूला) हमेशा एक मजबूत व्यक्तित्व होता है और आमतौर पर इसी एक व्यक्ति पर परिवार के बाकी सदस्यों की देखभाल करने और उनका बोझ उठाने की जिम्मेदारी आती है। मेरे परिवार में मैं वही व्यक्ति था। मैं लंदन आया, वहाँ बस गया, स्मरना में अपनी माँ और अपने बूढ़े दादा-दादी का सहारा बना, अपने एक भाई को कानून के शिकंजे से छुड़ाया, अपनी बहन को एक नाखुशहाल शादी से आज़ाद कराया, और भी बहुत कुछ। ईश्वर ने मुझे लंबी आयु दी है, और मैं अपने बच्चों और उनके बच्चों की देखभाल कर पाया हूँ। कई लोग मृत्यु के कारण मुझसे बिछड़ गए हैं; बाकी, मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है, मेरे घर में सुरक्षित हैं। जब मैं मरूँगा, तो मेरे द्वारा उठाया गया बोझ किसी और पर आ जाएगा। मैंने इस बात पर विचार किया है कि क्या मैं अपनी संपत्ति को अपने प्रियजनों के बीच

यथासंभव समान रूप से बाँट दूँ - लेकिन ऐसा करना अंततः इससे उचित समानता प्राप्त नहीं होगी। मनुष्य समान पैदा नहीं होते - प्रकृति की स्वाभाविक असमानता को दूर करने के लिए संतुलन बनाना आवश्यक है। दूसरे शब्दों में, किसी को मेरा उत्तराधिकारी बनना होगा, परिवार के शेष सदस्यों की जिम्मेदारी उठानी होगी। गहन अवलोकन के बाद, मुझे अपने दोनों पुत्र इस जिम्मेदारी के योग्य नहीं लगते। मेरे प्रिय पुत्र रोजर में व्यावसायिक समझ नहीं है, और यद्यपि वह मिलनसार स्वभाव का है, फिर भी वह इतना आवेगशील है कि सही निर्णय नहीं ले पाता। मेरा पुत्र फिलिप इतना आत्मविश्वासहीन है कि जीवन से पीछे हटने के अलावा कुछ नहीं कर पाता। मेरा पोता यूस्टेस बहुत छोटा है और मुझे नहीं लगता कि उसमें आवश्यक समझ और विवेक के गुण हैं। वह आलसी है और जिससे भी मिलता है, उसके विचारों से आसानी से प्रभावित हो जाता है। केवल मेरी पोती सोफिया में ही मुझे आवश्यक सकारात्मक गुण दिखाई देते हैं। उसमें बुद्धि, विवेक, साहस, निष्पक्ष और पूर्वाग्रह रहित मन है और मुझे लगता है कि उसमें उदारता भी है। मैं परिवार के कल्याण और अपनी दयालु भाभी एडिथ डी हैविलैंड के कल्याण की जिम्मेदारी उसे सौंपता हूँ, जिनके परिवार के प्रति आजीवन समर्पण के लिए मैं अत्यंत आभारी हूँ। यह स्पष्ट करता है संलग्न दस्तावेज़। जो बात समझाना ज़्यादा मुश्किल होगा - या यूँ कहें कि आपको, मेरे पुराने दोस्त - वो है वो छल जो मैंने किया है। मैंने अपने धन के बंटवारे को लेकर अटकलें न लगाने को ही समझदारी समझा, और मेरा अपने परिवार को ये बताने का कोई इरादा नहीं है कि सोफिया मेरी वारिस होगी। चूंकि मेरे दोनों बेटों को पहले ही काफी संपत्ति मिल चुकी है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि मेरी वसीयत उन्हें किसी अपमानजनक स्थिति में डालेगी। जिज्ञासा और अटकलों को दबाने के लिए, मैंने आपसे मेरे लिए एक वसीयत तैयार करने को कहा था। ये वसीयत मैंने अपने परिवार के सामने पढ़कर सुनाई। मैंने इसे अपनी मेज पर रखा, उस पर एक सोख्ता कागज रखा और दो नौकरों को बुलाया। जब वे आए, तो मैंने सोख्ता कागज को थोड़ा ऊपर सरकाया, जिससे दस्तावेज़ का निचला हिस्सा दिखाई दिया, मैंने अपने नाम से हस्ताक्षर किए और उनसे भी हस्ताक्षर करवाए। मुझे कहने की ज़रूरत नहीं है कि मैंने और उन्होंने जिस पर हस्ताक्षर किए, वो वही वसीयत थी जो मैं अब संलग्न कर रहा हूँ, न कि वो जो आपने तैयार की थी और जिसे मैंने पढ़कर सुनाया था। मुझे उम्मीद नहीं है कि आप

समझ पाएंगे कि मुझे ऐसा करने के लिए क्या प्रेरित किया। मुझे यह चाल चलने में मदद करने के लिए। मैं बस आपसे क्षमा मांगना चाहता हूँ कि मैंने आपको अंधेरे में रखा। एक बूढ़ा आदमी अपने छोटे-मोटे राज़ छिपाना पसंद करता है। मेरे प्रिय मित्र, मेरे मामलों में आपने हमेशा जो तत्परता दिखाई है, उसके लिए धन्यवाद। सोफिया को मेरा प्यार देना। उससे कहना कि वह परिवार का अच्छे से ख्याल रखे और उन्हें हर नुकसान से बचाए।
आपका अत्यंत सादर,
"एरिस्टाइड लियोनाइड्स।"
मैंने इस अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज को गहन रुचि के साथ पढ़ा।
"असाधारण," मैंने कहा।
श्री गेट्सकिल उठते हुए बोले, "यह तो बहुत ही असाधारण बात है। मैं फिर से दोहराता हूँ, मुझे लगता है कि मेरे पुराने मित्र श्री लियोनाइड्स मुझ पर भरोसा कर सकते थे।"
"नहीं, गेट्सकिल," मेरे पिता ने कहा। "वह जन्मजात धोखेबाज था। अगर मैं कहूँ तो, उसे काम टेढ़े-मेढ़े तरीके से करना पसंद था।"
"जी हां, महोदय," मुख्य निरीक्षक टैवर्नर ने कहा। "वह सचमुच एक बवंडर था!" उन्होंने भावपूर्ण ढंग से बात की।
गेट्सकिल अविचलित होकर बाहर निकल गया। उसके पेशेवर स्वभाव को गहरा आघात पहुंचा था।
"इससे उन्हें बहुत बड़ा झटका लगा है," टैवर्नर ने कहा। "गेट्सकिल, कैलुम एंड गेट्सकिल एक बहुत ही प्रतिष्ठित फर्म है। इनके साथ कोई गड़बड़ी नहीं होती थी। जब लियोनाइड्स कोई संदिग्ध सौदा करते थे, तो वे कभी भी गेट्सकिल, कैलुम एंड गेट्सकिल के माध्यम से उसे पूरा नहीं करते थे। उनके लिए आधा दर्जन अलग-अलग वकीलों की फर्म काम करती थीं। अरे, वे तो बड़े ही अड़ियल थे!"
"और वसीयत बनाते समय तो यह बात और भी ज़्यादा स्पष्ट हो जाती है," मेरे पिता ने कहा।
"हम मूर्ख थे," टैवर्नर ने कहा। "जब आप इस बारे में सोचते हैं, तो उस वसीयत के साथ छेड़छाड़ करने वाला एकमात्र व्यक्ति स्वयं वह बूढ़ा आदमी ही हो सकता था।

हमें कभी यह ख्याल ही नहीं आया कि वह ऐसा करना चाहेगा!"
मुझे जोसेफिन की वो गर्व भरी मुस्कान याद आई जब उसने ये कहा था:
"क्या पुलिस वाले बेवकूफ नहीं होते?"
लेकिन वसीयत के समय जोसेफिन मौजूद नहीं थी। और अगर वह दरवाजे के बाहर से सुन भी रही होती (जिस पर मुझे पूरा यकीन था!), तो भी वह शायद ही समझ पाती कि उसके दादाजी क्या कर रहे थे। फिर, इतना घमंड क्यों? उसे ऐसा क्या पता था कि उसने पुलिस को बेवकूफ कहा? या फिर, यह सिर्फ दिखावा था?
कमरे में सन्नाटा छा जाने पर मैं चौंककर ऊपर देखने लगी - मेरे पिता और टैवर्नर दोनों मुझे देख रहे थे। मुझे नहीं पता उनके हाव-भाव में ऐसा क्या था जिसने मुझे चुनौती भरे लहजे में बोलने पर मजबूर कर दिया:
"सोफिया को इसके बारे में कुछ भी पता नहीं था! बिलकुल कुछ भी नहीं।"
"नहीं?" मेरे पिता ने कहा।
मुझे ठीक से पता नहीं था कि यह सहमति थी या प्रश्न।
वह बिल्कुल अचंभित हो जाएगी!
"हाँ?"
"आश्चर्यचकित!"
कुछ देर का सन्नाटा छा गया। फिर, अचानक ही, मेरे पिता की मेज पर रखा टेलीफोन बज उठा।
"जी?" उसने रिसीवर उठाया - सुना, और फिर कहा, "उसे बात करवा दो।"
उन्होंने मुझे देखा।
उन्होंने कहा, "यह आपकी युवती है। वह हमसे बात करना चाहती है। यह अत्यंत आवश्यक है।"
मैंने उससे रिसीवर ले लिया।
"सोफिया?"
"चार्ल्स? क्या यह तुम हो? यह तो जोसेफिन है!"
उसकी आवाज थोड़ी लड़खड़ा गई।
"जोसेफिन के बारे में क्या?"

"उसके सिर पर चोट लगी है। उसे सिर में गंभीर चोट आई है। उसकी हालत काफी खराब है... डॉक्टरों का कहना है कि वह शायद ठीक न हो पाए..."
मैंने बाकी दोनों की ओर रुख किया।
मैंने कहा, "जोसेफिन बेहोश हो गई है।" मेरे पिता ने मुझसे रिसीवर ले लिया। ऐसा करते हुए उन्होंने तीखे स्वर में कहा:
मैंने तुमसे कहा था कि उस बच्चे पर नजर रखना...

अध्याय 18

देखते ही देखते मैं और टैवर्नर एक तेज रफ्तार पुलिस कार में स्विनली डीन की दिशा में दौड़ रहे थे।

मुझे याद है जब जोसेफिन कुंडों के बीच से निकली और उसने बेपरवाही से कहा कि "अब दूसरे कत्ल का समय आ गया है।" उस बेचारी बच्ची को जरा भी अंदाजा नहीं था कि वह खुद "दूसरे कत्ल" की शिकार हो सकती है।

मैंने अपने पिता द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से मुझ पर लगाए गए दोष को पूरी तरह स्वीकार कर लिया। बेशक मुझे जोसेफिन पर नजर रखनी चाहिए थी।

हालांकि न तो टैवर्नर और न ही मुझे बूढ़े लियोनिडेस को जहर देने वाले के बारे में कोई ठोस सुराग था, लेकिन यह बहुत संभव था कि जोसेफिन को इसके बारे में जानकारी हो।

जिसे मैंने बचकाना बकवास और "दिखावा" समझा था, वह शायद कुछ और ही था। जोसेफिन, जासूसी और ताक-झांक करने के अपने पसंदीदा शौक में, शायद किसी ऐसी जानकारी से अवगत हो गई हो जिसका वह खुद सही आकलन नहीं कर पा रही थी।

मुझे बगीचे में टूटी हुई टहनी याद आ गई।

मुझे उस समय आभास हो गया था कि खतरा मंडरा रहा है। मैंने उसी क्षण उस आभास के आधार पर कार्रवाई की, और बाद में मुझे लगा कि मेरे संदेह अतिरंजित और अवास्तविक थे। इसके विपरीत, मुझे यह समझ जाना चाहिए था कि यह हत्या थी, कि जिसने भी हत्या की थी उसने अपनी जान जोखिम में डाली थी, और परिणामस्वरूप वही व्यक्ति अपराध को दोहराने में संकोच नहीं करेगा यदि किसी तरह सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

शायद मैग्डा ने, या किसी अस्पष्ट मातृत्व प्रवृत्ति ने, यह पहचान लिया था कि जोसेफिन खतरे में है, और संभवतः इसी कारण से उसने बच्ची को स्विट्जरलैंड भेजने के लिए अचानक और जल्दबाजी की।

हमारे पहुंचते ही सोफिया हमसे मिलने बाहर आई। उसने बताया कि जोसेफिन को एम्बुलेंस से मार्केट बेसिंग जनरल अस्पताल ले जाया गया है।

डॉ. ग्रे उन्हें एक्स-रे का परिणाम यथाशीघ्र बता देंगे।

"यह कैसे हुआ?" टैवर्नर ने पूछा।
सोफिया घर के पिछले हिस्से की ओर आगे बढ़ी और एक दरवाजे से होते हुए एक छोटे से सुनसान आंगन में पहुँच गई। एक कोने में एक दरवाजा थोड़ा खुला हुआ था। सोफिया ने समझाया, "यह एक तरह का कपड़े धोने का कमरा है। दरवाजे के निचले हिस्से में एक छोटा सा छेद है, और जोसेफिन उस पर खड़ी होकर इधर-उधर झूलती थी।"
मुझे अपने बचपन में दरवाजों पर झूला झूलना याद आया।
कपड़े धोने का कमरा छोटा और काफी अंधेरा था। उसमें लकड़ी के बक्से, कुछ पुराने पाइप, कुछ टूटे-फूटे बागवानी उपकरण और कुछ टूटा-फूटा फर्नीचर रखा था। दरवाजे के ठीक अंदर संगमरमर का शेर के आकार का एक दरवाज़ा रोकने वाला स्टैंड लगा था।
"यह सामने वाले दरवाजे का डोर स्टॉपर है," सोफिया ने समझाया। "यह दरवाजे के ऊपर संतुलित होकर रखा गया होगा।"
टैवर्नर ने अपना हाथ दरवाजे के ऊपरी हिस्से तक बढ़ाया। दरवाजा नीचा था, उसका ऊपरी हिस्सा उसके सिर से लगभग एक फुट ही ऊपर था।
उन्होंने कहा, "यह एक जाल है।"
उसने प्रयोग के तौर पर दरवाजे को आगे-पीछे घुमाया। फिर वह संगमरमर के टुकड़े के पास झुका, लेकिन उसने उसे छुआ नहीं।
"क्या किसी ने इस मामले को संभाला है?"
"नहीं," सोफिया ने कहा। "मैं किसी को भी इसे छूने नहीं दूंगी।"
"बिल्कुल सही। उसे किसने ढूंढा?"
"मैंने किया। वह एक बजे खाना खाने नहीं आई। नानी उसे बुला रही थी। वह लगभग पंद्रह मिनट पहले रसोई से होकर अस्तबल के आंगन में गई थी। नानी ने कहा, 'वह फिर से अपनी गेंद उछाल रही होगी या उस दरवाजे पर झूल रही होगी।' मैंने कहा कि मैं उसे अंदर ले आऊंगा।"
सोफिया रुक गई।
"आपने कहा कि उसे उस तरह से खेलने की आदत थी? इसके बारे में किसे पता था?"
सोफिया ने अपने कंधे उचका दिए।

"मुझे लगता है कि घर में लगभग सभी लोग।"
"कपड़े धोने के कमरे का इस्तेमाल और कौन करता था? माली?"
सोफिया ने अपना सिर हिलाया।
"इसमें शायद ही कोई जाता है।"
“और इस छोटे से आंगन पर घर से किसी की नजर नहीं पड़ती?” टैवर्नर ने संक्षेप में कहा। “कोई भी घर से या सामने से चुपके से निकलकर यह जाल बिछा सकता था। लेकिन यह जोखिम भरा होता...”
वह बोलते-बोलते रुक गया, दरवाजे की ओर देखने लगा और उसे धीरे-धीरे आगे-पीछे हिलाने लगा।
"इस बारे में कुछ भी निश्चित नहीं है। किस्मत साथ देगी या नहीं। और किस्मत साथ देने से कहीं ज्यादा गलत होने की संभावना है। लेकिन वह बदकिस्मत थी। उसके मामले में तो किस्मत ने साथ दिया।"
सोफिया कांप उठी।
उसने फर्श पर नजर डाली। उस पर कई जगह गड्ढे थे।
"ऐसा लगता है कि किसी ने पहले प्रयोग किया था... यह देखने के लिए कि यह कैसे गिरेगा... आवाज घर तक नहीं पहुंचेगी।"
"नहीं, हमने कुछ नहीं सुना। हमें तब तक कुछ भी गड़बड़ होने का अंदाजा नहीं था जब तक मैं बाहर नहीं आई और उसे औंधे मुंह लेटी हुई नहीं पाया - पूरी तरह से फैली हुई।" सोफिया की आवाज थोड़ी भर्रा गई।
उसके बालों पर खून लगा हुआ था...
"क्या यह उसका स्कार्फ है?" टैवर्नर ने फर्श पर पड़े चेकदार ऊनी मफ की ओर इशारा किया।
"हाँ।"
उसने स्कार्फ का इस्तेमाल करते हुए संगमरमर के टुकड़े को सावधानीपूर्वक उठाया।
उन्होंने कहा, "शायद उंगलियों के निशान हों," लेकिन उन्होंने बहुत उम्मीद जताते हुए कहा, "लेकिन मुझे लगता है कि जो भी था, वह सावधान था।"
उसने मुझसे कहा: "तुम क्या देख रहे हो?"

मैं टूटी हुई पीठ वाली लकड़ी की रसोई की कुर्सी को देख रहा था जो परित्यक्त वस्तुओं के बीच पड़ी थी। उसकी सीट पर कीचड़ से सने पैरों के टुकड़े पड़े थे।
"अजीब बात है," टैवर्नर ने कहा। "कोई कीचड़ से सने पैरों से उस कुर्सी पर खड़ा था। अब, ऐसा क्यों हुआ?"
उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
"मिस लियोनाइड्स, जब आपने उसे पाया तब क्या समय था?"
"लगभग एक बजकर पांच मिनट हुए होंगे।"
"और आपकी नानी ने उसे लगभग बीस मिनट पहले बाहर जाते देखा था - उससे पहले कपड़े धोने के कमरे में आखिरी बार कौन था?"
"मुझे बिल्कुल पता नहीं। शायद खुद जोसेफिन ही होगी। मुझे याद है, आज सुबह नाश्ते के बाद जोसेफिन दरवाजे पर झूल रही थी।"
सराय मालिक ने सिर हिलाया।
"तो उसके बाद और पौने एक बजे के बीच किसी ने जाल बिछाया। आप कहते हैं कि संगमरमर का वह टुकड़ा आपके सामने वाले दरवाजे के लिए इस्तेमाल होने वाला डोर स्टॉप है? क्या आपको पता है कि वह कब गायब हुआ?"
सोफिया ने अपना सिर हिलाया।
"आज तो दरवाजा बिल्कुल भी खुला नहीं रखा गया है। बहुत ठंड थी।"
"क्या किसी को पता है कि सुबह से सब लोग कहां थे?"
मैं टहलने के लिए बाहर गया था। यूस्टेस और जोसेफिन ने साढ़े बारह बजे तक पढ़ाई की - साढ़े दस बजे उनका ब्रेक था। मुझे लगता है कि पिताजी सुबह से ही पुस्तकालय में थे।
"आपकी मां?"
"जब मैं अपनी सैर से वापस आया, तब वह अपने बेडरूम से बाहर आ रही थी - लगभग सवा बारह बजे का समय था। वह बहुत जल्दी नहीं उठती।"
हम घर में वापस दाखिल हुए। मैं सोफिया के पीछे-पीछे पुस्तकालय में गई। फिलिप, जो पीला और थका हुआ सा लग रहा था, अपनी हमेशा वाली कुर्सी पर बैठा था। मैग्डा उसकी गोद में दुबक कर चुपचाप रो रही थी। सोफिया ने पूछा:
"क्या अस्पताल से फोन आया है?"

फिलिप ने अपना सिर हिलाया।
मैग्डा सिसकियाँ लेने लगी:
"उन्होंने मुझे उसके साथ क्यों नहीं जाने दिया? मेरी बच्ची - मेरी प्यारी, बदसूरत बच्ची। मैं उसे 'बदला हुआ बच्चा' कहकर चिढ़ाती थी और उसे बहुत गुस्सा दिलाती थी। मैं इतनी निर्दयी कैसे हो सकती थी? और अब वह मर जाएगी। मुझे पता है वह मर जाएगी।"
"चुप रहो, मेरी प्यारी," फिलिप ने कहा। "चुप रहो।"
मुझे लगा कि इस पारिवारिक चिंता और शोक के माहौल में मेरी कोई जगह नहीं है। मैं चुपचाप वहाँ से हट गई और नानी को ढूंढने चली गई। वह रसोई में चुपचाप बैठी रो रही थी।
"यह मेरे ऊपर एक फैसला है, श्री चार्ल्स, उन कठिन विचारों के लिए जो मैं सोच रहा हूँ। एक फैसला, बस यही है।"
मैंने उसके कहने का मतलब समझने की कोशिश नहीं की। "इस घर में बुराई फैली हुई है। बस यही सच है। मैं इसे देखना या इस पर विश्वास करना नहीं चाहती थी। लेकिन देखकर ही विश्वास होता है। किसी ने मालिक की हत्या की है और उसी ने यूसुफ को भी मारने की कोशिश की होगी।"
"वे जोसेफिन को मारने की कोशिश क्यों करेंगे?"
नैनी ने अपने रूमाल का एक कोना अपनी आंख से हटाया और मुझे एक तीक्ष्ण निगाह से देखा।
"आप अच्छी तरह जानते हैं कि वह कैसी थी, श्रीमान चार्ल्स। उसे हर बात जानने की चाहत थी। वह बचपन से ही ऐसी थी। खाने की मेज के नीचे छिपकर नौकरानियों की बातें सुनती थी और फिर उन्हें चिढ़ाती थी। इससे उसे अहमियत का एहसास होता था। दरअसल, मालकिन ने उसे नज़रअंदाज़ कर दिया था। वह बाकी दो बच्चों की तरह सुंदर नहीं थी। वह हमेशा से ही सादी-सी बच्ची थी। मालकिन उसे 'बदला हुआ बच्चा' कहती थीं। मैं इसके लिए मालकिन को दोषी मानती हूँ, क्योंकि मेरा मानना है कि इसी वजह से वह बच्ची चिड़चिड़ी हो गई थी। लेकिन एक अजीब तरीके से उसने लोगों के बारे में जानकारी जुटाकर और उन्हें बताकर अपना बदला लिया। लेकिन ज़हर उगलने वाले के आसपास ऐसा करना सुरक्षित नहीं है!"

नहीं, यह सुरक्षित नहीं था। और इससे मेरे मन में एक और बात आई। मैंने नानी से पूछा:
"क्या आपको पता है कि वह एक छोटी सी काली किताब कहाँ रखती थी - एक तरह की नोटबुक जिसमें वह चीजें लिखा करती थी?"
"मैं समझ गया, श्रीमान चार्ल्स। वह बहुत चालाक थी। मैंने उसे पेंसिल चूसते और किताब में लिखते हुए और फिर से पेंसिल चूसते हुए देखा है। और मैं कहता, 'ऐसा मत करो, तुम्हें सीसे की विषाक्तता हो जाएगी' और वह कहती, 'अरे नहीं, मैं ऐसा नहीं होने दूंगी, क्योंकि पेंसिल में वास्तव में सीसा नहीं होता। यह कार्बन होता है, हालांकि मुझे समझ नहीं आता कि ऐसा कैसे हो सकता है, क्योंकि अगर आप किसी चीज को सीसे की पेंसिल कहते हैं तो यह स्वाभाविक है कि उसमें सीसा है।"
"ऐसा ही लगता होगा," मैंने सहमति जताते हुए कहा। "लेकिन असल में वह सही थी।" (जोसेफिन हमेशा सही होती थी!) "इस नोटबुक के बारे में क्या? क्या आपको पता है कि उसने इसे कहाँ रखा था?"
"मुझे बिल्कुल भी पता नहीं है, महोदय। यह उन चीजों में से एक थी जिसके बारे में वह चालाकी से बात करती थी।"
"जब वह मिली थी तब वह उसके पास नहीं थी?"
"अरे नहीं, श्री चार्ल्स, यहाँ कोई नोटबुक नहीं थी।"
क्या किसी ने नोटबुक चुरा ली थी? या उसने उसे अपने कमरे में छिपा दिया था? मुझे देखने का ख्याल आया। मुझे पक्का पता नहीं था कि जोसेफिन का कमरा कौन सा था, लेकिन जब मैं गलियारे में हिचकिचाते हुए खड़ी थी, तभी टैवर्नर की आवाज़ ने मुझे पुकारा:
"अंदर आओ," उसने कहा। "मैं बच्चे के कमरे में हूँ। क्या तुमने कभी ऐसा दृश्य देखा है?"
मैंने दहलीज पार की और एकदम रुक गया।
छोटा कमरा ऐसा लग रहा था मानो उसमें बवंडर आया हो। दराजों वाली अलमारी के दराज उखड़ गए थे और उनका सारा सामान फर्श पर बिखरा पड़ा था। गद्दे और चादरें छोटे पलंग से हटा दी गई थीं। कालीन ढेर में पड़े थे। कुर्सियाँ उलटी पड़ी थीं,

दीवार से तस्वीरें उतार दी गई थीं और तस्वीरों को उनके फ्रेम से उखाड़ दिया गया था।
"हे भगवान!" मैंने हैरानी से कहा। "आखिर ये सब क्या सोची थी?"
"आप क्या सोचते हैं?"
"कोई किसी चीज की तलाश कर रहा था।"
"बिल्कुल।"
मैंने चारों ओर देखा और सीटी बजाई।
"लेकिन भला कौन - यकीनन कोई भी यहाँ आकर यह सब कर सकता है और किसी को पता न चले या दिखाई न दे?"
"क्यों नहीं? श्रीमती लियोनाइड्स सुबह अपने बेडरूम में अपने नाखून संवारने, अपने दोस्तों को फोन करने और अपने कपड़ों से खेलने में बिताती हैं। फिलिप पुस्तकालय में किताबें देखता रहता है। नर्स रसोई में आलू छील रही होती है और फलियाँ पिरो रही होती है। एक ऐसे परिवार में जहाँ हर कोई एक-दूसरे की आदतों को जानता है, यह काम बहुत आसान होता। और मैं आपको बता दूँ। घर में कोई भी हमारा यह छोटा सा काम कर सकता था - बच्चे के लिए जाल बिछाकर उसका कमरा तहस-नहस कर सकता था। लेकिन यह कोई जल्दबाज़ी में था, किसी के पास चुपचाप खोजने का समय नहीं था।"
"क्या घर में कोई है?"
"हाँ, मैंने पता कर लिया है। हर किसी का कुछ न कुछ समय गायब है। फिलिप, मैग्डा, नर्स, आपकी नौकरानी। ऊपर भी यही हाल है। ब्रेंडा ने सुबह का ज़्यादातर समय अकेले बिताया। लॉरेंस और यूस्टेस को साढ़े दस बजे से ग्यारह बजे तक आधे घंटे का ब्रेक मिला - आप उस समय के कुछ हिस्से में उनके साथ थे - लेकिन पूरे समय नहीं। मिस डी हैविलैंड बगीचे में अकेली थीं। रोजर अपने अध्ययन कक्ष में थे।"
"केवल क्लेमेंसी ही लंदन में अपने काम पर थी।"
"नहीं, वो भी इससे बाहर नहीं है। आज वो सिरदर्द की वजह से घर पर ही रही - वो अपने कमरे में अकेली थी और सिरदर्द सह रही थी। उनमें से कोई भी - उनमें से कोई भी! और मुझे नहीं पता कौन! मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं है। अगर मुझे पता होता कि वे यहाँ क्या ढूंढ रहे हैं -"

उसकी निगाहें तबाह हो चुके कमरे में चारों ओर घूम गईं।
और अगर मुझे पता होता कि उन्हें वह मिल गया है या नहीं...
मेरे दिमाग में कुछ हलचल हुई - एक याद...
टैवर्नर ने मुझसे यह पूछकर बात पक्की कर ली:
"जब आपने उसे आखिरी बार देखा था तब वह बच्ची क्या कर रही थी?"
मैंने कहा, "रुको।"
मैं कमरे से तेजी से बाहर निकला और सीढ़ियों से ऊपर चढ़ गया। मैं बाईं ओर के दरवाजे से होकर सबसे ऊपरी मंजिल पर चला गया। मैंने पानी की टंकी वाले कमरे का दरवाजा धक्का देकर खोला, दो सीढ़ियाँ चढ़ीं और छत नीची और ढलान वाली होने के कारण सिर झुकाकर चारों ओर देखा।
जब मैंने जोसेफिन से पूछा कि वह वहां क्या कर रही थी, तो उसने कहा कि वह "जासूसी" कर रही थी।
मुझे समझ नहीं आ रहा था कि पानी की टंकियों से भरे जालेदार अटारी में क्या छिपा हो सकता है। लेकिन ऐसी अटारी छिपने के लिए अच्छी जगह हो सकती है। मुझे लगा कि शायद जोसेफिन ने वहाँ कुछ छिपा रखा होगा, कुछ ऐसा जिसके बारे में वह अच्छी तरह जानती थी कि उसे वहाँ नहीं होना चाहिए। अगर ऐसा है, तो उसे ढूंढने में ज्यादा समय नहीं लगना चाहिए।
मुझे सिर्फ तीन मिनट लगे। सबसे बड़े टैंक के पीछे, जिसके अंदर से आती हुई एक अजीब सी सरसराहट वातावरण में एक रहस्यमय स्वर जोड़ रही थी, मुझे भूरे कागज के फटे हुए टुकड़े में लिपटे पत्रों का एक पैकेट मिला।
मैंने पहला पत्र पढ़ा।
ओह लॉरेंस - मेरे प्यारे, मेरे प्रियतम... कल रात जब तुमने कविता की वो पंक्ति पढ़ी, तो कितना अद्भुत लगा - वो मेरे लिए ही थी, भले ही तुमने मेरी तरफ देखा तक नहीं। एरिस्टाइड ने कहा, "तुम कविता अच्छी पढ़ती हो।" उन्हें अंदाज़ा नहीं था कि हम दोनों क्या महसूस कर रहे थे। मेरे प्रियतम, मुझे पूरा विश्वास है कि जल्द ही सब ठीक हो जाएगा। हमें खुशी होगी कि उन्हें कभी पता नहीं चला, कि उनकी मृत्यु सुखद हुई। वे मेरे लिए बहुत अच्छे रहे हैं। मैं उन्हें कष्ट नहीं देना चाहती। लेकिन मुझे नहीं लगता कि अस्सी साल की उम्र के बाद जीना सुखद हो सकता है। मैं तो जीना ही नहीं चाहूँगी!

जल्द ही हम हमेशा के लिए एक साथ होंगे। कितना अद्भुत होगा जब मैं तुमसे कह सकूँगी: मेरे प्यारे पति... प्रियतम, हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं। मैं तुमसे प्यार करती हूँ, करती हूँ, करती हूँ - मुझे हमारे प्यार का कोई अंत नहीं दिखता, मैं -
और भी बहुत कुछ था, लेकिन मुझे आगे बताने की इच्छा नहीं थी।
मैं उदास मन से नीचे गया और अपना पार्सल टैवर्नर के हाथों में थमा दिया।
मैंने कहा, "हो सकता है कि हमारा अज्ञात मित्र इसी चीज़ की तलाश कर रहा हो।"
टैवर्नर ने कुछ अंश पढ़े, सीटी बजाई और विभिन्न पत्रों को पलटकर देखा।
फिर उसने मेरी तरफ ऐसे भाव से देखा जैसे किसी बिल्ली को बेहतरीन मलाई खिलाई गई हो।
“खैर,” उसने धीरे से कहा। “इससे श्रीमती ब्रेंडा लियोनाइड्स और श्री लॉरेंस ब्राउन दोनों की खैर नहीं रही। तो ये सब उन्हीं की वजह से हुआ था...”

अध्याय 19

अब पीछे मुड़कर देखने पर मुझे यह अजीब लगता है कि ब्रेंडा लियोनाइड्स के पत्रों के मिलने के बाद, खासकर लॉरेंस ब्राउन को लिखे उनके पत्रों के मिलने के बाद, उनके प्रति मेरी दया और सहानुभूति अचानक और पूरी तरह से कैसे गायब हो गई। क्या मेरा अहंकार इस बात को सहन नहीं कर पाया कि वह लॉरेंस ब्राउन से बेइंतहा और प्यार करती थी और उसने जानबूझकर मुझसे झूठ बोला था? मुझे नहीं पता। मैं मनोवैज्ञानिक नहीं हूँ। मैं यही मानना पसंद करती हूँ कि शायद उस बच्ची जोसेफिन का ख्याल, जिसे अपनी जान बचाने के लिए बेरहमी से मार दिया गया था, ने मेरी सहानुभूति को खत्म कर दिया।

"अगर आप मुझसे पूछें तो ब्राउन ने उस जाल को ठीक कर दिया था," टैवर्नर ने कहा, "और इससे मुझे उस बात का स्पष्टीकरण मिल गया जिसने मुझे उलझन में डाल दिया था।"

"आपको किस बात ने उलझन में डाला?"

"खैर, ये तो बहुत ही बचकाना काम था। देखो, मान लो उस बच्ची को ये चिट्ठियाँ मिल गईं - ऐसी चिट्ठियाँ जो बेहद आपत्तिजनक हैं! सबसे पहले तो उन्हें वापस लेने की कोशिश करनी चाहिए - (आखिरकार, अगर बच्ची उनके बारे में बात करती है, लेकिन सबूत के तौर पर कुछ नहीं देती, तो इसे महज़ रोमांस मान लिया जा सकता है) लेकिन आप उन्हें वापस नहीं ले सकते क्योंकि आप उन्हें ढूंढ ही नहीं सकते। फिर एक ही रास्ता बचता है कि बच्ची को हमेशा के लिए खत्म कर दिया जाए। आपने एक हत्या कर दी है और दूसरी करने में आपको कोई हिचक नहीं है। आप जानते हैं कि उसे किसी सुनसान आंगन के दरवाजे पर झूलना पसंद है। सबसे अच्छा तरीका है कि दरवाजे के पीछे इंतज़ार करें और जैसे ही वह बाहर आए, उसे लोहे की छड़, या पानी के पाइप से मार गिराएँ। ये सब चीज़ें वहाँ तैयार पड़ी हैं। उस संगमरमर के शेर से क्यों परेशान होना जो दरवाजे के ऊपर रखा है और जिसके गिरने की संभावना बहुत कम है और जो अगर उस पर गिर भी जाए तो भी काम ठीक से नहीं करेगा (और असल में ऐसा ही होता है)। बाहर)? मैं आपसे पूछता हूँ - क्यों?"

मैंने कहा, "अच्छा, तो जवाब क्या है?"

"शुरू में मेरे दिमाग में बस यही ख्याल आया कि इसका मकसद किसी के अलीबी (घटना के समय कहीं और होने का सबूत) से जोड़ना था। किसी के पास जोसेफिन पर हमले के समय का कोई पुख्ता सबूत होता। लेकिन यह बात समझ में नहीं आती, क्योंकि पहली बात तो यह है कि किसी के पास कोई अलीबी नहीं है, और दूसरी बात यह है कि दोपहर के खाने के समय कोई न कोई बच्चे को जरूर ढूंढेगा, और उन्हें जाल और संगमरमर का ब्लॉक मिल जाएगा - पूरा तरीका साफ-साफ समझ में आ जाएगा। बेशक, अगर हत्यारे ने बच्चे के मिलने से पहले ब्लॉक हटा दिया होता, तो हम शायद उलझन में पड़ जाते। लेकिन अभी तो यह सब कुछ समझ से बाहर है।"
उसने अपने हाथ फैलाए...
"और इस समय आपकी क्या व्याख्या है?"
"निजी पहलू। व्यक्तिगत विलक्षणता। लॉरेंस ब्राउन की विलक्षणता - उसे हिंसा पसंद नहीं है - वह खुद को शारीरिक हिंसा करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। वह दरवाजे के पीछे खड़े होकर बच्चे के सिर पर घूंसा नहीं मार सकता था। वह एक जाल बिछाकर दूर जा सकता था और घटना को होते हुए नहीं देख सकता था।"
"हां, मैं समझ गया," मैंने धीरे से कहा। "यह फिर से इंसुलिन की बोतल में मौजूद एसेरीन की ही बात है।"
"बिल्कुल।"
"क्या आपको लगता है कि उसने ब्रेंडा की जानकारी में ऐसा किया?"
इससे यह बात समझ में आ जाती है कि उसने इंसुलिन की बोतल क्यों नहीं फेंकी। बेशक, हो सकता है उन्होंने आपस में कुछ तय कर लिया हो, हो सकता है उसने ज़हर का नुस्खा खुद ही सोचा हो - अपने थके-हारे बूढ़े पति के लिए एक आसान और आरामदायक मौत, और यही सबसे अच्छी दुनिया में सबसे अच्छा है! लेकिन मुझे यकीन है कि उसने जाल नहीं बिछाया होगा। औरतों को मशीनों के सही ढंग से काम करने पर कभी भरोसा नहीं होता। और वे सही भी हैं। मुझे लगता है कि एसेरीन का विचार उसका ही था, लेकिन उसने अपने दीवाने गुलाम से इसे बदलवाया। वह ऐसी औरत है जो आमतौर पर खुद कोई भी संदिग्ध काम करने से बचती है। फिर उनका ज़मीर उन्हें कचोटता नहीं।
वह रुका और फिर आगे बोला:

"मुझे लगता है इन चिट्ठियों के बाद डी.पी.पी. मान लेंगे कि हमारे पास केस है। अब हमें ज़्यादा सफाई नहीं देनी पड़ेगी! फिर, अगर बच्चा ठीक-ठाक रहा तो सब कुछ बढ़िया हो जाएगा।" उन्होंने तिरछी नज़र से मेरी तरफ देखा। "लगभग दस लाख पाउंड स्टर्लिंग से सगाई करने का कैसा लगता है?"
मुझे झटका लगा। पिछले कुछ घंटों की उत्तेजना में, मैं वसीयत से संबंधित घटनाक्रमों को भूल गया था।
मैंने कहा, "सोफिया को अभी तक पता नहीं है। क्या मैं उसे बता दूं?"
"मुझे पता चला है कि कल जांच के बाद गेट्सकिल दुखद (या खुशी की) खबर सुनाने वाले हैं।" टैवर्नर रुका और सोच-समझकर मेरी तरफ देखा।
उन्होंने कहा, "मुझे आश्चर्य है कि परिवार की क्या प्रतिक्रिया होगी?"

अध्याय 20

जांच प्रक्रिया लगभग वैसी ही हुई जैसा मैंने भविष्यवाणी की थी। पुलिस के अनुरोध पर इसे स्थगित कर दिया गया।

हम सब काफी खुश थे क्योंकि पिछली रात अस्पताल से खबर आई थी कि जोसेफिन की चोटें आशंका से कहीं कम गंभीर हैं और वह जल्दी ठीक हो जाएगी। डॉ. ग्रे ने कहा कि फिलहाल उसे किसी से मिलने की इजाजत नहीं है - यहां तक कि उसकी मां से भी नहीं।

"खासकर उसकी माँ को तो बिल्कुल नहीं," सोफिया ने मुझसे धीरे से कहा। "मैंने डॉ. ग्रे को यह बात साफ-साफ बता दी थी। वैसे भी, वो माँ को जानते हैं।"

मैं शायद कुछ संशय में दिख रही थी, क्योंकि सोफिया ने तीखे स्वर में कहा:

"ये नापसंदगी भरी नज़रें क्यों?"

"अच्छा - ज़रूर एक माँ -"

"मुझे खुशी है कि आपके पास कुछ अच्छे पुराने ज़माने के विचार हैं, चार्ल्स। लेकिन आप अभी तक यह नहीं जानते कि मेरी माँ क्या कर सकती है। वह प्यारी बच्ची कुछ नहीं कर सकती, लेकिन एक भव्य नाटकीय दृश्य होना ही होगा। और नाटकीय दृश्य सिर की चोट से उबर रहे किसी भी व्यक्ति के लिए सबसे अच्छी चीज़ नहीं होते।"

"तुम तो हर बात का ख्याल रखती हो, है ना, मेरी प्यारी।"

"खैर, अब दादाजी के चले जाने के बाद किसी को तो सोचना ही पड़ेगा।"

मैंने उसे संदेह भरी नजरों से देखा। मैंने पाया कि बूढ़े लियोनिडेस की बुद्धिमत्ता अभी भी बरकरार थी। उनकी जिम्मेदारियों का भार पहले ही सोफिया के कंधों पर आ चुका था।

जांच के बाद, गेट्सकिल हमारे साथ थ्री गेबल्स वापस आए। उन्होंने अपना गला साफ किया और बड़े ही गंभीर लहजे में कहा:

"एक घोषणा है जिसे आप सभी को करना मेरा कर्तव्य है।"

इस उद्देश्य से परिवार मैग्डा के ड्राइंग रूम में एकत्रित हुआ। इस अवसर पर मुझे पर्दे के पीछे के व्यक्ति होने का सुखद अनुभव प्राप्त हुआ। मुझे पहले से ही पता था कि गेट्सकिल क्या कहने वाले हैं।

मैंने सभी की प्रतिक्रियाओं को देखने के लिए खुद को तैयार कर लिया था।

गेट्सकिल का भाषण संक्षिप्त और संयमित था। उन्होंने व्यक्तिगत भावनाओं या झुंझलाहट को पूरी तरह से नियंत्रित रखा। उन्होंने पहले एरिस्टाइड लियोनाइड्स का पत्र पढ़ा और फिर वसीयत पढ़ी। यह देखना बहुत रोचक था। काश मेरी आंखें एक ही समय में सब कुछ देख पातीं।
मैंने ब्रेंडा और लॉरेंस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। इस वसीयत में ब्रेंडा के लिए भी वही प्रावधान था। मैंने मुख्य रूप से रोजर और फिलिप पर नज़र रखी, और उनके बाद मैग्डा और क्लेमेंसी पर।
मेरी पहली धारणा यही थी कि उन सभी ने बहुत अच्छा व्यवहार किया।
फिलिप के होंठ कसकर बंद थे, उसका सुंदर सिर उस ऊँची कुर्सी पर पीछे की ओर झुका हुआ था जिस पर वह बैठा था। उसने कुछ नहीं कहा।
इसके विपरीत, मिस्टर गेट्सकिल के बोलते ही मैग्डा ने बोलना शुरू कर दिया, उसकी मधुर आवाज उनकी पतली आवाज पर इस तरह हावी हो गई जैसे कोई ज्वार किसी छोटी नदी को डुबो देता है।
"प्यारी सोफिया - कितना अद्भुत... कितना रोमांटिक... सोचो, स्वीटी पाई कितना चालाक और धोखेबाज था - बिल्कुल एक प्यारे बच्चे की तरह। क्या उसे हम पर भरोसा नहीं था? क्या उसने सोचा था कि हम नाराज़ हो जाएँगे? वह सोफिया को हम सब से ज़्यादा प्यार करता हुआ कभी नहीं दिखा। लेकिन सच में, यह बहुत नाटकीय है।" अचानक मैग्डा उछलकर खड़ी हो गई, सोफिया के पास नाचते हुए गई और उसे बड़े ही भव्य अंदाज़ में झुककर प्रणाम किया।
"मैडम सोफिया, आपकी बेसहारा और जर्जर बूढ़ी माँ आपसे भीख मांग रही है।" उसकी आवाज़ में कॉकनी लहजे में शिकायत का भाव आ गया।
"हमें एक पैसा दे दो, प्यारी बुढ़िया। तुम्हारी माँ फिल्म देखने जाना चाहती है।" उसका हाथ, पंजे की तरह मुड़ा हुआ, सोफिया की ओर बेचैनी से फड़फड़ाया।
फिलिप ने बिना हिले-डुले, कड़े होंठों से कहा:
"मैग्डा, कृपया, किसी भी तरह की अनावश्यक मसखरी करने की कोई आवश्यकता नहीं है।"
"अरे, रॉजर," मैग्डा अचानक रॉजर की ओर मुड़ते हुए बोली। "बेचारा रॉजर। स्वीटी उसे बचाने आने वाला था, लेकिन इससे पहले कि वह कुछ कर पाता, उसकी मौत हो

गई। और अब रॉजर को कुछ नहीं मिलेगा। सोफिया," वह अकड़कर बोली, "तुम्हें रॉजर के लिए कुछ करना ही होगा।"
"नहीं," क्लेमेंसी ने कहा। वह एक कदम आगे बढ़ गई थी। उसके चेहरे पर दृढ़ता थी। "कुछ नहीं। बिलकुल कुछ नहीं।"
रॉजर एक बड़े, मिलनसार भालू की तरह लड़खड़ाते हुए सोफिया के पास आया। उसने स्नेहपूर्वक उसके हाथ थाम लिए।
"मुझे एक पैसा भी नहीं चाहिए, मेरी प्यारी बच्ची। जैसे ही यह मामला सुलझ जाएगा - या शांत हो जाएगा, जैसा कि लग रहा है - तब मैं और क्लेमेंसी वेस्ट इंडीज चले जाएंगे और सादा जीवन जिएंगे। अगर कभी बहुत ज़रूरत पड़ी तो मैं परिवार के मुखिया से मदद मांग लूंगा -" उसने प्यार से मुस्कुराते हुए उससे कहा - "लेकिन तब तक मुझे एक पैसा भी नहीं चाहिए। मैं सच में बहुत सीधा-सादा इंसान हूं, मेरी प्यारी - तुम क्लेमेंसी से पूछ लेना अगर मैं सीधा-सादा नहीं हूं।"
अचानक एक आवाज सुनाई दी। यह एडिथ डी हैविलैंड की आवाज थी।
"यह सब तो ठीक है," उसने कहा। "लेकिन आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि यह सब कैसा दिखता है। अगर आप दिवालिया हो जाते हैं, रॉजर, और फिर सोफिया की मदद के बिना दुनिया के किसी कोने में चले जाते हैं, तो आपके बारे में बहुत सी बुरी बातें होंगी जो सोफिया को बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगेंगी।"
"जनमत का क्या महत्व है?" क्लेमेंसी ने तिरस्कारपूर्वक पूछा।
"हम जानते हैं कि आपको इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। दया करो," एडिथ डी हैविलैंड ने तीखे स्वर में कहा, "लेकिन सोफिया इसी दुनिया में रहती है। वह बुद्धिमान और दयालु है, और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि एरिस्टाइड ने उसे पारिवारिक संपत्ति संभालने के लिए चुनकर बिलकुल सही किया था - हालाँकि अपने दो बेटों को उनके जीवनकाल में अनदेखा करना हमारे अंग्रेजी विचारों के अनुसार अजीब लगता है - लेकिन मुझे लगता है कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण होगा यदि यह बात फैल जाए कि उसने इस मामले में लालच दिखाया और रॉजर की मदद करने की कोशिश किए बिना उसे बर्बाद होने दिया।"
रॉजर अपनी चाची के पास गया। उसने अपनी बाहों में उन्हें भर लिया और गले लगा लिया।

"आंटी एडिथ," उसने कहा। "आप बहुत प्यारी हैं - और एक जिद्दी लड़ाकू भी, लेकिन आप समझ नहीं सकतीं। क्लेमेंसी और मैं जानते हैं कि हम क्या चाहते हैं - और क्या नहीं चाहते!"
क्लेमेंसी, जिसके प्रत्येक पतले गाल पर अचानक रंग की एक झलक दिखाई दी, चुनौती भरे अंदाज में उनका सामना करते हुए खड़ी थी।
"तुममें से कोई भी," उसने कहा, "रोजर को नहीं समझता। तुमने कभी नहीं समझा! मुझे नहीं लगता कि तुम कभी समझ पाओगे! चलो, रोजर।"
जैसे ही श्री गैट्सकिल ने अपना गला साफ करना और अपने कागजात व्यवस्थित करना शुरू किया, वे कमरे से बाहर चले गए। उनके चेहरे पर गहरी असहमति के भाव थे।
उन्हें उपरोक्त दृश्य बिल्कुल भी पसंद नहीं आए। यह स्पष्ट था।
अंततः मेरी नज़र सोफिया पर पड़ी। वह अंगीठी के पास सीधी और सुंदर खड़ी थी, ठुड्डी ऊपर उठी हुई, आँखें स्थिर। उसे अभी-अभी एक अपार संपत्ति विरासत में मिली थी, लेकिन मेरे मन में सबसे पहला विचार यही आया कि वह अचानक कितनी अकेली हो गई थी। उसके और उसके परिवार के बीच एक दीवार खड़ी हो गई थी। अब से वह उनसे अलग हो गई थी, और मुझे लगा कि वह इस सच्चाई को जानती और स्वीकार कर चुकी थी। बूढ़े लियोनिडेस ने उसके कंधों पर एक बोझ डाल दिया था - वह इस बात से अवगत था और सोफिया भी यह जानती थी। उसे विश्वास था कि उसके कंधे इसे सहने के लिए काफी मजबूत हैं, लेकिन ठीक इस क्षण मुझे उसके लिए असीम दुख हुआ।
अब तक वह कुछ नहीं बोली थी - वास्तव में उसे बोलने का मौका ही नहीं दिया गया था, लेकिन बहुत जल्द ही उससे जबरदस्ती बुलवाया जाएगा।
उसके परिवार के स्नेह के पीछे छिपी शत्रुता का मुझे पहले से ही आभास हो रहा था। मैग्डा के सुंदर अभिनय में भी, मुझे लगता था, एक सूक्ष्म द्वेष था। और भी कई गहरे रहस्य थे जो अभी तक सामने नहीं आए थे।
श्री गेट्सकिल के गले साफ करने की आवाज की जगह सटीक और नपे-तुले भाषण ने ले ली।

“सोफिया, मैं आपको बधाई देना चाहता हूँ,” उन्होंने कहा। “आप एक बहुत धनी महिला हैं। मैं आपको कोई जल्दबाजी वाला कदम उठाने की सलाह नहीं दूँगा। मैं आपको वर्तमान खर्चों के लिए आवश्यक नकद राशि दे सकता हूँ। यदि आप भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करना चाहें, तो मैं आपको अपनी क्षमता के अनुसार सर्वोत्तम सलाह देने में प्रसन्न हूँगा। जब आपको सब कुछ सोचने-समझने का पर्याप्त समय मिल जाए, तो लिंकन इन में मुझसे मिलने का समय तय कर लें।”
"रोजर," एडिथ डी हैविलैंड ने हठपूर्वक कहना शुरू किया।
श्री गेट्सकिल ने तुरंत जवाब दिया।
“रोजर,” उन्होंने कहा, “को खुद ही अपना ख्याल रखना होगा। वो एक समझदार आदमी है – मतलब, चौवन साल का, मुझे लगता है। और एरिस्टाइड लियोनाइड्स बिल्कुल सही थे, तुम्हें पता है। वो एक बिजनेसमैन नहीं है। कभी नहीं होगा।” उन्होंने सोफिया की तरफ देखा। “अगर तुम एसोसिएटेड कैटरिंग को फिर से खड़ा करती हो, तो ये मत सोचना कि रोजर इसे सफलतापूर्वक चला पाएगा।”
सोफिया ने कहा, "मैं एसोसिएटेड कैटरिंग को दोबारा अपने पैरों पर खड़ा करने का सपना भी नहीं देख सकती।"
यह पहली बार था जब उसने बात की थी। उसकी आवाज स्पष्ट और गंभीर थी।
उन्होंने आगे कहा, "ऐसा करना मूर्खतापूर्ण होगा।"
गेट्सकिल ने अपनी भौंहों के नीचे से उस पर एक नज़र डाली और मन ही मन मुस्कुराया। फिर उसने सबको अलविदा कहा और बाहर चला गया।
कुछ क्षणों के लिए सन्नाटा छा गया, यह अहसास हुआ कि परिवार के सभी सदस्य अपने आप में अकेले हैं।
फिर फिलिप अकड़कर उठा।
उन्होंने कहा, "मुझे पुस्तकालय वापस जाना होगा। मेरा बहुत समय बर्बाद हो गया है।"
"पिताजी-" सोफिया ने अनिश्चितता और लगभग विनती भरे स्वर में कहा। मैंने महसूस किया कि फिलिप की ठंडी, शत्रुतापूर्ण निगाहें उस पर पड़ते ही वह कांप उठी और पीछे हट गई।

उन्होंने कहा, "बधाई न देने के लिए मुझे क्षमा करें। लेकिन यह मेरे लिए बहुत बड़ा सदमा है। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि मेरे पिता मुझे इस तरह अपमानित करेंगे - कि वे मेरे जीवन भर की भक्ति - जी हाँ, भक्ति - को नजरअंदाज कर देंगे।"
पहली बार, स्वाभाविक मनुष्य ने बर्फीले संयम की परत को तोड़ दिया।
"हे भगवान!" वह रोते हुए बोला। "वह मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकता है? वह हमेशा मेरे साथ अन्याय करता था - हमेशा।"
"अरे नहीं, फिलिप, नहीं, तुम्हें ऐसा नहीं सोचना चाहिए," एडिथ डी हैविलैंड चिल्लाई। "इसे एक और अपमान मत समझो। यह अपमान नहीं है। जब लोग बूढ़े हो जाते हैं, तो वे स्वाभाविक रूप से युवा पीढ़ी की ओर मुड़ जाते हैं... मैं तुम्हें विश्वास दिलाती हूँ कि बात बस इतनी ही है... और इसके अलावा, एरिस्टाइड में व्यापार की बहुत अच्छी समझ थी। मैंने अक्सर उन्हें यह कहते सुना है कि दो बार मृत्यु कर वसूलना -"
"उसे मेरी कभी परवाह नहीं थी," फिलिप ने कहा।
उसकी आवाज़ धीमी और कर्कश थी। "हमेशा रॉजर ही रॉजर था। खैर, कम से कम..." अचानक उसके सुंदर चेहरे पर द्वेष का एक असाधारण भाव उभर आया, "पिताजी को एहसास हुआ कि रॉजर एक मूर्ख और नाकामयाब इंसान था। उन्होंने रॉजर को भी निकाल दिया।"
"मेरा क्या होगा?" यूस्टेस ने कहा।
मैंने अब तक यूस्टेस पर शायद ही ध्यान दिया था, लेकिन मुझे महसूस हुआ कि वह किसी तीव्र भावना से कांप रहा था। उसका चेहरा लाल हो गया था, और मुझे लगा कि उसकी आँखों में आंसू थे। उसकी आवाज कांप रही थी और वह हिस्टीरिया में ऊंची उठ रही थी।
“यह तो कतई शर्म की बात है!” यूस्टेस बोला। “यह तो सरासर शर्म की बात है! दादाजी की हिम्मत कैसे हुई मेरे साथ ऐसा करने की? उनकी हिम्मत कैसे हुई? मैं उनका इकलौता पोता था। सोफिया के लिए मुझे नज़रअंदाज़ करने की उनकी हिम्मत कैसे हुई? यह अन्याय है। मैं उनसे नफ़रत करता हूँ। मैं उनसे नफ़रत करता हूँ। मैं ज़िंदगी भर उन्हें कभी माफ़ नहीं करूँगा। ज़ालिम, ज़ालिम बूढ़ा आदमी। मैं चाहता था कि वह मर जाए। मैं इस घर से निकलना चाहता था। मैं अपना मालिक खुद

बनना चाहता था। और अब सोफिया मुझे तंग करती है, मेरे साथ बुरा बर्ताव करती है और मुझे बेवकूफ़ बनाती है। काश मैं मर गया होता...”
उसकी आवाज लड़खड़ा गई और वह कमरे से बाहर भाग गया।
एडिथ डी हैविलैंड ने अपनी जीभ से एक तीखी क्लिक की आवाज निकाली।
"आत्मनियंत्रण नहीं है," उसने धीरे से कहा।
"मैं जानती हूँ कि उसे कैसा महसूस हो रहा है," मैग्डा रोते हुए बोली।
"मुझे यकीन है कि तुम ऐसा करते हो," एडिथ ने अपने लहजे में तीखेपन के साथ कहा।
"बेचारा! मुझे उसके पीछे जाना होगा।"
"अब, मैग्डा-" एडिथ उसके पीछे दौड़ी।
उनकी आवाज़ें धीरे-धीरे शांत हो गईं। सोफिया फिलिप को देखती रही। मुझे लगता है उसकी निगाहों में एक तरह की विनती थी। अगर ऐसा था भी, तो उसे कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उसने उसे ठंडेपन से देखा, मानो एक बार फिर खुद पर पूरा नियंत्रण पा लिया हो।
"सोफिया, तुमने बहुत अच्छी चाल चली," उसने कहा और कमरे से बाहर चला गया।
"यह कहना बहुत ही क्रूर बात थी," मैं रो पड़ी।
"सोफिया -"
उसने मेरी ओर हाथ बढ़ाया। मैंने उसे अपनी बाहों में भर लिया।
"यह तुम्हारे लिए बहुत ज्यादा है, मेरी प्यारी।"
सोफिया ने कहा, "मैं जानती हूं कि उन्हें कैसा महसूस हो रहा है।"
"तुम्हारे दादाजी, वो बूढ़ा शैतान, तुम्हें इसमें शामिल नहीं होने देना चाहिए था।"
उसने अपने कंधे सीधे किए।
"उन्हें विश्वास था कि मैं इसे सहन कर सकता हूँ। और इसलिए मैं कर सकता हूँ।
काश - काश यूस्टेस को इतना बुरा न लगता।"
वह इससे उबर जाएगा।
"क्या वो ऐसा करेगा? मुझे संदेह है। वो तो बहुत ज्यादा उदास रहने वाला इंसान है।
और मुझे पिताजी को दुखी देखना बिल्कुल पसंद नहीं है।"
"तुम्हारी माँ ठीक है।"

"उसे थोड़ा बुरा लगता है। नाटक मंचन के लिए अपनी बेटी से पैसे मांगना उसे बिल्कुल पसंद नहीं है। वह पलक झपकते ही मुझसे एडिथ वॉम्पसन वाला नाटक मंचित करने के लिए कहेगी।"
और तुम क्या कहोगे? अगर इससे वो खुश रहती है तो...
सोफिया ने खुद को मेरी बाहों से छुड़ा लिया, उसका सिर पीछे की ओर झुक गया।
"मैं मना कर दूंगी! यह एक घटिया नाटक है और माँ यह भूमिका नहीं निभा सकतीं। यह पैसे की बर्बादी होगी।"
मैं धीरे से हंस पड़ी। मैं खुद को रोक नहीं पाई।
"यह क्या है?" सोफिया ने संदेह से पूछा।
"अब मुझे समझ में आने लगा है कि तुम्हारे दादाजी ने तुम्हें अपनी संपत्ति क्यों दी। सोफिया, तुम बिलकुल अपने पिता की तरह हो।"

अध्याय 21

इस समय मुझे बस एक ही बात का अफसोस था कि जोसेफिन इन सब से दूर थी। उसे इन सब में बहुत मजा आता।

उनकी रिकवरी तेजी से हुई और उम्मीद थी कि वह किसी भी दिन वापस आ जाएंगी, लेकिन फिर भी वह एक और महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाईं।

एक सुबह मैं सोफिया और ब्रेंडा के साथ रॉक गार्डन में थी, तभी एक कार सामने के दरवाजे पर आकर रुकी। उसमें से टैवर्नर और सार्जेंट लैम्ब उतरे। वे सीढ़ियों से ऊपर चढ़कर घर के अंदर चले गए।

ब्रेन्डा स्थिर खड़ी रही और कार को घूरती रही।

"ये वही लोग हैं," उसने कहा। "वे वापस आ गए हैं, और मुझे लगा था कि उन्होंने हार मान ली थी - मुझे लगा था कि सब कुछ खत्म हो गया है।"

मैंने उसे कांपते हुए देखा।

वह लगभग दस मिनट पहले हमारे साथ शामिल हुई थी। अपने चिंचिला कोट में लिपटी हुई उसने कहा, "अगर मुझे थोड़ी ताज़ी हवा और व्यायाम नहीं मिला तो मैं पागल हो जाऊंगी। अगर मैं गेट से बाहर जाती हूँ तो हमेशा कोई न कोई रिपोर्टर मुझ पर झपटने के लिए तैयार रहता है। ऐसा लगता है जैसे मैं घिरी हुई हूँ। क्या यह हमेशा ऐसे ही चलता रहेगा?"

सोफिया ने कहा कि उसे लगता है कि पत्रकार जल्द ही इससे ऊब जाएंगे।

उन्होंने आगे कहा, "आप कार से बाहर जा सकते हैं।"

मैं आपको बता दूं कि मैं कुछ व्यायाम करना चाहता हूं।

फिर उसने अचानक कहा:

"सोफिया, तुमने लॉरेंस को नौकरी से निकाल दिया। क्यों?"

सोफिया ने धीमी आवाज़ में उत्तर दिया:

"हम यूस्टेस के लिए अन्य व्यवस्थाएं कर रहे हैं। और जोसेफिन स्विट्जरलैंड जा रही है।"

"खैर, तुमने लॉरेंस को बहुत नाराज कर दिया है। उसे लगता है कि तुम उस पर भरोसा नहीं करते।"

सोफिया ने कोई जवाब नहीं दिया और उसी समय टैवर्नर की कार वहां पहुंच गई।

वहाँ खड़ी, शरद ऋतु की नम हवा में कांपती हुई, ब्रेंडा बुदबुदाई, "वे क्या चाहते हैं? वे क्यों आए हैं?"
मुझे लगा कि मैं जानती हूँ कि वे क्यों आए थे। मैंने टंकी के पास मिले पत्रों के बारे में सोफिया को कुछ नहीं बताया था, लेकिन मुझे पता था कि वे लोक अभियोजन निदेशक के पास गए थे।
टैवर्नर फिर से घर से बाहर आया। वह ड्राइववे और लॉन पार करते हुए हमारी ओर बढ़ा। ब्रेंडा और भी बुरी तरह कांप उठी।
"वह क्या चाहता है?" उसने घबराकर दोहराया। "वह क्या चाहता है?"
फिर टैवर्नर हमारे साथ था। उसने अपनी औपचारिक भाषा में औपचारिक मुहावरों का प्रयोग करते हुए संक्षिप्त ढंग से बात की।
"मेरे पास आपके गिरफ्तारी का वारंट है - आप पर पिछले साल 19 सितंबर को एरिस्टाइड लियोनाइड्स को एसेरीन देने का आरोप है। मैं आपको चेतावनी देता हूं कि आप जो कुछ भी कहेंगे, उसे आपके मुकदमे में सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।"
और फिर ब्रेंडा पूरी तरह टूट गई। वह चीखने लगी। वह मुझसे लिपट गई। वह रोने लगी,
"नहीं, नहीं, नहीं, यह सच नहीं है! चार्ल्स, उन्हें बताओ कि यह सच नहीं है! मैंने ऐसा नहीं किया। मुझे इसके बारे में कुछ भी पता नहीं था। यह सब एक साजिश है। उन्हें मुझे ले जाने मत दो। यह सच नहीं है, मैं तुम्हें बता रही हूँ... यह सच नहीं है... मैंने कुछ भी नहीं किया है..."
यह बहुत भयानक था - अविश्वसनीय रूप से भयानक। मैंने उसे शांत करने की कोशिश की, मैंने उसकी उंगलियों को अपनी बांह से छुड़ाया। मैंने उससे कहा कि मैं उसके लिए एक वकील का इंतजाम कर दूंगी - उसे शांत रहना चाहिए - वकील सब कुछ संभाल लेगा...
टैवर्नर ने उसे धीरे से कोहनी के नीचे से पकड़ा।
"चलिए, श्रीमती लियोनाइड्स," उन्होंने कहा। "आपको टोपी नहीं चाहिए, है ना? नहीं? तो हम अभी चलते हैं।"
वह पीछे हट गई और अपनी बड़ी-बड़ी बिल्ली जैसी आंखों से उसे घूरने लगी।

"लॉरेंस," उसने कहा। "तुमने लॉरेंस के साथ क्या किया है?"
टैवर्नर ने कहा, "श्री लॉरेंस ब्राउन को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।"
फिर वह मुरझा गई। उसका शरीर मानो ढह गया और सिकुड़ गया। उसकी आँखों से आँसू बहने लगे। वह चुपचाप टैवर्नर के साथ लॉन पार करके कार की ओर चली गई।
मैंने लॉरेंस ब्राउन और सार्जेंट लैम्ब को घर से बाहर आते देखा। वे सब कार में बैठ गए... कार चली गई।
मैंने गहरी सांस ली और सोफिया की ओर मुड़ी। उसका चेहरा पीला पड़ गया था और उसके चेहरे पर परेशानी के भाव थे।
"यह बहुत भयानक है, चार्ल्स," उसने कहा। "यह सचमुच बहुत भयानक है।"
"मुझे पता है।"
"आपको उसके लिए एक बेहतरीन वकील नियुक्त करना होगा - सबसे अच्छा वकील। उसे हर संभव मदद मिलनी चाहिए।"
मैंने कहा, "लोगों को अंदाजा नहीं होता कि ये सब चीजें कैसी होती हैं। मैंने इससे पहले कभी किसी को गिरफ्तार होते नहीं देखा।"
"मुझे पता है। किसी को अंदाजा नहीं होता।"
हम दोनों चुप थे। मैं ब्रेंडा के चेहरे पर दिख रहे भयानक भय के बारे में सोच रही थी। वह मुझे जाना-पहचाना सा लगा और अचानक मुझे समझ आया कि क्यों। यह वही भाव था जो मैंने मैगडा लियोनाइड्स के चेहरे पर उस दिन देखा था जब मैं पहली बार क्रुक्ड हाउस आई थी और वह एडिथ थॉम्पसन के नाटक के बारे में बात कर रही थी।
"और फिर," उसने कहा था, "अत्यंत भय, क्या आपको ऐसा नहीं लगता?"
ब्रेंडा के चेहरे पर घोर दहशत छाई हुई थी। ब्रेंडा लड़ने-झगड़ने वाली नहीं थी। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या उसमें कभी हत्या करने की हिम्मत भी थी। लेकिन शायद उसने ऐसा नहीं किया था।
संभवतः यह लॉरेंस ब्राउन ही था, जिसने अपने उत्पीड़न के उन्माद और अस्थिर व्यक्तित्व के साथ, अपनी प्रेमिका को मुक्त करने के लिए एक छोटी बोतल की सामग्री को दूसरी छोटी बोतल में डाल दिया था - एक सरल और आसान कार्य।
"तो यह सब खत्म हो गया," सोफिया ने कहा।
उसने गहरी सांस ली और फिर पूछा:

"लेकिन उन्हें अब गिरफ्तार क्यों किया जा रहा है? मुझे लगा कि पर्याप्त सबूत नहीं थे।"
"कुछ सबूत सामने आए हैं। पत्र।"
"आपका मतलब उनके बीच लिखे गए प्रेम पत्रों से है?"
"हाँ।"
"इन चीजों को संभालकर रखने वाले लोग कितने मूर्ख हैं!"
जी हाँ, बिल्कुल। मूर्ख। ऐसी मूर्खता जो दूसरों के अनुभवों से कभी सीख नहीं लेती। आप कोई भी दैनिक समाचार पत्र खोलें, आपको ऐसी मूर्खता का कोई न कोई उदाहरण जरूर मिल जाएगा - लिखित शब्दों को सहेज कर रखने का जुनून, प्रेम के लिखित आश्वासन को सहेज कर रखने का जुनून।
"यह तो बहुत ही घिनौना है, सोफिया," मैंने कहा। "लेकिन इसके बारे में चिंता करने का कोई फायदा नहीं। आखिर, हम शुरू से यही तो चाहते थे, है ना? मारियो के यहाँ पहली रात तुमने यही कहा था। तुमने कहा था कि अगर सही व्यक्ति ने तुम्हारे दादाजी को मार डाला होता तो सब ठीक होता। ब्रेंडा ही सही व्यक्ति थी, है ना? ब्रेंडा या लॉरेंस?"
"नहीं, चार्ल्स, तुम मुझे बहुत बुरा महसूस कराते हो।"
"लेकिन हमें समझदारी से काम लेना होगा। हम अब शादी कर सकते हैं, सोफिया। तुम मुझे और नहीं रोक सकतीं। लियोनाइड्स परिवार का इससे कोई लेना-देना नहीं है।"
उसने मेरी ओर देखा। मुझे पहले कभी उसकी आँखों के चमकीले नीले रंग का एहसास नहीं हुआ था।
"हाँ," उसने कहा। "मुझे लगता है कि अब हम इससे बाहर निकल चुके हैं। हम इससे बाहर निकल चुके हैं, है ना? आपको यकीन है?"
"मेरी प्यारी बच्ची, तुममें से किसी के पास भी वास्तव में कोई मकसद नहीं था।"
उसका चेहरा अचानक सफेद पड़ गया।
"सिवाय मेरे, चार्ल्स। मेरा एक मकसद था।"
"जी हां, बिल्कुल-" मैं चौंक गया। "लेकिन असल में नहीं। आप जानते हैं, आपको वसीयत के बारे में पता नहीं था।"

"लेकिन मैंने किया, चार्ल्स," उसने फुसफुसाते हुए कहा।
"क्या?" मैंने उसे घूर कर देखा। मुझे अचानक ठंड लगने लगी।
मुझे हमेशा से पता था कि दादाजी ने अपनी सारी संपत्ति मेरे नाम कर दी है।
"आख़िर कैसे?"
"उसने मुझे बताया। उसकी हत्या से लगभग दो सप्ताह पहले। उसने अचानक मुझसे कहा, 'सोफिया, मैंने अपनी सारी संपत्ति तुम्हारे नाम कर दी है। मेरे जाने के बाद तुम्हें परिवार का ख्याल रखना होगा।'"
मैंने शुरू किया।
"तुमने मुझे कभी नहीं बताया।"
नहीं। देखिए, जब उन सबने वसीयत और उस पर उनके हस्ताक्षर के बारे में बताया, तो मुझे लगा कि शायद उन्होंने कोई गलती की है - कि वे बस कल्पना कर रहे थे कि उन्होंने इसे मेरे नाम कर दिया है। या अगर उन्होंने वसीयत बनाई भी थी जिसमें इसे मेरे नाम किया था, तो वह कहीं खो गई होगी और कभी नहीं मिलेगी। मैं नहीं चाहती थी कि वह मिले - मुझे डर लग रहा था।
"डर लग रहा है? क्यों?"
"मुझे लगता है - हत्या की वजह से।"
मुझे ब्रेंडा के चेहरे पर दिख रहे आतंक का भाव याद आया - वह बेतहाशा घबराहट और तर्कहीन दहशत।
मुझे याद है कि जब मैग्डा हत्यारी का किरदार निभाने के बारे में सोचती थी, तो वह कितनी घबराहट पैदा कर लेती थी। सोफिया के मन में तो ऐसी कोई घबराहट नहीं होती, लेकिन वह यथार्थवादी थी और वह अच्छी तरह जानती थी कि लियोनाइड्स की वसीयत उसे संदिग्ध बना रही थी। अब मैं बेहतर समझ पाई (या मुझे लगा कि मैं समझ गई थी) कि उसने मुझसे सगाई करने से क्यों इनकार कर दिया और उसने इस बात पर ज़ोर क्यों दिया कि मुझे सच्चाई का पता लगाना चाहिए। उसने कहा था कि उसके लिए सच्चाई के सिवा कुछ भी मायने नहीं रखता। मुझे वह जोश और गंभीरता याद है जिसके साथ उसने ये बात कही थी।
हम घर की ओर चलने के लिए मुड़े और अचानक, एक खास जगह पर, मुझे उसकी कही हुई कोई और बात याद आ गई।

उसने कहा था कि वह किसी की हत्या कर सकती है, लेकिन अगर ऐसा करना पड़े, तो उसने आगे कहा था, यह किसी वास्तव में सार्थक उद्देश्य के लिए होना चाहिए।

अध्याय 22

पत्थर के बगीचे के एक मोड़ से रॉजर और क्लेमेंसी तेज़ी से हमारी ओर आते हुए दिखाई दिए। रॉजर के लहराते हुए ट्वीड के कपड़े उन पर शहर के कपड़ों से ज़्यादा जंच रहे थे। वह उत्सुक और उत्साहित दिख रहे थे। क्लेमेंसी के चेहरे पर शिकन थी।
"हेलो, तुम दोनों," रोजर ने कहा। "आखिरकार! मुझे लगा था कि वे उस घिनौनी औरत को कभी गिरफ्तार नहीं करेंगे। वे किस बात का इंतजार कर रहे थे, पता नहीं। खैर, उन्होंने उसे और उसके बदकिस्मत प्रेमी को पकड़ लिया है - और मुझे उम्मीद है कि वे दोनों को फांसी पर लटका देंगे।"
क्लेमेंसी का चेहरा और भी सिकुड़ गया। उसने कहा: "इतने असभ्य मत बनो, रोजर।"
"असभ्य? बिलकुल नहीं! एक असहाय, भोले-भाले बूढ़े आदमी को जानबूझकर बेरहमी से जहर देकर मारना - और जब मुझे खुशी होती है कि हत्यारे पकड़े गए हैं और उन्हें सजा मिलेगी, तो आप कहते हैं कि मैं असभ्य हूँ! मैं आपको बताता हूँ कि मैं उस औरत का गला खुद घोंट देता।"
उन्होंने आगे कहा:
"जब पुलिस उसे पकड़ने आई थी, तब वह तुम्हारे साथ ही थी ना? उसने इस पर कैसी प्रतिक्रिया दी?"
सोफिया ने धीमी आवाज में कहा, "यह बहुत भयानक था। वह बुरी तरह डर गई थी।"
"उसके साथ यही होना चाहिए था।"
"प्रतिशोध की भावना मत रखो," क्लेमेंसी ने कहा।
"ओह, मुझे पता है, प्रिय, लेकिन तुम समझ नहीं सकते। वह तुम्हारे पिता नहीं थे। मैं अपने पिता से प्यार करती थी। क्या तुम नहीं समझते? मैं उनसे प्यार करती थी!"
"मुझे अब तक समझ जाना चाहिए था," क्लेमेंसी ने कहा।
रॉजर ने उससे आधे मजाक में कहा:
"तुम्हारे पास कल्पना शक्ति नहीं है। दया करो। मान लो अगर मुझे जहर दिया गया होता?"
मैंने उसकी पलकों का तेज़ी से झुकना और उसके आधे मुट्ठी बंद हाथों को देखा।
उसने तीखे स्वर में कहा:
"मजाक में भी ऐसी बातें मत कहो।"

"कोई बात नहीं जान, हम जल्द ही इन सब से दूर हो जाएंगे।"
हम घर की ओर बढ़े। रोजर और सोफिया आगे-आगे चल रहे थे और क्लेमेंसी और मैं सबसे पीछे थे। उसने कहा:
"मुझे लगता है अब वे हमें जाने देंगे?"
मैंने पूछा, "क्या आप उतरने के लिए इतने बेचैन हैं?"
"इससे मैं थक रहा हूँ।"
मैंने हैरानी से उसकी तरफ देखा। उसने मेरी ओर देखते हुए एक हल्की सी हताश मुस्कान दी और सिर हिलाकर जवाब दिया।
"क्या तुमने नहीं देखा, चार्ल्स, कि मैं हर पल संघर्ष कर रही हूँ? अपनी खुशी के लिए। रॉजर की खुशी के लिए। मुझे बहुत डर था कि परिवार उसे इंग्लैंड में रुकने के लिए मना लेगा। कि हम उनके बीच उलझे रहेंगे, पारिवारिक बंधनों में घुटते रहेंगे। मुझे डर था कि सोफिया उसे घर दे देगी और वह इंग्लैंड में ही रुक जाएगा क्योंकि इससे मुझे ज़्यादा आराम और सुख-सुविधाएँ मिलेंगी। रॉजर की समस्या यह है कि वह सुनता ही नहीं। उसके दिमाग में जो विचार आते हैं - और वे कभी सही नहीं होते। उसे कुछ नहीं पता। और वह इतना लियोनाइड्स है कि वह सोचता है कि एक औरत की खुशी आराम और पैसे से जुड़ी होती है। लेकिन मैं अपनी खुशी के लिए लड़ूँगी - ज़रूर लड़ूँगी। मैं रॉजर को यहाँ से ले जाऊँगी और उसे वह जीवन दूँगी जो उसे शोभा दे, जहाँ वह खुद को असफल महसूस न करे। मैं उसे अपने पास चाहती हूँ - इन सबसे दूर - अभी के अभी..."
उसने धीमी, जल्दबाजी भरी आवाज में और एक तरह की हताशा के साथ बात की, जिससे मैं चौंक गया।
मुझे इस बात का एहसास नहीं था कि वह कितनी परेशान थी। मुझे इस बात का भी एहसास नहीं था कि रोजर के लिए उसके मन में कितनी तीव्र और अधिकार जताने वाली भावनाएँ थीं।
इससे मुझे एडिथ डी हैविलैंड का वह विचित्र कथन याद आ गया। उन्होंने "मूर्तिपूजा की सीमा" वाली पंक्ति को एक विशेष स्वर में उद्धृत किया था। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या वह क्लेमेंसी के बारे में सोच रही थीं।

मैंने सोचा, रॉजर अपने पिता से इतना प्यार करता था जितना वह किसी और से कभी नहीं कर सकता था, यहाँ तक कि अपनी पत्नी से भी ज़्यादा, हालाँकि वह उससे भी बहुत प्यार करता था। मुझे पहली बार एहसास हुआ कि क्लेमेंसी अपने पति को पाने के लिए कितनी बेताब थी। मैंने देखा कि रॉजर के लिए उसका प्यार ही उसका पूरा जीवन था। वह उसका बच्चा भी था, उसका पति भी और उसका प्रेमी भी।
एक कार सामने के दरवाजे पर आकर रुकी।
मैंने कहा, "हैलो। जोसेफिन वापस आ गई है।"
जोसेफिन और मैग्डा कार से बाहर निकल गईं।
जोसेफिन के सिर पर पट्टी बंधी हुई थी, लेकिन इसके अलावा वह काफी स्वस्थ दिख रही थी।
उसने तुरंत कहा:
"मैं अपनी सुनहरी मछली देखना चाहता हूँ," कहकर वह हमारी ओर और तालाब की ओर बढ़ने लगा।
"प्यारे," मैग्डा चिल्लाई, "पहले तुम अंदर आकर थोड़ी देर लेट जाओ, और शायद थोड़ा पौष्टिक सूप पी लो।"
"माँ, चिंता मत करो," जोसेफिन ने कहा। "मैं बिल्कुल ठीक हूँ, और मुझे पौष्टिक सूप बिल्कुल पसंद नहीं है।"
मैग्डा असमंजस में दिख रही थी। मुझे पता था कि जोसेफिन कुछ दिनों से अस्पताल से छुट्टी पाने के लिए पूरी तरह तैयार थी, और यह केवल टैवर्नर के इशारे की वजह से ही वह वहाँ रुकी हुई थी। जब तक उसके सभी संदिग्ध पूरी तरह सुरक्षित नहीं हो जाते, तब तक वह जोसेफिन की सुरक्षा को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता था।
मैंने मैग्डा से कहा:
मुझे लगता है ताजी हवा उसके लिए अच्छी रहेगी। मैं जाकर उस पर नजर रखूंगा।
मैंने जोसेफिन को तालाब तक पहुंचने से पहले ही पकड़ लिया।
मैंने कहा, "तुम्हारे दूर रहने के दौरान तरह-तरह की चीजें घटित होती रही हैं।"
जोसेफिन ने कोई जवाब नहीं दिया। उसने अपनी कमज़ोर नज़रों से तालाब में झाँका।
"मुझे फर्डिनेंड नजर नहीं आ रहा है," उसने कहा।
"फर्डिनेंड कौन है?"

"चार पूंछों वाला।"
"वो वाला तो काफी मजेदार है। मुझे वो चमकीला सुनहरा वाला पसंद है।"
"यह काफी आम बात है।"
मुझे वह कीड़े लगा हुआ सफेद वाला कुछ खास पसंद नहीं है।
जोसेफिन ने मुझे तिरस्कार भरी नजर से देखा।
"ये तो हद है। ये बहुत महंगे होते हैं - सुनहरी मछली से कहीं ज्यादा।"
"जोसेफिन, क्या तुम यह नहीं सुनना चाहती कि क्या-क्या हुआ है?"
"मुझे लगता है कि मुझे इसके बारे में पता है।"
"क्या आपको पता है कि एक और वसीयत मिली है और आपके दादाजी ने अपनी सारी संपत्ति सोफिया के नाम कर दी है?"
जोसेफिन ने ऊब भरे अंदाज में सिर हिलाया।
"मां ने मुझे बताया था। वैसे भी, मुझे पहले से ही पता था।"
"क्या आपका मतलब है कि आपने इसे अस्पताल में सुना?"
"नहीं, मेरा मतलब है कि मुझे पता था कि दादाजी ने अपनी सारी संपत्ति सोफिया के नाम कर दी थी। मैंने उन्हें सोफिया से ऐसा कहते हुए सुना था।"
"क्या तुम फिर से सुन रहे थे?"
"हां। मुझे सुनना अच्छा लगता है।"
"ऐसा करना शर्मनाक बात है, और याद रखिए, श्रोताओं को अपने बारे में कोई अच्छी बात सुनने को नहीं मिलती।"
जोसेफिन ने मुझे एक अजीब नजर से देखा।
"मैंने सुना कि उसने मेरे बारे में उससे क्या कहा, अगर आपका मतलब यही है।"
उन्होंने आगे कहा:
"अगर नानी मुझे दरवाजों पर छुपकर बातें सुनते हुए पकड़ लेती है तो वह बहुत गुस्सा हो जाती है। वह कहती है कि एक सभ्य महिला को ऐसा नहीं करना चाहिए।"
वह बिलकुल सही कह रही है।
"छी!" जोसेफिन ने कहा। "आजकल कोई भी महिला नहीं रही। ब्रेन ट्रस्ट में भी यही कहा जाता है। उन्होंने कहा कि यह - अप्रचलित हो गया है।" उसने शब्द का उच्चारण सावधानी से किया।

मैंने विषय बदल दिया।
मैंने कहा, "तुम इस बड़े आयोजन के लिए घर थोड़ा देर से पहुँचे हो। मुख्य निरीक्षक टैवर्नर ने ब्रेंडा और लॉरेंस को गिरफ्तार कर लिया है।"
मुझे उम्मीद थी कि युवा जासूस के रूप में जोसेफिन इस जानकारी से रोमांचित होगी, लेकिन उसने अपने चिड़चिड़े और उबाऊ अंदाज में बस यही दोहराया:
"हाँ मुझे पता है।"
"आपको पता नहीं चल सकता। यह अभी-अभी हुआ है।"
"गाड़ी सड़क पर हमारे पास से गुजरी। इंस्पेक्टर टैवर्नर और चमड़े के जूते पहने जासूस ब्रेंडा और लॉरेंस के साथ गाड़ी में थे, इसलिए मुझे पता था कि उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया होगा। मुझे उम्मीद है कि उन्होंने उन्हें उचित चेतावनी दी होगी। आखिर देनी ही पड़ती है।"
मैंने उसे आश्वस्त किया कि टैवर्नर ने शिष्टाचार का पूरी तरह से पालन किया था।
मैंने माफी मांगते हुए कहा, "मुझे उसे उन पत्रों के बारे में बताना ही पड़ा। मुझे वे टंकी के पीछे मिले थे। अगर तुम बेहोश न होते तो मैं तुम्हें ही उसे बताने देता।"
जोसेफिन का हाथ धीरे से उसके सिर पर चला गया।
"मुझे तो मर जाना चाहिए था," उसने संतुष्टि भरे लहजे में कहा। "मैंने तुमसे कहा था कि दूसरे कत्ल का समय आ गया है। उन चिट्ठियों को छिपाने के लिए टंकी बहुत ही घटिया जगह थी। एक दिन जब मैंने लॉरेंस को वहाँ से निकलते देखा, तो मुझे तुरंत शक हो गया। मतलब, वो नल, पाइप या फ्यूज जैसे काम करने वाला कोई काम का आदमी नहीं है, इसलिए मुझे पता था कि वो कुछ छिपा रहा होगा।"
"लेकिन मैंने सोचा था-" मेरी बात अधूरी रह गई क्योंकि एडिथ डी हैविलैंड की आवाज़ ने अधिकारपूर्वक पुकारा:
"जोसेफिन। जोसेफिन, तुरंत यहाँ आओ।"
जोसेफिन ने आह भरी।
"और भी हंगामा होगा," उसने कहा। "लेकिन मुझे जाना चाहिए। अगर आंटी एडिथ हैं तो जाना ही पड़ेगा।"
वह लॉन के उस पार दौड़ पड़ी। मैं उससे थोड़ा धीरे-धीरे उसके पीछे गया।

कुछ संक्षिप्त बातचीत के बाद जोसेफिन घर के अंदर चली गई। मैं एडिथ डी हैविलैंड के साथ छत पर जाकर बैठ गया।
आज सुबह वो अपनी उम्र के हिसाब से बिल्कुल सही लग रही थी। उसके चेहरे पर थकान और पीड़ा की लकीरें देखकर मैं दंग रह गया। वो थकी हुई और हारी हुई लग रही थी। उसने मेरे चेहरे पर चिंता देखी और मुस्कुराने की कोशिश की।
"उस बच्ची को इस घटना से कोई नुकसान नहीं हुआ लगता," उसने कहा। "हमें भविष्य में उसकी और भी अच्छी देखभाल करनी चाहिए। फिर भी - मुझे लगता है कि अब इसकी ज़रूरत नहीं होगी?"
उसने आह भरी और कहा:
"मुझे खुशी है कि यह सब खत्म हो गया। लेकिन क्या तमाशा था! अगर किसी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है, तो कम से कम उसमें कुछ गरिमा तो होनी चाहिए। मुझे ब्रेंडा जैसे लोगों से कोई हमदर्दी नहीं है जो बिखर जाते हैं और चीख-पुकार मचाते हैं। इन लोगों में बिल्कुल हिम्मत नहीं है। लॉरेंस ब्राउन तो मानो किसी कोने में फंसा हुआ खरगोश हो।"
मेरे मन में दया की एक अस्पष्ट भावना जागृत हुई।
मैंने कहा, "बेचारे।"
"हाँ - बेचारे। मुझे लगता है कि वह अपना ख्याल रखने में सक्षम होगी? मेरा मतलब है, सही वकील - इस तरह की चीजें।"
मुझे लगा कि यह अजीब बात है कि उन सभी को ब्रेंडा से इतनी नफरत थी, और फिर भी वे इस बात का पूरा ध्यान रखते थे कि उसे बचाव के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं मिलें।
एडिथ डी हैविलैंड ने आगे कहा:
"इसमें कितना समय लगेगा? पूरी प्रक्रिया में कितना समय लगेगा?"
मैंने कहा कि मुझे ठीक से पता नहीं है। उन पर पुलिस अदालत में आरोप लगाए जाएंगे और संभवतः उन्हें मुकदमे के लिए भेजा जाएगा। मैंने अनुमान लगाया कि इसमें तीन या चार महीने लगेंगे - और अगर दोषी पाए गए, तो अपील की जाएगी।
"क्या आपको लगता है कि उन्हें दोषी ठहराया जाएगा?" उसने पूछा।

"मुझे नहीं पता। मुझे ठीक से नहीं पता कि पुलिस के पास कितने सबूत हैं। कुछ पत्र हैं।"
"प्रेम पत्र? क्या वे प्रेमी थे?"
वे एक दूसरे से प्यार करते थे।
उसका चेहरा और भी गंभीर हो गया।
"चार्ल्स, मुझे यह बात अच्छी नहीं लग रही। मुझे ब्रेंडा पसंद नहीं है। पहले भी मैं उसे बहुत नापसंद करता था। मैंने उसके बारे में बहुत बुरी बातें कही हैं। लेकिन अब - मैं चाहता हूँ कि उसे हर संभव मौका मिले। एरिस्टाइड भी यही चाहता। मुझे लगता है कि यह मेरी ज़िम्मेदारी है कि ब्रेंडा को न्याय मिले।"
और लॉरेंस?
"ओह लॉरेंस!" उसने अधीरता से कंधे उचकाए। "पुरुषों को अपना ख्याल खुद रखना चाहिए। लेकिन अगर ऐसा हुआ तो एरिस्टाइड हमें कभी माफ नहीं करेगा..." उसने वाक्य अधूरा छोड़ दिया।
फिर उसने कहा:
"लगता है दोपहर के भोजन का समय हो गया है। हमें अंदर चलना चाहिए।"
मैंने बताया कि मैं लंदन जा रहा हूँ।
"आपकी कार में?"
"हाँ।"
"हम्म। मुझे आश्चर्य है कि क्या आप मुझे अपने साथ ले जाएंगे। मुझे लगता है कि अब हमें बिना पट्टे के घूमने की अनुमति है।"
"बिल्कुल, मैं जाऊंगी, लेकिन मुझे लगता है कि दोपहर के भोजन के बाद मैग्डा और सोफिया ऊपर जाएंगी। मेरी दो सीटों वाली गाड़ी की तुलना में आप उनके साथ ज्यादा आरामदायक महसूस करेंगी।"
"मैं उनके साथ नहीं जाना चाहता। मुझे अपने साथ ले चलो, और इसके बारे में ज्यादा कुछ मत कहो।"
मुझे आश्चर्य हुआ, लेकिन मैंने वही किया जो उसने कहा था।
शहर जाते समय हमने ज्यादा बात नहीं की। मैंने उससे पूछा कि मुझे उसे कहाँ उतारना चाहिए।

"हार्ले स्ट्रीट।"
मुझे थोड़ी सी आशंका हुई, लेकिन मैंने कुछ कहना नहीं चाहा। उसने आगे कहा:
"नहीं, अभी बहुत जल्दी है। मुझे डेबेनहैम्स पर छोड़ दो। मैं वहाँ दोपहर का भोजन कर लूँगा और उसके बाद हार्ले स्ट्रीट जाऊँगा।"
"मुझे उम्मीद है-" मैंने कहना शुरू किया और रुक गया।
"इसीलिए मैं मैग्डा के साथ ऊपर नहीं जाना चाहता था। वह बातों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करती है। बहुत हंगामा करती है।"
मैंने कहा, "मुझे बहुत खेद है।"
"चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं है। मैंने एक अच्छा जीवन जिया है। बहुत अच्छा जीवन।" उसने अचानक मुस्कुराते हुए कहा।
और यह अभी खत्म नहीं हुआ है।

अध्याय 23

मैंने कुछ दिनों से अपने पिता को नहीं देखा था। मैंने उन्हें लियोनाइड्स मामले के अलावा अन्य कामों में व्यस्त पाया, और मैं टैवर्नर की तलाश में निकल पड़ा।
टैवर्नर कुछ फुर्सत के पलों का आनंद ले रहा था और मेरे साथ आकर एक ड्रिंक पीने को तैयार हो गया। मैंने उसे मामला सुलझाने पर बधाई दी और उसने मेरी बधाई स्वीकार कर ली, लेकिन उसके चेहरे पर खुशी का कोई भाव नहीं था।
"खैर, अब यह सब खत्म हो गया है," उन्होंने कहा। "हमारे पास सबूत है। कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि हमारे पास सबूत है।"
"क्या आपको लगता है कि आपको दोष सिद्ध हो जाएगा?"
"कहना असंभव है। सबूत परिस्थितिजन्य हैं - हत्या के मामले में लगभग हमेशा ऐसा ही होता है - यह स्वाभाविक है। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि वे जूरी पर क्या प्रभाव डालते हैं।"
ये पत्र कितनी दूर तक जाते हैं?
"पहली नज़र में, चार्ल्स, ये काफी निंदनीय लगते हैं। इनमें उनके पति की मृत्यु के बाद उनके साथ बिताए जीवन के संदर्भ हैं। ऐसे वाक्यांश जैसे - 'अब ज्यादा समय नहीं बचा है।'" ध्यान रहे, बचाव पक्ष के वकील इसे दूसरे तरीके से पेश करने की कोशिश करेंगे - पति इतना बूढ़ा था कि स्वाभाविक रूप से उसकी मृत्यु की उम्मीद की जा सकती थी। ज़हर देने का कोई ज़िक्र नहीं है - लिखित या लिखित रूप में नहीं - लेकिन कुछ ऐसे अंश हैं जिनसे ऐसा संकेत मिलता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि हमें कौन सा जज मिलता है। अगर बूढ़ा कैरबेरी है, तो वह शुरू से अंत तक उनके खिलाफ़ रहेगा। वह हमेशा अवैध प्रेम के मामले में बहुत ही सख्त रवैया अपनाता है। मुझे लगता है कि बचाव पक्ष के लिए ईगल्स या हम्फ्री केर होंगे - हम्फ्री ऐसे मामलों में शानदार हैं - लेकिन उन्हें अपने काम में मदद के लिए किसी वीर युद्ध रिकॉर्ड या उस तरह की कोई चीज़ पसंद आती है। एक विवेकशील आपत्तिकर्ता उनके काम में बाधा डालेगा। सवाल यह होगा कि क्या जूरी उन्हें पसंद करेगी? जूरी के बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। चार्ल्स, आप जानते हैं, वे दोनों वास्तव में सहानुभूति के पात्र नहीं हैं। वह एक खूबसूरत महिला है जिसने पैसे के लिए एक बहुत बूढ़े आदमी से शादी की, और ब्राउन एक विक्षिप्त विवेकशील आपत्तिकर्ता है। अपराध इतना जाना-पहचाना है

- इतना पैटर्न के अनुसार है कि आप विश्वास नहीं कर सकते कि उन्होंने यह नहीं किया। बेशक, उन्होंने वे यह तय कर सकते हैं कि उसने यह किया और उसे इसके बारे में कुछ पता नहीं था - या इसके विपरीत कि उसने यह किया और उसे इसके बारे में पता नहीं था - या वे यह तय कर सकते हैं कि वे दोनों इसमें एक साथ शामिल थे।"
"और आप खुद क्या सोचते हैं?" मैंने पूछा।
उसने भावहीन चेहरे से मेरी ओर देखा।
"मुझे कुछ नहीं लगता। मैंने तथ्य सौंप दिए थे और वे डी.पी.पी. के पास गए और उन्होंने फैसला किया कि मामला बनता है। बस इतना ही। मैंने अपना कर्तव्य पूरा कर दिया है और मैं इससे बाहर हूँ। तो अब आपको पता चल गया है, चार्ल्स।"
लेकिन मुझे पता नहीं था। मैंने देखा कि किसी कारणवश टैवर्नर नाखुश था।
तीन दिन बाद ही मैंने अपने पिता से इस मामले के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने खुद कभी मुझसे इस बारे में ज़िक्र नहीं किया था। हमारे बीच एक तरह की दूरी थी - और मुझे लगता था कि मैं इसका कारण जानती हूँ। लेकिन मुझे उस दूरी को तोड़ना ही था।
मैंने कहा, "हमें इस मामले को सुलझाना ही होगा। टैवर्नर इस बात से संतुष्ट नहीं है कि ये दोनों ने किया है - और आप भी संतुष्ट नहीं हैं।"
मेरे पिता ने सिर हिलाया। उन्होंने वही कहा जो टैवर्नर ने कहा था:
"यह हमारे बस में नहीं है। इस मामले में जवाब देना होगा। इसमें कोई शक नहीं है।"
"लेकिन आपको नहीं लगता - टैवर्नर को नहीं लगता - कि वे दोषी हैं?"
"इसका फैसला जूरी को करना है।"
मैंने कहा, "भगवान के लिए, मुझे तकनीकी शब्दों से परेशान मत करो। आप दोनों व्यक्तिगत रूप से क्या सोचते हैं?"
"चार्ल्स, मेरी निजी राय भी आपकी राय से बेहतर नहीं है।"
"हां, ऐसा ही है। आपके पास अधिक अनुभव है।"
"तो मैं आपसे सच कहूँ तो, मुझे बस - पता नहीं!"
"क्या वे दोषी हो सकते हैं?"
"ओह हां।"
"लेकिन आपको यकीन नहीं है कि वे हैं?"

मेरे पिता ने अपने कंधे उचका दिए।
"कोई कैसे सुनिश्चित हो सकता है?"
"मुझसे बहस मत करो, पिताजी। आप पहले भी कई बार पूरी तरह आश्वस्त रहे हैं, है ना? बिलकुल आश्वस्त? आपके मन में ज़रा भी संदेह नहीं था?"
"कभी-कभी, हाँ। हमेशा नहीं।"
"काश इस बार आपको यकीन हो जाए।"
"मैं भी।"
हम चुप थे। मैं उन दो आकृतियों के बारे में सोच रहा था जो शाम के धुंधलके में बगीचे से आती हुई दिखाई दीं। अकेली, डरी हुई और भयभीत। वे शुरू से ही डरी हुई थीं। क्या यह उनके दोषी अंतरात्मा का संकेत नहीं था?
लेकिन मैंने खुद से जवाब दिया: "ज़रूरी नहीं।"
ब्रेन्डा और लॉरेंस दोनों ही जीवन से भयभीत थे - उन्हें खुद पर, खतरे और हार से बचने की अपनी क्षमता पर कोई भरोसा नहीं था, और वे अवैध प्रेम के उस चक्र को बहुत स्पष्ट रूप से देख सकते थे जो हत्या की ओर ले जाता था और जिसमें वे किसी भी क्षण फंस सकते थे।
मेरे पिता बोले, और उनकी आवाज गंभीर और दयालु थी:
"चलो, चार्ल्स," उसने कहा, "सच का सामना करते हैं। तुम्हारे मन में अब भी यही बात बैठी हुई है, है ना, कि लियोनाइड्स परिवार का ही कोई सदस्य असली अपराधी है?"
"वास्तव में नहीं। मुझे तो बस आश्चर्य होता है-"
"आप ऐसा सोचते हैं। आप गलत हो सकते हैं, लेकिन आप ऐसा सोचते हैं।"
"हां," मैंने कहा।
"क्यों?"
"क्योंकि-" मैंने इस बारे में सोचा, स्पष्ट रूप से देखने की कोशिश करते हुए - अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करते हुए - "क्योंकि" (हाँ, यही था) "क्योंकि वे खुद ऐसा सोचते हैं।"
"क्या वे खुद ऐसा सोचते हैं? यह दिलचस्प है। यह बहुत दिलचस्प है। क्या आपका मतलब यह है कि वे सभी एक-दूसरे पर शक करते हैं, या वास्तव में वे जानते हैं कि यह किसने किया है?"

मैंने कहा, "मुझे पक्का नहीं पता। सब कुछ बहुत अस्पष्ट और उलझा हुआ है। मुझे लगता है कि कुल मिलाकर वे अपने ज्ञान को छिपाने की कोशिश करते हैं।" मेरे पिता ने सिर हिलाया।
"रोजर नहीं," मैंने कहा। "रोजर को पूरा यकीन है कि यह ब्रेंडा ने किया है और वह दिल से चाहता है कि उसे फांसी दी जाए। रोजर के साथ रहना सुकून देता है क्योंकि वह सरल और सकारात्मक है, और उसके मन में कोई शंका नहीं है।"
"लेकिन बाकी लोग माफी मांग रहे हैं, वे बेचैन हैं - वे मुझसे आग्रह करते हैं कि मैं यह सुनिश्चित करूं कि ब्रेंडा के पास सबसे अच्छा बचाव हो - कि उसे हर संभव फायदा दिया जाए - क्यों?"
मेरे पिता ने उत्तर दिया:
"क्योंकि वे वास्तव में, अपने दिल से, यह नहीं मानते कि वह दोषी है... हाँ, यह बात सही है।"
फिर उसने धीमी आवाज़ में पूछा:
"यह किसने किया होगा? क्या आपने उन सभी से बात की है? सबसे अच्छा अनुमान किसका है?"
मैंने कहा, "मुझे नहीं पता। और यह बात मुझे बहुत परेशान कर रही है। इनमें से कोई भी आपके 'हत्यारे के खाके' से मेल नहीं खाता, फिर भी मुझे लगता है - मुझे सच में लगता है - कि इनमें से कोई एक हत्यारा है।"
"सोफिया?"
नहीं। हे भगवान, बिल्कुल नहीं!
"यह संभावना तुम्हारे दिमाग में है, चार्ल्स - हाँ, है, इसे नकारो मत। और भी अधिक प्रबल इसलिए है क्योंकि तुम इसे स्वीकार नहीं कर रहे हो। बाकी लोगों का क्या? फिलिप का क्या?"
"केवल सबसे अकल्पनीय मकसद के लिए।"
"उद्देश्य अविश्वसनीय हो सकते हैं - या वे बेहद मामूली भी हो सकते हैं। उसका उद्देश्य क्या है?"
"वह रॉजर से बेहद ईर्ष्या करता है - हमेशा से, पूरी ज़िंदगी से। रॉजर के प्रति उसके पिता के लगाव ने फिलिप को अंदर से तोड़ दिया। रॉजर लगभग टूट ही गया था, तभी

बूढ़े आदमी को इसकी खबर मिली। उन्होंने रॉजर को फिर से अपने पैरों पर खड़ा करने का वादा किया। मान लीजिए कि फिलिप को यह पता चल जाता। अगर उस रात बूढ़े आदमी की मृत्यु हो जाती, तो रॉजर को कोई सहायता नहीं मिलती। रॉजर बेसहारा हो जाता। ओह! मुझे पता है कि यह बेतुका है।"
"अरे नहीं, ऐसा नहीं है। यह असामान्य है, लेकिन ऐसा होता है। यह मानवीय स्वभाव है। मैग्डा का क्या हुआ?"
"वह थोड़ी बचकानी है। वह छोटी-छोटी बातों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करती है। लेकिन अगर उसने अचानक जोसेफिन को स्विट्जरलैंड भेजने की ज़िद न की होती, तो मैं उसके शामिल होने के बारे में कभी दोबारा नहीं सोचती। मुझे ऐसा लग रहा था कि वह किसी ऐसी बात से डर रही है जो जोसेफिन जानती है या कह सकती है..."
"और फिर जोसेफिन के सिर पर चोट लगी?"
"खैर, वह उसकी माँ तो नहीं हो सकती!"
"क्यों नहीं?"
"लेकिन, पिताजी, एक माँ ऐसा नहीं करेगी-"
"चार्ल्स, चार्ल्स, क्या तुम कभी पुलिस की खबरें नहीं पढ़ते? बार-बार ऐसा होता है कि एक माँ अपने किसी एक बच्चे को नापसंद करने लगती है। सिर्फ़ एक को - बाकी बच्चों से वह बहुत प्यार करती है। कोई न कोई जुड़ाव होता है, कोई न कोई वजह होती है, लेकिन अक्सर उसे समझना मुश्किल होता है। लेकिन जब वह वजह होती है, तो वह एक तर्कहीन नफ़रत होती है, और बहुत प्रबल होती है।"
"उसने जोसेफिन को एक बदलू बच्ची कहा था," मैंने अनिच्छा से स्वीकार किया।
"क्या बच्चे को बुरा लगा?"
"मुझे ऐसा नहीं लगता।"
"और कौन है वहाँ? रॉजर?"
"रोजर ने अपने पिता की हत्या नहीं की। मुझे इस बात का पूरा यकीन है।"
"तो फिर रोजर को बाहर निकाल दो। उसकी पत्नी - उसका नाम क्या है - क्लेमेंसी?"
"हां," मैंने कहा। "अगर उसने बूढ़े लियोनिडेस को मारा था तो उसके पीछे कोई बहुत ही अजीब वजह थी।"

मैंने उसे क्लेमेंसी के साथ हुई अपनी बातचीत के बारे में बताया। मैंने कहा कि मुझे लगता है कि रॉजर को इंग्लैंड से दूर ले जाने की अपनी ज़िद में उसने जानबूझकर उस बूढ़े आदमी को ज़हर दे दिया होगा।
"उसने रॉजर को उसके पिता को बिना बताए जाने के लिए मना लिया था। फिर बूढ़े आदमी को पता चल गया। वह एसोसिएटेड कैटरिंग का समर्थन करने जा रहा था। क्लेमेंसी की सारी उम्मीदें और योजनाएँ धराशायी हो गईं। और वह सचमुच रॉजर की बहुत परवाह करती है - अंधभक्ति से भी कहीं बढ़कर।"
"आप एडिथ डी हैविलैंड की कही बात दोहरा रहे हैं!"
"हाँ। और एडिथ भी उनमें से एक है जिसके बारे में मुझे लगता है कि उसने ऐसा किया होगा। लेकिन मुझे नहीं पता क्यों। मैं बस यही मान सकती हूँ कि उसने किसी उचित और पर्याप्त कारण से कानून अपने हाथ में लिया होगा। वह इसी तरह की इंसान है।"
"और वह इस बात को लेकर भी बहुत चिंतित थी कि ब्रेंडा का पर्याप्त बचाव किया जाए?"
"हां। मुझे लगता है कि यह अंतरात्मा की आवाज़ हो सकती है। मुझे एक पल के लिए भी नहीं लगता कि अगर उसने ऐसा किया भी, तो उसका इरादा उन्हें इस अपराध का दोषी ठहराने का था।"
"शायद नहीं। लेकिन क्या वह बच्ची जोसेफिन को बेहोश कर देगी?"
"नहीं," मैंने धीरे से कहा, "मुझे इस पर विश्वास नहीं हो रहा। इससे मुझे याद आया कि जोसेफिन ने मुझसे कुछ कहा था जो मेरे दिमाग में खटक रहा है, और मुझे याद नहीं आ रहा कि वह क्या था। मैं उसे भूल गया हूँ। लेकिन वह कुछ ऐसा है जो यहाँ ठीक नहीं बैठता। काश मुझे याद आ जाता -"
"कोई बात नहीं। यह वापस आ जाएगा। क्या आपके मन में और कुछ है या कोई और व्यक्ति है?"
"जी हां," मैंने कहा। "बिल्कुल। आप शिशु पक्षाघात के बारे में कितना जानते हैं? मेरा मतलब है, चरित्र पर इसके दुष्प्रभावों के बारे में?"
"यूस्टेस?"
"हाँ। जितना ज़्यादा मैं इसके बारे में सोचती हूँ, उतना ही मुझे लगता है कि यूस्टेस इस भूमिका के लिए बिल्कुल सही हो सकता है। अपने दादा के प्रति उसकी नापसंदगी

और नाराज़गी। उसका विचित्र स्वभाव और चिड़चिड़ापन। वह सामान्य नहीं है। परिवार में वही इकलौता सदस्य है जो जोसेफिन को बेरहमी से पीट सकता है अगर उसे उसके बारे में कुछ पता चल जाए - और उसे पता होने की पूरी संभावना है। वह बच्ची सब कुछ जानती है। वह सब कुछ एक छोटी सी किताब में लिखती है।"
मैं रुक गया।
"हे भगवान!" मैंने कहा। "मैं कितना मूर्ख हूँ।"
"क्या बात क्या बात?"
"अब मुझे समझ आ गया कि क्या गड़बड़ थी। टैवर्नर और मैंने यही सोचा था कि जोसेफिन के कमरे की तोड़फोड़ और उस बेचैन खोज का मकसद उन चिट्ठियों को ढूंढना था। मुझे लगा था कि उसने उन्हें हासिल कर लिया है और उन्हें पानी की टंकी वाले कमरे में छिपा दिया है। लेकिन जब वह उस दिन मुझसे बात कर रही थी, तो उसने साफ-साफ बता दिया कि लॉरेंस ने ही उन्हें वहां छिपाया था। उसने उसे पानी की टंकी वाले कमरे से बाहर आते देखा और इधर-उधर छानबीन करते हुए चिट्ठियां ढूंढ लीं। फिर, ज़ाहिर है, उसने उन्हें पढ़ा होगा। वह पढ़ती ही! लेकिन उसने उन्हें वहीं छोड़ दिया।"
"कुंआ?"
"क्या तुम्हें समझ नहीं आ रहा? ये वो चिट्ठियाँ नहीं हो सकतीं जिन्हें कोई जोसेफिन के कमरे में ढूंढ रहा था। ये ज़रूर कुछ और ही होगा।"
और वो कुछ -
"क्या वो छोटी काली किताब, जिसमें वो अपनी 'जासूसी' लिखती है, उसी की तलाश में कोई था? मुझे लगता है कि जिसने भी तलाश की, उसे वो नहीं मिली। मुझे लगता है कि जोसेफिन के पास वो है। लेकिन अगर ऐसा है तो-"
मैं आधा उठा।
"अगर ऐसा है," मेरे पिता ने कहा, "तो भी वह सुरक्षित नहीं है। क्या तुम यही कहने वाले थे?"
"हां। जब तक वह स्विट्जरलैंड के लिए रवाना नहीं हो जाती, तब तक वह खतरे से बाहर नहीं होगी। वे उसे वहां भेजने की योजना बना रहे हैं, आप जानते ही हैं।"
"क्या वह जाना चाहती है?"

मैंने विचार किया।
मुझे नहीं लगता कि वह ऐसा करती है।
"तो शायद वह गई ही नहीं होगी," मेरे पिता ने रूखेपन से कहा। "लेकिन मुझे लगता है कि खतरे के बारे में तुम्हारी बात सही है। तुम्हें वहां जाना चाहिए।"
"यूस्टेस?" मैंने हताशा से पुकारा। "क्षमा?"
मेरे पिता ने धीरे से कहा:
"मेरे विचार से तो तथ्य स्पष्ट रूप से एक ही दिशा की ओर इशारा करते हैं... मुझे आश्चर्य है कि आप स्वयं इसे क्यों नहीं देख पा रहे हैं। मैं..."
ग्लोवर ने दरवाजा खोला।
"माफ़ कीजिए, श्रीमान चार्ल्स, फ़ोन आ रहा है। मैं स्विनली से मिस लियोनाइड्स बोल रही हूँ। यह बहुत ज़रूरी है।"
यह एक भयानक पुनरावृत्ति जैसा लग रहा था। क्या जोसेफिन फिर से शिकार बन गई थी? और क्या इस बार हत्यारे ने कोई गलती नहीं की थी?
मैं जल्दी से टेलीफोन की ओर भागा।
"सोफिया? चार्ल्स बोल रहा हूँ।"
सोफिया की आवाज में एक तरह की कठोर हताशा झलक रही थी।
"चार्ल्स, अभी सब खत्म नहीं हुआ है। हत्यारा अभी भी यहीं है।"
"तुम्हारा मतलब क्या है? क्या गड़बड़ है? क्या ये जोसेफिन की वजह से है?"
"यह जोसेफिन नहीं है। यह नैनी है।"
"नैनी?"
"हां, कुछ कोको था - जोसेफिन का कोको, उसने उसे नहीं पिया। उसने उसे मेज पर ही छोड़ दिया था। नानी को लगा कि इसे बर्बाद करना ठीक नहीं होगा। इसलिए उसने उसे पी लिया।"
"बेचारी नैनी। क्या वह बहुत बुरी है?"
सोफिया की आवाज भर्रा गई।
"ओह, चार्ल्स, वह मर चुकी है।"

अध्याय 24

हम फिर से उस बुरे सपने में फंस गए थे।

लंदन से निकलते समय टैवर्नर के साथ मुझे यही ख्याल आया। यह हमारी पिछली यात्रा की पुनरावृत्ति थी।

बीच-बीच में टैवर्नर गालियां देता था।

जहां तक मेरी बात है, मैं समय-समय पर मूर्खतापूर्ण और निरर्थक तरीके से ये बातें दोहराता रहता था:

"तो ये ब्रेंडा और लॉरेंस नहीं थे। ये ब्रेंडा और लॉरेंस नहीं थे।"

क्या मैंने कभी सचमुच ऐसा सोचा था? मुझे ऐसा सोचकर बहुत खुशी हुई थी। अन्य, अधिक भयावह संभावनाओं से बच निकलने पर मुझे बहुत खुशी हुई थी...

वे एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए थे। उन्होंने एक-दूसरे को भावुक और रोमांटिक चिट्ठियाँ लिखी थीं। वे इस उम्मीद में डूबे हुए थे कि ब्रेंडा के बूढ़े पति की जल्द ही शांतिपूर्वक मृत्यु हो जाए - लेकिन मुझे सच में आश्चर्य होता था कि क्या वे वास्तव में उनकी मृत्यु चाहते भी थे। मुझे ऐसा लगता था कि एक दुखी प्रेम संबंध की निराशाएँ और लालसाएँ उन्हें सामान्य वैवाहिक जीवन से कहीं अधिक अच्छी लगती थीं। मुझे नहीं लगता था कि ब्रेंडा वास्तव में भावुक थी। वह बहुत ही क्षीण और उदासीन थी। वह रोमांस के लिए तरसती थी। और मुझे लगता था कि लॉरेंस भी उस तरह का व्यक्ति था जो शारीरिक सुखों की बजाय निराशा और सुख के अस्पष्ट भविष्य के सपनों में आनंद लेता था।

वे एक जाल में फंस गए थे और डर के मारे उन्हें बाहर निकलने का रास्ता नहीं सूझा। लॉरेंस ने अपनी अविश्वसनीय मूर्खता से ब्रेंडा के पत्रों को नष्ट तक नहीं किया था। संभवतः ब्रेंडा ने ही उसके पत्र नष्ट किए थे, क्योंकि वे मिले ही नहीं थे। और कपड़े धोने के कमरे के दरवाजे पर संगमरमर का डोर स्टॉपर लॉरेंस ने नहीं लगाया था।

वह कोई और था जिसका चेहरा अभी भी मास्क के पीछे छिपा हुआ था।

हम दरवाजे तक गाड़ी लेकर पहुंचे। टैवर्नर गाड़ी से उतरे और मैं उनके पीछे-पीछे गया। हॉल में सादे कपड़ों में एक आदमी खड़ा था जिसे मैं नहीं जानता था। उसने टैवर्नर को सलाम किया और टैवर्नर उसे एक तरफ ले गए।

हॉल में रखे सामान के ढेर पर मेरी नज़र पड़ी। उस पर लेबल लगा हुआ था और वह प्रस्थान के लिए तैयार था। जैसे ही मैंने उसे देखा, क्लेमेंसी सीढ़ियों से नीचे उतरी और नीचे खुले दरवाजे से अंदर चली गई। उसने वही लाल रंग की पोशाक पहनी हुई थी, जिसके ऊपर ट्वीड का कोट और लाल रंग की फेल्ट की टोपी थी।
"तुम्हारे पास अलविदा कहने का समय है, चार्ल्स," उसने कहा।
"तुम जा रहे हो?"
हम आज रात लंदन जा रहे हैं। हमारी फ्लाइट कल सुबह जल्दी रवाना होगी।
वह शांत थी और मुस्कुरा रही थी, लेकिन मुझे लगा कि उसकी आंखें चौकस थीं।
"लेकिन आप अभी तो नहीं जा सकते?"
"क्यों नहीं?" उसकी आवाज़ कठोर थी।
"इस मृत्यु के साथ-"
"नैनी की मौत से हमारा कोई लेना-देना नहीं है।"
"शायद नहीं। लेकिन फिर भी-"
"आप 'शायद नहीं' क्यों कह रहे हैं? इसका हमसे कोई लेना-देना नहीं है। रॉजर और मैं ऊपर सामान पैक करने में लगे हुए थे। जब तक कोको हॉल की मेज पर रखा रहा, हम बिल्कुल भी नीचे नहीं आए।"
"क्या आप इसे साबित कर सकते हैं?"
मैं रॉजर की ओर से जवाब दे सकता हूँ। और रॉजर मेरी ओर से जवाब दे सकता है।
"इससे ज्यादा कुछ नहीं... याद रखो, तुम पति-पत्नी हो।"
उसका गुस्सा भड़क उठा।
"तुम तो बिलकुल ही असंभव हो, चार्ल्स! रोजर और मैं जा रहे हैं - अपनी मनमर्जी से जीने के लिए। भला हम उस भली-भांति भली-भांति भली बूढ़ी औरत को जहर क्यों देना चाहेंगे जिसने कभी हमारा कोई नुकसान नहीं किया?"
"हो सकता है कि आपका इरादा उसे जहर देने का न रहा हो।"
"बच्चे को जहर देने की संभावना तो और भी कम है।"
"यह तो काफी हद तक बच्चे पर निर्भर करता है, है ना?"
"आपका क्या मतलब है?"

"जोसेफिन कोई साधारण बच्ची नहीं है। वह लोगों के बारे में काफी कुछ जानती है। वह-"
मैंने अपनी बात अधूरी छोड़ दी। जोसेफिन ड्राइंग रूम की ओर जाने वाले दरवाजे से बाहर निकली। वह हमेशा की तरह सेब खा रही थी, और उसके गोल गुलाबी रंग के ऊपर उसकी आँखों में एक प्रकार का भयावह आनंद झलक रहा था।
"नानी को जहर दिया गया है," उसने कहा। "बिल्कुल दादाजी की तरह। यह बहुत ही रोमांचक है, है ना?"
मैंने कड़े स्वर में पूछा, "क्या तुम्हें इस बात का ज़रा भी दुख नहीं है? तुम उसे पसंद करते थे, है ना?"
"खास तौर पर नहीं। वह हमेशा किसी न किसी बात पर मुझे डांटती रहती थी। वह बहुत ज्यादा नखरे करती थी।"
"जोसेफिन, क्या तुम किसी को पसंद करती हो?" क्लेमेंसी ने पूछा।
जोसेफिन ने अपनी भयानक निगाहें क्लेमेंसी की ओर घुमाईं।
"मैं आंटी एडिथ से बहुत प्यार करती हूँ," उसने कहा। "मैं आंटी एडिथ से बहुत प्यार करती हूँ। और मैं यूस्टेस से भी प्यार कर सकती हूँ, लेकिन वह हमेशा मेरे साथ बहुत बुरा बर्ताव करता है और यह जानने में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं होगी कि यह सब किसने किया।"
मैंने कहा, "जोसेफिन, बेहतर होगा कि तुम छुप-छुपकर बातें जानना बंद कर दो। यह सुरक्षित नहीं है।"
जोसेफिन ने कहा, "मुझे और कुछ जानने की जरूरत नहीं है। मुझे पता है।"
एक पल के लिए सन्नाटा छा गया। जोसेफिन की गंभीर और स्थिर आँखें क्लेमेंसी पर टिकी हुई थीं। तभी एक लंबी आह जैसी आवाज़ मेरे कानों में पड़ी। मैं तेज़ी से मुड़ी। एडिथ डी हैविलैंड सीढ़ियों से आधी दूर खड़ी थीं - लेकिन मुझे नहीं लगा कि आह उन्होंने भरी थी। आवाज़ उस दरवाज़े के पीछे से आई थी जिससे जोसेफिन अभी-अभी अंदर आई थीं।
मैं तेज़ी से उसके पास गया और उसे खोल दिया। अंदर कोई नहीं था। फिर भी मैं बहुत परेशान हो गया। कोई उस दरवाजे के ठीक अंदर खड़ा था और उसने जोसेफिन की बातें सुन ली थीं। मैं वापस गया और जोसेफिन का हाथ पकड़ लिया।

वह अपना सेब खा रही थी और क्लेमेंसी को घूर रही थी। मुझे लगा कि उसकी गंभीरता के पीछे एक तरह की द्वेषपूर्ण संतुष्टि छिपी हुई है।
"चलो, जोसेफिन," मैंने कहा। "हम थोड़ी बात करने जा रहे हैं।"
मुझे लगता है कि जोसेफिन विरोध कर सकती थी, लेकिन मैं कोई बकवास बर्दाश्त नहीं कर सकती थी। मैंने उसे जबरदस्ती घर के उसके हिस्से में ले गई। वहाँ एक छोटा सा खाली कमरा था जहाँ हम निश्चिंत होकर बैठ सकते थे कि कोई हमें परेशान नहीं करेगा। मैं उसे वहाँ ले गई, दरवाजा मजबूती से बंद किया और उसे एक कुर्सी पर बिठा दिया। मैंने एक और कुर्सी ली और उसे आगे खींच लिया ताकि मैं उसके सामने बैठ सकूँ।
मैंने कहा, "अब, जोसेफिन, हमारा आमना-सामना होने वाला है। तुम्हें वास्तव में क्या पता है?"
"बहुत सी बातें।"
"मुझे इसमें कोई शक नहीं है। तुम्हारा दिमाग शायद प्रासंगिक और अप्रासंगिक जानकारियों से भरा हुआ है। लेकिन तुम मेरा मतलब अच्छी तरह समझते हो, है ना?"
"बिल्कुल, मैं करता हूँ। मैं बेवकूफ नहीं हूँ।"
मुझे नहीं पता था कि वह अपमानजनक टिप्पणी मेरे लिए थी या पुलिस के लिए, लेकिन मैंने उस पर ध्यान नहीं दिया और आगे बढ़ गया:
"तुम्हें पता है किसने तुम्हारे कोको में कुछ मिलाया था?"
जोसेफिन ने सिर हिलाया।
"क्या तुम्हें पता है तुम्हारे दादा को किसने जहर दिया था?"
जोसेफिन ने फिर से सिर हिलाया।
और तुम्हारे सिर पर किसने मारा?
जोसेफिन ने फिर सिर हिलाया।
"फिर आपको अपने ज्ञान के आधार पर मुझे बताना होगा। आपको मुझे इसके बारे में सब कुछ बताना होगा - अभी।"
"नहीं।"
"आपको ऐसा करना ही होगा। आपके पास जो भी जानकारी है या आप जो भी जानकारी जुटाते हैं, वह सब पुलिस को देनी होगी।"

"मैं पुलिस को कुछ नहीं बताऊँगी। वे बेवकूफ हैं। उन्हें लगा कि ब्रेंडा ने या लॉरेंस ने ऐसा किया है। मैं इतनी बेवकूफ नहीं थी। मुझे अच्छी तरह पता था कि उन्होंने ऐसा नहीं किया है। मुझे शुरू से ही शक था कि यह किसने किया है, और फिर मैंने एक तरह का परीक्षण किया - और अब मुझे पता है कि मेरा शक सही था।"
उसने विजयी भाव से अपना भाषण समाप्त किया।
मैंने धैर्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और फिर से शुरुआत की।
"सुनो, जोसेफिन, मुझे लगता है तुम बहुत होशियार हो -" जोसेफिन संतुष्ट दिखी।
"लेकिन अगर तुम ज़िंदा ही नहीं रहोगी तो तुम्हारी होशियारी का कोई फायदा नहीं। क्या तुम्हें समझ नहीं आ रहा, छोटी सी मूर्ख, कि जब तक तुम अपने राज़ इस तरह छिपाकर रखोगी, तुम खतरे में रहोगी?"
जोसेफिन ने सहमति में सिर हिलाया।
"बेशक मैं हूँ।"
"तुम पहले ही दो बार बाल-बाल बच चुके हो। एक बार तो तुम्हारी जान बाल-बाल बची। दूसरी बार किसी और की जान चली गई। क्या तुम्हें समझ नहीं आ रहा कि अगर तुम घर में अकड़कर घूमते रहोगे और जोर-जोर से चिल्लाते रहोगे कि तुम्हें कातिल के बारे में पता है, तो और भी हमले होंगे - और या तो तुम मरोगे या कोई और मरेगा?"
"कुछ किताबों में एक के बाद एक व्यक्ति की हत्या होती जाती है," जोसेफिन ने मुझे बड़े उत्साह से बताया। "अंत में आप हत्यारे को पहचान लेते हैं क्योंकि वही लगभग एकमात्र जीवित व्यक्ति बचता है।"
"यह कोई जासूसी कहानी नहीं है। यह 'थ्री गेबल्स, स्विनली डीन' की कहानी है, और तुम एक नासमझ छोटी बच्ची हो जिसने अपनी उम्र से ज़्यादा पढ़ लिया है। अगर मुझे तुम्हें तब तक हिलाना पड़े जब तक तुम्हारे दांत बजने न लगें, तब भी मैं तुमसे वह सब कुछ उगलवा लूंगी जो तुम जानती हो।"
मैं हमेशा आपको कुछ ऐसा बता सकता था जो सच नहीं था।
"तुम कर सकते हो, लेकिन करोगे नहीं। वैसे भी तुम किस बात का इंतजार कर रहे हो?"

"तुम नहीं समझते," जोसेफिन ने कहा। "शायद मैं कभी बता ही न पाऊं। देखो, मुझे शायद वह व्यक्ति पसंद है।"
वह कुछ देर रुकी, मानो इस बात को समझने का समय दे रही हो।
"और अगर मैं बताऊंगी," उसने आगे कहा, "तो मैं इसे ठीक से करूंगी। मैं सबको अपने आसपास बिठाऊंगी, और फिर मैं सारे सुरागों के साथ सब कुछ समझाऊंगी, और फिर मैं एकदम अचानक कहूंगी:
और यह तुम ही थे...
जैसे ही एडिथ डी हैविलैंड कमरे में दाखिल हुईं, उन्होंने नाटकीय अंदाज में अपनी तर्जनी उंगली बाहर निकाली।
"जोसेफिन, उस गुठली को कूड़ेदान में डाल दो," एडिथ ने कहा। "क्या तुम्हारे पास रुमाल है? तुम्हारी उंगलियां चिपचिपी हैं। मैं तुम्हें कार में बाहर ले जा रही हूँ।" उसकी नज़रें मुझसे मिलीं और उसने अर्थपूर्ण लहजे में कहा: "अगले एक घंटे तक वह यहाँ से बाहर ज़्यादा सुरक्षित रहेगी।" जब जोसेफिन ने विद्रोही भाव दिखाया, तो एडिथ ने आगे कहा: "हम लॉन्गब्रिज जाकर आइसक्रीम सोडा पिएंगे।"
जोसेफिन की आंखें चमक उठीं और उसने कहा: "दो।"
“शायद,” एडिथ ने कहा। “अब जाओ और अपनी टोपी, कोट और गहरे नीले रंग का स्कार्फ पहन लो। आज बाहर बहुत ठंड है। चार्ल्स, जब वो ये सब लेने जाए तो तुम उसके साथ जाओ। उसे अकेला मत छोड़ना। मुझे बस कुछ चिट्ठियाँ लिखनी हैं।”
वह मेज पर बैठ गई, और मैंने जोसेफिन को कमरे से बाहर निकाल दिया। एडिथ की चेतावनी के बिना भी, मैं जोसेफिन से जोंक की तरह चिपकी रहती।
मुझे पूरा यकीन था कि बच्चे को बहुत करीब ही खतरा मंडरा रहा था।
जैसे ही मैंने जोसेफिन के शौचालय की देखरेख पूरी की, सोफिया कमरे में आई। मुझे देखकर वह आश्चर्यचकित सी लग रही थी।
"चार्ल्स, तुम अचानक आया बन गए? मुझे तो पता ही नहीं था कि तुम यहाँ हो।"
जोसेफिन ने बड़े गर्व से कहा, "मैं आंटी एडिथ के साथ लॉन्गब्रिज जा रही हूँ। हम आइसक्रीम खाने जा रहे हैं।"
"ठंड लग रही है, ऐसे दिन में?"

जोसेफिन ने कहा, "आइसक्रीम सोडा हमेशा ही बढ़िया लगता है। जब अंदर ठंड लग रही हो, तो इसे पीने से बाहर की गर्मी का एहसास होता है।"
सोफिया ने frowning किया। वह चिंतित लग रही थी, और मैं उसके चेहरे की पीलापन और आंखों के नीचे के काले घेरे देखकर स्तब्ध रह गया।
हम वापस सुबह के कमरे में चले गए।
एडिथ कुछ लिफाफों पर दाग पोंछ रही थी। वह फुर्ती से उठी।
"हम अभी शुरू करेंगे," उसने कहा। "मैंने इवांस से फोर्ड लाने को कहा है।"
वह तेजी से हॉल की ओर निकल गई। हम उसके पीछे-पीछे गए।
मेरी नज़र एक बार फिर उन सूटकेसों और उन पर लगे नीले लेबलों पर पड़ी। न जाने क्यों, उन्हें देखकर मेरे मन में एक अस्पष्ट बेचैनी सी पैदा हो गई।
“आज का दिन बहुत सुहाना है,” एडिथ डी हैविलैंड ने अपने दस्ताने पहनते हुए और आसमान की ओर देखते हुए कहा। फोर्ड 10 घर के सामने खड़ी थी। “ठंड है, लेकिन ताजगी भरी। एकदम असली अंग्रेजी पतझड़ का दिन। आसमान के सामने पेड़ों की नंगी डालियाँ कितनी खूबसूरत लग रही हैं - और उन पर बस एक-दो सुनहरे पत्ते लटके हुए हैं...”
वह एक-दो पल चुप रही, फिर मुड़ी और सोफिया को चूमा।
"अलविदा, प्रिय," उसने कहा। "ज्यादा चिंता मत करो। कुछ चीजों का सामना करना और उन्हें सहना जरूरी होता है।"
फिर उसने कहा, "आओ, जोसेफिन," और कार में बैठ गई। जोसेफिन भी उसके बगल में बैठ गई।
गाड़ी के चले जाने पर दोनों ने हाथ हिलाया। "मुझे लगता है वो सही कह रही है, और कुछ समय के लिए जोसेफिन को इससे दूर रखना ही बेहतर है। लेकिन सोफिया, हमें उस बच्ची से वो सब उगलवाना होगा जो वो जानती है।"
"शायद उसे कुछ पता ही नहीं है। वो बस दिखावा कर रही है। जोसेफिन को खुद को महत्वपूर्ण दिखाना अच्छा लगता है, आप जानते ही हैं।"
"बात इससे कहीं ज़्यादा है। क्या उन्हें पता है कि कोको में कौन सा ज़हर था?"
"उन्हें लगता है कि यह डिजिटैलिन है। आंटी एडिथ दिल की बीमारी के लिए डिजिटैलिन लेती हैं। उनके कमरे में छोटी-छोटी गोलियों से भरी एक पूरी बोतल रखी

है। अब बोतल खाली हो गई है।"
"उसे इस तरह की बातें गुप्त रखनी चाहिए।"
"उसने ऐसा किया। मुझे लगता है कि किसी के लिए यह पता लगाना मुश्किल नहीं होगा कि उसने चाबी कहाँ छिपाई थी।"
"कोई? कौन?" मैंने सामान के ढेर पर दोबारा नज़र डाली। मैंने अचानक और ज़ोर से कहा:
"वे जा नहीं सकते। उन्हें जाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।"
सोफिया हैरान दिखी।
"रोजर और क्लेमेंसी? चार्ल्स, तुम्हें नहीं लगता कि..."
"आप क्या सोचते हो?"
सोफिया ने बेबसी भरे भाव से अपने हाथ फैला दिए।
"मुझे नहीं पता, चार्ल्स," उसने फुसफुसाते हुए कहा। "मैं बस इतना जानती हूँ कि मैं वापस आ गई हूँ - उस बुरे सपने में वापस आ गई हूँ -"
"मुझे पता है। टैवर्नर के साथ गाड़ी चलाते समय मैंने खुद से यही शब्द कहे थे।"
"क्योंकि यही तो बुरे सपने जैसा होता है। आप अपने परिचित लोगों के बीच घूम रहे होते हैं, उनके चेहरों को देख रहे होते हैं - और अचानक चेहरे बदल जाते हैं - और वह कोई जाना-पहचाना चेहरा नहीं रह जाता - वह एक अजनबी होता है - एक क्रूर अजनबी..."
वो रोई:
"बाहर आओ, चार्ल्स - बाहर आओ। बाहर ज्यादा सुरक्षित है... मुझे इस घर में रहने से डर लग रहा है..."

अध्याय 25

हम काफी देर तक बगीचे में ही रहे। एक तरह की मौन सहमति से, हमने उस भयावहता पर चर्चा नहीं की जो हम पर हावी थी।

इसके बजाय सोफिया ने मृत महिला के बारे में स्नेहपूर्वक बात की, उन चीजों के बारे में जो उन्होंने की थीं, और उन खेलों के बारे में जो उन्होंने बचपन में नैनी के साथ खेले थे - और उन कहानियों के बारे में जो बूढ़ी औरत उन्हें रोजर और उनके पिता और अन्य भाई-बहनों के बारे में सुनाया करती थी।

"वे उसके असली बच्चे थे, आप समझ रहे हैं। वह युद्ध के दौरान हमारी मदद करने के लिए ही वापस आई थी, जब जोसेफिन बच्ची थी और यूस्टेस एक नन्हा-सा शरारती लड़का था।"

सोफिया को इन यादों से एक तरह का सुकून मिला और मैंने उसे बात करने के लिए प्रोत्साहित किया।

मुझे आश्चर्य हुआ कि टैवर्नर क्या कर रहा था। शायद घरवालों से पूछताछ कर रहा था। एक कार में पुलिस फोटोग्राफर और दो अन्य लोग सवार होकर चले गए, और थोड़ी देर बाद एक एम्बुलेंस आ गई।

सोफिया थोड़ी कांप उठी। थोड़ी देर बाद एम्बुलेंस चली गई और हमें पता चला कि नानी के शव को पोस्टमार्टम की तैयारी के लिए ले जाया गया है।

और फिर भी हम बगीचे में बैठते या टहलते हुए बातें करते रहे - हमारे शब्द धीरे-धीरे हमारे असली विचारों को छुपाने का आवरण बनते चले गए।

अंत में, कांपते हुए सोफिया ने कहा:

"काफी देर हो चुकी है - लगभग अंधेरा हो गया है। हमें अंदर जाना होगा। आंटी एडिथ और जोसेफिन अभी तक वापस नहीं आई हैं... उन्हें अब तक वापस आ जाना चाहिए था?"

मेरे मन में एक अस्पष्ट बेचैनी जाग उठी। आखिर हुआ क्या था? क्या एडिथ जानबूझकर बच्चे को टेढ़े-मेढ़े घर से दूर रख रही थी?

हम अंदर गए। सोफिया ने सारे पर्दे खींच दिए।

आग जलाई गई और विशाल ड्राइंग रूम बीते जमाने की विलासिता के अवास्तविक माहौल से सामंजस्यपूर्ण प्रतीत हो रहा था। मेजों पर कांसे के गुलदाउदी के बड़े-बड़े

कटोरे रखे थे।
सोफिया की घंटी बजी और एक नौकरानी, जिसे मैंने ऊपर वाले कमरे में पहले काम करते देखा था, चाय लेकर आई। उसकी आँखें लाल थीं और वह लगातार सूंघ रही थी। मैंने यह भी देखा कि वह डर के मारे बार-बार पीछे मुड़कर देख रही थी।
मैग्डा हमारे साथ शामिल हो गई, लेकिन फिलिप की चाय पुस्तकालय में उसके लिए भेजी गई। मैग्डा शोक की एक कठोर, जमी हुई छवि जैसी थी। वह बहुत कम बोलती थी या बिल्कुल नहीं बोलती थी। उसने एक बार कहा:
"एडिथ और जोसेफिन कहाँ हैं? वे बहुत देर तक बाहर रहीं।"
लेकिन उसने यह बात कुछ चिंतित भाव से कही।
लेकिन मैं खुद भी बेचैन होती जा रही थी। मैंने पूछा कि क्या टैवर्नर अभी भी घर में है और मैग्डा ने जवाब दिया कि उसे लगता है कि वह घर में ही है। मैं उसकी तलाश में निकल पड़ी। मैंने उसे बताया कि मुझे मिस डी हैविलैंड और बच्चे की चिंता है।
वह तुरंत टेलीफोन के पास गया और कुछ निर्देश दिए।
उन्होंने कहा, "जब मुझे कोई खबर मिलेगी तो मैं आपको बता दूंगा।"
मैंने उन्हें धन्यवाद दिया और ड्राइंग रूम में वापस चला गया। सोफिया वहां यूस्टेस के साथ थी।
मैग्डा जा चुकी थी।
मैंने सोफिया से कहा, "अगर उसे कुछ पता चलेगा तो वह हमें बता देगा।"
उसने धीमी आवाज में कहा:
"कुछ तो हुआ है, चार्ल्स, कुछ तो जरूर हुआ होगा।"
"मेरी प्यारी सोफिया, अभी वास्तव में देर नहीं हुई है।"
"तुम्हें किस बात की चिंता है?" यूस्टेस ने कहा। "वे शायद सिनेमा देखने गए होंगे।"
वह कमरे से बाहर निकल गया। मैंने सोफिया से कहा: "हो सकता है वह जोसेफिन को किसी होटल में ले गई हो - या लंदन ले गई हो। मुझे लगता है कि उसे पूरी तरह से एहसास था कि बच्ची खतरे में है - शायद उसे हमसे बेहतर एहसास था।"
सोफिया ने एक गंभीर भाव से जवाब दिया जिसे मैं पूरी तरह से समझ नहीं पाया।
"उसने मुझे अलविदा कहते हुए चूमा..."

मुझे उसकी उस अटपटी टिप्पणी का मतलब समझ नहीं आया, और न ही यह समझ आया कि वह क्या दर्शाना चाहती थी। मैंने पूछा कि क्या मैग्डा चिंतित है।
"माँ? नहीं, वो ठीक हैं। उन्हें समय का कोई ज्ञान नहीं है। वो वावासौर जोन्स का नया नाटक 'द वुमन डिस्पोज़ेज़' पढ़ रही हैं। ये हत्या के बारे में एक मज़ेदार नाटक है - एक महिला ब्लूबीयर्ड - अगर मुझसे पूछो तो ये 'आर्सेनिक एंड ओल्ड लेस' से प्रेरित है, लेकिन इसमें एक महिला का किरदार बहुत अच्छा है, एक ऐसी महिला जिसे विधवा होने का जुनून सवार है।"
मैंने और कुछ नहीं कहा। हम बैठे रहे, पढ़ने का नाटक करते हुए।
साढ़े छह बजे थे जब टैवर्नर ने दरवाजा खोला और अंदर आया। उसके चेहरे से हमें अंदाजा हो गया था कि वह क्या कहने वाला है।
सोफिया उठ खड़ी हुई।
"हां?" उसने कहा।
मुझे खेद है। मेरे पास आपके लिए बुरी खबर है। मैंने कार के लिए एक सामान्य चेतावनी जारी की थी। एक वाहन चालक ने सूचना दी है कि उसने फ्लैक्सपुर हीथ में मुख्य सड़क से जंगल की ओर मुड़ती हुई एक फोर्ड कार देखी है, जिसका नंबर कुछ ऐसा ही है।
"नहीं - फ्लैक्सपुर खदान की ओर जाने वाला रास्ता?"
"जी हां, मिस लियोनाइड्स।" वह रुका और फिर बोला: "कार खदान में मिली है। दोनों सवार मृत थे। आपको यह जानकर खुशी होगी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी।"
"जोसेफिन!" दरवाजे पर खड़ी मैग्डा की आवाज विलाप में बदल गई।
"जोसेफिन... मेरी बच्ची।"
सोफिया उसके पास गई और उसे गले लगा लिया। मैंने कहा: "एक मिनट रुको।"
मुझे कुछ याद आ गया! एडिथ डी हैविलैंड डेस्क पर बैठकर कुछ पत्र लिख रही थीं और उन्हें हाथ में लेकर हॉल में जा रही थीं।
लेकिन जब वह कार में बैठी थी तब वे चीजें उसके हाथ में नहीं थीं।
मैं दौड़कर हॉल में गया और उस लंबी ओक की पेटी के पास पहुँचा। मुझे वहाँ पत्र मिले - पीतल के चायदानी के पीछे, किसी की नज़र में आए बिना।

सबसे ऊपर वाला पत्र मुख्य निरीक्षक टैवर्नर को संबोधित था।
टैवर्नर मेरे पीछे-पीछे आया था। मैंने उसे पत्र दिया और उसने उसे फाड़कर खोल दिया। उसके बगल में खड़े होकर मैंने उसमें लिखी संक्षिप्त बातें पढ़ीं।
मेरी यही आशा है कि मेरी मृत्यु के बाद ही इस मामले की सुनवाई होगी। मैं कोई भी विवरण नहीं देना चाहता, लेकिन मैं अपने बहनोई एरिस्टाइड लियोनाइड्स और जेनेट रोवे (नैनी) की मृत्यु की पूर्ण जिम्मेदारी स्वीकार करता हूँ। मैं पूरी गंभीरता से घोषणा करता हूँ कि ब्रेंडा लियोनाइड्स और लॉरेंस ब्राउन एरिस्टाइड लियोनाइड्स की हत्या के निर्दोष हैं। डॉ. माइकल चावस, 783 हार्ले स्ट्रीट की जाँच से यह पुष्टि हो जाएगी कि मेरा जीवन केवल कुछ महीनों के लिए ही बढ़ाया जा सकता था। मैं इस मार्ग को चुनना पसंद करता हूँ ताकि दो निर्दोष लोगों को उस हत्या के आरोप से बचाया जा सके जो उन्होंने नहीं की। मैं मानसिक रूप से स्वस्थ हूँ और जो कुछ लिख रहा हूँ उसके प्रति पूरी तरह सचेत हूँ।
एडिथ एल्फ्रिडा डी हैविलैंड।
जैसे ही मैंने पत्र लिखना समाप्त किया, मुझे इस बात का एहसास हुआ कि सोफिया ने भी इसे पढ़ा था - चाहे टैवर्नर की सहमति से या नहीं, मुझे नहीं पता।
"आंटी एडिथ," सोफिया ने धीरे से कहा।
मुझे एडिथ डी हैविलैंड के निर्दयी पैरों की याद आ गई, जो जंगली घास को धरती में कुचल देते थे।
मुझे उसके बारे में अपने शुरुआती, लगभग काल्पनिक, संदेह याद आ गए। लेकिन क्यों? - सोफिया ने मेरे मन में उठने वाले विचार को मेरे सोचने से पहले ही कह दिया।
"लेकिन जोसेफिन ही क्यों? वह जोसेफिन को अपने साथ क्यों ले गई?"
मैंने पूछा, "उसने ऐसा किया ही क्यों? उसका मकसद क्या था?"
लेकिन जैसे ही मैंने यह कहा, मुझे सच्चाई का पता चल गया। मैंने सब कुछ स्पष्ट रूप से देख लिया। मुझे एहसास हुआ कि उसका दूसरा पत्र अभी भी मेरे हाथ में है। मैंने नीचे देखा और उस पर अपना ही नाम लिखा हुआ पाया।
यह दूसरे वाले से मोटा और सख्त था। मुझे लगता है कि खोलने से पहले ही मुझे पता था कि इसके अंदर क्या है। मैंने लिफाफा फाड़ा और जोसेफिन की छोटी काली

नोटबुक बाहर गिर गई। मैंने उसे फर्श से उठाया - वह मेरे हाथ में खुल गई और मैंने पहले पन्ने पर लिखी हुई प्रविष्टि देखी...
बहुत दूर से आती हुई सोफिया की आवाज मुझे सुनाई दी, जो स्पष्ट और संयमित थी।
"हम सब गलत समझ रहे हैं," उसने कहा। "एडिथ ने ऐसा नहीं किया।"
"नहीं," मैंने कहा।
सोफिया मेरे करीब आई - उसने फुसफुसाते हुए कहा:
"यह जोसेफिन ही थी, है ना? बस यही बात थी, जोसेफिन।"
हम दोनों ने मिलकर उस छोटी काली किताब में लिखी पहली प्रविष्टि को देखा, जो एक अविकसित, बचकानी लिखावट में लिखी गई थी।
"आज मैंने दादाजी को मार डाला..."

अध्याय 26

बाद में मुझे आश्चर्य हुआ कि मैं इतना अंधा कैसे हो सकता था। सच्चाई तो शुरू से ही इतनी स्पष्ट थी। जोसेफिन और केवल जोसेफिन ही उन सभी योग्यताओं पर खरी उतरती थी जो आवश्यक थीं। उसका घमंड, उसका लगातार आत्म-महत्व जताना, बात करने में उसकी खुशी, और बार-बार यह दोहराना कि वह कितनी चतुर है और पुलिस कितनी मूर्ख है।

मैंने उस पर कभी ध्यान नहीं दिया था क्योंकि वह बच्ची थी। लेकिन बच्चे भी हत्याएं कर सकते हैं, और यह खास हत्या एक बच्ची की समझ से परे थी। उसके दादा ने खुद ही सटीक तरीका बताया था - उन्होंने उसे मानो पूरा खाका सौंप दिया था। उसे बस इतना करना था कि उंगलियों के निशान न छोड़े और जासूसी कहानियों की थोड़ी सी जानकारी ही उसे यह सिखा देती। और बाकी सब कुछ तो बस घिसी-पिटी रहस्यमयी कहानियों से लिया गया एक बेतरतीब मिश्रण था। नोटबुक - उसकी जासूसी - उसके बनावटी संदेह, उसका यह ज़िद कि जब तक उसे यकीन न हो जाए तब तक वह किसी को नहीं बताएगी...

और अंत में खुद पर हमला। यह लगभग अविश्वसनीय प्रदर्शन था, यह देखते हुए कि वह आसानी से आत्महत्या कर सकती थी।

लेकिन फिर, बचकानी सोच के कारण, उसने कभी ऐसी संभावना पर विचार नहीं किया। वह नायिका थी। नायिका की हत्या नहीं होती। फिर भी, वहाँ एक सुराग था - कपड़े धोने के कमरे में पुरानी कुर्सी की सीट पर मिट्टी के निशान। जोसेफिन ही एकमात्र ऐसी व्यक्ति थी जिसे दरवाजे के ऊपर संगमरमर के टुकड़े को संतुलित करने के लिए कुर्सी पर चढ़ना पड़ा होगा। जाहिर है, वह एक से अधिक बार उससे चूक गई थी (फर्श पर बने निशान), और धैर्यपूर्वक वह फिर से ऊपर चढ़ी और उसे वापस रख दिया, उंगलियों के निशान से बचने के लिए अपने स्कार्फ से उसे संभाला। और फिर वह गिर गया - और वह बाल-बाल मौत से बच गई।

यह एक आदर्श स्थिति थी - वह जिस तरह का प्रभाव डालना चाहती थी, वैसा ही प्रभाव! वह खतरे में थी, उसे "कुछ पता था", उस पर हमला हुआ था!

मैंने देखा कि उसने जानबूझकर सिलेंडर वाले कमरे में अपनी उपस्थिति की ओर मेरा ध्यान आकर्षित किया था। और कपड़े धोने के कमरे में जाने से पहले उसने अपने

कमरे की कलात्मक अव्यवस्था को पूरा कर लिया था।
लेकिन जब वह अस्पताल से लौटी और उसने ब्रेंडा और लॉरेंस को गिरफ्तार पाया, तो वह जरूर असंतुष्ट हो गई होगी।
मामला खत्म हो गया था - और वह - जोसेफिन - सुर्खियों से बाहर हो गई थी।
इसलिए उसने एडिथ के कमरे से डिजिटलिन चुरा लिया और उसे अपने कोको के कप में डाल दिया और कप को हॉल की मेज पर बिना छुए छोड़ दिया।
क्या उसे पता था कि नानी इसे पी लेगी? शायद। उस सुबह की उसकी बातों से ऐसा लग रहा था कि वह नानी की आलोचनाओं से नाराज़ थी।
क्या नानी को, बच्चों के साथ जीवन भर के अनुभव से मिली समझदारी के कारण, शायद शक हुआ था? मुझे लगता है कि नानी जानती थी, हमेशा से जानती थी, कि जोसेफिन सामान्य नहीं थी। उसके असाधारण मानसिक विकास के साथ-साथ नैतिक भावना का भी विकास रुका हुआ था। शायद, वंशानुक्रम के विभिन्न कारक - जिन्हें सोफिया ने परिवार की "निर्दयता" कहा था - भी आपस में मिल गए थे।
उसमें अपनी दादी के परिवार की निरंकुश क्रूरता और मैग्डा का निर्मम अहंकार था, जो केवल अपने ही दृष्टिकोण को देखती थी। संभवतः फिलिप की तरह संवेदनशील होने के कारण, उसे परिवार की बदसूरत - अभागी संतान - होने के कलंक का भी सामना करना पड़ा था। अंततः, उसके रग-रग में पुराने लियोनिडेस की कुटिल प्रवृत्ति समाई हुई थी। वह लियोनिडेस की पोती थी, बुद्धि और चालाकी में उससे मिलती-जुलती थी - लेकिन उसका प्रेम परिवार और मित्रों की ओर था, जबकि उसका प्रेम केवल स्वयं तक सीमित था।
मुझे लगा कि बूढ़े लियोनिडेस को वह बात समझ आ गई थी जो परिवार के बाकी सदस्यों को समझ नहीं आई थी, कि जोसेफिन दूसरों और खुद के लिए खतरा बन सकती है। उन्होंने उसे स्कूल जाने से इसलिए रोका था क्योंकि उन्हें डर था कि वह क्या कर सकती है। उन्होंने उसे घर में सुरक्षित रखा था, उसकी रक्षा की थी और अब मुझे सोफिया से जोसेफिन का ख्याल रखने की उनकी जल्दबाजी समझ में आ रही थी।
क्या मैग्डा का जोसेफिन को विदेश भेजने का अचानक लिया गया फैसला भी बच्चे के लिए डर के कारण था? शायद सचेत डर नहीं, बल्कि मातृत्व की कोई अस्पष्ट भावना।

और एडिथ डी हैविलैंड? क्या उसने पहले संदेह किया, फिर डर महसूस किया - और अंत में जान गई?
मैंने अपने हाथ में मौजूद पत्र पर नजर डाली।
प्रिय चार्ल्स, यह पत्र केवल आपके लिए और सोफिया के लिए, यदि आप चाहें तो, गोपनीय है। यह अत्यंत आवश्यक है कि किसी को सच्चाई पता चले। मुझे वह सामग्री पिछले दरवाजे के बाहर स्थित अप्रयुक्त कुत्ते के पिंजरे में मिली। उसने उसे वहीं रखा था। इससे मेरी आशंका की पुष्टि होती है। मैं जो कदम उठाने जा रहा हूँ, वह सही है या गलत - मुझे नहीं पता। लेकिन मेरा जीवन, किसी भी हालत में, अपने अंत के करीब है, और मैं नहीं चाहता कि बच्ची को वैसी पीड़ा सहनी पड़े जैसी मुझे लगता है कि उसे अपने किए का हिसाब चुकाने पर सहनी पड़ेगी।
अक्सर पिल्लों के झुंड में से एक ऐसा होता है जो "पूरी तरह से ठीक नहीं" होता है। अगर मुझसे कोई गलती हो जाए तो भगवान मुझे माफ कर दें - लेकिन मैं ये सब प्यार से करता हूँ। भगवान आप दोनों को आशीर्वाद दें।
एडिथ डी हैविलैंड
मैं एक पल के लिए हिचकिचाई, फिर मैंने पत्र सोफिया को सौंप दिया। हमने मिलकर फिर से जोसेफिन की छोटी काली डायरी खोली।
आज मैंने दादाजी को मार डाला।
हमने पन्ने पलटे। यह एक अद्भुत रचना थी। मुझे लगता है कि एक मनोवैज्ञानिक के लिए यह दिलचस्प होगी। इसमें कुचले गए अहंकार के प्रकोप को इतनी स्पष्टता से दर्शाया गया था।
अपराध का मकसद जो लिखा गया था, वह बेहद बचकाना और अपर्याप्त था।
दादाजी मुझे बैली डांस नहीं करने देते थे, इसलिए मैंने ठान लिया कि मैं उन्हें मार डालूँगी। फिर हम लंदन जाकर रहेंगे और माँ को मेरे बैली डांस करने से कोई आपत्ति नहीं होगी।
मैंने केवल कुछ ही प्रविष्टियाँ दी हैं। वे सभी महत्वपूर्ण हैं।
मैं स्विट्ज़रलैंड नहीं जाना चाहती - मैं नहीं जाऊंगी। अगर माँ ने मुझे मजबूर किया तो मैं उसे भी मार डालूँगी - लेकिन मुझे ज़हर नहीं मिल रहा। शायद मैं इसे यूबेरीज़ से बना सकती हूँ। वे ज़हरीली होती हैं, किताब में लिखा है। यूस्टेस ने आज मुझे बहुत

गुस्सा दिलाया है। वह कहता है कि मैं तो बस एक लड़की हूँ और किसी काम की नहीं, और मेरा जासूसी करना बेवकूफी है। अगर उसे पता होता कि हत्या मैंने की है तो वह मुझे बेवकूफ नहीं समझता।
मुझे चार्ल्स पसंद है - लेकिन वो थोड़ा बेवकूफ है। मैंने अभी तक तय नहीं किया है कि अपराध का दोषी कौन होगा। शायद ब्रेंडा और लॉरेंस - ब्रेंडा मुझसे बदतमीजी करती है - वो कहती है कि मैं पूरी तरह से ठीक नहीं हूँ, लेकिन मुझे लॉरेंस पसंद है - उसने मुझे चैरियट कोर्डे के बारे में बताया - उसने किसी को उसके बाथरूम में मार डाला था। वो इस काम में ज्यादा चालाक नहीं थी।
आखिरी प्रविष्टि काफी खुलासा करने वाली थी।
मुझे नानी से नफ़रत है... मुझे उससे नफ़रत है... मुझे उससे नफ़रत है... वो कहती है कि मैं तो बस एक छोटी बच्ची हूँ। वो कहती है कि मैं दिखावा करती हूँ। वो माँ से मुझे विदेश भेजने के लिए कह रही है... मैं उसे भी मार डालूँगी - मुझे लगता है आंटी एडिथ की दवा से काम बन जाएगा। अगर एक और हत्या हुई, तो पुलिस वापस आएगी और फिर से सब कुछ रोमांचक हो जाएगा।
नानी मर गई। मुझे खुशी है। मैंने अभी तक तय नहीं किया है कि छोटी गोलियों वाली बोतल कहाँ छिपाऊँगी। शायद आंटी क्लेमेंसी के कमरे में - या फिर यूस्टेस के पास। जब मैं एक बूढ़ी औरत के रूप में मर जाऊंगी, तो मैं इसे पुलिस प्रमुख के नाम से पीछे छोड़ जाऊंगी और वे देखेंगे कि मैं वास्तव में कितनी बड़ी अपराधी थी।
मैंने किताब बंद कर दी। सोफिया की आंखों से आंसू तेजी से बह रहे थे।
"ओह चार्ल्स - ओह चार्ल्स - यह कितना भयानक है। वह एक छोटी सी शैतान है - और फिर भी - और फिर भी यह कितना दयनीय है।"
मुझे भी ऐसा ही महसूस हुआ था।
मुझे जोसेफिन पसंद थी... अब भी उसके लिए मेरे मन में स्नेह है... किसी को तपेदिक या किसी अन्य जानलेवा बीमारी होने से आप उसे कम पसंद नहीं करने लगते।
जोसेफिन, जैसा कि सोफिया ने कहा था, एक छोटी शैतान थी, लेकिन वह एक दयनीय छोटी शैतान थी। वह एक टेढ़ेपन के साथ पैदा हुई थी - एक टेढ़े-मेढ़े घर की टेढ़ी-मेढ़ी बच्ची।
सोफिया ने पूछा:

"अगर वह जीवित होती तो क्या होता?"
"मुझे लगता है कि उसे सुधारगृह या विशेष विद्यालय भेज दिया गया होगा। बाद में उसे रिहा कर दिया गया होगा - या शायद प्रमाणित कर दिया गया होगा, मुझे नहीं पता।"
सोफिया सिहर उठी।
"जैसा है वैसा ही बेहतर है। लेकिन आंटी एडिथ - मैं नहीं चाहती कि उन्हें इसका दोष दिया जाए।"
"उसने ऐसा करने का विकल्प चुना। मुझे नहीं लगता कि इसे सार्वजनिक किया जाएगा। मेरा मानना है कि जब ब्रेंडा और लॉरेंस पर मुकदमा चलेगा, तो उनके खिलाफ कोई मामला नहीं लाया जाएगा और उन्हें बरी कर दिया जाएगा।"
"और तुम, सोफिया," मैंने इस बार अलग लहजे में कहा और उसके दोनों हाथ अपने हाथों में ले लिए, "मुझसे शादी करोगी। मुझे अभी पता चला है कि मुझे फारस भेजा गया है। हम साथ-साथ वहाँ जाएँगे, और तुम उस छोटे से टेढ़े-मेढ़े घर को भूल जाओगी। तुम्हारी माँ नाटक कर सकती है और तुम्हारे पिता और किताबें खरीद सकते हैं और यूस्टेस जल्द ही विश्वविद्यालय जाएगा। अब उनके बारे में चिंता मत करो। सिर्फ मेरे बारे में सोचो।"
सोफिया ने मेरी आंखों में सीधे देखा।
"क्या तुम्हें मुझसे शादी करने से डर नहीं लगता, चार्ल्स?"
"मुझे क्यों चिंता करनी चाहिए? बेचारी छोटी जोसेफिन में तो परिवार की सारी बुराइयाँ समाहित थीं। सोफिया, मुझे पूरा विश्वास है कि लियोनाइड्स परिवार की सारी बहादुरी और अच्छाई तुम्हें विरासत में मिली है। तुम्हारे दादाजी तुम्हें बहुत सम्मान देते थे और लगता है कि वे अक्सर सही होते थे। हिम्मत रखो, मेरी प्यारी। भविष्य हमारा है।"
"हाँ, चार्ल्स। मैं तुमसे प्यार करती हूँ और तुमसे शादी करके तुम्हें खुश रखूँगी।" उसने नोटबुक की ओर देखा। "बेचारी जोसेफिन।"
मैंने कहा, "बेचारी जोसेफिन।"
"चार्ल्स, इसकी सच्चाई क्या है?" मेरे पिता ने कहा।
मैं बूढ़े आदमी से कभी झूठ नहीं बोलता।

मैंने कहा, "वह एडिथ डी हैविलैंड नहीं थीं, महोदय। वह जोसेफिन थीं।"
मेरे पिता ने धीरे से सिर हिलाया।
"हां," उन्होंने कहा। "मैं काफी समय से यही सोच रहा था। बेचारा बच्चा..."

***** *****